आपकी वित्तीय क्रांति

आधीनता की सामर्थ

गैरी कीसी

आपकी वित्तीय क्रांति

आधीनता की सामर्थ

गैरी कीसी

Your Financial Revolution, The Power of Allegiance, Hindi
Copyright © 2022 by Gary Keesee

Originally published in English
Copyright © 2015 by Gary Keesee
ISBN: 978–0–9729035–9–2

Gary Keesee Ministries,
P.O. Box 779, New Albany,
OH 43054, USA

GaryKeesee.com

This book is a FREE GIFT from Gary Keesee Ministries and is NOT FOR SALE

आपकी वित्तीय क्रांति।, अधीनता की सामर्थ, हिंदी
Copyright © 2022 द्वारा गैरी किसी

मूलतः अंग्रेज़ी भाषा में प्रकाशित
Copyright © 2015 द्वारा गैरी किसी
ISBN: 978–0–9729035–9–2

गैरी किसी मिनिस्ट्रीज़,
P.O. Box 779, न्यू अल्बेनी,
OH 43054, USA

GaryKeesee.com

यह पुस्तक गैरी कीसी सेवकाई की ओर से मुफ़्त उपहार है और बिक्री के लिए नहीं है

विषय सूची

प्रस्तावना 07

परिचय. 09

अध्याय 1: परमेश्वर का साम्राज्य 21

अध्याय 2: नीली धुंध 61

अध्याय 3: हे प्रभू, दया कर!. 69

अध्याय 4: विशालकाय मछली 101

अध्याय 5: वह चुनाव किसका था?. 113

अध्याय 6: परमेश्वर का आशीर्वाद 151

अध्याय 7: द्वार 171

अध्याय 8: अधीनता की सामर्थ्य. 181

अध्याय 9: आप उन्हें खिलाओ! 191

अध्याय 10: इकट्ठा करों, लेकिन पसीना मत बहाओ! 205

अध्याय 11: उड़ना चलने से आसान है!. 213

प्रस्तावना

मैं उस यात्रा के विषय में लिखना चाहता हूं जिसपर परमेश्वर ड्रेंडा और मुझे कुछ वर्षों के लिए ले गया। हमारे जीवन बिलकुल बदल गए है! हमने उन सभी चमत्कारों को जो यीशु ने बाइबल में किए थे,अनेक वर्षों से हमारी अपनी आँखों के सामने होते देखा है: मरे हुए जी उठे; लकवे के मारे उठ खड़े हुए, चलकर दूसरे दिन काम पर लौट गए; अनगिनत लोग चंगे हुए; और सैकड़ों हजारों लोगों की आर्थिक स्थिति बहाल हो गई। लेकिन सबसे बड़े चमत्कार जो हमने देखे हैं, वे हमारे अपने परिवार और अपने निजी जीवन में हुए हैं।

मेरा उद्देश्य आपको एक यात्रा पर ले जाना है, एक खोज की यात्रा जो मुझे आशा है कि आपके जीवन को बदल देगी जैसा कि उसने मेरे जीवन को बदल दिया। यह कहानी एक किताब में नहीं कही जा सकती। यह पुस्तकों की एक श्रृंखला में से पहली है जो आपको आपकी व्यक्तिगत वित्तीय क्रांति में ले जाएगी और परमेश्वर के राज्य के रहस्यों को प्रकट करना शुरू कर देगी जिसने मेरे जीवन को बदल दिया। मेरे लिए, यह एक रोमांचक यात्रा है और जो कभी खत्म नहीं होगी। हम सब सीखते रहेंगे! राज्य का ज्ञान अटूट है।

मैं परमेश्वर का बहुत आभारी हूं। उसकी दया हर दिन नई होती है, और वह सहनशील और क्षमाशील है, जो हमें उद्धार के मार्ग में ले जाता है। मैं अपनी अद्भुत और उत्तम पत्नी, ड्रेंडा का उल्लेख किए बिना आपको इस यात्रा पर नहीं ले जा सकता। यह परमेश्वर के लिए उनका हृदय था और मेरे लिए उनके प्यार और धैर्य ने मुझे अपनी कमजोरियों का सामना करने और उन उत्तरों के लिए परमेश्वर की तलाश करने का साहस दिया, जिनकी मुझे अत्यंत आवश्यकता थी। बड़े हर्ष के साथ मैं आपके साथ साझा कर रहा हूं:

आपकी वित्तीय क्रांति
आधीनता की सामर्थ

परिचय

और मुझ को मन से उतारकर कुशल से रहित किया है; मैं कल्याण भूल गया हूँ;
–विलापगीत 3:17

मैं जाग गया यह जानकर कि कुछ गलत था, बहुत गलत! जब मैं उठा तो मेरे मन में बड़ा भय व्याप्त हो गया। मुझे अपनी जीभ महसूस नहीं हो रही थी। मेरे हाथ, पैर और मेरे चेहरे का हिस्सा सुन्न हो गया था। मैंने ड्रेंडा को जगाया और मेरे साथ क्या हो रहा है यह उसे बताने में मुझे बहुत संघर्ष करना पड़ा, क्योंकि मेरा पूरा चेहरा और जीभ बात करने में मेरा सहयोग नहीं कर रहे थे। मैंने तब देखा कि मेरा दिल बहुत ज़ोर से धड़क रहा था और मेरी सांसें फूल रही है, क्योंकि अपनी स्थिति के बारे में उसे बताने में मुझे बहुत परिश्रम करना पड़ा था। वह उठी और तुरंत मेरे लिए प्रार्थना करने लगी। धीरे–धीरे, वह अजीब और डरावनी भावनाएँ थोड़ी कम हो गई। ड्रेंडा ने कहा कि वह मेरे लिए कुछ खाने के लिए ले आएगी तब मै वापस बिस्तर पर लेट गया। जब मैं वहां लेटकर प्रार्थना कर रहा था तो मैं भ्रमित था और डर रहा था कि मेरे शरीर को क्या हो रहा है। मेरे भीतर दहशत की लहर दौड़ जाती थी; ऐसा डर जो मैंने अपने जीवन में पहले कभी महसूस नहीं किया था, मेरे दिमाग पर हमला करता था।

जिस कर्ज के बोझ के निचे दबकर में मैं जी रहा था और पैसे की लगातार जरूरत के कारण डर मेरे रोजमर्रा के जीवन का एक हिस्सा बन गया था। अपनी बिगड़ती आर्थिक स्थिति को लेकर मैं पिछले कुछ वर्षों से अत्यधिक तनाव में था। मैं कमीशन के आधार पर बिक्री के व्यवसाय में था और इसमें बहुत अधिक कमाई नहीं कर पा रहा था। हमने 1800 के दशक के एक छोटे से फार्महाउस को किराए पर लिया था, जो ऐसा लग रहा था कि बनने के बाद से

उसकी कभी भी मरम्मत नहीं की गई थी। मुझे लगता है कि मैं यहाँ कुछ अतिशयोक्ति कर रहा हूँ, लेकिन यह सच है कि घर बिलकुल भी अच्छी स्थिति में नहीं था। खिड़की के फ्रेम में अंतर था जहां पौधे उग जाते थे और हमारे बैठक के कमरे में अंदर की ओर बढ़कर फ़ैल जाते थे। खिड़की के कई शीशे टूट गए थे, और हमने उन्हें कार्डबोर्ड और डक्ट टेप से बंद कर दिया था। हालांकि घर की हालत बहुत ही बुरी थी, फिर भी ड्रेंडा उसे अपना घर कहने के लायक बना दिया था। लेकिन उसके अद्भुत कौशल के बावजूद भी, हम इस तथ्य को छुपा नहीं सके कि उस घर में अभी भी अनेक कई गंभीर समस्याएं थी। हमारे पास जो कुछ भी था वह टूटी हुई हालत में था! हमारी दोनों कारें पुरानी थीं, वह 200,000 मील से अधिक चली हुई थी, और मुश्किल से शुरू होती थी। हमारे दोनो बेटे उन गद्दों पर सोते थे जो एक नर्सिंग होम ने फेंक दिया था, उनके बेडरूम के फर्श पर जो कालीन थी वह सड़क के किनारे कूड़ेदान से मिला था। गिरवी रखने की दुकाने हमारे लिए जीवन का एक तरीका बन गया था, और हम उस हर एक व्यक्ति से उधार लेते थे जो हमें लगता था कि हमारी मदद कर सकता था। हमारे पास हर दिन के गुज़ारे के लायक ही सामान होता था, बेचने के लिए कुछ ना कुछ ढूंढते रहते थे, जीवित रहने का रास्ता खोजते थे, और उम्मीद करते थे कि कल बेहतर होगा।

मेरे दस क्रेडिट कार्ड जो क्रेडिट की सीमा पार कर चुके थे, वो महीनों पहले रद्द कर दिए गए थे, और मेरे तीन लोन कंपनी से लिए गए लोन थे, जो कि 28 प्रतिशत ब्याज दर से मुझसे वसूले जाते थे। मेरी कार का भुगतान (हाँ, अभी भी मेरी बहुत पुरानी कारों पर बकाया था) 120 दिनों की देरी हो चुकी थी और कब्जा होने की कगार पर थी। मेरा हर बिल लेट होता था। मेरे खिलाफ केस और ग्रहणाधिकार दायर किए गए थे, और किश्तों की मांग करने वाले कॉल से ही हर सुबह मेरी नींद खुलती थी। मेरे ऊपर आईआरएस का पैसा बकाया था, और उन्होंने मेरे खिलाफ बैक टैक्स के लिए एक ग्रहणाधिकार भी दायर किया था। ड्रेंडा और मुझ पर हमारे माता–पिता का $26,000 बकाया था, और वे हमारी मदद करते–करते थक गए थे। हमारा रेफ्रिजरेटर शायद ही कभी खाने के सामान से भरा होता था। बिजली कंपनी बिजली काटने की लगातार धमकी दिया करते थे, कभी–कभी तो हर महीने ही ऐसी धमकी मिलती थी। और मैं अपनी भावनात्मकता की क्षमता के अंत तक पहुँच गया था।

अब तनाव का असर मेरे शरीर पर कुछ ऐसा हो रहा था जो मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। कई डॉक्टरों को दिखाने के बाद, उन्होंने कहा कि मुझे पैनिक अटैक आया है और मुझे एंटीडिप्रेसेंट पर डाल दिया। दुर्भाग्य से, ये पैनिक अटैक जारी रहे और वो इतनी हद तक बढ़ गए कि अब मैं अपना घर छोड़ने से डरता था। डर के इन धुंधले दिनों के दौरान, मैंने जवाब खोजना शुरू किया, मैंने ध्यान देना शुरू किया तब पता चला कि कुछ खाद्य पदार्थ, जिनमें चीनी, स्टार्च, या कैफीन है, उनके कारण मुझे और भी पैनिक अटैक आते है। इसलिए मैं अब खाना खाने से डरता था और जो कुछ भी मैं खाता था उसके प्रति सचेत रहता था। मेरा जीवन इस हद तक एक बंधन बन गया कि अब मैं काम नहीं कर सकता था, जिसके कारण हमारी आर्थिक स्थिति और भी खराब होती गई।

मेरी पत्नी ने सोच लिया था कि वह अपने पति को खोने वाली है, और मेरे ठीक होने के बाद उसने मुझे बताया कि वह सचमुच योजना बना रही थी कि हमारे बच्चों की देखभाल के लिए उसे क्या करना होगा। मैंने उत्तर पाने के लिए परमेश्वर को पुकारा क्योंकि मै जिस संघर्ष से होकर जा रहा था उसका कोई अनुभव या ज्ञान मुझे नहीं था। मेरे शरीर में जो भी समस्या हो रही थी, उसके लिए डॉक्टरों के पास बड़े बड़े नाम थे, वह कहते थे कि यह लाइलाज बिमारी है और आपको हमेशा के लिए दवाओं पर रहना पड़ेगा। अन्य डॉक्टरों ने कहा कि मैं मधुमेह होने के कगार पर हूँ, वे यह भी कहते थे कि उम्र के साथ साथ मेरी बीमारी भी बढ़ेगी और मै परिक्षण के लिए एक अच्छा केस बन जाऊंगा।

हालाँकि मैं मसीही था, लेकिन मुझे आत्मिक युद्ध या दुश्मन के विरुद्ध खड़े होने का कोई अनुभव नहीं था। सच कहूं तो, इस समय इस परिस्थिति को मैंने इस तरीके से नहीं देखा था कि मैं एक दुष्ट आत्मा से लड़ रहा हूँ। मुझे लगा कि मुझे सिर्फ साधारण रीती से शरीर में समस्या हो रही है और मैं परमेश्वर से मुझे ठीक करने के लिए कहता था। एक मसीही होने के नाते मैं जानता था कि परमेश्वर ही मेरा उत्तर है, लेकिन उस समय लगा कि परमेश्वर बहुत दूर है। डॉक्टरों ने मेरी शारीरिक स्थिति के लिए विभिन्न नाम देकर एक निदान दिया, सभी मानसिक समस्याओं से संबंधित थे और केवल दवाओं को लेने से ही उनका इलाज संभव था। जैसा कि मैंने पहले कहा, कोई इलाज नहीं था, केवल उपचारों ने मुझे अपनी मानसिक

स्थिति से निपटने में मदद की। हालाँकि, मुझे दवाओं के दुष्प्रभाव हो रहे थे, और उनसे मुझे बहुत अधिक लाभ भी नहीं हो रहा था। और देखा जाएँ तो, उन दवाओं के कारण और भी कुछ अन्य लक्षण दिखाई देने लगे। इन दवाओं से मुझे ऐसा महसूस होता था कि मैं धुंध में जी रहा हूं, लगातार भयभीत विचारों से तड़पता रहता था जिन्हें मैं नियंत्रित नहीं कर सकता। मेरे पास कोई जवाब नहीं था, और कुछ भी मदद नहीं कर रहा था। यह कुछ हफ़्तों तक चला, और मेरा डिप्रेशन बढ़ता ही गया और उसके लक्षण और डर मेरे जीवन पर हावी होने लगे।

लेकिन एक रात, जब मैं उत्तर के लिए परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा था तब मुझे बड़ी सफलता मिली। मुझे अपनी स्वतंत्रता की कुंजी मिल गई। मैं अपने होम चर्च में बुधवार की रात की आराधना में था। स्तुति और आराधना के दौरान, मुझे बहुत ही भयंकर पैनिक अटैक आ गया। मुझे नहीं पता था की मैं क्या करू। मैं परेशान था, और मुझे पता था कि मुझे प्रार्थना की ज़रूरत है, इसलिए मैं चर्च में आगे चला गया। मुझे पता था कि मै आराधना में बाधा उत्पन्न कर रहा हूँ, लेकिन मुझे इसकी कोई परवाह नहीं थी। मैं एक बहुत बड़े चर्च में आराधना में था और पादरी मुझे व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते थे, लेकिन स्तुति और आराधना टीम के एक सदस्य मुझे जानते थे। जब मैं निराश और हताश स्थिति में मंच की ओर रेंगता हुआ जा रहा था, सब कुछ थम गया और सभी की निगाहें मेरी ओर मुड़ गईं। स्टाफ के सदस्य जो मुझे जानते थे उन्होंने देखा कि सुरक्षा अधिकारी मुझे रोकने के लिए सामने की ओर आ रहे है, तब वह तुरंत मेरी सहायता के लिए बीच में आ गए।

जैसे ही उन्होंने पादरी को मेरी स्थिति के बारे में बताया, मैंने देखा कि पादरी कुछ नरम हो गए। वह मेरे पास आएं और मेरे लिए प्रार्थना की। मेरा दोस्त पास्टर से कह रहा था कि मैं बहुत समय से बीमार हूँ। पादरी ने मेरी ओर देखा और कहा, "उसमें दुर्बलता की आत्मा है।" यह कहकर उसने मेरे सिर पर हाथ रखा और उस आत्मा को जाने की आज्ञा दी। उस समय, एक अविश्वसनीय बात हुई–मैं स्वतंत्र हो गया। कई महीनों के बाद पहली बार मैंने सामान्य महसूस किया, कोई पीड़ादायक विचार नहीं, कोई भय नहीं, बस एक गहरी शांति। सच कहूं तो मै आभारी था यह कहना बहुत ही कम होगा। यह कहना कि मैं उत्साहित था, यह कहने से

इस बात का पूरा विश्लेषण नहीं हो सकता कि मुझे कैसा लग रहा था। मुझे चक्कर आ रहा था, पंख की तरह हल्का महसूस हो रहा था, और मै आनंद से भरा हुआ था।

चर्च के बाद, ड्रेन्डा और मैं कुछ दोस्तों के साथ पिज़्ज़ा हट में जश्न मनाने गए। जब मैं वहां अपना पिज्जा खा रहा था, तब मुझे याद है कि रेडियो पर एक गाना बज रहा था, और अचानक, मुझे लगा कि डर की वही भयानक भावना मेरे ऊपर कंबल की तरह आ गई है – यह वापस आ गया था। फिर, उस समय मैं समझ गया था कि यह एक आत्मा है। पादरी ने कहा था कि यह दुर्बलता की आत्मा थी, लेकिन मुझे नहीं पता था कि इसका वास्तव में क्या मतलब है, और मैं थोड़ा भ्रमित था। मैंने सोचा था कि मैं आराधना के दौरान चंगा हो गया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ था। अगले दिन मैं फिर से पैनिक अटैक से जूझ रहा था, लेकिन बार बार मै यही सोचता रहा कि एक रात पहले चर्च में क्या हुआ था। जब पास्टर ने मेरे लिए प्रार्थना की, तो उन्होंने यह प्रार्थना नहीं की कि मैं चंगा हो जाऊं। उन्होंने एक आत्मा पर अधिकार कर लिया था। तथ्य यह है कि मेरी स्थिति देखकर मेरे पादरी को यह प्रतीत हुआ कि शायद यह एक बीमारी की बजाय एक आत्मा थी। (फिर से, आप देख सकते हैं कि इस बात को महसूस न करने के लिए मैं मसीह में कितना अपरिपक्व था।) उस समय, मैं आत्मिक युद्ध के बारे में बहुत कम जानता था, लेकिन मुझे पता था कि दुष्टात्माएँ वास्तव में थीं। मैंने एक देखा था। अपनी किशोरावस्था में, मैं अपने माता–पिता की दो पिज्जा दुकानों में से एक का प्रबंधन किया करता था। एक रात, एक आदमी आया और उसने मुझे बताया कि वह उसी सड़क पर आगे कुछ दुरी पर मेथोडिस्ट चर्च में आत्मिक जागृती की सभा कर रहा है। उन्होंने मुझे उस चर्च में आकर उन सभाओं में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने मुझे निमंत्रण देते हुए अंत में यह कहा, "यीशु अब भी वही कर रहा है जो उसने बाइबल में किया था।" अब, इस बात की ओर मेरा ध्यान आकर्षित हो गया। मेरी परवरिश चर्च में हुई थी। जब मैं पाँचवीं कक्षा में था तब मैंने वेकेशन बाइबल स्कूल के दौरान अपना हृदय प्रभु को समर्पित किया था। लेकिन मैंने तब से आज तक परमेश्वर की सामर्थ से किसी को चंगा होते नहीं देखा था, यह परमेश्वर की ओर से हो रहा है ऐसी किसी भी बात से मेरा ध्यान आकर्षित नहीं हुआ था। इसलिए मेरे स्कूल के वर्षों के दौरान मेरा जीवन प्रभु से दूर चला गया। उन दिनों में मै हर बार, चर्च जाने

के लिए नए तरीके से समर्पण करता था, लेकिन वहां मेरी दिलचस्पी बहुत अधिक समय तक टिकी नहीं रहती थी। लेकिन यह आदमी कुछ अलग लग रहा था। यीशु अब भी वही काम कर रहा है जो उसने बाइबल में किए है? मुझे यह देखने में दिलचस्पी थी कि वह किस बारे में बात कर रहा था। मेरे कई कर्मचारी उस चर्च में उन सभाओं में शामिल हुए, और उन्होंने मुझे भी वहाँ जाने के लिए प्रोत्साहित किया, इसलिए मैंने जाने का फैसला किया।

पहली रात मैं जब मै वहां था, तब मैंने परमेश्वर की उपस्थिति को इस तरह महसूस किया जिसका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। ऐसा लग रहा था जैसे मैं वास्तव में परमेश्वर की उपस्थिति को महसूस कर रहा हूं; यह सच था। उस व्यक्ति ने जो संदेश दिया वह सामर्थी था, और जब उसने पूछा कि क्या कोई अपना जीवन यीशु को देना चाहता है, या फिर से समर्पित करना चाहता है, तो मैंने अपना हाथ उठाया। वाह! क्या ही सुन्दर रात थी वह। मैं बहुत रोमांचित था। मैं सभी को बताना चाहता था कि परमेश्वर कितना महान हैं।

उन दिनों इंटरनेट नहीं था, सीडी या कैसेट टेप नहीं था और हमारे टीवी पर केवल तीन चैनल थे। हमारा शहर भी छोटा था, इसलिए टीवी के कार्यक्रम समाप्त होने के बाद करने को कुछ नहीं होता था। इसलिए जवान आमतौर पर देर रात तक मनोरंजन के लिए पिज्जा की दुकान पर बैठे रहते थे। हम शुक्रवार और शनिवार की रात को आमतौर पर सुबह 1:00 बजे तक दुकान बंद कर देते थे, और हमारी पार्किंग जवानों की भीड़ से भरी होती थी। कई बार मुझे उन्हें भगाना पड़ता था, क्योंकि वे मेरे ग्राहकों के लिए पार्क करने के लिए जगह ढूंढना मुश्किल कर देते थे। कई बार रात में पुलिस को झगड़े मिटाकर बच्चों को घर भेजना पड़ता था। लेकिन अब मेरे पास एक कल्पना थी। उन जवान बच्चों को यीशु के बारे में सुनने की जरूरत थी। इसलिए मैंने जाकर उन जवानों से कहा कि अगर उनमें से कोई रुकना चाहता है, तो दुकान बंद होने के बाद मैं पिज़्ज़ा की दुकान में बाइबल अध्ययन करूँगा। ध्यान रहे, यह सुबह के लगभग 1:30 का समय होगा, क्योंकि हमें 1:00 बजे से 1:30 बजे तक सफाई करनी होती थी और फिर हम दुकान बंद करते थे। मुझे नहीं पता था कि उनमें से कोई आएगा या नहीं, लेकिन आप जानते हैं क्या, उनमें से कुछ जवान आए, और मेरे कुछ कर्मचारी भी रुक गए। पहली रात मैंने सभा की, और एक किशोर ने कहा कि वह मसीह की सेवा करना चाहता

है और मुझसे पूछा कि उसे क्या करना चाहिए। अब, यह मेरे लिए एक अनोखी समस्या थी क्योंकि मैंने अभी तक उस प्रश्न के बारे में नहीं सोचा था। याद रखें, मैं मूल रूप से बाइबल के बारे में कुछ नहीं जानता था, लेकिन मैंने एक ऐसा शास्त्रभाग पढ़ा था जिसमे मुझे मेरी चिंता और प्रश्नों के उत्तर मिले थे।

और जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।'

–प्रेरितों के काम 2:21

यह काफी सरल लग रहा था, इसलिए मैंने सोचा कि मैं भी ऐसा ही करूंगा। जब यह जवान इस प्रश्न को लेकर मेरे पास आया तो बाकि लोग चले गएँ थे, इसलिए मैंने उससे कहा कि एक कुर्सी पर बैठ जाओ और यीशु का नाम बोलो। मैंने सोचा कि यह एक साधारण सी बात है, लेकिन मैं वहाँ लगभग दो मिनट तक बैठा रहा, और उसने कुछ नहीं कहा। तो मैं ने यह सोचकर कि उस ने मेरी बात नहीं सुनी, जो मैने कहा था उसे फिरसे दोहराया। फिर भी कुछ नहीं। तब मैंने देखा कि वह कांप रहा था। मैं उसके हाव–भाव से यह भी बता सकता था कि उसे यीशु का नाम अपने मुँह से निकालने में परेशानी हो रही थी। अचानक, वह एक बांध की तरह टूट गया, और उसने यीशु का नाम ज़ोर से बोला, और उसके चेहरे पर शांति छा गई। और, यह तरीका काम कर गया! जब भी कोई अपना दिल प्रभु को देना चाहता था तब मै इसी तरीके को अपनाता था। मैं उन्हें एक कुर्सी पर बैठाता और कहता कि यीशु का नाम लो। लगभग सभी, तुरंत यीशु का नाम नहीं बोल सकते थे। वे कांपने लगते थे, और फिर, ऐसा लगता था कि उन्हें बहुत मुश्किल हो रही है, और वे अचानक इसे बोल देते थे, और उन्हें शांतिमिलती थी।

एक दिन जब मैं पिछले कमरे में आटा गूंद रहा था, तो मैंने दरवाजे पर दस्तक सुनी। जब मैंने दरवाज़ा खोला, तो देखा कि वहाँ दो जवान खड़े है, मैंने उन्हें पहचाना, उनसे मैंने पहले मसीह के बारे में बात की थी। मैंने उन्हें अंदर बुलाया और उनमें से एक ने कहा कि वह अपना दिल परमेश्वर को देना चाहता है। सो मैं ने उसे एक कुर्सी पर बिठा दिया; और, हमेशा की तरह, वह कांपने लगा और अंत में उसने यीशु का नाम बोलै। जब मैंने ऊपर देखा, तो देखता हूँ कि

दूसरा जवान मुझसे दूर पीछे हट गया था और एक कोने में दबा हुआ बैठा था, वह पिंजरे में बंद जानवर की तरह लग रहा था। वह दीवार में खोदने की कोशिश कर रहा था जैसे वह मुझसे दूर जाने की कोशिश कर रहा था। यह बहुत अजीब था, और जो हो रहा था उसको लिए मेरे पास इसके लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं था।

मैं वहां खड़ा होकर उसे देख रहा था, अचानक मुझे एक विचार आया, "मुझे लगता है कि यह दुष्टात्मा है।" अब, मुझे दुष्टात्माओं के विषय में कोई अनुभव नहीं था, लेकिन मैंने उनके बारे में बाइबल में पढ़ा था। और जिस तरीके से वह व्यवहार कर रहा था, तो मै इसके आलावा और कुछ नहीं सोच सकता था। तो मैंने कहा, "यीशु, क्या यह दुष्टात्मा है?" और, जैसे एक पर्दा हटाया जाता है, मैंने इस जवान के पास एक दुष्टात्मा को लटका हुआ देख रहा था। वह दुष्टात्मा लगभग तीन फुट लंबा था, और उसने अपने पैरों को ऊपर की ओर खिंचा था और उस जवान से लिपटा हुआ था। लोग हमेशा मुझसे पूछते हैं, "वह कैसा दिखता था?" वह बंदर जैसा दिखता था लेकिन फिर भी कुछ अलग सा था। उसके बंदर की तरह बाल थे, बंदर की तरह लंबे हाथ थे, लेकिन ऑखें कुछ अजीब ही चमकदार और लाल थी और वह बहुत ही विकृत था। मैंने उन आँखों में जो घृणा देखी, वह भयानक थी जिसे मैं संभाल नहीं सकता था। मैंने उन आँखों में जो देखा वह एक वह मानो एक तरल पदार्थ था, हम कह सकते है तरल घृणा, जो लगभग मूर्त थी,ऐसा लगता था कि उसे स्पर्श किया जा सकता है। मैं पल भर में जान गया था कि इस चीज़ को मुझसे केवल नफरत ही नहीं बल्कि मुझ पर बहुत गुस्सा भी है। अब आगे क्या? इस चीज़ को देखने के बाद मुझे नहीं पता था कि अब क्या मुझे क्या करना चाहिए। लेकिन मैने सोचा कि अगर यीशु के नाम के द्वारा हम राज्य में शामिल हुए है, तो इस दुष्टात्मा पर उसका अधिकार अवश्य होगा, इसलिए मैंने जोर से कहा, "यीशु के नाम से।" और तुरंत, वह पर्दा बंद हो गया। अगर आपको पुराने ब्लैक एंड व्हाइट टीवी याद हैं, जब आप उन्हें बंद करते थे, तो आप जो देख रहे थे, उसकी एक धुंधली छाया स्क्रीन से धीरे–धीरे फीकी पड़ जाती थी। और, यह चीज़ बिलकुल ऐसी ही दिख रही थी। अब मैं उसे नहीं देख पा रहा था, लेकिन मैं अभी भी उसकी मंद धुंधली छाया देख पा रहा था। जैसे ही पर्दा बंद हुआ, वह जवान लड़का अचानक इमारत से बाहर भाग गया।

तो, हाँ, मैं जानता था कि दुष्टात्मा वास्तव में थे। काश, मैं यह कह पाता कि अब, जब कि मैं समझ गया हूँ कि मेरी समस्या दुष्टात्मा है, और मैने इससे छुटकारा पा लिया है और उसी क्षण से स्वतंत्र हो गया हूँ। लेकिन ऐसा तुरंत, उसी समय नहीं हुआ। यह दुख की बात है, इतने वर्षों तक कलीसिया में रहने के बाद, मैंने कभी भी यह जानने के लिए समय नहीं निकाला कि मैं मसीह में कौन हूँ और कभी यह समझने का प्रयत्न नहीं किया कि दुश्मन के खिलाफ अपने कानूनी अधिकारों को कैसे लागू किया जाए। लेकिन अब जब मुझे एहसास हुआ या कम से कम संदेह हुआ कि मेरे जीवन में दुष्टात्मा का काम हो रहा है, तो मुझमें प्रेरणा जागृत हुई कि मैं उस दुष्टात्मा को हराना सीख सकूं। मैं पर्याप्त मात्रा में यह जानता था कि दुष्टात्मा मेरे अधिकार के प्रति अवश्य प्रतिक्रिया व्यक्त करेगा, लेकिन मेरा मन विचलित था क्योंकि ऐसा नहीं हुआ। कुछ दिनों बाद, मुझे एक और सकारात्मक अनुभव हुआ जिससे यह पुष्टि हो गई कि मेरी समस्या वास्तव में दुष्टात्मा ही थी।

मैं अपने शयनकक्ष में आत्मा में होकर प्रार्थना कर रहा था और मैंने निश्चय किया था कि मै प्रार्थना में इतना अधिक समय बिताऊंगा कि मुझे उत्तर मिल सके कि मेरे साथ आखिरकार क्या हो रहा है। उस प्रार्थना सत्र के दौरान, मुझे अचानक स्वतंत्र होने का अनुभव हुआ और मैं फिर से मुक्त हो गया, ठीक वैसे ही जैसे जब पास्टर ने मेरे लिए प्रार्थना की थी तब हुआ था। उस रात मैं लगभग दो घंटे के लिए मुक्त था, लेकिन अब मुझे पूरा यकीन हो गया था कि यह एक आत्मा ही थी, क्योंकि उसने मेरी प्रार्थना पर प्रतिक्रिया दी थी। मैंने फिर से प्रार्थना करने की कोशिश की लेकिन कुछ नहीं हुआ। इसलिए मैंने आत्मिक युद्ध पर जो कुछ भी पढ़ सकता था उसे पढ़ना शुरू किया और यह अभ्यास करने में समय बिताया कि मैं मसीह में कौन हूँ। लेकिन फिर भी यह चीज़ अर्थात दुष्टात्मा टस से मस नहीं हो रही थी। बस केवल एक ही बार जब मैं प्रार्थना कर रहा था तो मैंने देखा कि यह दुष्टआत्मा मेरे अपने अधिकार के प्रति प्रतिक्रिया कर रही है। मैं भ्रमित हो गया और जोश से प्रभु से पूछने लगा कि अब मुझे क्या करना चाहिए। हालाँकि मैं पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पा रहा था, फिर भी मुझे और पैनिक अटैक नहीं आ रहा था और सारा लकवा चला गया था। लेकिन पहले से कुछ बड़े विजय मिल चुके थे। मैं अभी भी पीड़ादायक विचारों और अवसाद से लड़ रहा था, फिर भी मुझे विश्वास था कि

मैं मजबूत हो रहा हूँ। मैंने हर दिन मै बाइबल पढता और यह देखने का और जानने का प्रयत्न करता था कि बाइबल में मसीह में हमारे अधिकार के बारे में क्या कहा गया है।

एक दिन दोपहर के समय मैं अपने कार्यालय में काम कर रहा था और मै उस भय और डर से जूझने लगा जिसे मै हाल ही में अनुभव कर रहा था। मैंने प्रार्थना करने का प्रयास किया और भय की भावना को मुझे छोड़ने और मुझसे दूर जाने का आदेश दिया, लेकिन हमेशा की तरह इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा, कोई परिणाम दिखाई नहीं दिया। अचानक, मैंने प्रभु की वाणी सुनी। उसने मुझ से कहा कि मै उस आत्मा को मुझमे से जाने की आज्ञा दूं, और ऐसा मै जोर से चिल्लाकर और अधिकार के साथ करूं। फिर उसने मुझसे कुछ ऐसा भी कहा जिससे मेरा आत्मिक अधिकार को देखने का नज़रिया बदल गया। उसने कहा कि जब मैं उस चीज़ को मुझे छोड़ने की आज्ञा दूँ, तब अपनी भावनाओं पर ध्यान केंद्रित ना करूँ, लेकिन उसके वचन पर स्थिर रहूं, उसपर नहीं जो मैने देखा या महसूस किया है। मैं अपने कार्यालय में काम कर रहा था, इसलिए मैं वहीँ पर शैतान पर चिल्लाना और उसे आज्ञा देना शुरू नहीं कर सकता था क्योंकि ऑफिस के मेरे कर्मचारी भी वहां थे। सो मैं उठा, और बाथरूम में गया, और मैने चिल्लाकर कहा, "यीशु के नाम से, मैं तुझे बांधता हूं, तू भय की आत्मा। तू जो कर रही हैं वह बिलकुल गलत है, और अब मैं तुझे यीशु के नाम से जाने की आज्ञा देता हूं। " कुछ नहीं हुआ, मुझे कोई बदलाव महसूस नहीं हुआ। लेकिन मुझे याद आया कि परमेश्वर ने मुझसे क्या कहा था, "अपनी भावनाओं पर ध्यान मत दो।" सो मैं ने परमेश्वर का धन्यवाद किया कि उस ने मुझे इस आत्मा पर अधिकार दिया है, और मैं परमेश्वर की स्तुति करने लगा, कि मैं स्वतंत्र हूं। मैं अपने ऑफिस में वापस गया और अपना काम करने लगा। जब मैं अपनी कुर्सी पर बैठा था, और भले ही मुझे कोई बदलाव महसूस नहीं हुआ, फिर भी मैं बस परमेश्वर को धन्यवाद देता रहा, जब जब भी डर मेरे दिमाग और दिल पर हमला करता था, हर बार यही कहता था कि मै मुक्त हो गया हूँ। मैं एक क्लाइंट की फाइल पर काम कर रहा था, अचानक मैंने महसूस किया कि परमेश्वर की उपस्थिति मुझ में है, और मैंने देखा कि एक काला, धुँधला बादल मुझे छोड़ कर मेरे ऑफिस की छत से गायब हो गया।

मै मुक्त हो गया!

डर की वह भयानक दुष्टआत्मा चली गई थी, और अगर वह वापस आ भी जाती है, तो मुझे पता था कि उससे कैसे निपटना है। मैं बहुत उत्साहित था! मैंने ड्रेंडा को फोन किया और उसे बताया कि अभी क्या हुआ है। उसने कहा, मै अभी आपके पास आ रही हूँ, और हमने उस दिन एक चीनी रेस्तरां (मेरा पसंदीदा) में दोपहर का भोजन करके आनंद मनाया। उस दिन के बाद मुझे उस डर की भावना के विरुद्ध अपने आप को स्थिर और दृढ़ रखना पड़ा क्योंकि दुष्टात्माएँ जल्दी हार नहीं मानते है। और हालाँकि यह दुष्टात्मा चला गया था, लेकिन मेरे जीवन में आर्थिक स्थिति पहले जैसी ही थी। इसलिए डर लगातार मेरे दिमाग में मेरी आर्थिक स्थिति को लेकर खुद को फिर से स्थापित करने की कोशिश करता रहा, और मुझे यह सीखना पड़ा कि कैसे दिमाग की इस उथलपुथल से निपटना है और इसे कैसे शांति में रखना है।

और भी कुछ संघर्ष थे जिनका सामना कैसे करना है यह मुझे सीखना था, परमेश्वर के राज्य के बारे में आत्मिक बातों को सीखना मेरे लिए आवश्यक था, लेकिन यह कहानी आपको बताने का मेरा उद्देश्य यही है कि आप यह समझने पाएं कि कैसे आर्थिक तनाव हमारे जीवन पर प्रभाव डालता है और जीवन भयानक डर से व्याप्त हो जाता है।

मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि आप यह जाने कि मैं इस परिस्थिति में से होकर गुज़रा हूं।

इसलिए आज आप चाहे किसी भी तरह की परेशानी का सामना कर रहे हों, आपके लिए आशा है। काश मैं अपने जीवन में आरम्भ ही से परमेश्वर के राज्य के बारे में निश्चित रूप से जानता होता। यह सोचकर दुख होता है कि ड्रेंडा और मुझे उन नौ वर्षों तक आर्थिक मुश्किलों में रहना पड़ा जब कि इस प्रकार रहने की आवश्यकता नहीं थी!

दुर्भाग्य से, हमारी आर्थिक स्थिति रडार पर कुछ समय की गड़बड़ी नहीं थी; रडार ही में गड़बड़ी थी। हम ऐसे ही रहते थे। जीवन जीने के लिए नौ साल भीख मांगना, अपमानजनक घटनाएं और परिस्थिती। यह घटनाएँ मैं जल्द ही भूल जाऊंगा। मेरी पत्नी आशीषित रहें! उसने उन वर्षों के दौरान बहुत कुछ सहा। इसलिए आज मैं जब भी मौका मिलता है उसे आशीर्वाद देने की कोशिश करता हूं।

जिस तरह प्रभु ने मुझे सिखाया कि भय की उस दुष्टआत्मा से कैसे निपटाना है, उसने अब मुझे यह सिखाना शुरू किया कि आत्मिक दृष्टिकोण से अपनी आर्थिक स्थिति से कैसे निपटें। परमेश्वर ने ड्रेंडा और मुझे जो सिखाया, और जो उसने हमें हमारी आर्थिक स्थिति के बारे में दिखाया है, वह इतना जीवन बदलने वाला और इतना चमत्कारी था कि हमने अपना शेष जीवन लोगों को अपने जीवन में इन तत्वों को खोजने में मदद करने के लिए समर्पित कर दिया है।

ड्रेंडा और मैं आर्थिक रीती से पूरी तरह से टूटी हालत से उभरकर अब अपनी कारों के लिए नकद भुगतान करने, अपने ऋण–मुक्त सपनों का घर बनाने, कई कंपनियों को शुरू करने और पृथ्वी पर हर समय क्षेत्र में हमारे फिक्सिंग द मनी थिंग दैनिक टीवी प्रसारण को लॉन्च करने की अवस्था में पहुँच गएँ है। ड्रेंडा ने भी एबीसी फैमिली नेटवर्क पर ड्रेंडा टीवी साप्ताहिक प्रसारण लॉन्च किया है ताकि परिवारों को यह जानने में मदद मिल सके कि जीवन कैसे जीना है और महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाएँ। हमने महसूस किया कि परमेश्वर हमें फेथ लाइफ चर्च शुरू करने के लिए प्रेरित कर रहा हैं, जहां हम हर साप्ताह हजारों लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखाते हैं। हम जो कार्य करते हैं उसे करने में अब लाखों डॉलर लगते हैं, इस पुस्तक को लिखने के समय तक टीवी कार्यक्रम करने के लिए प्रति माह $ 200,000 से अधिक खर्च होता है। अर्थात , यदि परमेश्वर ने हमें सिखाया ना होता तो जो हम आपको किताबों की इस श्रृंखला के द्वारा सिखाना चाहते हैं,वो कभी संभव नहीं होता। मैं नहीं चाहता कि आप इस पुस्तक को आर्थिक विषय पर एक अन्य पुस्तक के रूप में देखें। बजट कैसे बनाना है, यह सिखाने या समझाने के लिए यह एक और किताब नहीं है, हालांकि इसकी शायद आवश्यकता है। यह उसी पुराने, "पर्याप्त आय नहीं" तो हम कहाँ क्या कटौती कर सकते है, का पुनर्विक्रय नहीं है। नहीं, यह पुस्तक एक क्रांति के विषय में है, अंधेरे का राज्य और उसकी दम घोंटने वाली गरीबी के विरुद्ध विद्रोह के विषय में है। यह पुस्तक भ्रष्ट सरकार के तनाओं को दूर करने और जीवन का एक नया तरीका अपनाने के विषय में है। मेरा उत्तर कुछ सामान्य आर्थिक सलाह नहीं है। मैंने पाया कि मुझे एक पूर्ण आर्थिक सुधार की आवश्यकता है:

एक वित्तीय क्रांति!

अध्याय 1

परमेश्वर का साम्राज्य

मैंने आपको प्रस्तावना में बताया कि कैसे मेरा जीवन भय से ग्रसित था। इसलिए मेरा मानना है कि अपनी यात्रा की शुरुआत एक ऐसे कथन के साथ करना महत्वपूर्ण है जिसे आपको वास्तव में समझने की आवश्यकता है: डर में जीना मत सीखो! भय सभी प्रकार के आसुरी प्रभावों, भ्रम और अवसाद के द्वार खोलता है, जैसा कि आपने मेरे और लाखों लोगों के जीवन में घटित होते देखा है। मेरा मानना है कि आर्थिक आघात लोगों के जीवन में सबसे बड़े डर में से एक है। मैं अपनी वित्तीय नियोजन फर्म के माध्यम से 34 वर्षों से अधिक समय से लोगों को उनके वित्त संबंधी बातों में व्यक्तिगत रूप से मदद कर रहा हूं और मैंने पाया है कि मैं जीवन में अकेला व्यक्ति नहीं हूं जिसके जीवन में वित्तीय समस्याएं हैं या उनके साथ संघर्ष चल रहा है।

वास्तव में, अपने शोध के आधार पर, मैंने पाया कि 23 प्रतिशत अमेरिकी आबादी अपना न्यूनतम कर्ज भी नहीं चुकाती है और धीरे–धीरे वित्तीय गुमनामी में जा रही है। और यह देश का केवल एक चौथाई हिस्सा है! सैंतालीस मिलियन, जनसंख्या का छठा हिस्सा, खाद्य टिकटों पर जीवन यापन करता है, और दस में से आठ परिवार वेतन पर रहते हैं। मैं हमारे देश के 18 ट्रिलियन डॉलर कर्ज के बारे में भी बात नहीं करूंगा और यह कर्ज वे कभी नहीं चुका पाएंगे। मैं उन 120 ट्रिलियन वित्तीय दायित्वों का उल्लेख भी नहीं करूंगा जिनके लिए हमारे देश ने बिना किसी फंडिंग तंत्र के खुद को प्रतिबद्ध किया है। 3 हम गंभीर आर्थिक समस्याओं वाले देश में रहते हैं! मैंने अपने जीवन में जो पाया है, वह यह है कि अनसुलझी वित्तीय समस्याएं और वित्तीय तनाव जीवन को भयपूर्ण रीती से जीने का एक तरीका बना देते हैं।

लेकिन जवाब हैं! आप मुक्त हो सकते हैं! इस विषय पर बाइबल स्पष्ट है: यीशु गरीबों को सुसमाचार प्रचार करने आया था!

> *"प्रभु यहोवा का आत्मा मुझ पर है; क्योंकि यहोवा ने सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है"*
>
> –यशाया 61:1

गरीबों के लिए अच्छी खबर क्या है? यही कि वह मुक्त हो सकता है! आज आपको नहीं पता होगा कि यह कैसे हो सकता है। अपने जीवन में एक समय पर, मैं पूरी तरह से असहाय महसूस कर रहा था। मेरे पास केवल 100 डॉलर थे और मुझे किसी का कुछ भी उधार नहीं चुकाना है यह मेरी गिनती में नहीं था, अगर यह इतना भयानक और दुखद नहीं होता तो इस बात पर मै मुस्कुरा देता। उन नौ वर्षों के दौरान अस्तित्व के संघर्ष का मुझ पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा। वित्तीय तनाव हमें सभी अच्छी चीजों से वंचित करता है। जब मैं उस साल की हमारे घर के हालातों की घर में बनी फिल्में देखता हूं तो मुझे बहुत शर्म आती है। उन वीडियो में आप देख सकते हैं कि, दिन भर ऑफिस में काम करके घर आता हूं, मैं अपनी कार से उतरता हूं और मेरे अनमोल बच्चे मुझसे मिलने के लिए दौड़ते हैं और मेरे पैरों में लिपट जाते हैं और "बाबा, बाबा" चिल्लाते हैं। आप वीडियो में ये भी देख सकते हैं कि मैं न तो उन्हें जवाब देता हूँ और न ही उनकी तरफ देखता हूँ। मैं इतना तनावग्रस्त और निराश था कि मुझे यह भी नहीं पता था कि क्या महत्वपूर्ण है।

"प्रभु यहोवा का आत्मा मुझ पर है; क्योंकि यहोवा ने सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया।"

–यशायाह 61:1

मेरे मन का विचार मुझे एक बार फिर याद दिलाता है कि मैंने तैराकी कक्षा में क्या सीखा। अगर कोई डूब रहा है और मदद के लिए चिल्ला रहा है, और अगर आप उसकी मदद के लिए जाते हैं तो सावधान हो जाएं। क्यों? क्योंकि वे खुद का बचाव करने के लिए इतने जुनूनी हैं कि ना चाहते हुए भी वे आपको नीचे खींच लेंगे। मेरे साथ भी ऐसा ही था, जीवन से अनभिज्ञ

एक ज़ोंबी की तरह चलना, बिना भावनाओं के व्यक्ति की तरह। एक पति के रूप में मैं अपने कर्तव्यों को पूरा नहीं कर रहा था। पिता के रूप में मै अपने कर्तव्यों को पूरा नहीं कर रहा था। मैं एक प्रदाता के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा नहीं कर रहा था। मेरा जीवन भवनहीनता, भविष्य की सोच के बिना और जीवन के अवसाद के साथ जीना ही एक दिनचर्या बन गया था।

उन दिनों में कोलंबस, ओहियो में आवास फलफूल रहा था। घर की कीमतें हर जगह बढ़ रही थीं, और इसलिए हमारा शहर लगातार अनेक सालों से हाउस परेड आयोजित कर रहा था। यदि आप नहीं जानते कि यह क्या है, तो मैं समझाता हूं। होम परेड विशेष घरों का एक समूह है जिसे विभिन्न निर्माता अपनी अनूठी शैलियों और क्षमताओं के साथ–साथ सभी नए उपकरणों और फिनिश को प्रदर्शित करने के लिए बनाते हैं। क्षेत्र के सभी लोगों के लिए यह बहुत बड़ी बात थी और हजारों लोगों ने इसका आनंद लिया। लेकिन मुझे घरों की इस परेड से डर लगता था। हम अत्यधिक गरीबी में जी रहे थे, इसलिए मैं इन घरों को देखने के लिए ड्रेंडा के साथ नहीं जाना चाहता था। मैं अपनी वित्तीय विफलता के बारे में पहले से ही बुरा महसूस कर रहा था; और नहीं चाहता था कि उसे उस स्थिति को दोबारा एहसास हों। मुझे अब पता चलता है कि इसके बारे में मेरा विचार मूर्खतापूर्ण था, लेकिन उस समय मेरी यही राय थी। मुझे पता था कि अगर वह वहां जाती तो उसे भी एक घर पाने की इच्छा होती। तो हर साल, मैं "नहीं!" कहता रहा, लेकिन अंत में एक साल मैंने हार मान ली और उस परेड में जाने का फैसला किया।

वे घर, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, बेहद आलीशान थे। उन घरों के सामने 1800 के दशक का हमारा छोटा फार्महाउस, जो बहुत जर्जर हो चुका था, और भी हीन लगने लगा। पहले कुछ घरों को देखने के बाद हम फुटपाथ पर चलने लगे और अचानक मुझे एहसास हुआ कि ड्रेंडा मेरे साथ नहीं चल रही है। वह कहा है यह देखने के लिए मै पीछे मूड़ा और वह उस घर के सामने खड़ी थी जिसके पास से हम अभी–अभी निकले थे, उसे वहाँ खड़ा देखकर मुझे अफ़सोस हुआ। उसके चेहरे से आंसू बह रहे थे। मैं वापस उसके पास गया और एक मूर्खतापूर्ण प्रश्न पूछा, "क्या हुआ?" ऐसा लग रहा था कि मुझे उस प्रश्न का उत्तर नहीं पता था। उसने बस मेरी तरफ देखा और पूछा, "मुझे घर कब मिलेगा"? मेरा मन चकरा गया,

“घर? इसके जैसा? ये सभी $500,000 से $700,000 के घर हैं।” मैं अभी भी यह सोच रहा था कि हम जिस पुराने फार्महाउस में रहते है उसका $300 का मासिक किराए का भुगतान कैसे किया जाए। मुझे पता है कि यह दुखद है, लेकिन मुझे इससे निकलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा है, और मैं अपनी खूबसूरत, कीमती पत्नी को कोई उम्मीद नहीं दे पाया। डर और असफलता मेरे दिमाग और दृष्टिकोण को हिला रहे थे। यह मैं नहीं था; मेरी खुशी, मेरी खुशी का क्या हुआ? मेरे सामने केवल आर्थिक तनाव था, और उसके आगे मै और कुछ भी नहीं देख पा रहा था।

सुबह के 2:00 या 3:00 बज रहे थे और मुझे नींद नहीं आ रही थी। दर्द मेरे जबड़े और चेहरे में सुई की तरह चुभ रहा था और मुझे इस दर्द से राहत की सख्त जरूरत थी। छत्तीस घंटे पहले, संक्रमण को रोकने के लिए मेरा रूट कैनाल किया गया था, जिससे मेरा चेहरा गुब्बारे की तरह फूल गया था। दर्द और बेचैनी असहनीय थी। दर्द को रोकने के लिए मैं हर चार घंटे में टाइलेनॉल की गोली लेता था, लेकिन इससे कोई खास फायदा नहीं हुआ। मैं अपने लिविंग रूम में बैठा था, नींद नहीं आ रही थी, इसलिए मैंने दूसरी खुराक लेने लगा, तभी मेरी नज़र टाइलेनॉल की दवाई की बॉक्स पर गई और मैंने उस पर लिखे निर्देशों को पढ़ना शुरू कर दिया। इसलिए नहीं कि मैं टाइलेनॉल कैसे लेते है यह नहीं जानता था, लेकिन इसलिए कि मै बहुत बोअर हो रहा था, जैसे हम सुबह सीरियल खाते समय सीरियल के डिब्बे पर लिखी जानकारी को पढ़ते हैं। इसलिए नहीं कि आप वास्तव में उसे पढ़ने में रुचि रखते हैं, लेकिन इसलिए कि वह बॉक्स आपके सामने है, और आप उसे पढ़ने लगते है। हां, हां, हर 4 घंटे में 2 गोलियां, लेकिन और क्या लिखा था? 24 घंटे की अवधि में 10 से अधिक गोलियां न लें? मैंने जल्दी से यह पता लगा लिया कि अगर एक व्यक्ति हर 4 घंटे में 2 गोलियां लेता है तो वह कितनी गोलियां लेगा, जैसे मैंने पिछले 2 दिनों में एक दिन में 12 गोलियां ली थी, न्यूनतम खुराक से 2 गोलियां अधिक ली थी। अचानक, मेरे पेट में एक ऐठन सी महसूस हुई और मैं घबरा गया।

नौ साल तक हर दिन की जीविका का इंतजाम करके जीना, पति के रूप में असफल, पिता के रूप में असफल, और प्रदाता के रूप में असफल, इस कारण मैं पहलेही से भावनात्मक रूप

से कमजोर था। इससे बाहर निकलने में मेरी मदद करने के लिए डॉक्टर ने मुझे एंटीडिप्रेसेंट देने की कोशिश की। लेकिन कुछ भी असर नहीं हुआ। मैं उस रात दांत दर्द की वजह से केवल बैठा था, मैं दो दिनों से बिल्कुल नहीं सोया था, और दर्द इतना तीव्र था कि मैं अब भी सो नहीं पा रहा था। अब टाइलेनॉल के बॉक्स पर दी गई जानकारी को पढ़कर मैंने महसूस किया कि अब टाइलेनॉल की संभावित मात्रा से अधिक खुराक लेने से मेरी समस्याएं और बढ़ गई हैं। मुझे नहीं पता था कि टाइलेनॉल की अधिक मात्रा का मुझ पर क्या प्रभाव होगा, लेकिन मुझे यकीन था कि यह एक साधारण गोली थी, क्योंकि कोई भी आसानी से दुकान पर जाकर इसे खरीद सकता था। मुझे लगा कि नियमों का पालन करने के लिए उन्हें इस तरह की चेतावनियां बॉक्स पर डालनी पड़ती है। यह मेरी कल्पना से परे था कि सिर्फ 2 गोलियां अधिक लेने से बड़ी समस्या हो सकती है। लेकिन मेरे मन में डर समा गया था, और "ऐसा हो जाएँ तो क्या होगा?" इस विचार से बहुत परेशान था, तो अपने मन को शांत करने के लिए, मैंने सोचा कि मैं ज़हर नियंत्रण केंद्र को कॉल करूँ।

जब फोन की दूसरी तरफ मौजूद महिला ने जवाब दिया, तो महसूस हुआ कि वह अपने काम में अनुभवी थी। उसने मुझसे पूछा कि मैं आपकी मदद के लिए क्या कर सकटी हूं, और मैंने बताया कि मैंने पिछले 36 घंटे की अवधि में हर 4 घंटे में टाइलेनॉल की गोलियां ली है, इस प्रकार मैंने 10 के बजाय एक दिन में 12 गोलियां लीं है। मैंने उससे कहा कि मैंने न्यूनतम से केवल दो गोलियां अधिक ली हैं। और मैंने यह जानने के लिए फोन किया कि क्या इसका कोई गंभीर परिणाम होगा। फोन की दूसरी तरफ पूरी तरह से सन्नाटा था, और मुझे कंप्यूटर पर कुछ टाइप करने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। फिर फोन पर मैंने ये शब्द सुने, "सर, इतनी अधिक खुराक लेने के बाद कोई व्यक्ति बचा है ऐसा हमने आज तक नहीं देखा है।" क्या मैंने उसे सही बोलते सुना? हरगिज नहीं! इसलिए मैंने उसे आश्वस्त किया कि मैंने 24 घंटे की अवधि में केवल 2 ही गोलियां ज़्यादा ली हैं और ऐसा मैंने केवल दो ही दिन किया हैं।

इस बार उसने कड़े लहजे में जवाब दिया,, "सर, इतनी अधिक खुराक लेने के बाद कोई व्यक्ति बचा है ऐसा हमने आज तक नहीं देखा है, आपको अभी तुरंत इमरजेंसी में जाना चाहिए।" मैंने उसे फिर से समझाने की कोशिश की कि क्या हुआ था, क्योंकि मुझे अब भी

लगा कि वह समझ नहीं पा रही है कि मैं क्या कह रहा हूं। उसने मुझे रोका और कहा, "या तो आप खुद अस्पताल में जाएँ या मै आपके लिए रुग्णवाहिका भेजती हूँ।" मै सन्न रह गया! "मैं खुद ही गाड़ी चलाकर अस्पताल जाऊंगा," मैं हड़बड़ाकर बोला। "आप किस अस्पताल में जा रहे हैं?" उसने पूछा। मैंने उसे बताया कि मैं कहाँ जा रहा हूँ और उसने फोन काट दिया।

मैं वहीं स्तब्ध खड़ा रहा। उस दिन सुबह 9:00 बजे मेरी एक बहुत ही महत्वपूर्ण बैठक थी। और अब सुबह के करीब साढ़े तीन बज चुके थे। मैं किसी तरह सीढ़ियाँ चढ़कर बेडरूम तक गया और ड्रेंडा को जगाया, और उसे बताया कि क्या हुआ था। उसने निराशा की दयनीय दृष्टि से मेरी ओर देखा। उसका पति अभिनय कर रहा था और महीनों से अजीब व्यवहार कर रहा था, और वह सब कुछ संभाल कर थक गई थी, और अब यह? "गैरी, बस दो तुमने केवल दो ही गोलियाँ ज़्यादा ली है। तुम जानते हो कि तुम इससे नहीं मरोगे। उन्हें फिरसे फोन करके बताओ," उसने कहा। लेकिन डर तर्कहीन और दर्दनाक है। "उस महिला ने कहा है कि इससे मेरी मृत्यु हो सकती है, और मुझे अस्पताल जाने की जरूरत है।" मैं बेडरूम से बाहर जाने के लिए मुड़ा, मैंने अपनी पत्नी की आँखों में देखा, "तुम मजाक कर रहे हो।"

जब मैं अस्पताल पहुंचा, तो आपातकालीन द्वार के बाहर सफेद कोट में दो आदमी मेरा इंतजार कर रहे थे। जब मैं ऊपर गया, तो वे मेरे पास आए और बोले, "कैसे हो तुम, गैरी?" वे मुझे उपचार कक्ष में ले गए। वहाँ से गुजरते समय, मैंने देखा कि आपातकालीन कक्ष के ब्लैकबोर्ड पर मेरा नाम पहले से ही लिखा हुआ था। उसपर लिखा था, "गैरी किसी – ओवरडोज़।" मुझे विश्वास नहीं हो रहा था। संक्षिप्त में, यह है कि मेरे वहाँ पहुँचने के बाद, उन्होंने मेरे खून का नमूना लिया और फिर डॉक्टर ने आकर कहा, "तुम यहाँ क्यों हो? आपके रक्त में टाइलेनॉल का स्तर सिरदर्द को ठीक करने के लिए पर्याप्त मात्रा से भी कम है। जब मैंने उन्हें ज़हर नियंत्रण विभाग के साथ जो बातचीत हुई वो उन्हें बताया, तो वे हँसने लगे। मुझे यह मज़ेदार नहीं लगा, और जब मुझे मेल में 2,000 का बिल मिला, तो वो और भी भद्दा मज़ा था। शैतान ने एक बार फिर मेरे विरुद्ध साज़िश रची और उसे मुझ से मुझे ही छीन लिया।

मैं आपको यह कहानी पूरी जानकारी के साथ बताने की कोशिश कर रहा हूं ताकि आपको यह समझने में मदद मिल सके कि परमेश्वर का राज्य प्राप्त करने से पहले मेरा जीवन

कैसा था। हाँ, मैं एक ईसाई था। हाँ, मैं दशमांश दे रहा था। हाँ, मैंने कुछ समय के लिए अपने चर्च में आराधना का नेतृत्व किया। हाँ, मैं परमेश्वर से प्यार करता था। लेकिन कही कुछ गलती हो रही थी, कहीं कुछ भयानक चल रहा था! मैंने आपसे कहा था कि परमेश्वर ने मुझे सिखाया कि डर की भावना से कैसे लड़ना है और कैसे मैंने एंटीडिप्रेसेंट और पैनिक अटैक से छुटकारा पाया। लेकिन मैं अभी तक उस स्थिति से मुक्त नहीं हुआ था जिसने पहले मेरे अंदर डर पैदा किया और उस डर के साथ मेरा संघर्ष शुरू हो गया, वह मेरी निराशाजनक आर्थिक स्थिति है! मुझ पर दैनिक भुगतान करने और सभी बिलों का भुगतान करने का जबरदस्त दबाव था, मेरे दस से अधिक क्रेडिट कार्ड रद्द थे, मेरे ऊपर तीन वित्त कंपनियों, आईआरएस का क़र्ज़, रिश्तेदारों का क़र्ज़, और कई मुकदमे और ग्रहणाधिकार के मामले दर्ज थे।

जैसा कि मैंने कहा, हमारा जीवन वित्तीय उथल–पुथल से भरा था। तनाव और मानसिक उथल–पुथल मेरे जीने का तरीका बन गया था। मसीही होने के बावजूद हम आर्थिक रूप से मर रहे थे और मेरे क्रेडिट कार्ड एक–एक करके रद्द किए जा रहे थे। देनदारियां दायर की गईं, क्रेडिट रद्द कर दिया गया और उधारकर्ता लगातार फोन कर रहे थे। हम आर्थिक बर्बादी के कगार पर थे, और हमारे व्यापार से आय की कमी के कारण, हम खाना भी नहीं खरीद सकते थे। मेरा परिवार गर्म रखने के लिए लिविंग रूम में लकड़ी के चूल्हे के चारों ओर बैठा रहता था, क्योंकि हम ईंधन का तेल नहीं खरीद सकते थे। हम कुर्सियों और सोफे में सिक्कों की तलाश करते थे, उम्मीद करते थे कि हमारे बच्चों को मैकडॉनल्ड्स से ही कुछ भोजन खरीदकर दे सके।

मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है,तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा।
– फिलिप्पियों 4:19

जब कर्जदार फोन करते थे तो मैं उनसे बचने में माहिर हो गया था, लेकिन एक दिन मेरे एक लेनदार ने कर्ज लेने के लिए एक वकील को काम पर रखा। इस वकील ने मुझे फोन किया और उसके पास उस तरह का व्यक्तित्व नहीं था। लेकिन उसने कहा, "मुझे तीन दिन में पैसा चाहिए या मैं अपने मुवक्किल की ओर से आप पर मुकदमा करूंगा।" मै हिम्मत हार गया। मेरे पास उधार लेने के अलावा कोई चारा नहीं था, लेकिन मै अब किसी से उधार भी नहीं

ले सकता था, मैंने पहले ही अपने सभी दोस्तों से उधार ले लिया था, और अब इस समय मुझे एहसास हुआ कि सब कुछ खत्म हो गया है, कोई रास्ता नहीं बचा था। मैं किसी तरह अपने शयनकक्ष में गया और अपने बिस्तर पर गिर गया और परमेश्वर को पुकारा। मैंने तुरन्त ही यहोवा की वाणी सुनी। एक शास्त्रभाग जो मैंने अक्सर सुना था, मेरे दिमाग में घूमने लगा।

> *मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है,तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा।*
>
> –फिलिप्पियों 4:19

मैंने प्रभु से कहा कि मैं उस शास्त्र वचन को जानता हूं लेकिन मेरी जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं! उसने तुरंत मेरे प्रश्न का उत्तर दिया, "हाँ, लेकिन यह मेरी गलती नहीं है। तुमने कभी यह जानने की कोशिश नहीं की कि मेरा राज्य कैसे काम करता है। वास्तव में, मेरी अधिकांश कलीसियाएँ आज भी उसी तरह व्यवहार करती हैं जिस तरह से इस्राएलियों ने पुराने नियम में व्यवहार किया था – गुलामों के रूप में रहना। वे कर्ज और आर्थिक गुलामी का जीवन जीते हैं। मैं चाहता हूं कि मेरे लोग स्वतंत्र हों।"

मैंने जल्दी से नीचे उतरकर ड्रेंडा को पकड़ लिया और उसे बताया कि प्रभु ने मुझसे क्या कहा था। मैंने उससे पश्चात्ताप किया कि मैंने कभी भी परमेश्वर की इच्छा को जानने का प्रयत्न नहीं किया और कभी यह जानने की कोशिश नहीं की कि उसका राज्य कैसे काम करता है। सच कहूं तो, उस समय, हम वास्तव में यह नहीं समझ पा रहे थे कि, 'आपने यह जानने की कोशिश नहीं की कि परमेश्वर का राज्य कैसे कार्य करता है' इससे परमेश्वर का क्या मतलब है। हम नियमित रूप से चर्च जाते थे, हम ज्यादातर समय दशमांश देते थे, और हम परमेश्वर से प्रेम करते थे। हमें लगा कि हम परमेश्वर के राज्य की सोच रखते है। जो समस्या, मुझे जल्द ही पता चलने वाली थी, वह यह थी कि मैं स्वर्ग के रास्ते पर तो था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि मेरे जीवन में स्वर्गीय सामर्थ और अधिकार कैसे लाया जाए और यह मेरी प्राकृतिक स्थिति को कैसे प्रभावित करेगा। इसलिए हमने बाइबल का अध्ययन करना शुरू किया और परमेश्वर ने हमसे बात करना शुरू किया और हमें यह समझने में मदद की कि परमेश्वर के राज्य का क्या

मतलब है। हमने जो सीखा वह चौंकाने वाला था! मानो किसी अँधेरे कमरे में रौशनी आ गई हो। हमारे जीवन में पहली बार, हमें अपने वित्तीय जीवन के बारे में उत्तर मिले!

हे परमेश्वर, वास्तव में राज्य से तेरा क्या मतलब है?

जब परमेश्वर ने मुझसे कहा कि मैंने कभी नहीं सीखा कि उसका राज्य कैसे काम करता है, तो मैं उलझन में पड़ गया। राज्य? ड्रेंडा और मुझे कुछ पता नहीं था। हमने प्रार्थना की और परमेश्वर से विनती की कि वह हमें सिखाए कि इसका क्या अर्थ है: "हे प्रभु, हमें ठीक–ठीक बता कि परमेश्वर का राज्य क्या है!" तो अब, मैं पहली चीज सीखना चाहता था कि परमेश्वर का राज्य क्या है। मुझे लगता है कि हमारे पश्चिमी दिमाग, लोकतंत्र में रहने वाले अमेरिकियों और स्वतंत्र सोच के लिए इस अवधारणा को समझना मुश्किल है। परमेश्वर का राज्य लोकतंत्र नहीं है; यह एक राजा के द्वारा चलाया जाने वाला राज्य है। राजा के अधिकार का प्रयोग राज्य के विभिन्न विभागों और उस अधिकार के तहत काम करने वाले लोगों को अधिकार सौंपकर किया जाता है। भीड़ होना कोई राज्य नहीं है। भीड़ में लाखों लोग हो सकते हैं, लेकिन वह राज्य नहीं होगा। एक राज्य कानून या सरकार द्वारा एक साथ रखे गए लोगों का एक समूह है। शब्दकोश में राज्य की परिभाषा है: "राज्य: एक राज्य या सरकार जिसका प्रमुख एक राजा या रानी होता है।"

यद्यपि हम क्रिसमस पर एक बच्चे के रूप में यीशु के पृथ्वी पर आने का जश्न मनाते हैं, लेकिन हम अक्सर यह नहीं समझते हैं कि वह एक शासक के रूप में सांपुर्ण सत्ता अपने साथ लेकर आ रहा था। बाइबल इस सत्ता का वर्णन यशायाह 9:6–7 में करती है:

> *क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और प्रभुता उसके काँधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा। उसकी प्रभुता सर्वदा बढ़ती रहेगी, और उसकी शान्ति का अन्त न होगा, इसलिये वह उसको दाऊद की राजगद्दी पर इस समय से लेकर सर्वदा के लिये न्याय और धर्म के द्वारा स्थिर किए और सम्भाले रहेगा। सेनाओं के यहोवा की धुन के द्वारा यह हो जाएगा।*

यीशु इस सत्ता का प्रमुख है और जब हम यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं तो हम इस सत्ता का हिस्सा बन जाते हैं; हम नागरिक बन जाते हैं। हम न केवल नागरिक बनते हैं, बल्कि हम परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों के रूप में परमेश्वर के अपने घर का हिस्सा बन जाते हैं।

> *परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं। वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं।*
>
> –यूहन्ना 1:12–13

> *इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।*
>
> –इफिसकरांस पत्र 2:19

परमेश्वर के घराने के सदस्य के रूप में, हम उसके परिवार का हिस्सा बन जाते हैं और इस प्रकार परमेश्वर की हर वस्तु के स्वामी या हिस्सा बन जाते हैं। लेकिन हम भी उसकी महान सत्ता की सरकार के नागरिक बन जाते हैं। इससे स्पष्ट है कि उसकी सरकार में हमारे कानूनी अधिकार हैं और हम इसका लाभ उठा सकते हैं। मैं जिस बारे में बात कर रहा हूं, इसे बेहतर ढंग से समझने के लिए, पहले मैं आपको बता दूं कि युनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका का एक स्वाभाविक नागरिक होने का क्या अर्थ है। युनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका के नागरिक के रूप में, आपके पास कानूनी अधिकार हैं। आपके कानूनी अधिकार हमारे संविधान और हमारी सरकार द्वारा पारित कानूनों में निहित हैं। इन कानूनों और लाभों का हर नागरिक आनंद लेता है, चाहे वे कोई भी हों। वे अधिकार आपकी भावनाओं या आप कितने स्मार्ट हैं, इस पर आधारित नहीं हैं। नहीं, वे कानून द्वारा स्थापित हैं, कानूनी रूप से प्रत्येक नागरिक के लिए उपलब्ध हैं जो अमेरिका को अपना घर कहते हैं। यह संभव है कि एक नागरिक को यह पता

ना हो कि उनके कानूनी अधिकार क्या हैं, लेकिन फिर भी, उनके पास वे अधिकार केवल इसलिए है क्योंकि वे युनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका के नागरिक हैं।

अब यहाँ सोचने के लिए कुछ है, और मैं आशा करता हूँ कि यह परमेश्वर के बारे में आपके संपूर्ण दृष्टिकोण और परमेश्वर से हम कैसे प्राप्त कर सकते है इसके बारे में आपके दृष्टिकोण को बदल देगा। यहां युनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका में, यदि हम पाते हैं कि कोई व्यक्ति या कोई हमारे कानूनी अधिकारों को छीनने का प्रयास कर रहा है या हमारे साथ अन्याय कर रहा है, तो हम (न्याय का अर्थ कानून प्रवर्तन या प्रशासनिक सहयोग) कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से न्याय प्राप्त कर सकते हैं। जब आप अदालत में जाते हैं, तब न्यायाधीश को इस बात की परवाह नहीं होती है कि आप कैसे दिखते हैं या आप कितने अमीर या गरीब हैं। वह केवल कानून देखता है। वह हर बार कानून के आधार पर ही न्याय करता है। यह हमारी अपनी सुरक्षा के लिए है: जो कानूनी अधिकार हमें दिए गए है और युनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका में हमारी सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए दिए गए हैं कि हमारे कानूनी अधिकार न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से लागू होते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए, आइए यशायाह 9 पर करीब से नज़र डालें, क्योंकि इसमें यीशु पृथ्वी पर आने वाली इस नए शासन के बारे में बात कर रहे हैं।

> *इसलिये वह (यीशु) उसको दाऊद की राजगद्दी पर इस समय से लेकर सर्वदा के लिये न्याय और धर्म के द्वारा स्थिर किए और सम्भाले रहेगा .....*
>
> –यशाया 9:7b

यह शास्त्र वचन कहता है कि परमेश्वर का राज्य न्याय और धर्म से दृढ़ होता है। प्रशासन आपके कानूनी अधिकारों को लागू करने या लागू करने की प्रक्रिया है। आपका कानूनी अधिकार वह है जिसे परमेश्वर धार्मिकता कहता है या जिसे वह सही कहता है, अर्थात उसकी व्यवस्था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपको उसके राज्य में जो सही है और राज्य के नागरिक के रूप में कानूनी रूप से जो आपका है वो आपको प्राप्त हो इसलिए, परमेश्वर ने आपको न्याय और न्याय प्रक्रिया तक पहुंच प्रदान की है और गारंटी देता है कि आपको वह

मिलेगा जो उसने वादा किया है। परमेश्वर ने अपने वचन, अर्थात बाइबल के माध्यम से हम पर अपनी इच्छा प्रकट की है, ताकि आप उसके राज्य में अपने अधिकारों को जान सकें। यह अच्छी खबर है! परमेश्वर की प्रतिज्ञा के बारे में जो कुछ भी आप बाइबल में पढ़ते हैं वह कानूनी रूप से उसके राज्य के नागरिक के रूप में आपका है!

2 कुरिन्थियों 1:20 यह स्पष्ट करता है कि प्रत्येक शब्द – प्रत्येक शब्द – "हाँ" और "आमीन" है। यह पहले ही तय हो चुका है; यह पहले से ही कानूनी रूप से आपका है।

> *क्योंकि परमेश्वर की जितनी प्रतिज्ञाएँ हैं, वे सब उसी में 'हाँ' के साथ हैं। इसलिये उसके द्वारा आमीन भी हुई कि हमारे द्वारा परमेश्वर की महिमा हो।*
>
> –2 करिंथ 1:20

परमेश्वर के राज्य की नींव न्याय और धार्मिकता है – वह डगमगा नहीं सकती। इसलिए इसे इस तरह से सोचें: "यदि मैं परमेश्वर के राज्य की व्यवस्था (उसकी इच्छा) को जानता हूं और मुझे आश्वासन दिया जाता है कि न्याय किया जाएगा, और कानून का पालन हो सकता है, तो मुझे यकीन हो जाता है, और मैं नहीं डरूँगा।

> *और हमें उसके सामने जो हियाव होता है, वह यह है; कि यदि हम उसकी इच्छा के अनुसार कुछ माँगते हैं, तो वह हमारी सुनता है। जब हम जानते हैं कि जो कुछ हम माँगते हैं वह हमारी सुनता है, तो यह भी जानते हैं कि जो कुछ हम ने उससे मांगा, वह पाया है।*
>
> –1 यूहन्ना 5:14–15

जब वचन कहता है, कि वह हमारी सुनता है, तो वह जोर से सुनने की बात नहीं करता, ध्वनि तरंगों के द्वारा अपने शब्दों को सुनने की बात नहीं करता; वह हमारी स्थिति, हमारा मुकदमा अपने हाथ में लेने की बात कर रहा है। न्याय सुनिश्चित करने के लिए मामले की सुनवाई करने वाले न्यायाधीश के बारे में सोचें। अदालतें और न्यायाधीश यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि प्रत्येक नागरिक को न्याय मिले। एक न्यायाधीश का निर्णय उसकी अपनी

परमेश्वर का राज्य अपरिवर्तनीय कानूनों के आधार पर कार्य करता है

भावनाओं पर नहीं बल्कि उन कानूनों पर आधारित होता है जो प्रत्येक नागरिक पर लागू होते हैं और जिस पर वह अध्यक्षता करता है। न्यायाधीशों को यह सुनिश्चित करने के लिए नियुक्त किया जाता है कि न्याय (कानून प्रवर्तन) लिखित कानून के अनुसार प्रशासित हों। परमेश्वर के मामले में, यीशु के पास और उसके राज्य में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के पास मसीह का सिंहासन (अधिकार का स्थान) और न्याय सुनिश्चित करने की उसकी शक्ति (उसकी इच्छा की पूर्ति) है।

कृपया उस कथन को बहुत धीरे–धीरे दोबारा पढ़ें और इससे परमेश्वर के बारे में आपका वर्तमान दृष्टिकोण बदल जाने दें। ज़्यादातर लोग सोचते हैं कि परमेश्वर हर व्यक्ति की परिस्थितियों के अनुसार अपने निर्णय लेता है, लेकिन यह सच नहीं है। वह उस राज्य का राजा है जिसमें कानून नहीं बदलते हैं। वह अपने कानून के बाहर निर्णय नहीं लेता है और ना ही कभी ऐसा करेगा। इस तरह, हम यह जान सकते हैं कि हमारे पूछने से पहले उत्तर क्या है, और हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हम इसे नियमों के अनुसार प्राप्त करेंगे, क्योंकि उसके पास कानून को लागू करने की सामर्थ है।

जैसे ही ड्रेन्डा और मैंने परमेश्वर के राज्य में अपने कानूनी अधिकारों के बारे में सीखना आरम्भ किया, परमेश्वर और बाइबल के बारे में हमारा दृष्टिकोण नाटकीय रूप से बदल गया। हमारी नई समझ का नतीजा है कि हमारा जीवन बदल गया है। अब और भीख मांगना नहीं। कोई और दलील नहीं। हमने सीखा कि परमेश्वर ने जो कहा वह हमें उसके राज्य के नागरिकों के रूप में कानूनी रूप से पहले ही दे दिया गया है। हमें यह सीखने की जरूरत है कि कानूनी तौर पर जो कुछ हमारा है उसपर दावा कैसे किया जाए और उसे पृथ्वी पर कैसे मुक्त किया जाए। आप चेक से कॅश कैसे प्राप्त करते है इसके बारे में सोचें। आपके खाते में चाहें बहुत सारा पैसा है, फिर भी एक कानूनी प्रक्रिया है जिसके द्वारा आप उस पैसे का दावा कर सकते हैं और चेक का भुगतान करके नकद निकाल सकते हैं। किसी भी कानूनी प्रणाली की एक प्रक्रिया होती है जिसके द्वारा हम किसी चीज पर कानूनी दावा करते हैं, भले ही वह हमारी ही क्यों न हो।

क्योंकि उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है।

– 2 पतरस 1:3

यह एक राज्य है! जो लोग परमेश्वर के राज्य के नागरिक हैं, उनके पास परमेश्वर के राज्य के अन्य किसी भी नागरिक के समान अधिकार है। यह महत्वपूर्ण है कि हम इस बिंदु को समझें: राज्य कानून द्वारा संचालित होते हैं और कानून नहीं बदलते हैं। यह महत्वपूर्ण क्यों है? यह महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका अर्थ है कि यदि परमेश्वर का राज्य अपरिवर्तनीय कानूनों के आधार पर कार्य करता है या संचालित होता है, तो उस राज्य में व्यक्तियों का सम्मान नहीं है। इसके बजाय, राज्य में सभी को अपनी ओर से राज्य के कानून का आनंद लेने का समान अधिकार है, जैसा कि किसी और को है।

इसी बात पर चर्च जीवन में चीजें गड़बड़ा जाती हैं। अधिकांश मसीही महसूस करते हैं कि परमेश्वर इस बारे में अनिश्चित है कि वह किसी एक व्यक्ति के जीवन के साथ क्या करना चाहता है। दूसरे शब्दों में, उनका मानना है कि परमेश्वर एक व्यक्ति को आशीर्वाद देने का निर्णय लेता हैं और दूसरे को आशीर्वाद नहीं देने का फैसला करता हैं। उन्हें लगता है कि परमेश्वर उनके जीवन में ऐसी चीजें होने देता हैं जिन पर उनका अपना कोई नियंत्रण नहीं है। उन्हें लगता है कि परमेश्वर एक व्यक्ति को चंगा करता है और दूसरे को नहीं। अधिकांश मसीही मदद के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं, लेकिन वह पहले से ही उनकी मदद करने के लिए आवश्यक सब कुछ कर चुका है। उसने उन्हें अपना राज्य, सम्पूर्ण राज्य दिया है!

जब परमेश्वर ने मुझसे मेरी आर्थिक स्थिति और मुझे उसके राज्य के बारे में और जानने की आवश्यकता के बारे में बात की, तो उसने मुझे यह शास्त्रवचन दिया।

"धन्य हो तुम जो दीन हो, क्योंकि परमेश्वर का राज्य तुम्हारा है।

– लूका 6:20b

परमेश्वर मुझे बता रहा था कि मेरी आर्थिक स्थिति के लिए मेरा उत्तर उसका राज्य है, और यह सीखकर कि यीशु की तरह सांसारिक क्षेत्र में राज्य के नियमों का उपयोग कैसे किया जाए, आप उसमें कुछ जोड़ सकते हैं। मै यह मानता हूँ कि पहले तो मुझे नहीं पता था कि इस सबका क्या मतलब है। लेकिन जो परमेश्वर ने मुझसे कहा था उसपर जब मैंने मनन किया, तब मैंने महसूस किया कि राज्य कानून द्वारा शासित होता हैं। किसी विशेष कानून के कार्यों और परिणामों को हर बार उसी तरह काम करने के लिए पहचाना और मापा जा सकता है क्योंकि कानून नहीं बदलते हैं। आत्मिक दृष्टि से मैंने ऐसा कभी नहीं सोचा था। हालांकि, अगर ऐसा है और परमेश्वर का राज्य वास्तव में इस तरह से काम करता है, तो मुझे पता है कि मैं उन कानूनों को सीखने, उन्हें लागू करने और उन कानूनों से लाभान्वित होने में सक्षम हो जाऊंगा जो मेरे जीवन में काम करते हैं।

मैं समझता हूं कि इस धरती पर शासन करने वाले कानून नहीं बदलते हैं। वास्तव में, उनकी निरंतर और अपरिवर्तनीय कार्रवाई किसी को चंद्रमा पर भेजने या विमान उड़ाने का कारण बन सकती है। लेकिन अधिकांश मसीही इसे समझकर परमेश्वर के पास नहीं जाते है। इसके बजाय, जब उन्हें किसी चीज़ की आवश्यकता होती है, तो वे भीख माँगते और रोते हैं, परमेश्वर को यह समझाने की कोशिश करते हैं कि उन्हें इसकी आवश्यकता है, यह सोचते है कि परमेश्वर उनकी बिनती के अनुसार उनकी देखभाल करने का निर्णय लेता है।

उदाहरण के लिए, अगर मैं एक चर्च सम्मेलन में प्रचार करना चाहता हूं, तो क्या उस चर्च के सभी लोग उस सभा के लिए लाइट्स चालू करने के लिए प्रार्थना करना शुरू कर देंगे? क्या वे उपवास करेंगे और परमेश्वर से प्रार्थना करेंगे, "हे परमेश्वर, तू जानता हैं कि यह सभा कितनी महत्वपूर्ण है और हमें इस सभा के दौरान लाइट्स चालू करने की आवश्यकता है," क्या वे रोएंगे और प्रार्थना करेंगे? मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा करेंगे। वास्तव में, मुझे संदेह है कि उस सभा की योजना बनाते समय लाइट्स ऑन करने की कोई चिंता भी उनके दिमाग में नहीं आएगी। यदि वे सम्मेलन की उस रात आते हैं और लाइट्स ऑन नहीं होते है, तो क्या आपको लगता है कि वे बिजली कंपनी को बुलाएंगे और लाइट्स ऑन करने का अनुरोध करेंगे? नहीं। अगर वे ऐसा करते हैं, तो मुझे यकीन है कि बिजली कंपनी का कर्मचारी एक पल के लिए

बोलने वाले की बात सुनेगा, फिर अपने सहकर्मी की ओर मुड़कर कहेगा, "यह पागल व्यक्ति है।" फिर वह फोन पर उस व्यक्ति से कहेगा, "मैडम, बिजली चालू है; समस्या आपके साथ है।"

जब मैं अपनी किसी कांफ्रेंस में यह उदहारण लोगों को बताता हूं तो सब हंस पड़ते हैं। आपको पता है क्यों? क्योंकि कि वे जानते हैं कि बिजली कंपनी को बुलाना, जोर–जोर से रोना, उन्हें लाइट्स ऑन करने के लिए कहना मूर्खता है; लगभग सभी जानते हैं कि वास्तव में क्या करना है। उन्हें लाइट्स के लिए केवल स्विच ऑन करना है। यह इतना आसान है! वे भावुक होकर रोएंगे नहीं, तनाव में नहीं आएंगे: वे सिर्फ स्विच ऑन करेंगे। क्या आप जानना चाहते हैं कि लाइट्स ऑन नहीं है इसलिए वे तनावग्रस्त क्यों नहीं होंगे? क्योंकि उन्हें यह अपेक्षित है कि लाइट चालू हो जाएगी। इसलिए कि वे जानते हैं कि बिजली कैसे काम करती है, वे उम्मीद करते हैं कि लाइट्स ऑन हो ही जाएंगे। वे बिजली को नियंत्रित करने वाले कानूनों को समझते हैं और जानते हैं कि कानून कभी नहीं बदलता है।

लेकिन अगर आप 1,000 साल पीछे चले गए और किसी से कहा कि आप पूरे शहर को छोटे कांच के बल्बों से रोशन करने जा रहे हैं, तो वे सोचेंगे कि आप मूर्ख हैं। और अगर आप शहर के एक छोटे से हिस्से को कांच के बल्बों से रोशन कर देते हैं, तो वे कहेंगे कि यह एक चमत्कार है। जिसे लोग समझा नहीं सकते, उसे वे चमत्कार कहते हैं। लेकिन यह कोई चमत्कार नहीं था; यह केवल बिजली का नियम था, जैसे यह उन लोगों के लिए एक नियम या प्रक्रिया है जो यह जानने का प्रयत्न करते है या प्रशिक्षण लेते हैं कि बिजली कैसे काम करती है।

आपने अभी सीखा है कि बिजली कैसे काम करती है, या आप कह सकते हैं कि आपने बिजली को नियंत्रित करने वाले कानूनों के बारे में अपनी सोच को नया बनाया है। इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि यह काम करेगा और जब यह काम करता है तो हमें आश्चर्य नहीं होता है। वास्तव में, आपको यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि यह विफल हो गया है। बिजली को नियंत्रित करने वाले नियमों को समझकर और लिख कर हम दुनिया भर में कई बिजली के लैंप बना सकते हैं। कैसे? यह कानून कैसे काम करते हैं यह दूसरों को सिखाकर कर हम यह कर सकते हैं। और बिजली की रोशनी का लाभ उठाने में उनकी मदद करते सकते हैं। यह सब बिजली को नियंत्रित करने वाले कानूनों की समझ से संभव हुआ है। आध्यात्मिक नियमों के

बारे में भी यही सच है। यदि आप यह नहीं समझते हैं, तो आपके पास उनके लाभों का आनंद लेने या आवश्यकता पड़ने पर उनका अनुकरण करने की क्षमता नहीं है।

जब आप एक विमान को उड़ान भरते देखते हैं तो आप यह नहीं कहते कि 'वाह, चमत्कार हुआ'। नहीं, आप विमान के उड़ने की उम्मीद करते हैं क्योंकि आप जानते हैं कि विमान कैसे उड़ता है और क्यों उड़ता है। और फिर, अगर हम 1,000 साल पीछे चले जाएं और ट्री टॉप लेवल से नए डबल–डेक एयरबस 380 जेट विमान को उड़ा दें, तो लोग क्या कहेंगे? वे कहेंगे कि यह चमत्कार है! मुझे पता है कि 380 बहुत प्रभावशाली है, इसका वजन 1.2 मिलियन पाउंड है, यह 570 मील प्रति घंटे की गति से 800 से अधिक लोगों को 9,000 मील तक ले जा सकता है। यह इतना अजीब है कि यह लगभग एक चमत्कार जैसा है। लेकिन मामला वह नहीं है। आप 380 विमान बनाने वाले इंजीनियरों से पूछ सकते हैं कि यह कैसे उड़ता है और वे आपको भौतिकी के हर नियम बताएंगे जो वे विमान को उड़ाने के लिए इस्तेमाल करते हैं और वे आपको इसके प्रत्येक स्क्रू और इस्तेमाल किए गए अन्य पार्ट्स के बारे में बता सकते हैं। विमान के इंजीनियर ने विमान की पहली उड़ान के दौरान रनवे पर खड़ा होकर यह नहीं कहा, "वाह, इसे देखो; मैं विश्वास नहीं कर सकता कि यह विमान वास्तव में उड़ रहा है। "फिर से, हम मानते हैं कि हम एक हवाई जहाज में यात्रा कर सकते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि इसकी उड़ान भरने की क्षमता भौतिक नियमों पर आधारित है और वे नियम नहीं बदलते हैं। और जब तक हम नियमों के दायरें में रहते हैं, विमान उड़ता रहेगा। याद रखें: कानून नहीं बदलते!

यदि कानून सुसंगत नहीं है, तो आप कभी भी विमान में नहीं चढ़ेंगे। यदि आप एक एयरलाइन टिकट खरीदते हैं और आपकी सीट के सामने कुछ ऐसा लिखा है, "इस विमान पर अपनी जोखिम पर यात्रा करें क्योंकि उड़ान नियम केवल कभी कभी काम करते हैं। एक दिन कानून काम करता है और अगले दिन काम नहीं करता। कब क्या होगा यह कोई भी निश्चित रूप से नहीं जानता – भाग्यशाली महसूस करें? एक अच्छी उड़ान लें।" तो आप उस विमान पर कभी नहीं चढ़ेंगे। पिछली बार आपको कब ऐसा डर था कि आप विमान में अपनी सीट से नीचे गिर जाएँगे? कभी नहीं? क्यों नहीं? क्योंकि आप जानते हैं कि गुरुत्वाकर्षण का नियम कभी नहीं बदलता है।

ये पृथ्वी के भौतिक नियम हैं जिन्हें परमेश्वर ने बनाया है। लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं? उसके राज्य के आत्मिक नियम भी इस प्रकार काम करते हैं – वे नहीं बदलते हैं! इससे पहले कि परमेश्वर ने मुझसे अपने राज्य के बारे में बात की, मैंने बहुत अच्छी तरह से अध्ययन किया था कि पृथ्वी के भौतिक नियम कैसे काम करते हैं, लेकिन मुझे लगा कि परमेश्वर का राज्य अलग है। मुझे लगता है कि परमेश्वर वही करता है जो वह चाहता है, जब वह चाहता है। लेकिन मुझे एहसास हुआ कि यह सच नहीं था। जब मैंने देखा कि परमेश्वर के आत्मिक राज्य के नियम नहीं बदलते हैं और उन्हें सीखा, समझा और लागू किया जा सकता है, तो मैं समझ गया कि यीशु क्यों कहता हैं, "यह परमेश्वर का राज्य है।" फिर वह राज्य की तुलना प्राकृतिक क्षेत्र की किसी चीज़ से करता है ताकि लोग समझ सकें कि यह कैसे काम करता है। अचानक मेरे दिमाग का दीया प्रकाशित हो गया। मेरे मन में विचार आया, "यदि परमेश्वर ने हमें राज्य दिया है, और वह उसने हमें दे ही दिया है, और यह राज्य अपरिवर्तनीय कानूनों, नियमों द्वारा शासित है, तो मैं उन कानूनों को सीख सकता हूं और उन्हें अपने जीवन में लागू कर सकता हूं।"

"हे छोटे झुण्ड, मत डर; क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है, कि तुम्हें राज्य दे।
– लूका 12:32

उस दिन मैं एक आत्मिक वैज्ञानिक बन गया! मैंने पवित्रशास्त्र को पूरी तरह से अलग रोशनी में देखा। बाइबल पढ़ने के बाद, मैंने पूछना शुरू किया: "ये मछलियाँ संख्या में क्यों बढ़ीं? वह व्यक्ति क्यों चंगा हो गया? वह रोटी क्यों बढ़ रही है? "और इतने सारे सवाल। जब मैंने उस तरह से बाइबल पढ़ना शुरू किया, तो मैंने परमेश्वर से मुझे उस स्थिति में काम करने वाले कानूनों को दिखाने के लिए कहा वाह!

जिस दिन वकील ने मुझे बुलाया, जिस दिन प्रभु ने मुझसे बात की और कहा कि मेरी समस्या यह थी कि मैंने यह जानने की कोशिश नहीं की, कि उसका राज्य कैसे काम करता है, इसलिए जैसा कि मैंने पहले कहा, मैं तुरंत नीचे गया और परमेश्वर की खोज ना करने और घर में सभी को वित्तीय तनाव और संकट में ले जाने के लिए के लिए अपनी पत्नी से क्षमा मांगी।

लेकिन हम नहीं जानते थे कि अपने जवाबों के लिए राज्य पर भरोसा करने का क्या मतलब होता है। हम चर्च जाया करते थे, हम स्वर्ग के मार्ग पर थे, और हम परमेश्वर से प्रेम करते थे। उस समय, हमें नहीं पता था कि परमेश्वर का "राज्य" से क्या मतलब है। हमारे सामने एक बड़ी समस्या थी, जैसा कि वकील ने कहा कि हमें पैसों का इंतज़ाम करना था और उसके लिए हमारे पास केवल तीन दिन थे, और अगर हम पैसे का भुगतान करने के लिए तीन दिनों में आगे नहीं आए, तो हम पर मुकदमा किया जाएगा।

तो, यह एक अच्छी परीक्षा थी। पैसे की समस्या का यह मेरा पहला अनुभव था, और मैं चाहता था कि परमेश्वर मुझे बताए कि "राज्य" का क्या अर्थ है। तो चलिए आपको बताते हैं क्या हुआ था। याद रखें, वकील ने कहा कि मेरे पास बिल का भुगतान करने के लिए केवल तीन दिन हैं, और मेरे पास कोई पैसा नहींथा ! उस हताशा ने मुझे अपने शयनकक्ष में जाने और प्रभु को पुकारने के लिए प्रेरित किया; मैं मुसीबत में था! और उसी समय उस ने मुझ से कहा, कि परमेश्वर का राज्य मेरा उत्तर है; और, मुझे नहीं पता था कि इसका क्या मतलब है, लेकिन मैं निश्चित रूप से इसके बारे में जानने के लिए तैयार था।

दो दिन बाद, शाम को, मैं एक मुवक्किल को उनके जीवन बीमा के बारे में मिलने उनके घर गया। वैसे उन दिनों मैं अपनी कार हमेशा अपने मुवक्किल के घर से दूर एक कोने पर खड़ी करता था, कभी घर के सामने खड़ी नहीं करता था। मैं जिस मिनीवैन को चला रहा था उसमे थोड़ी परेशानी थी। गाड़ी को जब ऑन किया जाता था तो पूरी सड़क सफेद धुएँ से भर जाती थी, और थोड़ा नहीं, परन्तु बहुत अधिक धुँआ होता था। मैं हमेशा सोचता था कि अगर मैं अपनी कार क्लाइंट के ड्राइव वे में खड़ा कर दूं और बाहर जाते समय ड्राइव वे धुएं से भर जाएगा, तो इससे मेरे काम को फायदा होने के बजाय बुरा असर पड़ेगा। मैंने सोचा कि मैं उनसे कहता था कि बीमा में सैकड़ों–हजारों डॉलर का निवेश करें और फिर मेरी कार की ऐसी हालत वे देखते तो मेरे व्यवसाय पर उसका बुर असर पड़ेगा। उन्होंने कहते कि अगर मैं इतना बड़ा वित्तीय प्रबंधक हूं, तो मेरे पास इतनी बेकार कार क्यों है? यह रात भी कुछ अलग नहीं थी।

मैं अपने मुवक्किल के घर से बाहर निकला और देखा कि वे भी मेरे साथ बाहर आ रहे हैं, अब मुझे यह सोचकर डर लग रहा था कि वे मेरे साथ कार के पास आएंगे। वह जानबूझकर ऐसा नहीं कर रहे थे, वह सिर्फ मुझसे बात करते हुए मेरे साथ चल रहें थे। लेकिन मुझे चिंता हो रही थी कि जब मैं कार स्टार्ट करुँगा तो कहीं वह भी वहीं खड़े होकर कार की हालत को ना देखे। जब मैं अपनी कार में बैठा, तब भी वह मुझसे बात कर रहें थे। मैंने सोचा कि कुछ देर बात करने के बाद वे मुझे गुड नाईट कहकर चले जायेंगे, और वे पूरी तरह से अपने घर चले जाने के बाद मैं गाड़ी स्टार्ट कर दूंगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिर में उन्होंने गुड नाईट कहा, लेकिन वह मेरी गाड़ी से कुछ दुरी पर ही खड़े हो गएँ। मुझे पता था कि अब मेरे पास कोई चारा नहीं है। मैंने वैन शुरू की, इस उम्मीद में कि इस बार सफेद धुआं नहीं निकलेगा, लेकिन मेरी इच्छा पूरी नहीं हुई। देखते ही देखते हवा में धुंआ भर गया जिससे आंखों में जलन होने लगी।

मेरे क्लाइंट ने तुरंत मुझे रुकने की चेतावनी दी। वह वापस मेरी खिड़की के पास आ गएँ और मुझसे कार का बोनट खोलने को कहा। फिर उन्होंने मुझे बताया कि वह एक ऑटो मैकेनिक के रूप में भी पार्टटाइम काम करते है और वह जांचना चाहते है कि कार में क्या खराबी है। एक मिनट बाद वह मेरे पास वापस आएं और कहा, “जैसा मुझे संदेह था, आपकी कार का हेड गैसकेट उड़ गया है। वैन को अभी घर ले जाओ और इसे तुरंत ठीक करवावो।” मैंने उन्हें धन्यवाद दिया और चला गया, उन्होंने तो मुझे बताया कि कार में क्या खराबी थी। लेकिन मेरे पास उसकी मरम्मत के लिए भी पैसे नहीं थे।

मेरा कार्यालय मेरे क्लाइंट के घर से केवल छह मील की दूरी पर था, और जैसे ही मैं अपने कार्यालय में वापस चला गया, निराशा ने मुझे पूरी तरह से अपनी गिरफ्त में ले लिया। लेकिन गाड़ी चलाते समय मुझे याद आया कि परमेश्वर ने मुझसे क्या कहा था और मैं उससे अपनी वैन के बारे में बात करने लगा। “हे प्रभु,” मैंने कहा, “मेरे पास इस वैन को ठीक करने के लिए पैसे नहीं हैं।” वास्तव में, मुझे अभी भी वैन के लिए जो क़र्ज़ लिया था उसका भुगतान करना है और मैं इसे ऐसी हालत में बेच भी नहीं सकता। मुझे नहीं पता हैं क्या करना है। शायद यह बेहतर होगा कि वैन में आग लग जाए और वह जल जाए। इस तरह बीमा कंपनी वैन का क़र्ज़ चुका देगी और मैं मुक्त हो जाऊंगा।”

मैं कार्यालय से लगभग तीन मील की दूरी पर था, और मैंने अपनी कार के बोनट पर एक बुलबुला देखा जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था। मैं यह देखने की कोशिश कर ही रहा था कि वह क्या था, तभी बुलबुला बड़ा और बड़ा होता गया, मैं किसी तरह कार को अपने कार्यालय की पार्किंग में लाने में कामयाब रहा, और अचानक गुब्बारा फट गया और आग लग गई। मैं चौंक पड़ा; वैन का पूरा अगला हिस्सा अब छह फीट ऊंची आग की लपटों में घिर गया था। मैं जल्दी से कार्यालय की इमारत में गया और दमकल विभाग को फोन किया। अगले दिन, बीमा कंपनी ने वैन की कुल लागत में कटौती की, और उन्होंने मुझे एक चेक दिया, जिसमें से मैंने तीन दिन पहले जिस वकील ने फोन किया था उसको पूरी राशि का भुगतान किया, और हमारे पास अभी भी काफी पैसा शेष था। ड्रेंडा और मैं चकित थे। पता नहीं क्या और कैसे सोचना चाहिए। हम जानते थे कि परमेश्वर हमारे लिए काम कर रहा हैं और कुछ बदल रहा है। लेकिन परमेश्वर के राज्य के प्रति हमारे समर्पण की अलग तरह से परीक्षा होगी, जो आने वाले वर्षों के लिए हमारे मार्ग को निर्धारित करेगा।

उस समय, हमने खुद को साबित कर दिया था कि परमेश्वर का कानून काम कर रहा है,और उस क्षण से हमने सीखना जारी रखने और परमेश्वर के राज्य प्रणाली का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हो गएँ।

वैन में आग लगने के बाद, हम निश्चित रूप से उत्साहित थे, लेकिन हमें अचानक एहसास हुआ कि हमारे पास अब कार नहीं है। अब जब कि वैन का भुगतान हो चूका था और क्रेडिट कार्ड अटॉर्नी के भी पैसे चुकते हो गएँ थे, हमारे पास अब नई वैन खरीदने के लिए पैसे नहीं बचे थे। यह सुनकर कि हमारी वैन में आग लग गई, मेरे पिता ने फोन किया और कहा कि वह एक नई वैन खरीदने में हमारी मदद करना चाहते हैं। यह खबर सुनकर हम उत्साहित हो गए। इसलिए मेरे पिताजी और मैं एक स्थानीय कार डीलरशिप पर गए, और ड्रेंडा और मुझे हमारी पसंदीदा कार वहां मिल गई। मेरे पिता ने कहा कि वह उस कार को खरीदने के लिए हमें 5,000 डॉलर की सहायता करेंगे, और वह कार लगभग 17,000 डॉलर की थी। इसका मतलब है कि हमें 12,000 डॉलर का इंतज़ाम करना था। मैंने अनिच्छा से ऋण के लिए

आवेदन किया और मेरे पिता ने सह–हस्ताक्षर किया। और अगली सुबह हमें पता चलना था कि मुझे कर्ज मिलेगा या नहीं।

हम उस रात सो नहीं सके। हमें पता था कि हम वह क़र्ज़ नहीं ले सकते। यहोवा ने मुझे बिना कार के काम करने को कहा। लेकिन क्योंकि मेरे पास कार नहीं थी, मुझे मजबूरन क़र्ज़ के लीये हाँ कहना पड़ा था। इन विचारों के कारण पूरी रात भयानक थी, इसलिए सुबह उठने के बाद ड्रेंडा और मैं इस बात पर सहमत हुए कि हम उस ऋण को स्वीकार नहीं करेंगे। मैंने अपने पिता को फोन किया और उनकी मदद के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, लेकिन उनसे कहा कि हम कार का खर्च नहीं उठा सकते। फिर मैंने डीलरशिप को फोन किया और उन्हें वही बात बताई। उस सुबह हमारा कर्ज मंजूर हो गया था और हम वैन को घर ले आ सकते थे, इसलिए डीलरशिप के लोग भी निराश हो गए। हालाँकि हमें इस बात का अंदाजा नहीं था कि परमेश्वर वैन खरीदने में हमारी मदद कैसे करने वाला हैं, लेकिन हमें मन की पूरी शांति थी।

वैन में आग लगने से एक महीना पहले, ड्रेन्डा को पता चला था कि एक आदमी तीन कमरों में भरा हुआ फर्नीचर बेच रहा है, और उसने उसे फोन करके बताया कि वह इसे खरीदना चाहती है, लेकिन बाद में वह उससे संपर्क नहीं कर सकी। वैन में आग लगने के कुछ दिनों बाद, उस व्यक्ति ने फोन किया और वह तीन कमरों के पुरे फर्नीचर को ड्रेंडा को 1,000 डॉलर से कम में बेचने के लिए तैयार हो गया। ड्रेंडा ने अपनी ओर से फर्नीचर बेचने के लिए एक नीलामी कंपनी के साथ समझौता किया, और अपनी कमीशन को नकदी के बदले में, उनसे एक पुरानी लेकिन अच्छी स्थिति में कार की मांग की। और उस समझौते के कारण हमें एक अच्छी स्टेशन वैगन मिली जिसके लिए हमें कुछ भी भुगतान नहीं करना पड़ा। क्रेडिट कार्ड का पैसा चुकता हो गया, और पुरानी वैन का कर्ज चुका दिया गया था।

बहुत खूब! इस तरह परमेश्वर का राज्य काम करता है। उस समय, हमने खुद को साबित किया कि परमेश्वर की व्यवस्था काम कर रही थी, और हमने परमेश्वर की राज्य व्यवस्था को सीखना और उसका उपयोग करना जारी रखने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया। आप शायद पूछेंगे, “हमने किस सिद्धांत का उपयोग किया?” सबसे बड़ी बात यह है कि क़र्ज़ पर भरोसा

नहीं करना है, बल्कि अपनी जरूरतों को परमेश्वर के सामने रखना है और उससे यह दिखाने के लिए कहें कि उसके पुरस्कार कैसे प्राप्त करें।

वैन की घटना ने मुझे प्रोत्साहित किया और कुछ महीने पहले एक और घटना ने हमें मजबूत किया, लेकिन उस समय मुझे समझ नहीं आया कि परमेश्वर मुझे क्या दिखा रहा हैं। परमेश्वर के राज्य के सिद्धांत के अर्थ में अभी तक मेरे दिमाग में बिंदु क्रमागत जोड़े नहीं गए थे।

मुझे हिरणों का शिकार करना अच्छा लगता है लेकिन कई सालों तक मुझे इसमें सफलता नहीं मिली थी, मैं खाली हाथ वापस आ जाता था। मैं शिकार करने जाता था, ठंड में बैठा रहता था और शिकार का इंतजार करता था, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। ऐसा नहीं है कि मुझे केवल शिकार करना पसंद था; लेकिन मेरे बच्चे थे और उन्हें भोजन की आवश्यकता थी, इसलिए मैं शिकार करना चाहता था ताकि उन्हें भोजन खिला सकूँ। मुझे बहुत पहले कुछ सफलता मिली थी, कई सालों तक मैं शिकार करने और हिरण के मांस को घर लाने में सक्षम नहीं रहा। एक दिन जब मैं हिरणों के शिकार के आने वाले मौसम के बारे में सोच रहा था, तब मैंने प्रभु की आवाज सुनी। उसने कहा, "क्या तुम मुझे, इस साल हिरणों का शिकार कैसे करना है, यह तुम्हे सिखाने दोगे?" मुझे यह सुनकर आश्चर्य हुआ। "मैं तुम्हे दिखाता हूं कि आप इस साल हिरणों का शिकार कैसे कर सकते हैं?" इसका क्या मतलब है? उन शब्दों के लिए प्रार्थना करते हुए, मुझे हिरण का सटीक शिकार करने के लिए बोने अर्थात आर्थिक रूप से दान करने की इच्छा तीव्रता से महसूस हुई। मुझे लगा कि प्रभु मुझसे कह रहा हैं कि जब मैंने अपने हिरण के लिए अपना बीज बोया अर्थात सेवकाई के लिए दान दिया, तो मरकुस 11:24 के अनुसार, मुझे दृढ़ता से विश्वास करना होगा कि मुझे यह प्राप्त हो चुका है:

> *सो मैं तुम से कहता हूं, कि जो कुछ तुम प्रार्थना में मांगो, विश्वास करें कि आपने इसे प्राप्त कर लिया है और यह आपका होगा।*

हालांकि मैं हमेशा अपने चर्च में एक मसीही होने के नाते दान दिया करता था, चर्च के सभी कार्य में सहयोग करता था, यह मेरे लिए नया था कि किसी कार्य के लिए निश्चितरूप से दान देना और वह मुझे प्राप्त हो चुका है यह विश्वास करना। मैंने चेक लिया और चेक पर मेमो

के विभाग में लिखा, "मेरे 1987 के हिरण के लिए।" मैंने उस पर अपना हाथ रखा और प्रार्थना की, इसे डाक द्वारा सेवकाई को भेज दिया। मुझे यकीन था और भरोसा था, और घोषणा कर रहा था कि जैसे मैंने चेक भेजा था, वैसे ही मुझे मेरा हिरण मिल गया है। उस समय, मैं टुल्सा ओक्लाहोमा में रहता था, वहां शिकार करने के लिए कोई जगह नहीं थी, लेकिन मेरे चर्च के एक मित्र ने मुझे थैंक्सगिविंग के लिए शहर से दूर रहने वाली अपनी दादी के घर आने के लिए आमंत्रित किया। उसने कहा कि खेत के आसपास कुछ हिरण थे। इसलिए मेरा परिवार थैंक्सगिविंग की सुबह नाश्ते और एकदूसरे की संगति का आनंद लेने और मेरे साथ हिरण का शिकार करने के लिए वहां जाने के लिए निकला।

मेरे दोस्त को नहीं पता था कि मुझे शिकार के लिए कहाँ भेजा जाए, लेकिन एक घास का मैदान था और उसके चारों ओर एक जंगल था, उसने मुझे घास के मैदान में जाकर एक बड़े पेड़ के पास बैठने के लिए कहा। अब, मैं चाहता हूं कि आप इस तस्वीर को समझें। मैं एक घास के मैदान में बैठा था जिस पर से घास को पूरी तरह से काटा गया था और उसके बीच में एक बड़ा पेड़ था। मैं उस पेड़ से टिक कर बैठा और शायद मुझसे 130 गज की दूरी पर जंगल की ओर देखने लगा। आज, जब मैं मुड़कर उस स्थिति को याद करता हूं, तो आप समझ गए होंगे कि यह शिकार के लिए बहुत अनुकूल स्थिति नहीं थी।

सुबह करीब 30 या 40 मिनट, मुझे पता भी नहीं चला, एक हिरण मेरे पीछे के खेत से मेरे सामने वाले जंगल की ओर दौड़ रहा था। पेड़ मेरे और हिरण के बीच में था, इसलिए हिरण ने मुझे नहीं देखा और मैंने उसे नहीं देखा। वह देख नहीं पाया था कि मैं वहां हूं, वह सीधे पेड़ की ओर दौड़ा। जैसे ही हिरण पेड़ के पास पहुंचा, उसने मेरी गंध पकड़ ली और यह पता लगाने के लिए रुक गया कि मैं कहाँ हूँ। हिरण ने पेड़ के चारों ओर देखा, और सिर्फ पांच गज की दूरी से हम दोनों ने एक ही समय में एक दूसरे को देखा। अब मुझे नहीं पता कि हम दोनों में से कौन ज्यादा हैरान था, लेकिन उस हिरण ने ऊंची छलांग लगाने में समय बर्बाद नहीं किया। वह जोर–जोर से चिल्लाते हुए पूरी रफ्तार से जंगल की ओर भागने लगा। मैं अभी भी वहीं बैठा था, हिरण अब पूरी रफ्तार से दौड़ रहा था और मुझसे दूर भाग रहा था, मैंने राइफल उठाई और जब तक वह मेरी सीमा में था तब तक उसे मारने की कोशिश करने लगा।

अब, उस पूरी गति से भागने वाले सफेद हिरण पर एक ऑफहैंड शॉट मारने की कोशिश करना आसान नहीं था। सच कहूं तो मैंने इससे पहले कभी किसी भागते हुए हिरण को गोली नहीं मारी थी। मुझे पता था कि मैं उस हिरण को अपने क्षेत्र में नहीं रख सकता था क्योंकि हिरण हवा में ऊंची छलांग लगा रहा था, ठीक उसी तरह जैसे सफेद पूंछ वाले हिरण पूरी बोअर चलाते समय करते हैं। लेकिन जब मैंने ट्रिगर खींचा, तो वह गिर गया और फिर से नहीं हिला। मै तो भौचक्का रह गया! यह सब एक सेकेंड में हो गया। मैने शॉट 110 गज की दूरी पर मारा था।

राइफल की आवाज सुनकर मेरा दोस्त बाहर आया और हिरण को वहां पड़ा देखकर मुझे बधाई दी। मैंने अभी तक अपने मित्र को यह नहीं बताया था कि मेरे हिरण को कैसे प्राप्त किया जाए, इस बारे में परमेश्वर ने मुझसे क्या कहा था, लेकिन अब मैंने उसकी ओर देखा और कहा, "मुझे नहीं लगता कि इस हिरण का शिकार मेरी शिकार क्षमता के कारण किया गया है।" फिर मैंने अपने शिकारी के कोट से कागज का एक टुकड़ा निकाला, जिस पर मैंने डाक से भेजे गए चेक की तारीख लिखी थी। इसमें लिखा था, "मेरा विश्वास है कि मुझे अपना 1987 का हिरण यीशु के नाम पर मिल चुका है।" मैंने प्रार्थना करने की तारीख और समय भी वहाँ लिखा था। मैंने अपने दोस्त को कागज दिखाया और फिर उसे बताया कि परमेश्वर ने मुझे क्या करने के लिए कहा था।

इस घटना ने मेरा ध्यान आकर्षित कर लिया। मुझे पता है कि यह सब परमेश्वर कि ओर से था। लेकिन किसी कारण से, मुझे नहीं पता था कि मैं परमेश्वर के राज्य के कानून का उपयोग कर रहा था। वास्तव में, मैंने "राज्य" शब्द के बारे में सोचा भी नहीं था। उस हिरण को पाना अद्भुत था, लेकिन क्या ऐसा दोबारा होगा? राज्य कानून की अवधारणा के बिना, मुझे नहीं पता होता कि कैसे और किस कानून से हिरण अचानक वहां आ गया। तो मेरा मानना था कि यह परमेश्वर के हस्तक्षेप के कारण था, और अगले साल हिरण शिकार के मौसम के दौरान इसका पुन: परीक्षण करने पर मै विचार करने लगा। लेकिन शिकार का मौसम आने से पहले, मेरी वैन जलकर राख हो गई। जब वैन में आग लगी और मैंने स्टेशन वैगन को पूरे भुगतान के साथ प्राप्त किया, तो मेरा पूरा ध्यान परमेश्वर पर था। अब मैं अगले शिकार के मौसम के लिए

शिकार करने और हिरण लाने के लिए बहुत उत्सुक था। मैं अपने सिद्धांत का परीक्षण करना चाहता था और परमेश्वर के राज्य के बारे में और जानना चाहता था। हिरण शिकार का मौसम दूर नहीं था!

मैंने अपना पहले हिरण का शिकार 1987 के हिरन शिकार के मौसम में ओक्लाहोमा में किया था। लेकिन जुलाई 1988 में, हम ओहायो चले गए, जहाँ मैं बड़ा हुआ। हालाँकि मैं वहाँ पला–बढ़ा हूँ, लेकिन मुझे वहाँ छोड़े हुए 12 साल हो चुके थे। एक बच्चे के रूप में, मैं ओहायो में हिरणों का शिकार करता था। हालाँकि मैंने कई बार कोशिश की, लेकिन मुझे एक भी शॉट नहीं मिला। अब जब हम ओहायो में आया और एक टाउनहाउस किराए पर लिया, और हम थोड़ा आराम से बैठे थे तब, मुझे लगा कि मुझे तो पता ही नहीं कि कहां शिकार करना है। जब मै छोटा लड़का था तब, मैं अपने पिता के घर से सड़क के पार एक नाले में खरगोशों का शिकार करता था। जब मैं बड़ा हो रहा था तो मैंने कई वर्षों तक जाल को चलाया, लेकिन उस क्षेत्र में एक बार भी हिरण या हिरण का कोई संकेत नहीं देखा। एक दिन जब मैं कॉलेज में था, मेरे भाई ने बड़े उत्साह से फोन किया। उसने कहा, वास्तव में मेरे पिताजी के घर के पास नाले के किनारे एक हिरण को देखा था। हम दोनों अचंभित होकर स्तब्ध रह गए।

उस बातचीत को याद करते हुए, मैंने फैसला किया कि मैं हिरणों के शिकार के मौसम के पहले दिन नाले की तरफ जाऊंगा। मैंने अपने भाई को फोन किया और कुछ सलाह मांगी कि खाड़ी में कहाँ जाना है। हालाँकि उसे वहाँ वापस आए कुछ ही साल हो गए थे, लेकिन उसे नाले के पास जंगल के किनारे पर एक बड़ा मेपल का पेड़ याद आया, और उसने सोचा कि यह एक अच्छी जगह हो सकती है। अपने बचपन के दिनों में, मैं पूरी खाड़ी में घूमता था, मुझे खाड़ी के हर मोड़ का पता था, और मुझे ठीक–ठीक पता था कि वह मुझे कहाँ जाने के लिए कह रहा है।

ड्रेंडा और मैंने वही दोहराया जो प्रभु ने हमें एक साल पहले ओक्लाहोमा में दिखाया था – एक बीज बॉय,अर्थात दान दिया, इसे एक कागज पर लिख लिया, और विश्वास किया कि इसे मार्क 11:24 के अनुसार प्रार्थना करते हुए प्राप्त किया है। उस समय, ओहायो में एक समय एक ही लिंग के दो हिरणों का शिकार करने की अनुमति थी, लेकिन हमने सोचा कि हम

एक हिरण के लिए बोएंगे, यानी दान करेंगे, और फिर दूसरे हिरण का शिकार करने पर विचार करेंगे। ड्रेंडा और मैंने हिरण के लिए एक बीज बोया, अर्थात, हमने अपना दान एक सेवकाई के लिए दे दिया और जब हमने प्रार्थना की तब विश्वास किया कि हमें यह मिल चुका है। हैरानी की बात यह है कि जिस दिन हिरणों के शिकार का मौसम शुरू हुआ, उस दिन मुझे 40 मिनट में एक नहीं बल्कि दो हिरण मिले। वाह, हम जानते हैं कि निश्चित रूप से कुछ हो रहा है!

एक महीने बाद, मैंने एक बिजनेस आइडिया के बारे में सपना देखा। व्यवसाय में बीमा व्यवसाय से प्राप्त सभी वित्तीय ज्ञान शामिल था, लेकिन सपने में इसका एक अलग उद्देश्य था। मैं इसे पूरी तरह से समझ नहीं पाया, लेकिन मुझे यकीन था कि परमेश्वर मुझे अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने और उस फर्म को छोड़ने के लिए प्रेरित कर रहा है जिसमें मैं आठ साल से था। जब मैने यह सपना देखा तब, मैं अभी भी जीवन बीमा और सिक्युरिटीज के सेल्स विभाग में काम कर रहा था।

जिस हफ्ते मैंने यह सपना देखा, उसी हफ्ते मैं एक परिवार के पास जीवन बीमा के बारे में बात करने गया, और भले ही हमने जीवन बीमा के बारे में बात की, लेकिन मुझे पता था कि जीवन बीमा लेना उनकी वास्तविक आवश्यकता या समस्या नहीं थी। वे अपने मासिक बजट और कर्ज में लिपटे हुए थे। अपने ग्राहकों के लिए मेरी सामान्य योजना का एक हिस्सा एक फॉर्म पर उनसे उनकी वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करना था। इससे मुझे यह समझने में मदद मिलती है कि उन्हें कितना जीवन बीमा लेना चाहिए या नहीं। मैं उस रात इस परिवार को लेकर बहुत परेशान था। मैं उनकी मदद करना चाहता था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि कैसे। मैंने उनकी डेटशीट ली और यह देखने के लिए बैठ गया कि क्या कोई विकल्प है। जब मैं अपने वित्तीय कैलकुलेटर पर काम कर रहा था, मैंने यह देखना शुरू किया कि क्या मैं जीवन बीमा के नजरिए से देखे बिना उनके मासिक बजट में कुछ वित्तीय योगदान दे सकता हूं। कुछ चीजों को पुनर्व्यवस्थित करके और कैलकुलेटर पर कुछ

मैं यह देखकर आश्चर्यचकित हो गया कि यह परिवार 7 साल से भी कम समय में कर्ज मुक्त हो सकता है, बिना कुछ गिरवी रखे या अपनी आय में बदलाव किए बिना।

जमा घटा करके, मैं यह देखकर आश्चर्यचकित हो गया कि यह परिवार 7 साल से भी कम समय में कर्ज मुक्त हो सकता है, बिना कुछ गिरवी रखे या अपनी आय में बदलाव किए बिना।

इस घटना के समय, मैं 8 साल से वित्तीय क्षेत्र में था और मैंने कभी किसी को यह कहते नहीं सुना कि यह संभव है। मैंने इस मामले का बार–बार अध्ययन किया, और मुझे केवल एक ही उत्तर मिला: 6.2 साल और वह कर्ज मुक्त होंगे। फिर मैंने अपने फाइल ड्रावर से दूसरे क्लाइंट की डेटा शीट निकाली। मैंने वही गणना की और वही उत्तर मिला: वे 7 साल के भीतर कर्ज मुक्त हो जाएंगे। सच कहूं तो मैं इस डेटा से चौंक गया था।

मैंने सोचा कि मेरे ग्राहक इसे देखकर प्रोत्साहित होंगे, इसलिए मैंने एक अच्छी प्रस्तुति टाइप करने का फैसला किया और जब मैंने उनसे उनकी जीवन बीमा जरूरतों के बारे में मुलाकात की तो मुझे जो मिला उसे प्रस्तुत करने का फैसला किया। मुझे इस परिवार के लिए बहुत बुरा लग रहा था। मैं जानता था कि वित्तीय तनाव जीवन के हर क्षेत्र को कैसे प्रभावित करता है और इसलिए उन्हें बताना चाहता था कि यह निराश होने जितनी बुरी स्थिति नहीं है। इसलिए मैंने अपने ग्राहकों को अपनी टाइप की हुई प्रस्तुति दिखाई और जब मैंने उन्हें समझाया तब वे आश्चर्य से सुन रहे थे। जब मैंने उन्हें दिखाया कि वे कितनी जल्दी कर्ज से बाहर निकल सकते हैं, तब उस घर का पति रोने लगा और खुशी से उछलते हुए मुझे धन्यवाद देने लगा। यह ठीक ऐसा ही था जब आप टीवी पर किसी परिवार कोलॉटरी या गेम शो में एक भव्य पुरस्कार जीतने के बाद खुशी मनाते हुए देखते हैं। वे मेरी बात पर विश्वास नहीं कर पा रहे थे। यह उनके लिए और मेरे लिए भी एक अद्भुत अनुभव था।

ऊस दिन शाम को जो हुआ उसके बारे में जब मै सोच रहा था, तो मुझे यह सोचकर आश्चर्य हो रहा था कि कैसे मैं ग्राहकों की सम्पति और आर्थिक संख्याओं को पुनर्व्यवस्थित करके यह दिखा पाया कि वे 7 साल से कम समय में कर्ज से बाहर निकल सकते हैं। मैंने देखा कि इसका प्रभाव क्या है और इससे उन्हें कितनी बड़ी आशा मिल सकती है। यह पता लगाने के लिए कि 7 वर्षों की अवधि में कितने ग्राहक संभवतः "ऋण मुक्त" होने की स्थिति में हैं, मैंने अपने मुवक्किल की फाइलों को फिरसे देखना शुरू किया और मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि उनमें से 85 प्रतिशत ऐसी स्थिति में थे। लेकिन लोगों को उनकी स्थिति के बारे में कौन

बता रहा था? उस रात के बाद, अपने ग्राहकों और अपने कई पुराने ग्राहकों की फाइलों पर काम करने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि मैं एक ऐसा व्यवसाय शुरू कर सकता हूं जो लोगों को इस योजना के माध्यम से कर्ज से बाहर निकलने का तरीका बताए।

अब, इस समय मैं खुद्द कर्ज से मुक्त नहीं था, लेकिन मुझे निश्चित रूप से वित्तीय तनाव में लोगों के प्रति सहानुभूति थी, और मुझे जीवन बीमा बेचने की तुलना में यह काम अधिक आकर्षक लागा। मैंने अपने सभी बीमा ग्राहकों को इस जानकारी के विषय मी प्रिंटआउट दिखाना शुरू किया कि वे कैसे कर्ज से बाहर निकल सकते हैं और वे सभी इस बात को देखकार चकित थे।

मुझे समझ नहीं आ रहा था कि बिजनेस मॉडल कैसे बनाया जाता है, मुझे इसमें कुछ समस्याएं थीं। पहले हाथ से हिसाब करना और फिर इसे प्रस्तुति के लिए टाइप करने में काफी समय लगता था। दूसरा, मैं ऐसा करके पैसे कैसे कमा सकता हूँ? आखिरकार, मैंने एक कंप्यूटर सॉफ्टवेयर डिजाइनर के साथ एक अनुबंध किया और उससे एक प्रोग्राम बनवाया, जिसका उपयोग मैं इस काम को तेज़ी से करने के लिए कर सकता था। मेरी दूसरी समस्या यह थी कि मुझे पता था कि जब इन लोगों के पास शुरू में मुझे भुगतान करने के लिए पैसे नहीं है, तो मैं कर्ज से बाहर निकलने में सहायता करने के लिए उनसे पैसे नहीं ले सकता था। मैं इसके बारे में प्रार्थना करने लगा।

एक दिन मेरे दिमाग में बहुत सारे विचार आए। मुझे सच में लगा कि परमेश्वर ने मुझे अपनी कंपनी चलाने, बिना पैसे लिए लोगों की मदद करने और फिर भी अपने लिए पैसे कमाने का आइडिया दिया है। अपनी योजना में, मैंने अपने खोए हुए पैसे, जो पैसा ग्राहक के पास पहले से था, लेकिन उसने उसे नहीं देखा था, इस पर ध्यान देना शुरू कर दिया। उदाहरण के लिए, मैंने ऑटो, घर, जीवन और स्वास्थ्य बीमा दरों की तुलना करके यह पता लगाने की कोशिश की कि कैसे बचत की जाए। मैं बंधक दरों की तुलना यह देखने के लिए करता था कि पुनर्वित्त में कोई लाभ हुआ है या नहीं। मैं इस तरह की बहुत सी चीजों की जांच करता था, भले ही मैं जिस व्यवसाय पर शोध कर रहा था, उसके हर क्षेत्र को मैंने व्यक्तिगत रूप से कभी नहीं संभाला था। मैं अपने मुवक्किल के घर जाता, उन्हें दिखता की कितनी बचत हो रही है, और

फिर उन्हें खुद बाहर जाकर एक ऐसी कंपनी की तलाश करने के लिए कहता जो मेरे विचारों को लागू कर सके या एक ऐसा प्रतिनिधि ढूंढे जो मैंने जिस कम पैसों में काम करने वाली वाली कंपनी को ढूंढा था उसकी तुलना में कम पैसों में काम करने वाला कोई प्रतिनिधि ढूंढे। अचानक, मुझे एहसास हुआ कि इस क्लाइंट को उन कंपनियों में भेजने से मुझे एक रेफरल शुल्क मिल सकता है।

संक्षेप में, मैंने अपने ग्राहकों को उनकी कंपनी और उत्पाद के लिए बेचने का सारा काम पहले ही कर लिया था। उन्हें बस साइन अप करना था। इसलिए मैंने अपने ग्राहकों को सुझाव देने के लिए विक्रेताओं, एजेंटों और पेशेवरों से संपर्क किया और उन्हें बताया कि मैं क्या कर रहा था और उनसे पूछा कि क्या यह काम रेफरल शुल्क का भुगतान करने लायक है। सबने कहा "हाँ" तो मैंने ऐसा करना शुरू कर दिया। मैंने अपनी पुरानी कंपनी छोड़ दी और लोगों को कर्ज से उबारने के लिए अपनी खुद की कंपनी शुरू की। हमारा व्यवसाय बढ़ने लगा और इस व्यवसाय से ड्रेंडा और मुझे ढाई साल में कर्ज से मुक्ति मिल सके इतना पैसा कमाया! हम बहुत उत्साहित थे! (अगर आप भी मुफती में यह योजना बनाना चाहते हैं, तो 1–800–815–0818 पर कॉल करें। हम 28 साल बाद आज भी इसे कर रहे हैं!)

प्रत्येक दिन नया था क्योंकि परमेश्वर हमें अधिकाधिक दिखा रहा था कि उसका राज्य कैसे कार्य करता है। जब मैं किसी अन्य ग्राहक के पास गया, तो परमेश्वर ने मुझसे लोगों को काम पर रखने और मेरे छोटे व्यवसाय को एक पूर्ण व्यवसाय बनाने के बारे में बात की। मैंने अपने साथ काम करने के लिए लोगों को काम पर रखा और हमारा व्यवसाय और अधिक बढ़ता गया। मैंने आपको परिचय में बताया कि हम अपनी कार के लिए नकद भुगतान कैसे कर पाएं थे और हमने अपने सपनों का घर कैसे बनाया। मैं अपनी मासिक बिज़नेस मीटिंग में, नए कर्मचारियों को परमेश्वर के राज्य के बारे में बताता था, और लोग परमेश्वर के राज्य के बारे में और अधिक सुनने और इसे अपने जीवन में लागू करने का तरीका जानने के लिए मेरी कंपनी की ओर आकर्षित होते थे, और केवल इसी बात के लिए नहीं परन्तु व्यवसाय के सुनहरे अवसर खोजने के लिए भी।

परमेश्वर मुझे जो सबक सीखा रहा था वह अद्भुत था और निश्चित रूप से, इनमें से कई सबक मैंने हर साल शिकार करते समय सीखे थे। शिकार के दौरान मैंने जो घटनाएं होती देखीं, वे चौंकाने वाली थीं। मुझे उन पर तब तक विश्वास नहीं होता जब तक कि मैं उन्हें अपनी आंखों के सामने प्रकट होते नहीं देखता। प्रत्येक कहानी ने मुझे उस राज्य के बारे में कुछ नया सिखाया जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था। मैंने सोचा था कि मैं उनमें से कुछ को इस पुस्तक में आपके साथ साझा करूंगा, लेकिन अगर आप वास्तव में मेरी शिकार की कहानियों को पढ़ना चाहते हैं, तो आप मेरी वेबसाइट से फेथ हंट की एक प्रति प्राप्त कर सकते हैं।

यह परमेश्वर के राज्य के नए ज्ञान का उपयोग करके हिरणों के शिकार की खोज के कुछ वर्षों बाद हुआ। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया, परमेश्वर ने मुझे सिखाया कि कैसे मेरे हिरण के लिए पैसा बोना है और कैसे विश्वास करना है कि जब मैंने प्रार्थना करूँ तो वह मुझे यह मिल चुका है – और हर साल 30 से 45 मिनट में मेरा हिरण मुझे प्राप्त हो जाता था। 28 साल से हर साल ऐसा ही होता आ रहा है। वैसे भी, इस विशेष वर्ष में मैं हमेशा की तरह बाहर गया, और मुझे विश्वास था कि मुझे एक हिरण मिलेगा। तदनुसार, कुछ ही मिनटों में, मैंने अपने पड़ोसी के आंगन में एक हिरण को जाते हुए देखा, जो मुझसे लगभग 200 गज की दूरी पर था। मुझे पता था कि एक बार वह हिरण जंगल में चला गया तो वह चलाही जाएगा और कभी वापस नहीं आएगा, लेकिन फिर भी मुझे पता था कि यह मेरा हिरण है। यह तब की बात है जब मुझे धनुष से शिकार करने, ग्रंट कॉल का उपयोग करने या हिरण को अपनी ओर आकर्षित करने के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे पता था कि यह हिरणों का मौसम मेरे लिए है, लेकिन मैंने असहाय होकर देखा कि हिरण मेरे पड़ोसी के घर के सामने के पेड़ों में जा रहा था। और अचानक मैंने अपनी आत्मा में सुना, “हिरण को अपने पास आने के लिए कहो।” “क्या? हिरण को मेरे पास आने के लिए कहूँ, इसका क्या मतलब है?” मुझे नहीं पता था कि क्या करना है, इसलिए मैं चिल्लाया, लेकिन इतना जोर से नहीं कि हिरण सुन सकें, “हिरण, मैं तुम्हें रुकने, मुड़ने और मेरे पेड़ के नीचे खड़े होने की आज्ञा देता हूं।” मैं एक धनुष से शिकार कर रहा था इसलिए मैंने हिरण को जो बोला उसमे में पेड़ के नीचे खड़े होने का आखिरी हिस्सा जोड़ा, क्योंकि मैं चाहता था कि वास्तव में हिरण मेरे बिलकुल पास आ जाएँ। मैंने सोचा कि अगर

विश्वास से वह हिरण मेरे पास आ सकता है, तो मैं उसे विश्वास ही से अपने पेड़ के नीचे ला सकता हूँ जहाँ मैं उसे आसानी से मार सकता हूँ।

हैरानी की बात है कि जब मैंने ये शब्द कहे तो हिरण तुरंत रुक गया, मुड़ा और सीधे मेरे पेड़ की ओर चलने लगा। मैं चौंक गया क्योंकि हिरण सीधे मेरे पेड़ के नीचे 200 गज की दूरी पार कर के आया था और हाँ, मेरे पेड़ के नीचे खड़ा था, मै उससे सिर्फ 12 फीट ऊपर था। मेरे पास कोई कॅमो ऑन नहीं था, कोई गंध छोड़ने का तरीका नहीं था, कोई ग्रंट कॉल नहीं था, बस मैं और परमेश्वर थे, फिर भी वह हिरण अब सीधे मेरे नीचे खड़ा था। मुझे नहीं लगता कि कोई भी उस शॉट को मिस कर देता। मैं खुशी–खुशी हिरण को घर ले गया, लेकिन जो मैंने देखा वह मेरे दिमाग से हट नहीं रहा था। जब मैंने हिरन से बात की, तब क्या हिरण सचमुच मेरे पास आया और उसने मेरी बात मानी? जी हाँ, ठीक ऐसा ही हुआ।

ओहायो में हमने जिस खेत को किराए पर लिया था, वह 89 एकड़ में था और कुछ जंगल, कूच खाड़ी, और कूच खुले मैदान से बना था। सर्दियों के महीनों के दौरान, और खासकर अगर जमीन पर बर्फ होती है, तो हम खरगोश के शिकार के लिए बाहर जाना पसंद करते थे। ओहियो में रिंग–नेक्ड तीतर का मौसम होता था जो खरगोश के शिकार के मौसम के साथ साथ ही चलता था, लेकिन हमने शायद ही कभी अपने खेत पर तीतर को देखा हो।

इस विशेष दिन, हम खरगोश के शिकार के लिए निकले थे और क्रीक की तल से शिकार कर रहे थे तभी एक मुर्गा तीतर फडफडाया। मैंने जल्दी से झुककर पक्षी को गोली मार दी। जब मैंने ट्रिगर खींचा था, उसी क्षण मै जान गया था कि मैने पक्षी के केवल पंख को काट दिया है। तीतर गिरा; हालाँकि, जैसे ही वह जमीन से टकराया, वह तेज़ी से दौड़ने लगा। एक तीतर 35 मील प्रति घंटे की गति से दौड़ सकता है, और यह साबित करने के लिए वह वह सब कर रहा था जो वह कर सकता था। जमीन हाल ही में हुए नए हिमपात से ढकी हुई थी, और यह पक्षी खुले चरागाह के मैदान में थोड़ा ऊपर की ओर भाग रहा था, इसलिए मैं आसानी से उसके हर कदम को देख सकता था।

मैं एक पल के लिए असहाय होकर वहाँ खड़ा रहा, यह सोचकर कि पक्षी अब चला जाएगा, लेकिन अचानक मेरी आत्मा को प्रेरणा मिली। मुझे याद था जब मैंने हिरण को रुकने

और मेरी ओर आने का आदेश दिया था तब क्या हुआ था। मैंने सोचा कि मुझे इसे फिरसे आज़माना चाहिए, इसलिए मैं चिल्लाया, "तीतर, यीशु के नाम में, रुको!" एक पल में, मैंने देखा कि पक्षी सामने था और अब गायब हो गया हैं। मुझे पूरा खेत साफ दिखाई दे रहा था, और जिस क्षण मैं चिल्लाया, तीतर रुक गया था। मेरा बेटा टिम मेरे साथ था और उसने कहा, "पिताजी, आपके चिल्लाने के तुरंत बाद तीतर रुक गया।" लेकिन वह कहाँ था? मैं और टिम उसके पीछे–पीछे मैदान में गए, जहां वह बर्फ पर बैठा था। उसका सिर लगभग आधा बर्फ में दब गया था, लेकिन उसका पूरा शरीर बर्फ के ऊपर था। वह घास की आड़ में था, इसलिए हम उसे देख नहीं पाए। क्या वह पक्षी मर गया था? मैंने उसे उठाया, और वह अपने पंख फड़फड़ाने, कर्कश आवाज से चिल्लाने लगा। पक्षी अभी ज़िंदा था! जब हमने पक्षी की जांच की, तो मैंने देखा कि शिकार के दौरान उसका दाहिना पंख ही केवल थोड़ा कटा हुआ था। टिम और मैंने विस्मय से एक दूसरे को देखा। हमने अभी जो देखा उस पर कोई विश्वास नहीं करेगा, कोई भी नहीं।

जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया था, ओहियो में किसी भी लिंग के दो–हिरणों के शिकार की सीमा थी, लेकिन मैं एक वर्ष मी केवल एक हिरण के लिए बीज बोया करता था। ओहायो राज्य हिरण और हिरणी की संख्या को कम करने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। इसलिए मैंने अपना पैसा एक हिरण और एक हिरणी के लिए बोया, और घड़ी की टिक की तरह, हिरण पहले 30 से 40 मिनट में बाहर आ गई ; और जल्द ही, हिरण आ गए। एक दिन मैंने सोचा, "एक मिनट रुको; जब मैंने अपना पैसा बोया था तो मैंने जो लिखा था, उसी क्रम में हिरण आ रहे हैं। " क्या यह सच हो सकता है? यदि मैं आदेश को उलट दूं तो क्या होगा? आमतौर पर मैं हिरण और हिरणी के लिए बोता था, और वे उसी क्रम में निकलते थे। इस बार, मैंने हिरन और हिरनी के बजाय एक हिरण और हिरणी के क्रम में पैसे का बीज बोया, अर्थात मेरा दान दिया; और फिर हिरन आ गए, लेकिन इस बार हिरनी पहले आई और फिर हिरन आया। मैं इसे कुछ वर्षों तक इसी तरह बदलता रहा, अपने सिद्धांत का परीक्षण किया, और हर बार यह समान निकला। जब मैंने इन बातों को प्रकट होते देखा, तो मैं परमेश्वर के राज्य की प्रति दंग रह गया और महसूस किया कि मैं इसके बारे में कितना कम जानता था। एक बात

पक्की थी, परमेश्वर मुझे दिखा रहा था कि मेरा जीवन कैसे चलता है इसके विषय में जितना मैंने सोचा था, उससे कहीं अधिक अधिकार मेरे पास है।

एक विशेष नोट, यह 2015 वर्तमान में हिरण शिकार का मौसम है। मैंने अपना पैसा चार–पॉइंट या उससे भी बड़े हिरण, एक वर्षीय हिरण और एक वर्षीय बटन हिरन के लिए दान के रूप में सेवकाई को दिया। घड़ी की टिक टिक की तरह सिक्स पॉईंट हिरन सीधे मेरे पेड़ के पास आ गया; उसके बाद, मुझे एक साल का हिरन मिला, वह अकेले मेरे पेड़ के पास आ गया। मुझे पता था कि अब अगली बार बटन हिरन दिखाई देगा। मुझे पता है कि यह पागलपन सा लगता है; लेकिन मैं आपको सिर्फ वही बता रहा हूं जो हो रहा था।

लेकिन एक हिरण की शिकार ने यह सब इतना स्पष्ट कर दिया कि इसने मुझे लगभग डरा दिया। मैंने अपना बीज अर्थात दान फोर– पॉइंट या उससे बड़े हिरण के लिए दिया था और फिर बटन हिरन के लिए भी (बटन हिरन को हिरणी के रूप में गिना जाता है क्योंकि इसके सींग बहुत नीचे की ओर होते हैं और केवल छोटे बटन की तरह दिखते हैं)। मैं हमेशा की तरह शिकार के लिए निकला था और धनुष के शिकार के मौसम में मुझे अपना आठ पॉइंट हिरण सिर्फ 15 मिनट में मिल गया। अगली बार जब मैं शिकार के लिए बाहर गया, तो मुझे यकीन था कि मुझे एक बटन हिरन मिलेगा।

दो हफ्ते बाद मैं फिर से शिकार के लिए निकला, और जैसे ही मैं ट्री स्टैंड पर बैठा, मैंने देखा कि चरागाह से लगभग 300 गज की दूरी पर एक अच्छा आठ–पॉइंटर आ रहा है। वह सीधे मेरे पेड़ कि तरफ़ आ रहा था। वह सीधे उस खेत से मेरे पेड़ के नीचे आया और करीब 20 सेकेंड तक वहीं खड़ा रहा। फिर वह मुड़ा और उसी दिशा में वापिस जाने लगा जहाँ से वह आया था। याद रखें, ओहायो में केवल एक हिरण को मारना कानूनी था और मैंने पहले ही आठ पॉइंटर्स का शिकार कर लिया था, इसलिए मै वहां बैठकर उसे वापस जाते हुए देख सकता था लेकिन शूट नहीं कर सकता था। मैं अब पूरी तरह उलझन में था। यह पहली बार था जब मैं शिकार करने गया और मेरे पास जो हिरन आया, वह वो हिरन नहीं था, जिसके लिए मैने बीज बोया था, अर्थात जिसके लिए मैंने दान दिया था। हिरन जिस प्रकार व्यवहार करता था, वह मैदान से सीधा आया और ठीक मेरे पेड़ के नीचे खड़ा हो गया, फिर घास के मैदान

को पार कर उसी रास्ते से वापस चला गया जहाँ से आया था। यह बहुत अजीब था। हिरन ऐसा व्यवहार कर रहा था जैसे उसे किसी कार्य के लिए नियुक्त किया गया था। मैंने सुबह का इंतजार किया, लेकिन बटन हिरन नहीं आया।

उस रात जब मैं अपने ऑफिस में था, उस घटना से मैं बहुत परेशान था। कुछ गलत था; बटन हिरन आना चाहिए था। और इसके बजाय वह आठ पॉइंटर क्यों दिखाई दिया? मैं वहीं बैठा और आत्मा में प्रार्थना की, और परमेश्वर से कहा कि जो हुआ था वह क्या था यह मुझे समझाए। मैंने उसकी आवाज सुनी, "तुमने क्या दान किया है उसे ठीक से देखो।" मै अपना दान देखूं? मुझे पता था कि मैंने क्या दान दिया था। मेरा बैंक मेरे चेक की कॉपी बनाता है, इसलिए मैंने अपना स्टेटमेंट निकाला और हिरन के लिए दान का जो चेक लिखा था उसे देखा। मैंने सोचा कि मैंने अपना दान दो हिरणों के लिए दिया है, एक फोर पॉइंटर या उससे बड़ा और दूसरा एक बटन हिरन, जिसे हिरणी माना जाता है जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है। लेकिन मेरे चेक में लिखा था, "दो हिरण, चार पॉइंटर या उससे बड़ा, और एक बटन हिरन।" दरअसल, मेरा मतलब था, दो हिरण, एक चार पॉइंटर या उससे बड़ा और एक बटन हिरन, लेकिन यह उस तरह नहीं लिखा गया था। इसमें लिखा था, "दो हिरण फोर पॉइंटर या बड़ा और एक बटन हिरन।" तो यह कितने हिरन हुए? तीन, और दूसरा चार पॉइंटर या उस से बड़ा था, या पहले जितना बड़ा था। यह देखकर मैं चौंक गया। वो जो आठ पॉइंटर आया था उसे वहां आने नियुक्त किया गया था। वह राज्य के कानून के कारण वहां था। मैं उछल पड़ा और चिल्लाते हुए घर के चारों ओर भागने लगा। बहुत खूब !!!!

साथ ही मैंने जो देखा उससे मैं दंग रह गया। यदि परमेश्वर का राज्य ठीक वैसे ही काम करता है जैसा मैंने अभी देखा है, तो मुझे और अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। मैने अनजाने में यह बातें की थी, परन्तु मैं नही चाहता था वे घटित हों, फिर भी वे हो गई, क्योंकि मैं ने आत्मा के अनुसार उन्हें स्वतंत्र किया था। मुझे अब एहसास हुआ कि मेरे जैसे बहुत से लोग इसका अनुभव कर रहे थे, उन्होंने वास्तव में नहीं सोचा था कि ऐसा होना चाहिए, लेकिन उसके होने के लिए वे कारण बन गए थे। याद रखें, यीशु ने अपने शब्दों से अंजीर के पेड़ को मार डाला और अन्य समय पर लाजर को कब्र से बाहर बुलाया। दोनों ही मामलों में एक ही

कानून का इस्तेमाल अलग–अलग उद्देश्यों के लिए किया गया था। अगली बार जब मैं शिकार पर गया, जैसा मैंने बोया था, यानी जिस काम के लिए मैंने दान दिया था उसी के अनुसार बटन बक बाहर आया।

घटनाओं की इस पूरी श्रृंखला ने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया और इसका परमेश्वर के राज्य के बारे में मेरे दृष्टिकोण पर गहरा प्रभाव पड़ा। मेरे मन में बिना किसी भ्रम या झिझक के, अब मैं जान गया हूँ कि परमेश्वर का राज्य वास्तव में विशेष है। क्या हमें अब भी इस पर आश्चर्य होना चाहिए? पृथ्वी पर प्रत्येक भौतिक नियम अद्वितीय है। मैंने कभी महसूस नहीं किया कि आध्यात्मिक नियम, भौतिक नियमों की तरह, उन चीजों के अनुसार काम करते हैं जो आध्यात्मिक रूप से मौजूद हैं। मेरे पास वह नहीं था जो मैं चाहता था। लेकिन अब मुझे पता है कि परमेश्वर का राज्य विशेष है, बहुत खास है।

अच्छा, आपने कहा है, इसलिए मैं आपको शिकार की एक और कहानी बताता हूँ। (शिकार करते समय मैंने जो सबक सीखे, वह मुझे बहुत पसंद है, इसलिए आपको इसे मेरे साथ सहना होगा।) मैंने कुछ और विशेष प्रयोग करने का फैसला किया क्योंकि मैंने देखा कि परमेश्वर का राज्य कैसे एक विशेष पद्धती से काम करता है। इस साल, मैंने सात पॉइंटर हिरण के लिए, बीज बोन का, अर्थात सेवकाई के लिए दान देने एक फैसला किया। आमतौर पर, हिरणों के दोनों तरफ समान बिंदु होते हैं। चार पॉइंटर के प्रत्येक तरफ दो बिंदु होते हैं; आठ पॉइंटर के प्रत्येक तरफ पर चार अंक होते हैं। लेकिन कई बार किसी कारण से कुछ हिरणों का एक भी सींग नहीं होता है और उनके हर तरफ अलग–अलग बिंदु होते हैं। लेकिन, जैसा कि मैंने कहा, सामान्य तौर पर, उनके दोनों तरफ समान बिंदु होते हैं।

मैं अपने विश्वास को सामान्य के लिए नहीं बल्कि एक विशिष्ट चीज़ के लिए मुक्त करना चाहता था, क्योंकि मैं एक प्रयोग करने की कोशिश कर रहा था। मैंने पहले ही सीखा है कि आप जितने अधिक विशिष्ट है, आपको इसे पूरा करने के लिए पवित्र आत्मा से अधिक सटीक निर्देशों की प्रतीक्षा करनी होगी और अधिक सटीक निर्देश प्राप्त करने होंगे। तो धनुष शिकार के मौसम के पहले दिन, मुझे पता था कि मैं शिकार पर नहीं जाना चाहिए; मैं जानता था कि हिरण वहाँ नहीं था। वास्तव में, मैंने पूरे अक्टूबर तक इंतजार किया, और मैंने अपनी आत्मा

में महसूस किया, "नहीं, वह हिरण अभी तक यहाँ नहीं है।" यह निराशाजनक था; वसंत ऋतू में पेड़ों के बदलते रंग, वो जंगल, इस माहौल में मैं वास्तव में बाहर जाकर शिकार करना चाहता था। लेकिन फिर भी मैंने इंतजार किया।

और वह हुआ। एक रात जब मैं अपनी पत्नी के माता–पिता के साथ बैठक में बैठा था, जो जॉर्जिया से हमसे मिलने आए थे, मैंने वह सुना। कल सुबह शिकार का दिन था। सात पॉइंटर्स वहां आने वाला था! मैंने परिवार में सभी से कहा कि मुझे कल अपना शिकार मिल जाएगा। मैं बहुत उत्साहित हुआ और अंधेरा ख़त्म होने से पहले बाहर चला गया। मेरी वन सीमा के सामने दस एकड़ का दलदल था, मैं अपने क्रॉसबो के साथ पेड़ के स्टैंड पर बैठा था और वहाँ से शिकार करने वाला था। शिकार के लिए यह एक बेहतरीन जगह थी। जब तुम बाहर बैठे होते हो तो बत्तख उड़ती हुई आती हैं। कस्तूरी और मिंक भी जंगल में घूमते नजर आते हैं। दलदली सीमा पर कई झाड़ियाँ थीं, और हिरणों के आराम करने के लिए यह सबसे अच्छी जगह होती है। मैं अपने ट्री स्टैंड पर बैठा रहा, लेकिन कुछ नहीं हुआ। मैंने 45 मिनट इंतजार किया, फिर एक घंटा इंतजार किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

मेरे मन में बिना किसी भ्रम या झिझक के, अब मैं जान गया हूँ कि परमेश्वर का राज्य वास्तव में विशेष है।

मैंने अपने घर के आंगण में कार के दरवाजे खुलते और बंद होते हुए सुना, और मुझे एहसास हुआ कि ड्रेंडा के माता–पिता जॉर्जिया वापस जा रहे थे। उनके जाने से पहले मैंने उनके साथ नाश्ता करने का वादा किया था और मैं एक रसोइया था। मेरी मूल योजना सुबह जल्दी हिरण का शिकार करने और फिर नाश्ते के लिए घर लौटने की थी। लेकिन हिरण अभी तक नहीं आया था, और मैं अनिच्छा से पेड़ के स्टैंड से नीचे उतरा और घर चला गया। उस जगह के अपने अनुभव से मुझे पता था कि हिरण दलदली क्षेत्र में सुबह के बाद में आएंगे, क्योंकि यह हिरणों के विश्राम के लिए सबसे अच्छे क्षेत्रों में से एक था जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है। तो, मुझे पता था कि हिरण किसी भी समय वहाँ आयेगा, लेकिन मैं अब और इंतजार नहीं कर सकता था। मुझे अगली सुबह फिर से बाहर आना पडेगा।

मैंने घर में सबका अभिवादन किया और नाश्ता बनाने लगा। मैं हमेशा अपने घर में नाश्ता बनाता हूं और जैसा कि मुझे याद है कई सालों से ऐसा ही होता आ रहा है। मेरे पास व्हीट

वैफल्स की अपनी एक खास रेसिपी है जो वैफल्स को कमाल का बनाती है, यह मेरा अपना कहना है। मेनू में अंडे, सॉसेज और चीज के टुकड़े होते हैं, लेकिन मुख्य घटक जो मेरे नाश्ते को और भी अच्छा बनाता है वह मैपल सिरप है। ओहायो मैपल सिरप का राज्य है और मेरे आसपास के लोग मैपल सिरप बनाते और बेचते हैं। मैं अपने घर में किसी भी नकली मैपल सिरप को लाने की अनुमती नहीं देता, केवल असली मैपल सिरप लाया जाता है। तो मैंने नाश्ता बनाना शुरू किया और हमारी रसोई की खिड़की से मैं सामने जंगल और दलदली क्षेत्र देख सकता था। अचानक, मैंने देखा कि एक हिरण पूरे खेत में दलदल से आ रहा है। मैं चिल्लाया, "मेरा हिरण आ गया है!" मैंने परिवार से कहा कि अब यह नाश्ता आप लोग बनाओ, क्योंकि मैं उस हिरण के पीछे जाना चाहता था!

अतीत के अनुभव से, हिरण को खेत को पार करते हुए देखकर, मुझे ठीक–ठीक पता चलता था कि वह कहाँ जा रहा है; और वहां पहुंचने के लिए मुझे यकीन था कि वह सीधे मेरे स्टैंड के नीचे से होकर जायेगा। मैंने सोचा कि अगर मैं अपने स्टैंड के पीछे बैठ सकूँ तो अच्छा होगा मुझे वहां से अच्छा शॉट मिल सकता है, हिरण के आने से पहले बाहर निकलना और पेड़ पर चढ़ना मुश्किल होगा, इसलिए मुझे अभी निकलना पड़ेगा! बाहर निकलते समय, मैंने अपना धनुष उठाया और दरवाजे से बाहर भाग गया। मैं मैदान से भागा और फिर जितना हो सके चुपचाप स्टैंड पर गया और धीरेसे ऊपर चढ़ गया। अब तक सब कुछ ठीक हो गया था, लेकिन मैंने हिरण के आने का कोई संकेत नहीं देखा।

मैं स्टैंड पर चढ़ गया और बैठ गया और मैंने देखा कि एक हिरानी दलदल से सीधे उस स्टैंड की तरफ आ राही है जहां मैं बैठा था। हिरण केवल उसी हिरणी का पीछा कर रहा था और उसका ध्यान और कही नहीं था, उसने मुझे नहीं देखा और न ही मुझे सूंघा। दलदली इलाके में जाने के लिए हिरणी मेरे स्टैंड के नीचे आ गई और हिरण उसी तरफ आ रहा था। इससे बेहतर मेरे लिए कुछ नहीं था। अब मैंने 25 गज की दूरी पर हिरण पर, ध्यान से अपने क्रॉसबो को निशाना बनाया और एक तीर चलाया। जैसे ही मैंने तीर खींचा, मैंने महसूस किया कि तीर चल गया था। क्या होता है यह देखने के अलावा अब और कोई इलाज नहीं था; जब मैं घर से बाहर निकला और मैदान से बाहर भागा तो मेरी सांस फूल रही थी।

मुझे यह देखकर निराशा हुई कि तीर की गति बहुत कम थी और मुझे पता था कि मैंने तीर चलाते समय महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान नहीं दिया। तीर के लगते ही हिरण दलदल की तरफ घनी झाड़ियों में कूद गया और धीरे–धीरे गायब हो गया। इससे पहले शिकार करते समय मैंने जो देखा है, वह यह है कि तीर लगने के बाद अक्सर हिरण को पता नहीं चलता कि क्या हो रहा है। अधिकांश समय, यदि वे आपको नहीं देखते हैं या उन्हें आपकी गंध नहीं आती है, तो वे दूर चले जाते है। मैं यह भी जानता था कि आमतौर पर एक घायल हिरण झाड़ियों में जाकर सोता जाता है, और बहुत दूर नहीं जाता है। यह हिरण भी वही कर रहा था, क्योंकि हिरन ने मुझे नहीं देखा था। मैं चुपचाप पेड़ के स्टैंड से नीचे उतर आया और हिरन डर ना जाएँ इस बात की सावधानी बरतते हुए जिस रास्ते से में आया था उसी रास्ते से लेकिन थोड़ा लम्बा रास्ता लेते हुए घर की और जाने लगा।

जब मैं घर गया तो सब मुझसे पूछने लगे कि क्या हुआ और क्या मुझे हिरण मिला? मैंने सभी को बताया कि क्या हुआ था और अपने बच्चों को मेरे साथ आने और झाड़ियों से हिरण का पीछा करने में मेरी मदद करने के लिए कहा, क्योंकि मैंने सोचा था कि अगर हिरण झाड़ियों में अभि भी है तो मैं उस पर गोली चलाकर शिकार पूरा कर दूंगा। हमने झाड़ी वाले इलाके को घेर लिया और धीरे–धीरे उसमें से निकल कर आगे गए। अचानक, मैंने देखा कि मेरा एक बेटा हिरण के पास आ रहा है, और हिरण कूद गया, और लंबी झाड़ियों से कूद कर बाहर दौड़ गया। वह मेरे सामने 70 गज की दूरी पर था, मेरी दाई ओर से मेरी बाईं ओर जाने की कोशिश कर रहा था।

अचानक, हिरण ने मेरे दूसरे बेटे को देखा, जो खेत के किनारे पर था। वह जान गया कि जिसकी वजह से मै हड़बड़ा कर भागा हूँ वह यह नहीं है, लेकिन वह नहीं समझ पा रहा था कि किस रास्ते से जाना चाहिए, इसलिए अपने सामने जो पर्याय थे उसका आकलन करने के लिए वह वही रुका रहा। मुझे पता था कि उसे शूट करने का केवल यही एक मौका है। उसने मुझे अभी तक नहीं देखा था। वह अब मेरे सामने 70 गज की दुरी पर खड़ा था और मेरे बेटे को देख रहा था। उस दूरी पर एक हिरण को मारने के लिए क्रॉसबो में बहुत अधिक ऊर्जा होती है, लेकिन तीर 70 गज की दूरी से पहले ही कुछ इंच या कुछ फीट गिरने की संभावना होती है।

मैंने पहले कभी उस दूरी पर धनुष नहीं मारा था, और यह एक नया 185–पाउंड ड्रॉ क्रॉसबो नहीं था जो प्रति सेकंड 400 फीट से अधिक गति से तीर चला सकता था। इसकी सटीकता लगभग 35 या 40 गज तक सीमित थी।

चूंकि हिरण चौड़ी तरफ था और स्थिर खड़ा था, इसलिए मैंने एक शॉट लेने का फैसला किया। मैंने धनुष उठाया, अनुमान लगाया, हिरण पर ध्यान केंद्रित किया और तीर छोड़ दिया। मैंने तीर को हिरण की ओर उड़ते देखा और आश्चर्य की बात है कि तीर हिरण के गले में लग गया। बाण हिरण के गले में से आधे तक घुस गया था (सारी जानकारी देने के लिए खेद है), तीर अब हिरण के दोनों ओर दिखाई दे रहा था। मैं पता नहीं लग पा रहा था कि हिरण कहाँ गया है क्योंकि वह पेड़ों और झाड़ियों में घुस गया था। मैं धीरे–धीरे उन झाड़ियों की ओर चलने लगा जहां हिरण गायब हो गया था। वह वही था! तीर काम कर गया था और मुझे मेरा हिरण मिल गया था।

जैसे ही मेरा बेटा टिम मेरे साथ आकर खड़ा हो गया, मुझे इस समय किसी भी चीज़ की तुलना में हिरन के सींगों में अधिक दिलचस्पी थी। मुझे वास्तव में उन्हें गिनने का मौका नहीं मिला था, लेकिन जब हमने उन्हें गिन लिया तो वह केवल सात ही सींग थे। हिरन को करीब से देखने पर, पता चला कि हिरन वास्तव में आठ सींगों वाला था लेकिन उसका एक सींग टूट गया था, जिससे वह सात सींगों वाला बन गया। मैं और टिम विस्मय से वहीं खड़े रहे और परमेश्वर की स्तुति की। परमेश्वर का राज्य बिल्कुल अद्भुत था! मैं और टिम जब वहाँ खड़े थे, तब हमने यह भी महसूस किया कि, "कौन हम पर विश्वास करेगा? क्या किसी को पता भी है कि परमेश्वर का राज्य इस तरह काम करता है?"

मुझे लगता है आपको बात समझ में आ गयी है। परमेश्वर का राज्य निर्धारित किए गए बहुत विशिष्ट कानूनों द्वारा संचालित होता है और हर बार उसी तरह कार्य करेगा इस बात के लिए हम आश्वस्त हो सकते है। शुरुआत में जब मुझे एहसास हुआ कि ये कानून पैसों के मामलों सहित किसी भी चीज के लिए काम करेंगे तो यह लिए बहुत ही रोमांचित था। मैं इन कानूनों को सीख सकता था। मैं एक आत्मिक वैज्ञानिक बनकर, यह पता लगा सकता था कि परमेश्वर का यह राज्य कैसे संचालित होता है। और इसमें परमेश्वर मेरी मदद करेगा।

अध्याय 2

नीली धुंध

जब ड्रेंडा और मैंने अपने जीवन में राज्य को संचालित और कार्य करते हुए देखना शुरू किया, तो हम पूरी तरह से कर्ज मुक्त हो गए, और हमने जो सीखा था वह हम सभी को बताना चाहते थे। हमने अपना चर्च लॉन्च किया और मैंने अपना व्यवसाय जारी रखा, और हमने जो सीखा था वह उन लोगों को बताना शुरू किया जो सुनना चाहते थे। लेकिन मेरी आत्मा में मुझे महसूस हुआ कि कुछ और भी है; मुझे नहीं पता था कि क्या है, लेकिन मैं जानता था कि लोगों के साथ परमेश्वर का राज्य साझा करने के लिए वह मेरी अगुवाई कर रहा था।

2005 के दौरान मैं आर्थिक क्रांति सम्मेलन से प्रेरित था, जिसे मैं पांच दिनों तक रखना चाहता था, जिसमें मुझे लगा कि मेरे पास लोगों को उन सिद्धांतों को समझाने के लिए बहुत समय होगा जो मैंने परमेश्वर के राज्य के बारे में सीखे थे। मैं बचपन से ही मेथोडिस्ट चर्च में जाता रहा हूँ, और वहाँ आत्मिक जीवन की साप्ताहिक सभाएँ होती थीं। मैंने अपनी आत्मा में इस प्रकार के मॉडल की योजना बनाने के बारे में सोचा, पाँच सत्र जहाँ मेरे पास उन अवधारणाओं और सिद्धांतों के माध्यम से लोगों का मार्गदर्शन करने का समय होगा जो परमेश्वर ने मुझे वित्तीय क्षेत्र में सिखाए हैं। इस समय तक, मैंने इन सिद्धांतों को व्यवस्थित रूप से एक साथ नहीं रखा था। लेकिन मेरी आत्मा में मैं देख रहा था कि मैं वित्तीय मामलों पर पांच सत्रों की बैठक कर रहा हूं।

जब मैं इस बारे में प्रार्थना कर रहा था, मैं अचानक लैरी से मिला, मेरा एक दोस्त जिसे मैंने कई दिनों से नहीं देखा था। उसने मुझे बताया कि वह अल्बानिया में एक सम्मेलन आयोजित कर रहा है, और उसने मुझे इसमें बोलने के लिए आमंत्रित किया। लैरी लगभग

12 वर्षों तक अल्बानिया में एक मिशन क्षेत्र में था, और वह उस देश में बहुत प्रभावशाली ढंग से सेवा कर रहा था। इको लांबी यात्रा करने का विचार मेरे लिए थोड़ा नया था। मैंने कभी इतनी लांबी और इतनी दूर की यात्रा नहीं की थी, और मैं कभी भी अल्बानिया नहीं गया था, और वास्तव में यह भी नहीं जानता था कि अल्बानिया कहाँ है। लैरी ने मुझे प्रोत्साहित किया और कहा कि वह एक राष्ट्रव्यापी सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं जिसमें कई देशों के पादरी उपस्थित होंगे और उन्होंने सोचा कि परमेश्वर के राज्य के वित्त के विषय मे मेरी अंतर्दृष्टि लोगों के लिए उपयोगी होगी। लैरी ने कहा कि सम्मेलन मी शिक्षा देने के लिए मुझे दो या तीन सत्र दिए जाएँगे। हालाँकि मेरे पास पढ़ाने के लिए पाँच सत्र नहीं थे, फिर भी मैं जितने सत्र मुझे दिए गए थे उनमे मै पढ़ाने के लिए उत्सुक था। तो मैंने लैरी से कहा कि मुझे आना अच्छा लगेगा।

जब मैं अल्बानिया में विमान से उतरा, लैरी ने अद्भुत जानकारी के साथ मेरा स्वागत किया। "गैरी," उसने कहा, "मेरे एक वक्ता ने अंतिम समय में अपनी यात्रा रद्द कर दी, और अब आप इस सम्मेलन में पाँच सत्र करने जा रहे हैं।" मुझे लगा जैसे मेरा दिल धड़क रहा था। यही तो! मैं जानता था कि यह परमेश्वर की योजना थी, और अब मैं आत्मा में देख सकता था कि यह कैसे पुरा हो रहा था। मेरे पास मेरे नोट थे लेकिन पांच सत्रों के लिए नहीं। इसलिए मैं हर दिन सिखाता, फिर अपने कमरे में वापस जाता और आत्मा में प्रार्थना करता और अगले सत्र के लिए नोट्स लिखता था। प्रत्येक सत्र में, परमेश्वर का अभिषेक अविश्वसनीय था।

इससे पहले कि मैं और आगे जाऊं, मैं आपको बता दूं कि जब मैं वहां गया तो अल्बानिया एक बहुत ही गरीब देश था। औसत मासिक वेतन लगभग 500 डॉलर था, और रिश्वत लोगों के लिए जीवन का एक तरीका था। जब मैं लोगों को परमेश्वर के राज्य के आर्थिक क्षेत्र के बारे में शिक्षा देने के बारे में सोच रहा था, तो मुझे नहीं पता था कि वे कैसे प्रतिक्रिया देंगे। मुझे पता है कि परमेश्वर का वचन किसी के लिए भी काम करता है, लेकिन यह मेरे लिए एक नया अनुभव था। जब मैं पहले सत्र में पढ़ा रहा था, तो मुझे शुरू में लगा कि एक दीवार खड़ी है। दूसरे सत्र तक, मैंने महसूस किया कि लोगों में आत्मिक भूख बढ़ रही है, और जब उन्होंने परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुना तो मैं उनके चेहरे पर विश्वास देख सकता था। हर दिन जब मैंने

लोगों को सिखाया तो वे अधिक आनंदित हो गए और मैं देख सकता था कि वे परमेश्वर के राज्य के बारे में उत्साहित थे।

खरी सत्र की एक रात पहले, प्रभु ने मुझे स्थानीय चर्च के लिए दान लेने के लिए कहा। मुझे यह करना चाहिए या नहीं, और करना भी है तो कैसे करना है, मेरे मन में एक दुविधा थी, क्योंकि पहली बात तो यह कि यह सम्मेलन मैने आयोजित नहीं किया था; और दूसरी बात, मुझे यकीन नहीं था कि लोग कैसे प्रतिक्रिया देंगे। लैरी और मुझे स्थानीय पादरियों को सम्मेलन में लाने के लिए उनके आवास और यात्रा व्यवस्था पर बहुत पैसा खर्च करना पड़ा था। मैंने लैरी से इस बारे में बात की और उसने मुझसे कहा कि आपको यह ठीक लगता है तो अवश्य करो, और दान अर्पण ले लो।

इसलिए खरी सत्र में मैंने सम्मेलन के लिए दान लिया, और अभिषेक इतना प्रभावशाली था कि मेरे लिए खड़ा होना कठिन था। कमरे में हर कोई नाच रहा था और चिल्ला रहा था क्योंकि वे अपना पैसा वेदी पर चढ़ाने के लिए लाए थे। जब लोग दान अर्पण कर राहे थे, टब जिनके हाथों में दानपात्र था वे खुशी से रो रहे थे और उनके लिए खड़ा होना मुश्किल हो रहा था। मैंने ऐसा दृश्य पहले कभी नहीं देखा था, कम से कम दणार्पण करते समय तो कभी भी नहीं। अब जब मैंने लोगों को दान अर्पण करते समय नाचते और जयजयकार करते हुए देखा, तो मैं ऊन अनमोल बीज बोनेवाले लोगों के सच्चे विश्वास को देख कर और परमेश्वर के अभिषेक के कारण अभिभूत था।

उस आराधना सभा के दौरान लैरी ने जो देखा उससे वह प्रभावित हुआ। हम शाम सभा मी लिए गए दान से भरे दो बैग लेकर लैरी के अपार्टमेंट में लौट आए और लैरी उस दान को देखकर हैरान रह गया। लैरी ने मुझे बताया कि जब हम दान लेते हैं तो आमतौर पर केवल एक बैग आधा भरा होता है। लैरी के छोटे से अपार्टमेंट के रास्ते में सड़क पर काफी भीड़ थी, इसलिए हमने उन थैलियों को बहुत सुरक्षित रखते हुए जितना जल्दी हो सके उस रास्ते पर से अपार्टमेंट की ओर गएँ।

जब हम लैरी के अपार्टमेंट में पहुंचे, तो हम उसके लिविंग रूम में बैठे और पैसे गिनने के लिए बैग खोला। जब लैरी ने बैग में से सारा पैसा टेबल पर उंडेल दिया, तब जो हुआ उसे शब्दों

में बयां करना मेरे लिए अभी भी मुश्किल है। अचानक, एक हल्की नीली धुंध कमरे में भर गई, और हम परमेश्वर की उपस्थिति से भर गए। वह स्थान अभिषेक से भरा हुआ था और हम बस वहीं बैठे रहें। लोगों के लिए प्रचार या प्रार्थना करते समय मैंने जो अनुभव किया था उससे यह अभिषेक बहुत अलग था। इस अभिषेक में परमेश्वर की उपस्थिती थी। यह अभिषेक पवित्र था और मुझे ऐसा लगा जैसे मैं स्वयं परमेश्वर की उपस्थिति में हूं। हम अभी भी उस कमरे में बैठे थे, और कमरे में नीली धुंद और भी तेज हो गई। हमारे पास वहां बैठे और खुशी से सिर्फ रोते ही रहे, और क्या करें हमें समझ ही नहीं आ रहा था। फिर मैंने देखा, टेबल पर रखे पैसों के ढेर के बीच में, किसी की शादी की अंगूठी है। मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उस रात किसी के पास शायद पैसे नहीं थे इसलिए उसने अपने पास जो केवल एक ही सबसे मूल्यवान वस्तु थी वही दान में दे दी। उस समय परमेश्वर ने मुझ से बात की और कहा:

> *"मैं तुम्हें कई देशों में उन सिद्धांतों को सिखाने के लिए बुला रहा हूं जो मैंने तुम्हें परमेश्वर के राज्य और वित्त के बारे में सिखाया है। आज रात यह अंगूठी बडे विश्वास के साथ अर्पित की गई है। लेकिन मैं चाहता हूं कि आप इसे ले कर इस रात की याद के रूप में सदैव अपने सामने रखें। यह भी ध्यान रखें कि जैसे विवाह अनुबंध दो लोगों के बीच वाचा को व्यक्त करता है, वैसे ही आप मेरे लोगों को मेरे प्रावधान कि वाचा की घोषणा करने जा रहे हैं। और यह भी याद रखना कि मैं तुम्हें जहां भी भेजूंगा, उस स्थान का सारा खर्चा पुरा करने के लिए मै पैसों का इंतज़ाम करूँगा।"*

मैं रात भर सो नहीं सका। मैं उस रात लैरी के अपार्टमेंट में रुका था और हम अभी भी अभिषेक महसूस कर रहे थे। घर वापस जाते समय मुझे पूरा अटलांटिक महासागर पार करना था और मैं पूरे समय सो नहीं सका। पूरे 8 घंटे की उड़ान के दौरान मैं बस खिड़की से बाहर देख रहा था और रो रहा था। उस रात परमेश्वर ने मुझसे बात की और उसके बाद मैं 46 घंटे तक सो नहीं सका। उस रात के बाद कई महीनों तक मैं जब भी इस घटना के बारे में सोचता, मुझे वही उपस्थिति महसूस होती और मैं रोने लगता।

प्रभु ने मुझे उस अंगूठी के बारे में क्या बताया वो मैंने लैरी को नहीं बताया था। दान का पैसा अल्बानिया के चर्च के लिए था, और मुझे पता था कि अंगूठी अतिरिक्त पैसे के लिए बेची जा सकती है – लेकिन प्रभु ने मुझे इसके बारे में जो बताया वो मुझे पता था। लैरी ने मुझे बुलाया और कहा परमेश्वर ने उससे बात की और वह अंगूठी मुझे देने लिए कहा, यह सुनकर मुझे बहुत ख़ुशी हुई। मैंने वह अंगूठी ली और अपने ऑफिस में उसे ऐसी जगह रख कि मै उसे आसानी से देख सकता हूँ। ऐसा कई बार हुआ है कि मैं उस अंगूठी को देखता हूं और याद करता हूं कि उस रात प्रभु ने मुझसे क्या कहा था, क्योंकि तब से कई वर्षों तक मुझे बड़ी आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उस रात परमेश्वर ने मुझे जो निर्देश दिए थे उसके अनुसार चलने के लिए जो आवश्यक है वो सबकुछ मुझे देने के लिए, बिना किसी रूकावट के वह विश्वासयोग्य था। अल्बानिया में उस रात ने मेरी जिंदगी बदल दी, लेकिन आने वाले दिनों में परमेश्वर मुझे और भी बहुत कुछ दिखाने वाला था।

जब मैं अल्बेनिया से घर लौटा, तो मुझे परमेश्वर के राज्य का संदेश जहाँ कहीं भी ले जा सकता था, वहां ले जाने की तीव्र इच्छा महसूस हुई। उनकी शिक्षाओं को लोगों के साथ साझा करने की मेरी तीव्र इच्छा थी, और मैं यह देखने के लिए उत्सुक था कि पांच सत्रों की यह शिक्षा देने के बाद फिर से वही होगा जो उस सम्मेलन में हुआ था। मुझे लंबा इंतजार नहीं करना पड़ा। अमरीका में यूटा, के एक पादरी ने मुझे वही पाँच सत्र अपनी कलीसिया में सिखाने के लिए आमंत्रित किया। उसने लैरी से सुना था कि यह शिक्षा जीवन बदलने वाली है, और वह चाहता था कि मैं जाकर उनकी कलीसिया में यह शिक्षा दूँ। वह एक छोटे से भारतीय चर्च के पादरी थे और वह बहुत गरीब चर्च था। उन्हें वित्तीय मदद की ज़रूरत थी, और उन्होंने सोचा कि अगर लैरी ने उन्हें जो बताया वह सच था तो मैं उनकी मदद कर सकता था।

इसलिए मैं हवाई जहाज से वहाँ पहुँचा और रविवार की सुबह, रविवार की रात से बुधवार की रात तक सभाएँ कीं। अल्बानिया की तरह यहाँ भी पाँच सत्र थे, और यहाँ भी मुझे वही प्रतिक्रिया मिली। सभा की अंतिम रात्री में लोगों ने भव्य अभिषेक पाया। वे ख़ुशी से चिल्लाते हुए नाचने लगे और अपना दान अर्पण किया। मैंने इस बार नीली धुंद नहीं देखी, लेकिन सभी पाँच सत्रों में मैंने बहुत प्रभावशाली अभिषेक महसूस किया। अंतिम सत्र के बाद, मैंने देखा

कि केवल 17 दम्पतियों द्वारा दिया गया दान इतना अधिक था कि मैंने उसी तरह का आश्चर्य किया जो लैरी और मैंने अल्बानिया में किया था। मैंने दान को एक सीलबंद बैग में रखा और आगे की कार्रवाई के लिए अपने कार्यालय ले गया।

उस सुबह मेरे ऑफिस से फोन आया। मेरी सचिव फोन पर थी, और मुझे एहसास हुआ कि कुछ अजीब सा हो रहा है। उसकी आवाज कांप रही थी और वह रो रही थी। उसके पहले शब्द थे, "पास्टर, आपके द्वारा लाए गए पैसे के साथ कुछ विशेष हो गया है।" "तुम्हारा क्या मतलब है, ट्रेसी?" मैंने पूछा। फिर उसने मुझे बताया कि उसने पैसे गिनकर बैंक में जमा करने के लिए बैग खोला, लेकिन जैसे ही उसने बैग खोला, उसपर परमेश्वर का अत्यंत प्रभावी अभिषेक हुआ और वह जमीन पर गिर गई। उन आवाज़ों को सुनकर मेरी दूसरी सचिव मौके पर पहुंची और उसका भी अभिषेक हुआ और वह कांपने लगी। ट्रेसी ने कहा, "यूटा में इस पैसे के सम्बन्ध में क्या हुआ?" मैंने उससे कहा कि मुझे कुछ नहीं पता।

कुछ हफ्ते बाद, मैं ओहायो के दक्षिण में एक छोटे से चर्च में वही सिद्धांत सिखा रहा था। इस चर्च में, हमने डीवीडी के माध्यम से चार सत्र पहले ही उन्हें भेज दिए थे, और मेरे वहां पहुंचने से चार सप्ताह पहले उन्होंने इसे देख लिया था। मैं रविवार की रात वहां पांच सत्र पूरे करने के लिए पहुँच गया। मै जानता था की हमें फिर से अभिषेक प्राप्त होने वाला है। जब मैंने उस रात दान स्वीकार किया, तो मैंने यहाँ भी अन्य सभाओं की तरह प्रतिक्रिया देखी। लोग दान देने के लिए बहुत उत्सुक थे। दान स्वीकार करने के लिए, चर्च ने लोगों के सामने एक टोकरी रखी थी। इस बार फिर वो ही नीली धुंध दिखाई दी। जब लोग दान दे रहे थे तो टोकरी के चारों ओर लगभग पांच फीट व्यास का प्रकाश का एक हल्का घेरा दिखाई दिया। अभिषेक इतना प्रभावी था कि मीटिंग के बाद कार तक पहुँचने के लिए लोगों को मेरी मदद करनी पड़ी क्योंकि मैं खुद चल नहीं पा रहा था।

लेकिन यीशु ने न केवल स्वर्ग जाने के हमारे अधिकार के लिए भुगतान किया, उसने परमेश्वर के पुत्र या पुत्री के रूप में रहना और पृथ्वी के क्षेत्र में परमेश्वर के राज्य के लाभों का आनंद लेना भी संभव बनाया।

जब ये चीजें हो रही थीं, तब मुझे नहीं पता था कि वास्तव में क्या चल रहा है, और कही और ऐसा होते हुए मैंने पहले कभी सुना भी नहीं था। मैंने सम्मेलन करना जारी रखा और हमें बहुत प्रभावशाली अभिषेक प्राप्त हुए। और हाँ, कुछ परिषदों में वही नीली धुंध फिर से प्रकट हो गई। लेकिन मेरे लिए सबसे अचंभित करने वाली बात यह थी कि पैसे पर अभिषेक हो रहा था। सम्मेलन के बाद, मेरे कर्मचारियों के लिए दान अर्पण के पैसों की गिनती करना मुश्किल हो जाता था। क्या आपको अल्बानिया के उस अपार्टमेंट में अभिषेक याद है जब लैरी ने दान के पैसे टेबल पर रखे थे? यदि आप इस दान में दिए गए धन को उठा लेते हैं, तो आप तुरंत अभिषेक महसूस करेंगे और कांपने लगेंगे। मुझे पता है कि यह पागलपन लगता है, लेकिन यही बात मै अब तक देखता आ रहा हूँ।

एक आध्यात्मिक वैज्ञानिक के रूप में, मैं होने वाली इन सब बातों से हैरान था और मैंने परमेश्वर से इसके बारे में पूछा। उसने मुझसे बात की और मुझे बताया कि दान अर्पण पर यह प्रबल अभिषेक क्यों दिखाई दे रहा था। उसने मुझे बताया कि ज्यादातर लोग कर्तव्य या विधिपरायणता के कारण देते हैं। कुछ नियम का पालन करने के लिए देते हैं, लेकिन जब वे देते हैं तो वे वास्तव में विश्वास में नहीं होते हैं। बहुत से लोग देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर वे दान नहीं देंगे तो परमेश्वर उन पर क्रोधित हो जायेगा। कुछ ऐसे देते हैं जैसे यह एक बिल है जिसका उन्हें भुगतान करना है। परमेश्वर ने मुझे बताया कि जब मैं उसके राज्य की शिक्षा दे रहा हूं और राज्य के छिपे हुए वित्तीय सिद्धांतों को प्रकट कर रहा हूं, तब लोगों के हृदय में विश्वास उत्पन्न हो रहा है। फिर जब वे देते हैं तो वे वास्तव में विश्वास में होते हैं, और उनके साथ राज्य का संबंध होता है, और इस प्रकार अभिषेक का प्रवाह होता है।

2005 में अल्बानिया की उस यात्रा के बाद से, मेरा जीवन बहुत बदल गया है। परमेश्वर के राज्य के सुसमाचार के साथ लोगों तक पहुँचने की मेरी इच्छा ने ड्रेंडा और मुझे इस सुसमाचार के साथ राष्ट्रों तक पहुँचने के लिए टीवी का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया है। सचमुच, जिस राज्य के बारे में हमें वर्षों पहले ज्ञान प्राप्त हुआ उसे लोगों को बताने के लिए अब हम एक वर्ष में लाखों खर्च कर रहे हैं। लेकिन हो सकता है कि आपने अभी तक राज्य का सुसमाचार नहीं सुना हो। हम भी ऐसे ही थे – विश्वासी स्वर्ग के राज्य के मार्ग पर थे लेकिन यह नहीं जानते

थे कि उस राज्य को पृथ्वी पर कैसे मुक्त किया जाए। लेकिन यीशु ने न केवल स्वर्ग जाने के हमारे अधिकार के लिए भुगतान किया है, उसने परमेश्वर के पुत्र या पुत्री के रूप में रहना और पृथ्वी के क्षेत्र में परमेश्वर के राज्य के लाभों का आनंद लेना भी संभव बनाया है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सुसमाचार की खुशखबरी के साथ हमें लाखों लोगों तक पहुंचना है, और ऐसा करने के लिए पैसे की जरूरत होती है। लोग हमें देख रहे हैं। हमारा जीवन अलग दिखना चाहिए!

मैंने अल्बेनिया में क्या सिखाया था जिससे उस अभिषेक का आरंभ हुआ? वह क्या था जो परमेश्वर ने मुझे राष्ट्रों को प्रचार करने के लिए कहा था? जी हाँ, यही इस पुस्तक का उद्देश्य है, और मुझे विश्वास है कि यह आपके जीवन को बदल देगी जैसा इसने मेरे जीवन को बदल दिया।

अध्याय 3

हे प्रभू, दया कर!

जैरी ने मेरे कार्यालय मी फोन किया और पूछा कि क्या मैं उसके क्षेत्र में हूं तो वह मेरे पास आ सकता है और मेरे साथ भोजन कर सकता है। मैं पास के शहर के एक टेलीविजन स्टेशन पर साक्षात्कार दे रहा था और वह मुझे बताना चाहता था कि कैसे मेरी शिक्षा और टीवी प्रसारण ने उसके जीवन को बदल दिया। मैं जैरी से पहले कभी नहीं मिला था, लेकिन उससे फोन पर एक–दो बार बात हुई थी। मैंने कहा, "बिल्कुल।" हमें वैसे भी दोपहर का भोजन करना था, और मैंने सोचा कि अगर मैं यहां हूं तो मुझे उसकी जीवन परिवर्तन की कहानी सुनना अच्छा लगेगा।

दोपहर के भोजन के दौरान मैं जैरी और उसके बेटे से मिला और जैरी ने मुझे अपनी कहानी बताना शुरू किया। जैरी एक पादरी थे जिन्होंने 30 साल तक पादरी के रूप में सेवा की थी, लेकिन एक स्ट्रोक के कारण वह काम करने में असमर्थ थे, इसलिए उन्हें सेवकाई छोड़नी पड़ी। इस स्ट्रोक के बाद उनका जीवन अस्त–व्यस्त हो गया। काम करने में असमर्थ, वह आर्थिक रूप से भी कमज़ोर हो गए और कर्ज का भुगतान न करने कारण उनका घर नीलामी के लिए रखा गया था, बिलों का भुगतान करना और भोजन खरीदना भी उनके लिए बड़ी चुनौती थी। जैरी ने कहा कि स्थिति इतनी खराब हो गई थी, कि एक दिन वह एक हाथ में पूरी लोड की हुई पॉइंट 45 और दूसरे हाथ में बाइबिल लेकर बैठ गया और अपनी जान लेने के बारे में सोचने लगा।

हताशा में, जैरी ने हमारा टीवी प्रसारण देखा और मेरे कुछ साहित्य मंगवाए। उन्होंने कहा कि जब उन्हें पहली बार सामग्री प्राप्त हुई, तो उन्हें बिलों का भुगतान करने के लिए और भोजन

खरीदने के लिए लगभग 2,000 डॉलर की आवश्यकता थी। वह साहित्य को बार–बार तब तक सुनते रहे जब तक कि उनके हृदय में विश्वास नहीं जाग गया। उन्होंने 2,000 डॉलर की जरूरत के लिए परमेश्वर पर भरोसा करने का फैसला किया। और वही किया जो ड्रेंडा और मैंने पहले हिरण के लिए किया था। उन्होंने उस 2,000 डॉलर के लिए अपना बीज बोया, अर्थात, उन्होंने अपना वित्तीय दान दिया। मरकुस 11:24 के अनुसार विश्वास के साथ उन्होंने उस तारीख और समय को एक कागज़ पर लिखा जिस पर उन्हें विश्वास के अनुसार धनराशी प्राप्त होने वाली थी, और चेक को हमारी सेवकाई को भेज दिया।

मैंने कई दिनों से जैरी से बात नहीं की थी, इसलिए मुझे नहीं पता था कि यह सब हो रहा है। उसने कहा कि डेढ़ हफ्ते बाद एक आदमी उसके घर आया और कहा कि वह जैरी से बात करना चाहता है। जैरी उस आदमी को जानता था, लेकिन उन्होंने कई दिनों से एक–दूसरे से बात नहीं की थी। वह कभी–कभी थोड़ी बहुत बात करते थे, लेकिन ज़्यादा नहीं। उस व्यक्ति ने तब कहा कि वह जैरी को $2,000 का चेक देने आया है। उसने कहा कि डेढ़ हफ्ते पहले एक विशिष्ट दिन, और विशिष्ट समय पर पवित्र आत्मा ने उसे जैरी को 2,000 डॉलर देने के लिए प्रेरित किया था।

जैरी वहीं स्तब्ध खड़ा रहा। उसने जल्दी से अपना पर्स निकाला, उसमें से वो कागज निकाला, उस पर ठीक वो ही तारीख और समय लिखा था जो यह व्यक्ति बता रहा था कि पवित्र आत्मा ने उसे जैरी को 2000 डॉलर देने के लिए प्रेरणा दी थी। जैरी जानता था कि यह कोई संयोग नहीं था; वह जानता था कि यह परमेश्वर के राज्य, विशेष रूप से राज्य के नियमों की सीधी प्रतिक्रिया थी।

उसने अपनी कहानी जारी रखी और मुझे बताया कि उसके सात बच्चे हैं, एक 16 साल के लड़के (जो अभी खानेपर उसके साथ था) को छोड़कर सभी विवाहित थे, और यह बेटा अपने पिता को ऐसी भयानक स्थिति से गुजरते देखकर परमेश्वर से दूर हो गया था। यह बेटा परमेश्वर से बहुत नाराज़ था क्योंकि उसके पिता ने 30 साल तक ईमानदारी से परमेश्वर की सेवा की थी और उसे लगा कि अब परमेश्वर ने उन्हें छोड़ दिया है।

जैरी अपने बेटे को वापस परमेश्वर के निकट लाने का मार्ग खोजना चाहता था, और उके मन में एक कल्पना आई। मैं अपने साहित्य में हिरणों के शिकार के बारे में बहुत कुछ बोलता हूं और यह भी कि कैसे परमेश्वर ने मुझे विश्वास से शिकार करना सिखाया। जैरी का बेटा हिरण का शिकार करना पसंद करता था, इसलिए उस ने अपने बेटे को समझाया कि कैसे अपने हिरण को परमेश्वर के राज्य के माध्यम से प्राप्त करना है। बेटे ने इसके बारे में सोचा और अंत में इसे करने के लिए सहमत हो गया, फिर उसने और जेरी ने अपना विश्वास मुक्त कर दिया, जैसे जैरी ने अपने 2,000 डॉलर के लिए किया था। इस लड़के को आठ मिनट में एक अच्छा सा हिरण मिला। जब जैरी और उसका बेटा हिरण को कसाई की दुकान पर ले जा रहे थे, मेरी सीडी जैरी की कार के सीडी प्लेयर में थी। जब जैरी हिरण को स्टोर में ले जाने लगा, तो लड़के ने कहा कि वह कार में रहना चाहता है और थोड़ी देर के लिए सीडी सुनना चाहता है। जब जैरी लौटा, तो उसके बेटे ने कहा, "पिताजी, मुझे लगता है कि हमने इतने वर्षों में बहुत कुछ खोया है। मैं जानता हूँ कि हिरन परमेश्वर के राज्य का परिणाम है।"

उसके बेटे ने तब अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित कर दिया और अपने पिता से कहा कि अगर परमेश्वर उन्हे 2,000 डॉलर और हिरन दे सकते हैं, तो वह घर का कर्ज चुकाकर घर कर्ज़मुक्त करने के लिए आवश्यक 17,000 डॉलर भी प्रदान कर सकता है। यहीं पर मेरी पहली मुलाकात जैरी से हुई थी। मुझे याद है कि जेरी ने अपने घर को कर्ज से बाहर निकालने में मदद प्राप्त होने के लिए विश्वास के साथ जो दान भेजा था उसके साथ एक चिट्ठी भी थी। चिट्ठी छोटी थी लेकिन उसमे स्पष्ट रूप से कहा गया था कि वे क्या चाहते हैं। और किसी बात का ज़िक्र नहीं था, सिर्फ इतना था कि उन्हें अपने घर का कर्ज चुकाने के लिए पैसों की जरूरत है। मुझे याद है कि मैंने पत्र पर हाथ रखा और उनके अनुरोध के साथ सहमत होकर प्रार्थना की। मुझे उस प्रार्थना का ठीक–ठीक क्षण और समय भी याद है।

इस बार भी जैरी ने मुझे बताया कि करीब दो हफ्ते बाद एक और आदमी उनके दरवाजे पर आया। जैरी इस व्यक्ति को पहले से जानता था। उस व्यक्ति ने कहा कि उसने नीलामी सूची में बिक्री के लिए एक घर देखा, और जेरी से पूछा कि उसे घर को फोरक्लोज़र से कर्ज़मुक्त करने के लिए कितने पैसे की ज़रूरत है। जैरी ने उसे 17,000 से अधिक की रकम बताई।

उस आदमी ने पूरी रकम का चेक लिखा और चला गया। जैरी चेक को देखता ही रहा। यह कहते हुए, जैरी रेस्तरां में मेरे सामने मेज पर बैठा था, और रो रहा था और लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखाने के लिए मुझे धन्यवाद दे रहा था। जैरी ने कहा कि वह इस बात के लिए अत्यधिक खुश था की इस घटना में उसके सभी बच्चों ने परमेश्वर को अद्भुत काम करते हुए देखा, जिससे उसे उन्हें परमेश्वर के राज्य के बारे में बताने का अवसर मिला। मुझे यह बहुत पसंद है! यह परमेश्वर के राज्य की वास्तविकता है, और मैं इसे लोगों के साथ साझा करने और अब उनके जीवन में जो हो रहा है, उसे सुन पा रहा हूँ इसलिए बहुत धन्य हूं। ध्यान दें, जैरी को किसी की दया की आवश्यकता नहीं थी। उसे उत्तर चाहिए थे, और उसने उन्हें परमेश्वर के राज्य में पाया।

अब, मुझे लगता है कि मुझे यहां जैरी की कहानी में कुछ और जोड़ने की जरूरत है। हालांकि यह पहली नज़र में लग सकता है कि लोग जैरी के दरवाजे पर आए और उसे पैसे देकर चले गए, आपको यह गलत धारणा होनी चाहिए कि आप आराम से बैठकर कोक पी रहे है, और जिस आर्थिक सहायता की आपको ज़रूरत है वह अचानक आपके पास चली आती है। नहीं, आपको जिस सहायता की आवश्यकता है उसे प्राप्त करने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जैरी के मामले में, जैरी ने 30 साल कलीसिया में पास्टर के रूप में सेवा की थी। उन्होंने इन लोगों के बीच लंबे समय तक सेवा के बीज बोए थे। और दूसरा, जेरी स्ट्रोक के आघात के कारण अपना घर छोड़ने में असमर्थ था। जेरी ने जहां बोया था वहीं से काटा, उसे अपने चर्च के लोगों से मदद मिली, जिसमें उसने इतने वर्षों की सेवा के बीज बोएं थे।

"मैं तुम से सच कहता हूँ, यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो इस पहाड़ से कह सकोगे, 'यहाँ से सरककर वहाँ चला जा', तो वह चला जाएगा; और कोई बात तुम्हारे लिये असम्भव न होगी।

– मत्ती 17:20

मैं आपको यह भी बताना चाहता हूं कि जैरी स्ट्रोक से पूरी तरह ठीक हो गया और जिस दिन मैंने उसे खाने पर बुलाया, मैंने देखा कि उसका वजन 70 पाउंड से अधिक घट गया था। परमेश्वर की स्तुति हो, अब वह पूरी तरह से समझता है कि परमेश्वर का राज्य क्या है।

आप शायद कहेंगे, "ठीक है, जैरी एक पास्टर था; तो निःसंदेह, वह राज्य के बारे में सब कुछ जानता था। सच्चाई से कहा जाएँ तो नहीं! जैसा कि मैंने देखा है वह अकेला व्यक्ति नहीं है जो परमेश्वर के राज्य के बारे में सच्चाई नहीं जानता। दुर्भाग्य से, कलीसिया के अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि परमेश्वर के राज्य में कैसे जाना है और उत्तर कैसे खोजना है। मत्तीरचित सुसमाचार में एक कहानी बताती है कि अधिकांश लोग किस प्रकार सोचते हैं।

जब वे भीड़ के पास पहुँचे, तो एक मनुष्य उसके पास आया, और घुटने टेक कर कहने लगा, "हे प्रभु, मेरे पुत्र पर दया कर! क्योंकि उसको मिर्गी आती है, और वह बहुत दु:ख उठाता है; और बार–बार आग में और बार–बार पानी में गिर पड़ता है। मैं उसको तेरे चेलों के पास लाया था, पर वे उसे अच्छा नहीं कर सके।"

यीशु ने उत्तर दिया, "हे अविश्वासी और हठीले लोगो, मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूँगा? कब तक तुम्हारी सहूँगा? उसे यहाँ मेरे पास लाओ।" तब यीशु ने दुष्टात्मा को डाँटा, और वह उसमें से निकल गई; और लड़का उसी घड़ी अच्छा हो गया।

तब चेलों ने एकान्त में यीशु के पास आकर कहा, "हम उसे क्यों नहीं निकाल सके?" उसने उनसे कहा, "अपने विश्वास की घटी के कारण, क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूँ, यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो इस पहाड़ से कह सकोगे, 'यहाँ से सरककर वहाँ चला जा', तो वह चला जाएगा; और कोई बात तुम्हारे लिये असम्भव न होगी।

–मत्ती 17:14–20

इस घटना में हम एक आदमी को देखते हैं जो हताश है; उसका बेटा दुष्टात्मा से ग्रसित है, लगभग मौत की कगार पर पहुँच चुका है। यीशु की सेवकाई को देखकर और उसमें दुष्ट आत्मा को दूर करने की सामर्थ है यह जानकार, उसने अपने बेटे को यीशु के पास ले जाने की योजना बनाई, इस उम्मीद में कि यीशु उसे ठीक कर देगा। हालाँकि, जब वह वहाँ पहुँचा,

तो उसने देखा कि यीशु वहाँ नहीं है, वह अपने तीन शिष्यों के साथ प्रार्थना करने के लिए पहाड़ पर गया था। और जो बाकि चेले वहां थे, उन्होंने कहा, कोई बात नहीं; यीशु ने हमें अपने नाम से दुष्टात्माओं को निकालने का अधिकार दिया है, और हम आपके बच्चे का इलाज़ कर सकते हैं। उन्होंने युवक के लिए प्रार्थना की, लेकिन दुष्टात्मा ने उसे नहीं छोड़ा। उनके प्रयासों के बावजूद, दुष्टात्मा ने बच्चे को मुक्त नहीं किया। लड़के के पिता निराश थे और यीशु के पीछे चलने वाली भीड़ जो हो रहा था उसे देखकर उलझन में थी।

परन्तु उसी क्षण यीशु और तीनों चेले पहाड़ से उतरकर घटनास्थल पर आ गए। यीशु ने लोगों को उलझन में देखकर पूछा कि क्या हो रहा है। लड़के के पिता ने कहा कि वह अपने बेटे को शिष्यों के पास इसलिए लाया था कि वे उसमे से दुष्टआत्मा को निकाल दें, लेकिन वे उसमें से दुष्टआत्मा को नहीं निकाल पाएं। उसके बाद, लड़के के पिता ने, अन्य लोगों की तरह, संकट के समय में जब कहीं और से कोई उत्तर नहीं मिलता है तब जो करना चाहिए वही किया। उसने यीशु को पुकारकर दया करने की याचना की। हालाँकि जब आप हताश होते हैं तो दया की भीख माँगते हैं, लेकिन यह उस आदमी के लिए उत्तर नहीं था, और न ही आपके लिए यह उत्तर है। पिता चाहता था कि यीशु उसके लिए खेद महसूस करे, इसलिए वह यीशु को बताता है कि कैसे दुष्टआत्मा उसके बेटे को पीड़ा देता है, उसे आग में फेंक देता है, और उसे मारने की कोशिश करता है। यीशु ने आदमी को आगे कुछ कहने से रोक दिया। उसे उस आदमी के बेटे की पीड़ा के बारे में ज्यादा सुनने की जरूरत नहीं थी। निराश होकर, यीशु ने ऊँची आवाज़ में पुकारकर कहा,"हे अविश्वासी और हठीले लोगो, मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूँगा? कब तक तुम्हारी सहूँगा? उसे यहाँ मेरे पास लाओ।" अपने एक वाक्य में, यीशु पूरी तरह से समझाते हैं कि दुष्टआत्मा उस लड़के में से बाहर क्यों नहीं आया।

लेकिन, इससे पहले कि हम यीशु ने जो कहा उसका अर्थ समझ सकें, हमें उस मूल सिद्धांत की पुष्टि करने की आवश्यकता है जिस पर हम विश्वास करते हैं, और वह यह है कि परमेश्वर झूठ नहीं बोलता और ना ही बोल सकता है। उसकी हर बात सच ही होती है। यह स्पष्ट होणे के बाद कि, "दुष्टआत्मा निकलते है!" इस बयान से हम स्थिति का आकलन कर सकते हैं। और अगर दुष्ट आत्मा बाहर नहीं आती है, तो कुछ गलत है, और इसमें दोष परमेश्वर

का नहीं, बल्कि हमारा है। याद रखें, परमेश्वर से प्राप्त करना हमेशा आप पर निर्भर है। यीशु यहाँ स्पष्ट रूप से कारण बताता हैं कि दुष्टआत्मा बच्चे को क्यों नहीं छोड़ता, हठीलेपन और अविश्वास के कारण। हम शीघ्र ही इन दो कारणों के बारे में अधिक स्पष्टता से देखेंगे। लेकिन इस बिंदु पर हमारी चर्चा में, मैं इस घटना में पिता और पुत्र पर ध्यान देना चाहता हूं।

जाहिर है कि पिता अपने बेटे के लिए परेशान और चिंतीत था। जब चेलों ने उसके लिए प्रार्थना की, तो कुछ नहीं हुआ, और अब ऐसा लगता है कि कोई आशा नहीं है। कोई निश्चित उत्तर नहीं था। जहां मदद की उम्मीद थी, वहां कुछ नहीं मिला। केवल एक ही काम रह गया था कि वह दया की भीख मांगे। "दया के लिए भीख माँगना" इस का अर्थ है कि किसी के पास मदद करने का अधिकार या समर्थ है लेकिन उसे ना करने का निर्णय लेना। ऐसे में पिता के पास केवल एक ही उपाय बचा था कि वह यीशु को बच्चे की पीड़ा और परेशानी के बारे में विस्तार से बताकर उसकी सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करे।

मैं यह स्पष्ट कर देता हूं कि अधिकांश लोग इस तरह से प्रार्थना करते हैं, यह जानते हुए कि परमेश्वर के पास मदद करने की सामर्थ है, लेकिन क्योंकि वे उसकी प्रतिक्रिया के बारे में अनिश्चित हैं, वे दया की भीख मांगते हैं। इसलिये वे लंबी प्रार्थना और अधिक शब्दों के साथ, वे अपने दर्द और स्थिति का विवरण देते हैं। "हे पिता, तू जानता हैं कि मुझे शुक्रवार तक पैसे चाहिए; हे परमेश्वर मेरी सहायता कर। या, "परमेश्वर, कृपया, यदि तू मेरे बेटे को चंगा करेगा, तो मैं जीवन भर तेरी सेवा करूंगा।" हे परमेश्वर दया कर।" लोगों को जिस स्थिति का सामना करना पड़ता है उसे मै सामान्य या कम नहीं आंकता हूँ, लेकिन कृपया ध्यान दें कि यीशु ने कितनी जल्दी उस स्थिति को सहन करने और बच्चे को मुक्त करने के लिए परमेश्वर की सामर्थ्य को क्रियान्वित किया। यह परमेश्वर का हृदय है, उसकी इच्छा है। करुणा, शक्ति या अधिकार की कोई कमी नहीं है। उपरोक्त मामले में भी, यह समस्या नहीं थी। यीशु उन्हें दिखाता हैं कि तुम्हारे कुटिल विचारों और अविश्वास से समस्या है। दूसरे शब्दों में, गलत सोच और विश्वास की कमी ने इस मामले में राज्य के अधिकार क्षेत्र में बाधा उत्पन्न की।

खैर, यहाँ बात करने के लिए बहुत कुछ है, राज्य के बहुत सारे मुद्दे और यह कैसे काम करता है। मैं उन सभी बातों पर चर्चा नहीं करना चाहता जो आपको यहां जानना आवश्यक है,

लेकिन मैं उनका उल्लेख करूंगा, और हम बाद में यहां लागू होने वाले कानूनों का अध्ययन करेंगे।

राज्य के नियमों की एक बुनियादी समझ प्राप्त करने के लिए, हमें इस बुनियादी और मूलभूत बिंदु को समझने की आवश्यकता है: परमेश्वर ने आदम को पृथ्वी पर पूर्ण अधिकार दिया है। उसे इस पर शासन करने का अधिकार दिया गया था।

> *फिर परमेश्वर ने कहा, "हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएँ; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें।"*
>
> – उत्पत्ती 1:26

मैं सोचता हूँ कि इब्रानियों 2:7–9 इसे बहुत स्पष्ट कर देता हैं:

> *तू ने उसे स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया; तू ने उस पर महिमा और आदर का मुकुट रखा, और उसे अपने हाथों के कामों पर अधिकार दिया।तू ने सब कुछ उसके पाँवों के नीचे कर दिया।" सब कुछ उसके अधीन कर दिया, तो उसने कुछ भी रख न छोड़ा जो उसके अधीन न हो।*

कम से कम अभी के लिए, यह समझें कि परमेश्वर पृथ्वी के क्षेत्र में (पुरुषों के राज्य में) अपने अधिकार का प्रयोग तब तक नहीं कर सकता जब तक कि कोई पुरुष या महिला जिसके पास कानूनी अधिकार क्षेत्र है, स्वर्ग के अधिकार को मुक्त नहीं करता है।

इसलिए यीशु ने मत्ती 18:18 में अपने शिष्यों से कहा:

> *"मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वह स्वर्ग में बंधेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग में खुलेगा।*

फिर से, स्वर्ग का पृथ्वी पर कोई अधिकार नहीं है जब तक कि उसे यहाँ पृथ्वी पर पुरुष या एक महिला द्वारा मुक्त नहीं किया जाता है। इसलिए यीशु यहां कहता हैं कि अगर कोई पुरुष या महिला यहां स्वर्ग के अधिकार को मुक्त करते हैं, तो स्वर्ग उसका साथ देगा। अगर हम ऐसा नहीं करते हैं तो स्वर्ग भी नहीं कर सकता। अगर यह विचार आपको अजीब लगता है, तो कृपया यहीं न रुकें। मैं बाद में इस पर और विस्तार से चर्चा करूंगा। लेकिन अभी के लिए, इस सत्य को स्वीकार करें कि यही कारण है कि दुष्ट आत्मा ने बच्चे को नहीं छोड़ा – ऐसा नहीं होना था! वे वहां रहने के कानूनी अधिकार में कार्यरत थे। फिर से ध्यान दें, यीशु ने कहा कि जिस कारण से दुष्ट आत्मा ने बच्चे को नहीं छोड़ा वह विश्वास या अधिकार की कमी थी। जब आदम ने मूलतः अपने विद्रोह के द्वारा परमेश्वर को बाहर कर दिया, तो परमेश्वर ने मनुष्य पर अपना अधिकार खो दिया। यहीं पर शैतान मानवजाति पर भी अपना अधिकार प्राप्त करता है।

लेकिन यह तुम नहीं हो, दोस्त; आपको राज्य में न्याय मिल सकता है। आपकी समस्याओं के उत्तर हैं।

> *तब शैतान उसे ले गया और उसको पल भर में जगत के सारे राज्य दिखाए, और उससे कहा, "मैं यह सब अधिकार, और इनका वैभव तुझे दूँगा, क्योंकि वह मुझे सौंपा गया है : और जिसे चाहता हूँ उसी को दे देता हूँ। इसलिये यदि तू मुझे प्रणाम करे, तो यह सब तेरा हो जाएगा।"*
>
> – लूक 4:5–7

परिणामस्वरूप, परमेश्वर ने पृथ्वी पर अपनी वैधता खो दी क्योंकि उसने उसका पालन करने वाले व्यक्ति को खो दिया – आदम। फिर, जैसा कि मैंने कहा, मैं बाद में इन विशिष्ट कानूनों की अधिक गहराई से चर्चा करूंगा, लेकिन इस घटना को आपके सामने रखने का मेरा मुख्य कारण यह है कि पिता का रवैया और हताशा किस प्रकार की है और वह दया के लिए भीख माँगने के लिए कैसे झुकता है यह दर्शाना। कृपया निम्नलिखित वाक्यों को बहुत ध्यान से पढ़ें।

जरूरतमंदों को न्याय दिलाना और उनकी समस्या का समाधान करने के लिए यदि अधिकार या कानून और तंत्र नहीं है तो,उसके पास दया की भीख मांगना ही एकमात्र उपाय है। मैं इसी बात को दूसरे तरीके से समझाता हूँ। यदि किसी व्यक्ति के पास किसी समस्या का कोई कानूनी समाधान नहीं है और न्याय तक उसकी पहुंच नहीं है, तो असे उत्तर मिल्ने की निश्चितता नहीं हैं। उसके पास एक ही उपाय है कि वह दया की भीख मांगे।

लेकिन यह तुम नहीं हो, दोस्त; आपको राज्य में न्याय मिल सकता है। आपकी समस्याओं के उत्तर हैं। याद रखें, परमेश्वर का राज्य एक सरकार है और यह उन कानूनों द्वारा कार्य करती है जो निष्पक्ष हैं और उस राज्य के अधिकार क्षेत्र में रहने वाले किसी भी नागरिक के लिए उपलब्ध हैं। जैसा कि मैंने इस पुस्तक में पहले कहा था, परमेश्वर का राज्य न्याय पर आधारित है (कानूनी प्रक्रिया जो सही है उसे लागू करने के लिए परमेश्वर के अधिकार में प्रवेश करती है) और धार्मिकता पर आधारित है। दुष्टात्मा का बाहर ना निकलने का एक कारण था और यह परमेश्वर की कमजोरी या इच्छा मी परिवर्तन के कारण नहीं था। यीशु हमें दिखाता है कि वह कितनी जल्दी चेलों को डाँटता है और फिर दुष्टात्माओं को निकालता है।

अधिकांश मसीही, क्योंकि वे परमेश्वर के राज्य की अभिव्यक्ति नहीं देखते हैं, अपने सिद्धांत को बदलते हैं और कहते हैं, "सभी दुष्टआत्मा बाहर नहीं आते हैं।" वे जानते हैं कि परमेश्वर के पास सारी सामर्थ है, इसलिए वे मानते हैं कि परमेश्वर पृथ्वी पर जो चाहें कर सकता हैं, इसलिए यदि दुष्टआत्मा बाहर नहीं आता है, तो इसका मतलब है कि परमेश्वर ने फैसला किया है कि उसे बाहर नहीं आना चाहिए। मेरे दोस्त, यह धारणा पूरी तरह गलत है। यीशु ने कहा कि उनकी हठीलेपन और अविश्वास के कारण, इस मामले में स्वर्गीय क्षेत्र बंद कर दिया गया था। मै इसे कुछ सरल शब्दों में स्पष्ट करना चाहता हूँ। दुष्ट आत्मा के बाहर नहीं आने का कारण कानून की समस्या थी – विराम चिह्न।

चूँकि मनुष्य की पृथ्वी पर वैधता है, परमेश्वर की सरकार और पृथ्वी पर उसका अधिकार अपना काम तब तक नहीं कर सकता जब तक पुरुष या स्त्री स्वर्ग के वचन में पूर्ण विश्वास नहीं रखते है, तबतक वह अधिकार यहां मुक्त नहीं किया जाता है।

दुष्टआत्मा बाहर नहीं निकल सका क्योंकि उस स्थिति में कार्य करने के लिए कोई भी पृथ्वी पर स्वर्गीय अधिकार और कानूनी अधिकार नहीं लाया। "लेकिन, गैरी, वे दुष्टआत्मा से छुटकारा पाने की कोशिश कर रहे थे।" हां, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, कानूनी तौर परनहीं, वह दुष्टात्मा बाहर आ ही जाएँ अवश्य नहीं था। क्यों? फिर से कहता हूँ, उस स्थिति में स्वर्ग में उस दुष्ट आत्मा को निकालने की सामर्थ नहीं थी।

मैंने अभी जो कहा है उसे दोहराता हूं। उनकी सोच टेढ़ी थी, वे हठीले लोग थे, किसी समस्या के बारे में परमेश्वर जो कहता हैं उसके विरुद्ध जाकर यह कहना कि जो सही नहीं है वह अच्छा है या स्वीकार्य है, यही वो कुटिलता की सोच है। अविश्वास भी एक बड़ी समस्या थी क्योंकि स्वर्ग को पृथ्वी पर अपने अधिकार का प्रयोग करने के लिए विश्वास की आवश्यकता थी। चेलों को यकीन नहीं था कि यह कैसे काम करता है, और न ही उन्हें यकीन था कि दुष्टआत्मा बाहर निकलेगा। वे डरे हुए थे।

चूँकि पृथ्वी पर मनुष्य का कानूनी अधिकार है, परमेश्वर की संप्रभुता और अधिकार पृथ्वी पर तब तक कार्य नहीं कर सकते जब तक कि पृथ्वी पर अधिकार रखने वाला पुरुष या स्त्री स्वर्ग की बातों पर विश्वास नहीं करता और पृथ्वी पर उस अधिकार को मुक्त नहीं करता। स्वर्ग जो कहता है वह सत्य और सही है, इस बात जब व्यक्ती अपने हृदय को यकीन करने के लिए कहता है उसे विश्वास कहते है, और उस घटना के दिन इस तरह का विश्वास किसी में नहीं था। वे दोगलेपन और अविश्वास से भरे हुए थे, इस प्रकार इस स्थिति में स्वर्ग का अधिकार क्षेत्र टूट गया। लेकिन यीशु ने विश्वास किया और जानता था कि यह दुष्टात्मा बाहर आने वाला है! यीशु ने स्थिति को अपने हाथों में ले लिया और दुष्टआत्मा चला गया। "लेकिन, गैरी, जब यीशु ने उसे डांटा तो दुष्टआत्मा के जाने का कारण यह था कि वह यीशु था।" सच में? आइए हम मरकुस 6:5 में देखें कि क्या हुआ जब यीशु अपने गृहनगर में सेवा कर रहा था, जहाँ वह पला–बढ़ा था।

वह वहाँ कोई सामर्थ्य का काम न कर सका, केवल थोड़े–से बीमारों पर हाथ रखकर उन्हें चंगा किया।

आपको यह स्वीकार करना होगा कि यीशु के पास चंगा करने की सामर्थ है, है ना? फिर आपको जवाब देना होगा कि वह इस जगह पर जो करना चाहता था, वह क्यों नहीं कर पाया। चांगाई प्राप्त करना उस जगह की जरूरत थी, लेकिन कुछ तो था जो उसके काम में बाधा बन रहा था। वह पद 6 में उत्तर देता है, "और उसे उनके अविश्वास पर आश्चर्य हुआ।" विश्वास (स्वर्ग से सहमत होना) स्वर्ग को सांसारिक क्षेत्र में वैधता का अधिकार देता है। उदाहरण के लिए, आप इसे इस बात से आसानी से समझ सकते हैं कि आपने उद्धार कैसे पाया और आप कैसे मसीह के पास आए।

> *क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है।*
>
> – रोमियों 10:10

आप अपने ह्रदय में विश्वास करते हैं (स्वर्ग जो कहता है उसपर), और यह सही है। यह एक कानूनी शब्द है, जिसका अर्थ कानून प्रवर्तन है, और इसका तात्पर्य है कि स्वर्ग को अब पृथ्वी के दायरे में कानून द्वारा कार्य करने का अधिकार है। यदि हम इस सिद्धांत को एक सरल और सीधे दृष्टिकोण से देखें, तो हमें याद रखना चाहिए कि आदम को यहाँ पृथ्वी पर कानूनी प्रभुत्व दिया गया था और मनुष्य के पास अभी भी वह स्थान है। इसमें, मनुष्य की आत्मिक रूप से शासन करने की क्षमता,जिसे उसने बगीचे में शैतान के हाथों खो दिया, इसके विषय में उलझन में नहीं पड़ना चाहिए। परमेश्वर अब उन कानूनी अधिकारों का उल्लंघन नहीं कर सकता जो पृथ्वी पर मनुष्य के पास हैं। इस प्रकार, परमेश्वर को एक ऐसे पुरुष या महिला को खोजने की आवश्यकता थी जो कानूनी रूप से स्वर्ग से सहमत होकर सांसारिक क्षेत्र में प्रवेश कर सके और कार्य कर सके।

रोमियों 10:10 में, आप देखेंगे कि सांसारिक क्षेत्र में स्वर्ग के अधिकार और सामर्थ्य को मुक्त किए जाने से पहले दो बातें होनी आवश्यक हैं। पहली बात जो मैंने पहले ही बता दी है: स्वर्ग जो कहता है, उसके लिए आपको अपने ह्रदय में पूर्ण निश्चितता के साथ सहमत होना चाहिए; इसी को विश्वास कहते है। दूसरा, हमें यह समझना चाहिए कि केवल विश्वास ही से

हम स्वर्ग को यहाँ पृथ्वी पर मुक्त नहीं कर सकते। क्या आपको यह सुनकर आश्चर्य हुआ? मै यह बात आपको उदाहरण के साथ समझाना चाहता हूँ, लाइट के स्विच के बारे में सोचें। उस स्विच में बिजली की पावर है, लेकिन आपको रौशनी करने के लिए स्विच को ऑन करना होगा। जब हम अपने ह्रदय में विश्वास करते हैं कि स्वर्ग क्या कहता है, तब स्वर्ग के साथ हमारा रिश्ता कानूनी या न्यायसंगत हो जाता है। लेकिन फिर हमें उस अधिकार को यहाँ मुक्त करना होगा। जैसा कि ऊपर दिए गए उदाहरण में हुआ है, आपको स्विच ऑन करना होगा। जब हम ऐसा करते हैं, तो हम स्वीकार करते हैं कि परमेश्वर का राज्य का अधिकार है और वह उसके अनुसार कार्य करता है।

यह राज्य, जिस प्रकार यीशु ने उके बारे में सिखाया और प्रदर्शित किया, शिष्यों के लिए बिल्कुल नया था। कई बार हम देखते हैं कि जो कुछ शिष्यों ने देखा उससे वे भ्रमित हो गए। जैसा कि हम पिछले शास्त्रवचनों में पढ़ चुके हैं, मेरा मानना है कि शिष्य दुष्ट आत्माओं के अस्तित्व से, या उनके प्रकट होने से भयभीत थे, और उनकी द्विधा मनस्थिति हो गई थी, इस प्रकार उनका विश्वास शून्य हो गया था। मुझे लगता है कि जब वह इस दुष्टआत्मा को बाहर निकालने केलिए सामने आए, तब वह दुष्टआत्मा कार्यान्वित हो गया, शायद उसने लड़के को नीचे फेंक दिया और अपने अस्तित्व का एक बड़ा प्रदर्शन किया। इस बात ने उनमे डर पैदा किया होगा। मैं यहाँ केवल अनुमान लगा रहा हूँ, लेकिन एक बात निश्चित है, वहाँ कुछ ऐसा हुआ जिस कारण उनके ह्रदय स्वर्ग की वाचा से अलग हो गए और उनमें अविश्वास उत्पन्न हो गया।

दूसरी ओर, यीशु इस बात से आश्वस्त था कि ऐसी स्थिति के बारे में स्वर्ग का क्या कहना है, और उसने दुष्ट आत्मा को जाने की आज्ञा दी। इसलिए हम देख सकते हैं कि दुष्टात्माओं के न निकलने की समस्या पृथ्वी के क्षेत्र में थी, स्वर्ग के क्षेत्र में नहीं।

इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो, तो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा।

– मरकुस 11:24

पृथ्वी के क्षेत्र में परमेश्वर का राज्य किस प्रकार कार्य करता है इसका सबसे उत्तम उदहारण देने के लिए यदि

मुझे कोई एक शास्त्रवचन का चुनाव करना हो तो मै मरकुस 11:22–24 का चुनाव करूँगा। पृष्ठभूमि बनाने के लिए, हमें कुछ शास्त्र वचनों को आधार बनाना होगा और हम देखते हैं कि यीशु ने अंजीर के पेड़ से बात की और वह मर गया। यीशु ने पेड़ को श्राप दिया क्योंकि उस पर फल नहीं लगे थे। अगले दिन, जब शिष्य फिर से उसी पेड़ के पास से होकर जा रहे थे, उन्होंने पाया कि वह पेड़ मर गया है। पतरस बहुत हैरान होता है और विस्मय की स्थिति में वह यीशु से इस बारे में पूछता है।

> *यीशु ने उस को उत्तर दिया, "परमेश्वर पर विश्वास रखो। मैं तुम से सच कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, 'तू उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़,' और अपने मन में सन्देह न करे, वरन् प्रतीति करे कि जो कहता हूँ वह हो जाएगा, तो उसके लिये वही होगा। इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो, तो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा।*
>
> – मरकुस11:22–24

ध्यान दें कि जो कुछ हुआ था उस पर पतरस चकित था। ये कैसे हुआ? यीशु ने पेड़ से केवल बात की थी। फिर भी पेड़ ने बिना संदेह किए यीशु के शब्दों के प्रति अपना प्रतिसाद दिया, और पेड़ मर गया। फिर यीशु पतरस को "सत्य" अर्थात परमेश्वर के राज्य के नियम के बारे में बताता है। यहाँ यीशु ने जो स्पष्टीकरण दिया वो हमें यह समझने में मदद करती है कि परमेश्वर का राज्य पृथ्वी के साथ कैसे संवाद स्थापित करता है। इस उदाहरण में, हम देखते हैं कि जिस कानून की हम बात कर रहे हैं वहीं यहाँ पर काम कर रहा है; पृथ्वी पर कोई भी पुरुष या महिला पूरी तरह से विश्वास करें कि स्वर्ग क्या कहता है (अब न्याय किया जाता है) और फिर बोलता है या स्वर्ग के अधिकार को मुक्त करता है। इस घटना में व्यक्ति, स्वयं यीशु है, लेकिन यीशु ने अपने शिष्यों को यह स्पष्ट कर दिया है कि जो उसने अभी किया है वह "कोई भी" कर सकता है।

मुझे यकीन है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि यदि लोग वास्तव में यह जानते है और उस व्यवस्था को समझते है जो यीशु उन्हें सिखा राहा था, तो इसका उनके जीवन पर

एक नाटकीय प्रभाव पड़ेगा। मैंने अपने पारिवारिक जीवन में परमेश्वर के राज्य का प्रभाव देखा, लेकिन हमने जो सीखा वह दूसरों को भी सिखाया इसलिए उनके परिवारों में भी इसका प्रभाव देखना यह भी आश्चर्यजनक था। मेरी कलीसिया में यह नियम किस प्रकार प्रदर्शित हुआ इसके विषय में एक घटना को मै आपको बताना चाहता हूँ। अक्सर परमेश्वर का राज्य और यह कैसे काम करता है इसके विषय में ज्ञान में उतना ही अंतर है, जितना कि जीवन और मृत्यु में है। और ठीक ऐसा ही इस मामले में हुआ है।

जेनिफर मेरे चर्च में आने लगीं और विश्वास और परमेश्वर के राज्य के बारे में सुनने लगीं। जब वह अपने दूसरे बच्चे के साथ गर्भवती थी, वह परमेश्वर के राज्य में अपने अधिकारों के बारे में जानने के लिए उत्साहित थी, और वह अपने बच्चे को घर पर जन्म देना चाहती थी। इसलिए उसने परमेश्वर का वचन एक बच्चे के जन्म के बारे में क्या कहता है और परमेश्वर के राज्य के अभिवचन उसके बच्चे पर किस प्रकार लागू होते हैं इसके बारे में अध्ययन करना शुरू किया। उसे विश्वास था कि उसके घर में एक स्वस्थ बच्चा पैदा हो सकता है। उसने ऐसा करने के लिए एक दाई का इंतज़ाम किया, और हमारे चर्च में एक महिला जिसके कुछ बच्चों का जन्म घर पर ही हुआ था, उससे बिनती की कि, वह उसे बच्चे के जन्म के बारे में जानकारी और प्रशिक्षण दें।

अपनी प्रसूतीपूर्व काल में, वह हर आराधना सभा में शामिल होती थी और परमेश्वर के राज्य के सिद्धांतों को आत्मसात कर रही थी। ये अवधारणाएं जेनिफर के लिए नई थीं, और उसे परमेश्वर के राज्य में वास्तविक उत्तर प्राप्त होते है इसके बारे में सीखना अच्छा लगता था। दुर्भाग्य से, इस दौरान उसके पति को रविवार को काम पर जाना पड़ता था और वह उसके साथ चर्च नहीं जा सकता था। और फिर, अंत में, बच्चे के जन्म का समय आ गया है। दाई और ट्रेनर को घर बुलाया गया।

सुबह के लगभग 2:00 या 3:00 बज रहे होंगे, मेरे बिस्तर के बगल में फोन की घंटी बजी। फोन पर, मैंने जेनिफर के प्रशिक्षक को चिल्लाते हुए सुना, “पास्टर, कृपया प्रार्थना करें; बच्चा मृत पैदा हुआ है! ” इस खबर से मैं स्तब्ध रह गया। प्रसूति विशेषज्ञ ने कहा कि बच्चे को अभी एम्बुलेंस में अस्पताल भेजा गया है। उसने मुझे बताया कि दरअसल, जब मेडिकल टीम बच्चे को लेने आई तो उन्होंने बच्चे को मृत घोषित कर दिया.

ड्रेंडा और मैं तुरंत उठे और कपड़े पहने। मैं आत्मा में प्रार्थना करने लगा, परमेश्वर से सुनने की कोशिश कर रहा था कि मुझे क्या करना चाहिए। मैं जानता था कि इस घटना के द्वारा शैतान हमारे चर्च की निंदा करना चाहता है, और मैंने अपनी कल्पना में अखबार में एक बड़ी खबर छपी देखी, "घर पर ही प्रसूति करने के कल्ट चर्च के प्रोत्साहन के कारण नवजात शिशु की मृत्यु।" हमने वास्तव में इस मुद्दे पर कोई भूमिका नहीं ली थी कि बच्चा कहाँ पैदा होना चाहिए, घर पर या अस्पताल में, लेकिन कई महिलाएं अधिकतर घर पर ही जन्म देने के बारे में निर्णय लेती हैं; यह सच था। जब हम गाड़ी से अस्पताल जा रहें थे, जो 20 मिनट की दूरी पर था, तब ड्रेन्डा और मैं आत्मा में प्रार्थना करते रहे थे। लगभग आधे रास्ते में, मैंने अचानक महसूस किया कि परमेश्वर का आत्मा मुझ पर है और मुझे एहसास हुआ कि बच्चा ठीक हो जाएगा। उसी समय, मेरी पत्नी ने मेरी ओर देखकर कहा कि प्रभु ने अभी–अभी उससे कहा है कि बच्चा ठीक हो जाएगा।

मुझे पता था कि परमेश्वर ने मेरी पत्नी और मुझसे क्या कहा था, इसलिए जब मैं आपातकालीन कक्ष में गया तो मैं यह देखके के लिए उत्सुक था कि मुझे क्या देखने को मिलने वाला था। आपातकालीन कक्ष में, मैंने लगभग सात या आठ नर्सेस को एक घेरे में खड़ा देखा, उनके सामने बिल्कुल सामान्य, गुलाबी, रोता हुआ बच्चा था। मैंने उनके चेहरों को बारीकी से देखा। आमतौर पर जब आप किसी बच्चे को गोद में लेते हैं, तो आप उस बालक के कारण उनके चेहरे पर मुस्कान और आनंद देख सकते हैं। लेकिन यहां किसी के चेहरे पर ऐसा भाव नहीं था। बल्कि सबके चेहरे पर आश्चर्य के भाव थे।

हम उस महिला से मिले जिसने हमें फोन किया था। उसने हमें एक बार फिर बताया कि जिस घर में बच्चे का जन्म हुआ, जो अस्पताल से 20 मिनट की दूरी पर था, उस घर में बच्चे को जन्म के समय मृत घोषित कर दिया गया था। बच्चा जब अस्पताल पहुँचा तो अस्पताल ने भी बच्चे को मृत घोषित कर दिया, लेकिन अचानक वह जाग गया. परमेश्वर की स्तुति हो! जैसा कि पवित्र आत्मा ने हमें बताया था, ड्रेन्डा और मैं बच्चे को जीवित और स्वस्थ देखकर रोमांचित थे।

इस बीच, बच्चे की माँ जेनिफर को एक अलग एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल के प्रसूति वार्ड में ले जाया गया। उसे अपने बच्चे की स्थिति के बारे में कुछ नहीं बताया गया था। मेरी पत्नी, ड्रेंडा, प्रसूति वार्ड में यह देखने गई कि वह कैसी है। जेनिफर एक कमरे में आराम कर रही थी। ड्रेंडा ने उससे कहा, "जेनिफर, तुम्हारा बच्चा ठीक है और वह बहुत सुंदर है।" जेनिफर के बगल में खड़ी नर्स आश्चर्य से ड्रेंडा की ओर मुड़ी और धीरे से कहा, "नहीं, वह बेबी बॉडी बैग में है!" मेरी पत्नी ने नर्स को उसकी गलती बहुत स्पष्ट रूप से समझाई। आज, परमेश्वर के लिए, हेली, एक खूबसूरत युवा महिला है जिसे मस्तिष्क क्षति या स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं है। यह जानते हुए कि परमेश्वर का राज्य आत्मिक नियम पर आधारित है, मैं जानता था कि यह कोई संयोग नहीं था। इसलिए मैं यह जानना चाहता था कि एक आध्यात्मिक वैज्ञानिक के रूप में वास्तव में क्या हुआ था (एक ईसाई वैज्ञानिक नहीं, बल्कि वह जिसने यह अध्ययन किया कि परमेश्वर का राज्य कैसे काम करता है)।

मुझे पता था कि एम्बुलेंस के घर आने के बाद, उन्होंने आधिकारिक तौर पर बेबी हेली को "आगमन पर मृत" घोषित कर दिया था। मुझे यह भी पता था कि अस्पताल में पाहूंचने के बाद भी बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया था। तो फिर क्या हुआ? मैंने वहां प्रसूति–चिकित्सक से बात की, और मैंने उससे कहा कि मुझे बताओ कि वास्तव में क्या हुआ था। मैं हर लिंक जोड़ने की कोशिश कर रहा था। उसने कहा कि बच्चा पैदा होने तक सब कुछ ठीक था। लेकिन फिर जब हमने देखा तो उसके जीवित होने का कोई निशान नहीं दिखाई दें रहा था और उसका रंग गहरा नीला था। दाई ने बच्चे को जिंदा रखने की कोशिश की लेकिन वह कुछ नहीं कर पाई। चिकित्सक ने कहा कि जेनिफर के परिवार के कई सदस्य वहां मौजूद थे और यह सब देखकर वे भी बहुत परेशान हो रहें थे। लेकिन जेनिफर ने उन्हें धैर्यपूर्वक शांत रहने के लिए कहा, और फिर उसने अपने पति के चेहरे पर अपनी उंगली रख दी और कहा, "आप एक शब्द भी मत कहो – यह बच्चा ठीक हो जाएगा!"

मैंने कोच कि बात को बीच मी ही रोक दिया और उससे पूछा कि क्या वह जो कुछ उसने अभी बताया वह फिरसे दोहरा सकती है विशेष करके जो बात जेनिफर ने अपने पति से कही थी। उसने मुझे वही सबकुछ फिरसे बताया जो उसने अभी कहा था, जेनिफर ने अपने पति

के चेहरे पर अपनी उंगली रखी और कहा, "एक शब्द मत कहो – यह बच्चा ठीक हो जाएगा!" वाह! बस यही वह बात थी! यही वह क्षण था, यही वह घोषणा थी जिसने बेबी हेली की जान बचाई। मुझे लगने लगा था कि मैं एक जासूस हूँ जिसने अभी–अभी एक बड़े मामले को सुलझाया है! मैं खुश था, यह बहुत सरल था, फिर भी बहुत गहरा था। उस मामले में, जेनिफर ने केवल आत्मिक नियम लागू किया था और अपने बच्चे की जान बचाई थी! जो मैंने अभी सीखा था, उस पर विचार करने से सब समझ में आ गया था।

जेनिफरला माहीत होते की, कामाचा व्याप अणि वेळापत्रकामुळे, तिचा पती मागील काही महिन्यांत तिच्या प्रमाणे विश्वासात दृढ होऊ शकला नव्हता. तिला हे देखील ठाऊक होते की, त्यांच्या कुटुंबाचा प्रमुख या नात्याने, बाळाच्या जन्माच्या वेळी भयावह दृश्य पाहून त्याला जे वाटेल त्या अनुसार त्याच्या मुखातून निघणारे शब्द त्या दृश्यानुसार असणार आहेत आणि तेच शब्द बाळाच्या नशिबावर शिक्कामोर्तब करतील. म्हणूनच तिचा पहिला प्रतिसाद म्हणजे तिच्या पतीशी बोलणे आणि त्याला त्यांच्या बाळाच्या मृत्यू सोबत सहमत न होऊ देणे हा होता. परंतु जेनिफरला स्वतःला मात्र निश्चितपणे खात्री होती की बाळ जगेल आणि अगदी चांगले होईल आणि तिने हे धैर्याने आणि विश्वासाने घोषित केले.

जेनिफर जानती थी कि काम के बोझ और समय की व्यस्तता के कारण उसका पति पिछले कुछ महीनों में विश्वास में उतना मजबूत नहीं हो पाया था जितना की वह स्वयं थी। वह यह भी जानती थी कि उसके परिवार के मुखिया के रूप में, बच्चे के जन्म के समय उसके मुंह से जो शब्द निकलेंगे, वे उस भयानक दृश्य को देखकर महसूस किए गए शब्द होंगे, और वही शब्द बच्चे के भाग्य को सील कर देंगे। तो उसकी पहली प्रतिक्रिया अपने पति से बात करने और उसे अपने बच्चे की मौत से सहमत होने से रोकना यह थी। लेकिन जेनिफर ने खुद को आश्वस्त किया कि बच्चा जीवित रहेगा और स्वस्थ भी होगा, और उसने साहस और आत्मविश्वास के साथ इसकी घोषणा की।

जैसे ही जेनिफर को अस्पताल से रिहा किया गया, वह एम्बुलेंस कर्मचारियों के पास गई और पूछा कि उन्होंने उस रात अस्पताल जाते समय रास्ते में बच्चे के लिए क्या किया था। उन्होंने भयभीत चेहरे से उसकी ओर देखा।

"कुछ नहीं," उनमें से एक ने अंत में धैर्यपूर्वक कहा।

"तुम्हारा क्या मतलब है, कुछ नहीं?" जेनिफर ने पूछा, "क्या आपने सीपीआर किया?"

"नहीं," उन्होंने कहा।

"क्या आपने बच्चे को बचाने के लिए कुछ किया?"

"नहीं," उन्होंने फिरसे कहा।

उन्होंने उसे बताया कि बच्चा मर गया था और उन्हें उसके जीवित होने की कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन, जब वह अस्पताल पहुंचा, तो बच्चा ऐसे "जाग गया" मानो नींद से जाग गया हो! एम्बुलेंस चालक दल को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए अस्पताल और फायर हाउस से प्रशंसा मिली, बहुत कठिन परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए वार्षिक पुरस्कार प्राप्त हुआ। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उस स्थिति में सुधार करने के लिए उन्होंने वास्तव में कोई प्रयत्न नहीं किए थे।

हमने हाल ही में अपने टेलीविजन शो में हेली और उसकी मां जेनिफर की कहानी प्रसारित की; और हम सब आनन्द के आंसुओं के साथ परमेश्वर के राज्य के लिये आनन्दित हुए। हमने परमेश्वर की महिमा की और एक ऐसे व्यक्ति की उपस्थिति पर आनन्दित हुए जो राज्य के आत्मिक नियम और अधिकार के अनुसार कार्य करना जानती थी।

इस कहानी में हम देखते हैं कि जेनिफर पूरी तरह से समझ लेती है कि स्वर्ग क्या कहता है और फिर अपने शब्दों में उस स्थिति में उस अधिकार को मुक्त कर देती है। नियम कार्य करता है!

मेरे चर्च में एक और परिवार ने परमेश्वर के राज्य के इसी कानून का अनुभव इस प्रकार किया। एक दिन दो बहनों ने अपने परिवार के साथ मिलकर भोजन करने का फैसला किया, यह कोई आसान काम नहीं था, क्योंकि उनके दोनों के मिलाकर 12 या 13 बच्चे थे। और फिर, जब वे दोपहर का भोजन कर रहे थे, तब अचानक उन्होंने देखा कि चार वर्षीय जोएल गायब था। उन्होंने घर के चारों ओर देखा लेकिन वह नहीं मिला। तो उन्हें लगा कि वह कही छिप गया है, परन्तु जब उन्होंने फिर खोजबीन की, तो वह नहीं मिला। जोएल की माँ टीना को अचानक एक भयानक विचार आया। क्या यह पिछवाड़े में भूमिगत पूल में तो नहीं है? वह

अपनी 13 वर्षीय भांजी कर्टनी के साथ पिछले दरवाजे से भागती हुई पूल के पास गई। टीना ने जोएल को पूल के तल पर पड़ा देखा, वह बिल्कुल भी नहीं हिल रहा था और जब उसने यह दृश्य देखा तो वह डर गई। कोई नहीं जानता था कि वह कितने समय से वहां था। टीनाने चिल्ला कर कहा, "911 पर कॉल करें," और वह जोएल को बाहर निकालने के लिए पूल में कूद गई। वह सांस नहीं ले रहा था, वह बिलकुल ही निष्क्रिय था।

इस 13 वर्षीय लड़की ने हमारे बच्चों की सेवकाई में शिक्षा प्राप्त की थी उसने अपनी मौसी से कहा, "नहीं, टीना मौसी, हमें 911 पर कॉल करने की ज़रूरत नहीं है; यहां इस स्थिति में हमारे पास अधिकार है। हमें प्रार्थना करने की जरूरत है। इसलिए वे दोनों प्रार्थना करने लगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। टीना फिर चिल्लाई, "911 पर कॉल करो!" कर्टनी ने फिर अपनी मौसी से कहा, "टीना मौसी, आपको उसपर जीवन को बोलने की जरूरत है।" कर्टनी ने तब कहा, "जोएल, यीशु के नाम से जाग जाओ!" अचानक जोएल का दम घुट गया, उसने मुँह से पानी थूक दिया, वह होश में आया और पूरी तरह से सामान्य हो गया।

जब मैं इस घटना के बारे में सोचता हूं, तो मुझे इस बात से आश्चर्य नहीं होता कि लड़का ठीक हो गया था, लेकिन मुझे इस बात से आश्चर्य होता है कि 13 साल की उस लड़की ने उस समय जो किया और उस कठिन परिस्थिति में उसकी विचारशीलता या उसकी एक पल में सोचने की क्षमता कितनी अद्भुत थी। जीवन और मृत्यु के संघर्ष की उस स्थिति में, वह यह आकलन करने में सक्षम थी कि बिना घबराए क्या करने की आवश्यकता है। कोर्टनी ने साबित किया कि यह जानना कि राज्य कैसे काम करता है, एक अच्छे प्रवचन से अधिक महत्वपूर्ण है; यह जीवन और मृत्यु में अंतर है!

फिर से, देखें कि राज्य का कानून कैसे काम करता है। कोर्टनी ने शुरू में कहा कि उन्हे प्रार्थना करने की जरूरत है, जो उन्होने किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। क्योंकि जब हम प्रार्थना करते हैं, तो हम परमेश्वर के अधिकार और शक्ति को मुक्त नहीं करते हैं। लेकिन हम दिशानिर्देश प्राप्त होने के लिए प्रार्थना करते हैं। ठीक इसी बात की उन्हें उस समय आवश्यकता थी। फिर आप इस घटना में देखेंगे कि कोर्टनी ने बाद में कहा कि उन्हें उसपर जीवन को बोलने की जरूरत है। जब उन्होंने ऐसा किया, तो वह पूरी तरह से ठीक हो गया और आज भी जीवित है।

इस बिंदु पर हम फिर से देखते हैं, यहाँ एक हृदय है जो स्वर्ग जो कहता है उसपर पूरी तरह से विश्वास करता है, लेकिन फिर भी कुछ नहीं होता है जब तक कि वह विश्वास करने वाला पुरुष या महिला पृथ्वी पर उस अधिकार को मुक्त नहीं कर देता।

मैं आपको एक और बात बताता हूं, जो हमारे परिवार की है। ड्रेंडा के भाई अपनी पत्नी कैंडी को अपने पांचवें बच्चे के जन्म के लिए अस्पताल ले गए थे। कैंडी को प्रसव पीड़ा हो रही थी, और ड्रेंडा और मैं उत्सुकता से अपने परिवार में शामिल होने वाले एक और सदस्य को देखने के लिए अस्पताल गए। हमें लगा कि हमारे वहां पहुंचने से बहुत पहले बच्चे का जन्म हो चूका होगा। लेकिन जब हम वहां पहुंचे, तो हमें पता चला कि किसी कारणवश कुछ देर हो गई और हमारे वहां पहुँचने से कुछ ही समय पहले बच्चे का जन्म हुआ था। हम प्रसूति वार्ड में जा रहे थे तब हमने देखा कि वे बेबी हॉलैंड को नर्सरी में ले जा रहे हैं। जैसा कि आप जानते ही होंगे कि अस्पताल के प्रसूति वार्ड में नर्सरी में सभी खिड़कियां होती हैं, जिससे नवजात शिशुओं को वहां लाए जाने पर आप उन्हें देख सकते हैं।

जब वे छोटी हॉलैंड को अंदर लाए, तो मैंने तुरंत देखा कि वह बहुत सफेद लग रही थी। जॉनी के सभी बच्चों के बाल सफेद और सुनहरे हैं; इसलिए पहले तो मुझे लगा कि उनके बच्चों का जन्म के समय सफेद होना सामान्य है। लेकिन फिर भी मुझे यह सब कुछ ठीक नहीं लग रहा था। कुछ गलत लग रहा था। अचानक सारे डॉक्टर इधर–उधर भागने लगे। परिचारिकाओं ने जल्दी से पर्दे खींच लिए, इसलिए मैं नहीं देख पा रहा था कि नर्सरी में क्या हो रहा है, और मुझे पता था कि यह अच्छा संकेत नहीं था। भले ही परदे खिंच लिए गएँ थे, लेकिन पर्दों के बीच में थोड़ी सी जगह थी और मैं देख सकता था कि अंदर क्या हो रहा है। नर्सेस ने उपकरण निकालना शुरू कर दिया और डॉक्टर ने हॉलैंड पर सीपीआर करना शुरू कर दिया। मैं नर्सरी के दूसरे दरवाजे पर गया, जहां मुझे साफ सुनाई दे रहा था कि डॉक्टर क्या कह रहे हैं। वह कह रहे थे कि बच्चे का दिल नहीं धड़क रहा है और बच्चे के दिल को सामान्य रूप से काम करने के लिए तैयार करना मुश्किल हो रहा था। उन्हें यह कहते हुए सुनकर मैं चौंक गया। जैसे

याद रखें कि राज्य के कानून हर समय हर किसी के लिए कार्य करते हैं!

ही मैंने उनकी बात सुनी, मुझे बच्चे की धड़कन धड़कते हुए सुनाई दी। मैंने उस मॉनिटर की एक गड़गड़ाहट सुनी और फिर 15 या 20 सेकंड बीत जाने के बाद मैंने फिर से उस गड़गड़ाहट को सुना। हॉलैंड का दिल धड़कन बंद थी!

डॉक्टर कमरे से बाहर आया और जॉनी के पास गया, "स्थिति ठीक नहीं है, जॉनी; मुझे खेद है, लेकिन हम अभी भी कोशिश कर रहे हैं।" हमें नर्सरी में जाने की अनुमति नहीं थी, इसलिए ड्रेंडा और जॉनी ने नर्सरी के एक दरवाजे पर हाथ रखा और मैंने नर्सरी के दूसरी तरफ के दरवाजे पर अपना हाथ रखा। हमने प्रार्थना करना और घोषणा करना शुरू कर दिया कि हॉलैंड जीवित रहेगा और मरेगा नहीं और वह ठीक हो जाएगा। हमने उस दिल को यीशु के नाम पर धड़कने की आज्ञा दी।

कुछ देर पहले जो डॉक्टर जॉनी से बात कर राहे थे, वह अचानक बड़ी जल्दी में नर्सरी से बाहर आ गए। वे बिना एक शब्द कहे हमारे पास से आगे चले गए। कुछ ही मिनटों में, वह वापस आ गए, और उनके पीछे एक नर्स चिल्लाती हुई जा रही थी, और कह रही थी, "डॉक्टर, आप ऐसा नहीं कर सकते। हमारा अस्पताल उस प्रक्रिया को करने के लिए अधिकृत नहीं है। मैं आपको वह खून लेने नहीं दे सकती।" डॉक्टर बिना कुछ कहे नर्सरी में चले गए और उस नर्स की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने एक मैनुअल लिया, और मैं देख सकता था कि वे ध्यान से उसका अध्ययन कर रहे थे कि इस प्रक्रिया को कैसे करना है। दो पर्दों के बीच से मैंने डॉक्टर को उठते हुए देखा और उन्होंने बच्चे में एक लंबी ट्यूब डाली। मुझे अब पता चला कि वे बच्चे को खून दे रहे हैं।

अचानक मुझे दिल की धड़कन सुनाई दी। उसकी गति तेज हो गई और नवजात की सामान्य तेज धड़कन शुरू हो गई। डॉक्टर एक मिनट में बाहर आ गए और कहा, "वहाँ स्वर्गदूत थे; परमेश्वर ने इस बच्चे को बचाने में मेरी मदद की है! " हम साफ देख सकते थे कि वह कांप रहा थे। हमें बाद में पता चला कि वह डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं थे और कैंडी की डिलीवरी में उनका कोई हाथ नहीं था। यह सब हो रहा था तब वह किसी अन्य मरीज की जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि जो हुआ उसे देखकर डॉक्टर अभी भी हैरान थे क्योंकि उन्होंने हमें बताया कि हॉलैंड का दिल 36 मिनट से नहीं धड़क रहा था!

आज हॉलैंड चार साल की सुन्दर और सामान्य बच्ची है। मेरा मानना है कि राज्य के कानून के बारे में हमारी समझ उस स्थिति का जवाब थी। मुझे अब भी याद है कि मैंने नर्सरी के दरवाजे पर हाथ रखा था और अपने आप से सोच रहा था, "हम ड्रेंडा की छोटी भतीजी को दफनाने नहीं जा रहे हैं! कम से कम इस स्थिति में तो नहीं!"

मैने अभी जिन घटनाओं के बारे में आपको बताया उन सबमे परमेश्वर के राज्य का प्रभाव किस प्रकार रहा इसके बारे में अब हम चर्चा करना समाप्त करेंगे, लेकिन मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि परमेश्वर के राज्य के नियम हर समय हर किसी के लिए कार्य करते हैं! जैसा कि मैंने इस पुस्तक की शुरुआत में कहा, पृथ्वी के प्राकृतिक नियम हर बार उसी परिणाम के साथ काम करते हैं। वे निष्पक्ष हैं और उन सभी के लिए काम करेंगे जो उन नियमों को सीखने और लागू करने के लिए समय देते हैं। अफ्रीका की तरह ही संयुक्त राज्य अमेरिका में बिजली काम करती है; उनके कार्यपद्धती में कोई अंतर नहीं होता है।

जब मुझे एहसास हुआ कि परमेश्वर का राज्य एक राज्य है और इसमें छिपे हुए कानून हैं, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे पास मेरी समस्याओं का उत्तर है। मुझे एहसास हुआ कि परमेश्वर नाही था जो मुझे आशीर्वाद नहीं देने या मेरी जरूरत के समय में मेरी मदद ना करने का फैसला करता है। अब मैं समझ गया हूँ कि परमेश्वर ने मुझे यीशु मसीह के द्वारा वह सब कुछ दिया जिसकी मुझे जीवन में आवश्यकता है, जिसने अपने बलिदान के द्वारा मुझे स्वर्ग की सभी चीज़ों तक पहुँच प्रदान की। अब मैं समझता हूं कि यह राज्य कुछ नियमों के अनुसार काम करता है जिसे मैं सीख सकता हूं और अपने जीवन में लागू कर सकता हूं।

मैंने बाइबल की प्रत्येक कहानी को अलग दृष्टिकोन से पढ़ना शुरू किया, ऐसे सुरागों की तलाश में जो परमेश्वर के राज्य के एक और नियम को प्रकट कर सकें। मैंने खुद को एक आध्यात्मिक वैज्ञानिक बनने के लिए प्रतिबद्ध किया है ताकि मैं सीख सकूं कि बाइबल की कहानियों में ऐसा क्यों हुआ। 1 यूहन्ना का यह वचन बहुतों को अजीब लगता है। मुझे पता है कि आपने इसे पहले पढ़ा है, लेकिन चलिए इसे फिर से पढ़ते हैं क्योंकि यह सच्चाई को फिर से बताता है जो हमारा उत्तर है।

और हमें उसके सामने जो हियाव होता है, वह यह है; कि यदि हम उसकी इच्छा के अनुसार कुछ माँगते हैं, तो वह हमारी सुनता है। जब हम जानते हैं कि जो कुछ हम माँगते हैं वह हमारी सुनता है, (हमारा कार्य अपने हाथों मी लेता है) तो यह भी जानते हैं कि जो कुछ हम ने उससे मांगा, वह पाया है।

– 1 यूहन्ना 5:14–15

मुझे यह शास्त्रभाग पसंद है क्योंकि यह कानून की बात करता है और कानून हमें न्याय पाने का विश्वास दिलाता है। यह हमारा विश्वास है – अगर हम परमेश्वर की इच्छा के अनुसार कुछ भी मांगते हैं (कानून, जिसे परमेश्वर सही कहता हैं) तो वह हमारी बात सुनेगा। फिर से, यहाँ पर "हमारी सुनता है" उन शब्दों को संदर्भित नहीं करता है जो परमेश्वर को सुनाई देते हैं, हालांकि यह सच है कि वह उन शब्दों को भी सुनता है जो हम बोलते हैं। लेकिन इस समय, परमेश्वर द्वारा मामलों को अपने हाथों में लेने की बात चल रही है। यदि आप एक ऐसे न्यायाधीश के बारे में सोचते हैं जो किसी मामले का संचालन करता है और कानून के अनुसार फैसला करता है, न कि अपनी भावनाओं के अनुसार (और ऐसा ही होना चाहिए), तो आप इस शास्त्रभाग का अर्थ समझेंगे। वह हमारी सुनता है तो वह हमारा मामला अपने हाथों में लेता है या सुनता है, और हम आश्वस्त हो सकते हैं कि कानूनी रूप से हमारा न्याय होगा।

मेरे दोस्त, मुझे सच में लगता है कि आपको थोडी देर रूककर फिर से इसे धीरे–धीरे पढ़ना चाहिए। अगर आपने अभी जो पढ़ा है वह सच है, और यह वास्तव में सच है, तो आपका जीवन आनंद से भर जाएगा! जो लोग इस ज्ञान के बिना प्रार्थना करते हैं उनमें आत्मविश्वास नहीं होता है; वे सिर्फ प्रार्थना करते हुए बड़बड़ाते हैं। यीशु इसके बारे में मत्ती 6:7–13 में कहता हैं।

प्रार्थना करते समय अन्यजातियों के समान बक–बक न करो, क्योंकि वे समझते हैं कि उनके बहुत बोलने से उनकी सुनी जाएगी।

– मत्ती 6:7

"बक–बक" इस शब्द का अर्थ है शब्दों या ध्वनियों का अर्थहीन भ्रम। ज्यादातर लोग इसी प्रकार प्रार्थना करते हैं। उन्हें इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं है कि उनके न्याय के अधिकार क्या है या परमेश्वर ने उन्हें अपने राज्य में कानूनी रूप से क्या दिया है। आपके पास पहले से मौजूद किसी चीज़ के लिए आपको भीख मांगने या रोने की ज़रूरत नहीं है!

मान लीजिए कि एक पुलिस अधिकारी सड़क पर खड़ा है और एक ट्रक को रुकने के लिए कहता है, और वह रोने लगता है और ट्रक को रुकने के लिए भीख माँगने लगता है। "कृपया, ट्रक, रुको। मुझ पर रहम करो कृपया, कृपया, प्रतीक्षा करें।" यह संयुक्त राज्य अमेरिका और उसकी कानूनी व्यवस्था का सबसे दयनीय और शर्मनाक अपमान होगा। नहीं, पुलिस अधिकारी खड़ा रहेगा और ट्रक को रुकने के लिए कहेगा, और देश के कानून और देश की सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारी द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार ट्रक रुक जाएगा।

जो लोग परमेश्वर से भीख मांगते हैं उन्हें देश के कानून या उनकी स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। एक पुलिस अधिकारी एक ट्रक को रोकने के लिए इसलिए भीख माँगता है क्योंकि वह एक ऐसे राष्ट्र का चित्रण करता है जिसमें कोई कानून और अधिकार नहीं है। ऐसे राष्ट्र में आपके पास केवल अराजकता होगी। जब एक मसीही भीख मांगता है और भीख मांगता रहता है, तो यह दर्शाता है कि परमेश्वर का राज्य कमजोर है, और उस राज्य से कोई जवाब नहीं मिलता है। इससे लोगों को परमेश्वर की इच्छा या उनकी मदद करने की क्षमता पर संदेह होता है, वास्तव में, वे जो मांग रहे हैं उस पर उनका अधिकार पहले से ही है। यीशु हमें भीख मांगने के इस अजीब रूप के बारे में स्पष्ट जवाब देते हैं– "रुको!"

> *प्रार्थना करते समय अन्यजातियों के समान बक–बक न करो, क्योंकि वे समझते हैं कि उनके बहुत बोलने से उनकी सुनी जाएगी। इसलिये तुम उन के समान न बनो, क्योंकि तुम्हारा पिता तुम्हारे माँगने से पहले ही जानता है कि तुम्हारी क्या–क्या आवश्यकताएँ हैं। "अत: तुम इस रीति से प्रार्थना किया करो:*

'हे हमारे पिता, तू जो स्वर्ग में है; तेरा नाम पवित्र माना जाए। 'तेरा राज्य आए। तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो। 'हमारी दिन भर की रोटी आज हमें दे। 'और जिस प्रकार हम ने अपने अपराधियों को क्षमा किया है, वैसे ही तू भी हमारे अपराधों को क्षमा कर। 'और हमें परीक्षा में न ला, परन्तु बुराई से बचा।

– मत्ती 6:7–13

याद रखें, इस पद में यीशु हमें प्रार्थना करना सिखा रहा हैं। दुर्भाग्य से, कई लोगों के घरों में ये शब्द दीवार पर एक सुंदर फ्रेम में लटकाए जाते हैं लेकिन वे इन शब्दों का अर्थ नहीं समझते हैं। इस शास्त्रभाग को प्रभू की प्रार्थना कहा जाता है, लेकिन वह अपने शिष्यों को सिखा रहा था कि उन विशिष्ट शब्दों के साथ प्रार्थना कैसे करें। वह सचमुच उनसे प्रार्थना नहीं करवा रहा था, जैसा कि हम अपने चर्च में करते हैं। ये शब्द न केवल सस्वर पाठ के लिए या शब्दों को याद करने के लिये हैं, बल्कि प्रार्थना कैसे करें और परिणाम कैसे प्राप्त करें, इस पर निर्देश पुस्तिका हैं।

"तेरा राज्य आए। तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे ही पृथ्वी पर भी हो।" यह प्रार्थना करने का निर्देश है, परमेश्वर की इच्छा को पृथ्वी और हमारी परिस्थितियों के दायरे में लाते हुए हमे प्रार्थना करनी हैं। तो आपका जवाब क्या है? परमेश्वर जो कहता है उस पर विश्वास करो, और स्वर्ग के राज्य में अपने अधिकार का उपयोग स्वर्ग को पृथ्वी पर लाने और अपने और अपने आसपास के लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए करें।

तो एक मिनट रुकिए और सोचिए। यदि आप बिना किसी संदेह के जानते हैं कि आपकी प्रार्थना प्रभावी है और पूरा स्वर्ग उसके साथ है, तो क्या जब आप प्रार्थना करते है तब आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा? हां !!! स्वर्ग के नागरिक के रूप में आपके कानूनी अधिकारों को जानने के द्वारा, जो आपको पहले से ही स्वतंत्र रूप से दिया गया है उसे जानने और प्राप्त करने की प्रक्रिया को जानकर, और उन कानूनों का लाभ उठाकर, आप जीवन में एक नए तरीके से चल सकते हैं – राजमार्ग पर चल सकते है। घबराने से क्या होगा? यदि आप अनिश्चित बने रहेंगे तो क्या होगा? वह ज्ञान आपके भविष्य में विश्वास और तूफानों के समय में आत्मविश्वास कैसे

उत्पन्न करेगा? जब हमने इसका पता लगाना शुरू किया तो यह ड्रेंडा और मुझ पर राज्य का प्रभाव था। हमने जो देखा उससे हम अक्सर चकित रह जाते थे। नहीं, मैं इसे फिर से कहता हूं। हम लगातार चकित और विस्मित होते रहें ! इससे भी बढ़कर, हम उस अधिकार से चकित हैं जो परमेश्वर ने कलीसिया को पृथ्वी पर अपनी सरकार की ओर से कार्य करने के लिए दिया है।

क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया।

– रोमियों 8:2

हमारे लिए यह खोज भावनाविवश कर देने वाली थी कि हमें "पाप और मृत्यु की व्यवस्था" से मुक्त कर दिया गया है और हमें राज्य दिया गया है और "जीवन की आत्मा की व्यवस्था" में प्रवेश दिया गया है। और जो चीज हमें और भी अधिक भावुक करती है, वह यह है कि कानून हमारे जीवन में राज्य की नैतिकता का निर्माण करता है।

परमेश्वर के राज्य ने मुझे एक नई आशा के साथ शारीरिक और भावनात्मक रूप से ठीक होने और अवसादरोधी दवाओं से मुक्त होने की सामर्थ दी। मुझे गरीबी और 1800 के दशक के उस जीर्ण–शीर्ण फार्महाउस के $300 प्रति माह के किराए का भुगतान करने के लिए संघर्ष से बाहर निकाला और 59 एकड़ भूमि पर 7,700–वर्ग फुट का एक सुंदर घर कर्ज़ के सहारे नहीं परन्तु पूरी राशी का भुगतान करके बनाने में मदद की। मेरी पत्नी मुझे अब और भी ज्यादा प्यार करती है! बिना कुछ बिगाड़ या परेशानी के हर दिन एक बहुत अच्छी गुणवत्ता वाली कार में यात्रा करना हमारे लिए अमूल्य था। कुछ साल पहले हमारे लिए सुसमाचार को फैलाने के लिए सैकड़ों हजारों डॉलर का दान देना एक असंभव विचार था। जीवन, राज्य का प्रकाश, अंधकार को निगल रहा था; और जैसा कि परमेश्वर ने उत्पत्ति की पुस्तक में, अपनी सम्पूर्ण सृष्टि को देखा, और कहा, "यह अच्छा है!" उसी प्रकार, मैं भी अपनी बदली हुई स्थिति को देखकर दंग रह गया और कहा, "यह अच्छा है, वास्तव में बहुत अच्छा है।"

ड्रेन्डा और मैं इतने उत्साहित थे कि हम हर उस व्यक्ति को परमेश्वर के राज्य के बारे में और हमारे जीवन में परमेश्वर के राज्य के द्वारा जो हुआ वह बताते थे। हमारे चर्च के लोगों को

यह बात समझ आयी, और उनके जीवन में भी हमारे जैसा ही प्रभाव दिखाई देने लगा, और उन लोगों में से एक हमारी अपनी 12 वर्षीय बेटी थी। उसने परमेश्वर को बहुत से काम करते देखा था, और समय–समय पर उसने राज्य के अतुलनीय नियमों को हमारे जीवन में काम करते देखा। मुझे पता था कि वह नियमों का निरिक्षण कर रही है और उनसे सीख रही है, लेकिन एक घटना ने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि वह वास्तव में कितना सीख रही थी।

एक रात मैं उसके बेडरूम में उसे गुड नाईट कहने गया और मुझे एहसास हुआ कि उस जगह में कुछ अलग था। उसकी दीवार पर एक पोमेरेनियन कुत्ते की तस्वीर थी। कोई भी माता–पिता जानते हैं कि जब वे अपने बच्चों के बेडरूम में कुत्ते की तस्वीर देखते हैं टब वह एक निश्चित संकेत है कि अब उनसे कुत्ते की माँग की जाएगी। और मैं नहीं चाहता था कि एक और कुत्ता घर में ना रहे, इसलिए मैंने इस संकेत को नज़रअंदाज़ करने का फैसला किया। कर्स्टन की बहन पोली के पास पहले से ही एक इनडोर कुत्ता था और वह कुत्ता उसके अपने बेडरूम में रह रहा था, इसलिए पोली का कुत्ता हमेशा पोली और कर्स्टन के साथ रहता था।

मैंने धीरे से कर्स्टन से कहा कि मुझे उसकी तस्वीर पसंद है लेकिन मैं वास्तव में घर में एक और कुत्ता नहीं चाहता। मैंने उससे कहा कि अगर वह एक कुत्ता रखना चाहती है, तो उसे अपनी बहन के डचशंड कुत्ते के साथ अपना कुत्ता समझकर खेलने में अधिक समय बिताना चाहिए। उस रात कर्स्टन ने कुछ नहीं कहा, वह बस चुपचाप मेरी बात मान गई। मुझे लगा कि अब मामला खत्म हो गया है, लेकिन कई बार बाद में पोमेरानिया का मुद्दा बातचीत में आता रहा। वह कहती थी, "क्या पोमेरेनियन को रखना बेहतर नहीं है?" या "वे बहुत बालों वाले और फुर्तीले होते हैं।" और फिर, कर्स्टन कुत्तों की कुछ तस्वीरें ऑनलाइन देखती थीं और उनमें से एक मुझे दिखाती थीं। तब मैं बस इतना कहता था, "नहीं।" मैं इस घर का अधिकारी हूं और हम घर में दूसरा कुत्ता नहीं रखेंगे।

मुझे लगा कि अब किस्सा खत्म हो गया है, लेकिन एक दिन जब हम चर्च से घर आए, तो कर्स्टन बड़े आत्मविश्वास के साथ मेरे पास आई। उसके चेहरे पर खुशी की झलक थी। उसने कहा, "डैड, आज मुझे विश्वास से एक पॉमेरियन कुत्ते का बच्चा मिल गया है, ठीक उसी विश्वास से जो आप हमें सिखाते है।" मैंने उसे याद दिलाया कि घर में एक और कुत्ता ना रखने

के बारे में मैने क्या कहा था। उसने जो कहा वह विद्रोही नहीं था। वह केवल प्रार्थना में अपनी माँ के साथ सहमत थी, और उसी सहमती से उन्होंने प्रार्थना की थी कि परमेश्वर मेरे हृदय को बदल देगा। मै इस बात को समझ गया। मुझे अब समझ आ गया कि वो और उसकी माँ ने इस विषय पर एक दूसरे से बातचीत की थी और उसकी माँ ने उसे प्रोत्साहित करते हुए कहा था कि परमेश्वर वास्तव में मेरे विचार को बदल सकता है।

उस प्रोत्साहन के अनुसार, उसने उस सुबह चर्च में अपना विश्वास मुक्त किया, उसके लिए बोया अर्थात दान अर्पण किया, और स्वीकार किया कि उसे विश्वास से कुत्ता मिल गया है। मैंने उसे दृढ़ता से आश्वस्त किया कि मै उससे बहुत प्यार करता हूँ, लेकिन उसे बताया कि मैंने कुत्ते के बारे में पहले जो कहा था कि, "कोई दूसरा कुत्ता हमारे घर में नहीं आएगा।" मैंने उससे कहा कि मुझे इस प्रकार कहने के लिए खेद है लेकिन फिर भी दृढ़ता से कहा कि ऐसा नहीं होगा। मैं जो कह रहा था उससे वह बिलकुल भी चिंतित नहीं थी; वह मुस्कुराई और चली गई। एक बार फिर, मुझे लगा कि कुत्ते का यह मामला आखिरकार सुलझ गया है, समाप्त हो गया है।

लेकिन लगभग एक महीने बाद, मुझे मिसिसिपि के एक छोटे से चर्च में वचन कि शिक्षा देने के लिए आमंत्रित किया गया। यह एक छोटे से गाँव में एक छोटा सा चर्च था और इस चर्च के चारों ओर कई किलोमीटर तक खुले मैदान थे। पहली रात की शिक्षा के बाद, पादरी मेरे पास आएं और कहा कि सेवा के दौरान प्रभु ने उनसे बात की थी। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता कि आप इसे जानते हैं या नहीं, लेकिन मैं एक पोमेरेनियन कुत्ते का व्यवसाय भी चलाता हूं, और परमेश्वर ने मुझे छह महीने के पिल्लों में से एक आपको देने के लिए कहा, क्योंकि अब उनकी उम्र के अनुसार किसी के घर भेज देना आवश्यक है।" मैं चौंक गया और उन्हें देखता रहा। मैं अभी भी उस कुत्ते के पिल्ले को लेने के लिए तैयार नहीं था, इसलिए मैंने कहा, "मैं आपको इसके बारे में बाद में बताऊंगा।" मुझे नहीं पता था कि यह पादरी किस तरह के कुत्तों का व्यवसाय करता है, और मैंने उन्हें अभी इस मुलाकात के समय या पहले कभी यह नहीं बताया था कि कर्स्टन को कोई कुत्ते का पिल्ला चाहिए है।

आखिरकार मेरा दिल टूट गया और मैंने ड्रेंडा को बताया कि क्या हुआ था और मैंने उससे यह भी कहा कि मैं इस कुत्ते को घर बिल्कुल नहीं ले जाना चाहता। उसने मेरी ओर देखा और कहा, "क्या आप अपनी बेटी के विश्वास को नकारने जा रहे हैं?" ड्रेंडा भी वास्तव में घर में एक और कुत्ता नहीं चाहती थी, लेकिन उसने दूसरे कुत्ते के कारण होने वाली किसी भी असुविधा से अधिक कर्स्टन के लिए अपने प्यार को अधिक महत्वपूर्ण पाया। और अब जबकि कर्स्टन के विश्वास ने के कारण परमेश्वर ने उके लिए एक कुत्ते का इंतज़ाम कर दिया था, तो हम वो उसे देने से कैसे मना कर सकते थे? तो मैंने पास्टर से कहा कि मैं उस कुत्ते को ले जाऊँगा।

हमने कर्स्टन को कुछ नहीं बताया लेकिन उसकी बहन से कहा कि जब वह हमें हवाई अड्डे पर लेने आए तो कर्स्टन को अपने साथ ले आए। कर्स्टन हवाई अड्डे पर पहुँची थी, और जब वह हमसे मिली तब हमने उसे वह छोटा ट्रेवल केस दिया जो हमने कुत्ते को रखने के लिए ख़रीदा था। जब कर्स्टन ने नन्हे पोमेरेनियन को देखा तो वह फूट–फूट कर रोने लगी। वहाँ का सारा माहौल थम सा गया। आसपास के सभी लोग रुक गए और इस पुरे नज़ारे को देखने लगे। जल्द ही हमारे चारों ओर भीड़ जमा हो गई क्योंकि कर्स्टन बच्चे को पकड़ कर रो रही थी और ड्रेंडा सबको बता रही थी कि हमें यह कुत्ता कैसे मिला और कैसे कर्स्टन ने उस कुत्ते के लिए परमेश्वर पर भरोसा किया।

उस समय मुझे एहसास हुआ कि अगर आपके हाथ में कुत्ते का एक पिल्ला है, तो आप हवाई अड्डे पर एक आत्मिक संजीवन कि आराधना सभा भी कर सकते हैं। हर कोई उस पिल्ले को देखना चाहता था और हवाई अड्डे पर हमारे आस–पास इकट्ठा सभी लोग कर्स्टन के साथ रो रहे थे, यहां तक कि टीएसए अधिकारी भी रो रहा था। इस बार, मैंने सोचा कि मैं एक बहुत ही भयानक और बुरा पिता हूँ। जब मैंने देखा कि मेरी बेटी उस पिल्ले के साथ कितनी खुश थी तो मैने सोचा कि जब परमेश्वर स्वयं उस कुत्ते को उसके विश्वास के कारण उसके जीवन में लाया, तो मैं उसे घर में लाने के खिलाफ क्यों था जो वास्तव में उसके लिए बहुत कीमती था। उसने उसका नाम शेक्सपियर रखा, वह बहुत आकर्षक था। वह हमारे परिवार का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। भले ही वह एक छोटा कुत्ता था, वह दिन–रात कर्स्टन का पीछा करता था, वह जहाँ भी जाती उसके पीछे पीछे चला जाता था।

हालांकि यह एक हृदय को छू जाने वाली कहानी है, मुझे एक प्रश्न पूछने की आवश्यकता है जिसका उत्तर प्राप्त करना आवश्यक है और यही इस पुस्तक का उद्देश्य भी है। उसे वह कुत्ता कैसे मिला? इससे पहले किसी ने मुझे कुत्ता नहीं दिया था। और यह कैसे संभव था कि जिस कुत्ते के लिए मेरी बेटी ने अपना विश्वास मुक्त किया था, वही यह कुत्ता था? क्या यह आकस्मिक रूप से हुआ? नहीं, बिलकुल नहीं। यह उस राज्य का प्रत्यक्ष परिणाम था जो मेरे पारिवारिक जीवन और इसे नियंत्रित करने वाले कानूनों में बना था। यह उन सभी के साथ होता है जो विश्वास करते है और परमेश्वर के राज्य के अधिकार को विश्वास के साथ पृथ्वी के क्षेत्र में मुक्त करते है, और यह हमारे परिवार के साथ भी हुआ। हम स्वीकार कर सकते हैं कि परमेश्वर के राज्य ने उस कुत्ते को उत्पन्न किया था। पर कैसे? वे कौन से कानून थे जिनके कारण यह सब हुआ? उम्मीद है, यह पुस्तक आपको कुछ स्पष्ट उत्तर प्रदान करेगी जो आपको यह समझने में मदद करेगी कि परमेश्वर के राज्य का आनंद कैसे लें। आखिरकार, आप उस राज्य के नागरिक हैं जो कानूनी अधिकारों और लाभों का आनंद ले सकते हैं! लेकिन पहले मैं आपको हमारे पारिवारिक जीवन में राज्य का एक और उदाहरण देना चाहता हूं।

अध्याय 4

विशालकाय मछली

जब ड्रेन्डा और मैंने परमेश्वर के राज्य और पृथ्वी पर हमारे अधिकार के बारे में सीखा, हम इस तथ्य के बारे में अधिक से अधिक जागरूक हो गए कि हम अपने लिए तय करते हैं कि कैसे जीना है। परमेश्वर का राज्य हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है, लेकिन इसके लिए हमें उन प्रावधानों को मुक्त करने की आवश्यकता है जो हमें अपने जीवन में चाहिए या आवश्यक है। यह अपने आप नहीं हो जाता। हमारी बेटी के छोटे कुत्ते की तरह, राज्य को अपने अधीन लाने के लिए चाहे वह कितना भी छोटा या कम महत्वपूर्ण क्यों न हो। जब हमें इस बात का अहसास हुआ तो हमारे लिए कुछ भी असंभव नहीं था। अपने अधिकांश जीवन में, मुझे वास्तव में इस बात का एहसास नहीं था कि परमेश्वर ने हमें राज्य, उसका पूरा राज्य आनंद लेने के लिए दिया है। इसलिए हमारे जीवन के हर पहलू पर राज्य के प्रभाव को देखना एक खुशी की बात है, यहाँ तक कि उन छोटी सी छोटी बातों में भी जो बहुत महत्वपूर्ण नहीं हैं। अगली कहानी के द्वारा मै इसे समझाने की कोशिश कर रहा हूँ। मैं इसे विशालकाय मछली की कहानी कहता हूं।

यह तब हुआ जब हमारा परिवार अलास्का में छुट्टी पर था। यह हमारे लिए एक सपने के सच होने जैसा था कि हम वहां छुट्टियां मनाने गए थे। हम एंकरेज में उतरे और तीन सप्ताह के लिए एक आरवी किराए पर लिया और अधिकांश पश्चिमी तट का दौरा किया। यह पूरा प्रदेश बहुत ही सुन्दर था! एक दिन जब हम केनई प्रायद्वीप पर नौकायन कर रहे थे, हमने देखा कि एक चार्टर नाव के बाहर एक बड़ी मछली एक रैक पर लटकी हुई है। अधिकांश चार्टर नावें अभी–अभी आई थीं; और बंदरगाह के ऊपरी और निचले हिस्सों में बहुत अधिक मात्रा में

बड़ी मछलियाँ दिखाई दे रही थीं। ऐसा लग रहा था जैसे मछलियां आगे बढ़ने की कोशिश कर रही हों। मैंने पहले कभी हलिबट मछली नहीं देखी थी और मुझे यह भी नहीं पता था कि ऐसी कोई मछली होती है या वह कैसी होती है, लेकिन वे मछलियाँ बहुत बड़ी थीं। हमें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उस दिन हर चार्टर कंपनी हलिबट फिशिंग को बढ़ावा दे रही थी। अचानक, मेरी पत्नी ने मेरी ओर देखा और कहा, "मैं भी एक हलिबट पकड़ना चाहती हूं और मैं उसे उस कप्तान के साथ पकड़ना चाहता हूं।" उसने हलिबट फिशिंग चार्टर का विज्ञापन करने वाले एक संकेत की ओर इशारा किया, जिस पर मछली का ईसाई प्रतीक था।

यह सुनकर पहले तो मैं चौंक गया! "क्या आप हलिबट पकड़ना चाहती हो?" उसने इससे पहले कभी मछली पकड़ने की इच्छा ज़ाहिर नहीं की थी। लेकिन उसने जिद की तो हम उस ऑफिस गए। कार्यालय के कर्मचारी दूसरे ग्राहक के साथ व्यस्त थे, इसलिए हम बुलेटिन बोर्ड पर लोगों द्वारा लिखी गई टिप्पणियों को पढ़ने और इधर उधर कुछ देखने में समय बिताने की कोशिश कर रहे थे। हमने देखा कि हलिबट डर्बी चल रही थी, लेकिन उसमे यह भी लिखा था कि डर्बी जल्द ही बंद हो जाएगी । हम नहीं जानते थे कि यह क्या था, और शायद आप भी नहीं जानते होंगे की यह क्या है, तो चलिए मैं समझाता हूँ। हैलिबट डर्बी चार्टर कैप्टन के लिए पूरे महीने की सबसे बड़ी हलिबट पकड़ने वाली प्रतियोगिता है और आज भी जारी है। विजेता को एक चेक मिलता है और उसकी तस्वीर अख़बार में प्रकाशित की जाती है। ड्रेन्डा और मैंने डर्बी में प्रवेश करने के बारे में एक दूसरे से बात की क्योंकि वैसे भी हम वहाँ घूमने ही तो आए थे। डर्बी के लिए प्रवेश शुल्क बहुत कम राशि थी; और उसके बाद जो मैं आगे की कहानी में बताने जा रहा हूँ वो हुआ।

ड्रेंडा, मेरी प्यारी, बहुत नाजुक पत्नी ने मेरी ओर रुख किया और कहा कि वह उस डर्बी में भाग लेने और जीतने के लिए दृढ़ है ताकि इस कप्तान का व्यवसाय किसी भी अन्य कप्तान की तुलना में अधिक प्रसिद्ध और विकसित हो, क्योंकि वह मसीही है और उस कारण परमेश्वर को महिमा मिलेगी। इसलिए जब डेस्क पर साइन अप करने की हमारी बारी थी, तो ड्रेंडा ने साहसपूर्वक घोषणा की कि वह परमेश्वर की महिमा करने और उस कप्तान के व्यवसाय के लिए अधिक पहचान हासिल करने के लिए हलिबट डर्बी जीतने जा रही है, क्योंकि वह एक मसीही

है। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उसने क्या महसूस किया होगा। जैसा कि आप जानते हैं, हर कोई हलिबट डर्बी जीतना चाहता है; और मुझे यकीन है कि उसने बहुत सारे पर्यटकों से सुना होगा कि मैं इस डर्बी को जीतने जा रहा हूं, और भले ही सभी ने ऐसा न कहा हो, लेकिन उसके पास आने वाले कुछ पर्यटकों तो ऐसा निश्चित कहा होगा। लेकिन, मुझे यकीन है कि उनमें से किसी ने भी यह नहीं कहा होगा कि हम इस डर्बी को परमेश्वर की महिमा के लिए जीतने जा रहे है।

उन्होंने डर्बी के बारे में ड्रेंडा की टिप्पणियों कि ओर विशेष ध्यान नाही दिया। हम बाहर गए और मछली पकड़ने लगे, हमने एक हलिबट पकड़ा और ड्रेंडा कैप्टन से पूछती रही, जो मालिक भी थे, डर्बी जीतने के लिए हलिबट कितना बड़ा होना चाहिए। और वह केवल इतना ही कहता रहा कि वह उस हलिबट से बड़ा होना चाहिए जिसे उसने अभी पकड़ा था, इसलिए जब भी वह मछली पकड़ती थी तो वह उससे फिर वो ही सवाल पूछती रहती थी। तो जब उसने 40 पौंड की मछली पकड़ी, तो उसने कहा कि यह जीतने के लिए काफी बड़ी नहीं है। जब उसने 70 पाउंड की मछली पकड़ी, तो वह भी प्रतियोगिता जीतने के लिए बड़ी नहीं थी। हलिबट खाने में कितना अच्छा और स्वादिष्ट होता है, यह सभी जानते हैं, इसलिए हमने जो मछली पकड़ी थी उसे घर भेजने का फैसला किया। एक व्यक्ति केवल दो ही मछलियाँ अपने साथ ले जा सकता था, नियम के अनुसार वह सीमा थी, इसलिए हमने 70 पौंड मछली अपने लिए रखी।

दिन शाम में बदल गया, और अब अंधेरा हो रहा था। मेरे बेटे टॉम, बेटी पॉली, और मैं, हम सभी के पास नियम के अनुसार दो मछलियाँ थीं। मेरे अन्य दो बच्चे, एमी और टिम, एक सम्मेलन में भाग लेना चाहते थे, इसलिए वे जल्दी घर चले गए और वे मछली पकड़ने की जगह पर हमारे साथ नही थे। ड्रेंडा के पास भी उसकी 70 पाउंड की मछली थी, लेकिन हमारे पास जो भी मछली थी, वह डर्बी जीतने के लिए बिलकुल भी योग्य नहीं थी। लेकिन ड्रेंडा को अभी भी भरोसा था कि वह सबसे बड़ी मछली पकड़ लेगी। जैसे ही शाम को प्रकाश मंद हो गया, कप्तान ने हम सभी से कहा कि हम अपने खंभों को वापस रख दें क्योंकि यह डॉक पर वापिस जाने का समय था। कप्तान हम सभी को हमारे खंभों को हटाने और उन्हें अंदर रखने

और अन्य सभी सामान अंदर रखने में मदद कर रहा था लेकिन ड्रेंडा ने उसके आदेश को नजरअंदाज कर दिया। उसने कैप्टन से उसे कुछ और मिनट देने का अनुरोध किया क्योंकि उसने फिर से घोषणा की कि वह उस प्रतियोगिता को जीतने वाली हलीबट मछली को पकड़ने जा रही है। कप्तान ने कुछ मिनट इंतजार किया और अंत में, उसने ड्रेंडा की ओर जाते हुए कहा, "मुझे क्षमा करें, लेकिन हमें वास्तव में अब वापस जाना होगा।"

कॅप्टन उसके खम्भे तक पहुँचने से पहले ही अचानक स्थिति बदल गई। स्पष्ट रूप से समझ आ रहा था कि यह एक बड़ी मछली थी क्योंकि रॉड मुड़ गई थी और रॉड के मोड़ से आवाज आ रही थी। कप्तान यह पता लगाने के लिए पोल पर चढ़ गया कि मछली कितनी बड़ी है और उसने स्वीकार किया कि यह वास्तव में एक बड़ी मछली है लेकिन उसने कहा कि यह शार्क है। उसने कहा कि जिस तरह से उसने मछली खींची, वह बता सकता है कि वह कौन सी मछली है। ड्रेंडा को उस मछली को बाहर निकालने में काफी समय लगा। मछली को 300 फीट नीचे से ऊपर की ओर उठाने के लिए उसने अपनी सारी शक्ति का प्रयोग किया। जब मछली बाहर निकली, तो सभी ने देखा कि यह वास्तव में एक बड़ा हलिबट है, जो ड्रेंडा से भी बड़ा था।

मछली को नाव पर खींचने का प्रयास किया जा रहा था, उस समय कप्तान ने कहा कि मछली इतनी बड़ी है कि नाव में जीवित नहीं खींची जा सकती, ऐसे में वह बचने के लिए संघर्ष करेगी; और क्योंकि यह इतनी बड़ी है, यह किसी व्यक्ति को घायल कर सकती है या नाव को नुकसान पहुंचा सकती है। इतनी बड़ी मछली के लिए उसके पास एक विशेष उपकरण था। प्रोड में एक छोटा विस्फोटक बिंदु था जो मछली के सिर से टकराने पर फट जाता, जिससे मछली मर जाती थी। कप्तान ने उस बड़ी मछली के सिर पर प्रोड लगाया और उसे दबाने पर उसमे से विस्फोट हुआ, लेकिन उसी समय मछली तेज गति से उछली और विस्फोट का लक्ष्य मछली से चूक गया।

उस आवाज के साथ मछली अपनी पूरी ताकत के साथ फिर से नीचे की ओर चली गई। रॉड 300 फीट नीचे झुकी और इतनी अधिक मात्रा में झुकने के कारण उसमे से आवाज आई। हमें डर था कि रॉड अब मछली को पकड़कर नहीं रखने पाएगी या मछलीने जो इतनी तेजी से

पानी में छलांग लगाई है तो रॉड का हुक जो मछली को पकडे हुए था वह निकल जाएगा और मछली पकड़ में नहीं आएगी। तो ड्रेंडा को उस बड़ी मछली को फिर से ऊपर खींचना पड़ा। एक बार उसने उस मछली को उठाने के लिए इतनी मेहनत की थी, इसलिए वह उसे फिर से निकालने के लिए उत्सुक थी; इसलिए मैंने उसके चारों ओर अपना हाथ रखा, उसके साथ रील पर अपना हाथ रखा, और हम दोनों धीरे–धीरे मछली को वापस सतह पर ले आए। इस बार कप्तान भी मछली को ठीक तरीके से नाव में लेकर रख पाया, और हम सब उस विशाल मछली का आकार देखकर चकित थे।

हम विशाल हलिबट मछली को शहर के चौराहे पर ले गए जहाँ उसका वजन तौलने के लिए इंतज़ाम था। मछली का वजन 123 पाउंड था और यह ड्रेंडा से लंबी थी। इसे तौलने वाले ने कहा कि यह इस साल की प्रतियोगिता में सबसे बड़ी मछली है; लेकिन प्रतियोगिता समाप्त होने में अभी दो सप्ताह बाकी थे, हमें नहीं पता था कि हमारी यह मछली प्रतियोगिता जीतेगी या नहीं। हैरानी की बात है कि एक दिन ड्रेंडा के नाम से एक चेक हमें प्राप्त हुआ और हमें अखबार के लेख की एक प्रति मिली, जिसमें उसकी तस्वीर थी। यह सब देखकर हम रोमांचित हो उठे।

परमेश्वर के राज्य ने फिर से काम किया! और मैं फिर से पूछना चाहता हूं, “उसने उस मछली को कैसे पकड़ा?” मैंने अपने वैवाहिक जीवन में उसे केवल दो बार मछली पकड़ते देखा है, और उसे वास्तव में मछली पकड़ना पसंद नहीं था। मुझे अभी भी आश्चर्य है कि वह हलिबट को पकड़ने के लिए कैसे तैयार हुई। लेकिन ऐसा करने के उसके अपने कारण थे; उसे यकीन था कि वह उस डर्बी जीतने वाली मछली को पकड़ लेगी! और उसने ऐसा किया। जब हम अलास्का में कप्तान से बात कर रहे थे, तो हमें उसके साथ परमेश्वर के राज्य के बारे में साझा करने का अवसर मिला और हमने उस मछली को कैसे पकड़ा यह भी असे बताया। हालाँकि हमने जो मछली पकड़ी थी वह अभी तक आधिकारिक विजेता नहीं थी, लेकिन जब हमने उस दिन कप्तान के साथ अपनी बातचीत समाप्त की और वहाँ से चले गए, तो मछली की तरफ़ उसका ध्यान गया और वह सोचने लगा था, क्योंकि वह मछली थी ही इतनी विशाल। और हां, अंत में वही मछली जीती।

आप शायद सोच रहें होंगे कि यह हमारी, या वास्तव में ड्रेंडा की, बड़ी मछली कहानी का अंत है। मुझे पता है कि लोग कहेंगे कि वह उस मछली को पकड़ने में भाग्यशाली थी, लेकिन क्या ऐसा दो बार हो सकता है? खैर, फिर, लगभग पाँच साल बाद, ड्रेन्डा और मैंने अपने एक पादरी मित्र को अलास्का में सॅमन मछली पकड़ने के लिए आमंत्रित किया। पिछली बार जब हम अपने परिवार के साथ RV यात्रा पर गए थे, तब से हम उस स्थान पर फिर लौटकर नहीं गए थे, और हम तब से वहाँ जाने का बहाना खोजने की कोशिश कर रहे थे। हमने फिर से एक RV किराए पर लिया और सॅमन मछली पकड़ने की योजना बनाई क्योंकि उस समय बहुत सारी सॉकी (नीली–पीठ वाली सॅमन मछली) मछलियाँ थीं। और जब हम सॅमन पकड़ रहे थे, हमारी चर्चा इस बात पर होने लगी कि कैसे हलिबट फिशिंग की जाती है और ड्रेंडा ने उस मछली को कैसे पकड़ा। हमारे दोस्त ने पहले कभी हलिबट मछली नहीं पकड़ी थी, इसलिए हमने कहा, "ठीक है, चलो वही चलते हैं।" हमने उसी जगह जाने का फैसला किया जहां ड्रेंडा ने विशाल मछली पकड़ी थी और अगर वह कप्तान अभी भी व्यवसाय में था, तो उसी कप्तान के पास जाने का निर्णय लिया।

जब हम उस जगह पर गए जहां कप्तान था, तो हमने देखा कि वह अब वहां नहीं है, और हमने सोचा कि हमें दूसरे कप्तान का उपयोग करने की आवश्यकता हो सकती है। लेकिन ऐसा करने से पहले हमने सोचा कि हमें इंटरनेट पर उसका नाम खोजने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि हमें उसकी बोट या कंपनी का नाम याद नहीं था। कुछ खोज करने के बाद, हमें अखबार के लेख की एक प्रति मिली, जिसमें पांच साल पहले ड्रेंडा ने जो मछली पकडी थी उसकी तस्वीर थी। उसीमे उस बोट और कंपनी के नाम का उल्लेख भी था, इसलिए हमने तुरंत एक फोन किया, और सब कुछ एक पल मेंठीक हो गया। कंपनी अभी भी व्यवसाय में थी, लेकिन उन्होंने अपना व्यवसाय उस स्थान से लगभग पाँच मील दूर स्थानांतरित कर दिया था।

जब हम उस स्थान पर पहुँचे जहाँ कप्तान का कार्यालय था, मेज पर बैठी महिला, जो कप्तान और मालिक की पत्नी थी, उसने ऊपर देखा और बड़े आनंद से कहा, "हलिबट विजेता!" हमने बड़े हलिबट और पिछले पांच वर्षों से क्या चल रहा है, इस बारे में बात करने

में कुछ मिनट बिताए। यह आर्थिक मंदी का समय था और व्यापार अच्छा नहीं चल रहा था। उसने कहा कि लोग अब ज्यादा यात्रा नहीं करते हैं और मछली पकड़ने पर पैसा खर्च नहीं करते हैं, और इसलिए उसका पति निराश था। हमने उसे परमेश्वर के राज्य का स्मरण दिलाया, और उसने कहा कि उसके पति को परमेश्वर की सेवा करने में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है।

जब हम नाव पर चढ़े तो उसे ड्रेंडा और उसने पकड़ी हुई बड़ी मछली भी याद आ गई। ड्रेन्डा ने उसके पास जाकर पूछा कि मछली पकड़ने का काम कैसा चल रहा है, और उसने कहा कि वह अब उस तरह बड़ी मछली नहीं पकड़ रहा था जिसे उसने डर्बी के लिए पकड़ा था बल्कि छोटी मछली पकड़ रहा था। लेकिन उसने कहा कि इस क्षेत्र में कोई बड़ी मछलियां नहीं हैं क्योंकि यह क्षेत्र बहुत गहरा नहीं है। उसने आगे यह भी कहा कि जिस स्थान में उसने डर्बी की वो बड़ी मछली पकड़ी थी वह स्थान बहुत ही गहरा था और वहाँ अधिकतर शार्क होते है, और इसलिए उसने अपना व्यवसाय वहाँ से हटाकर इस स्थान पर स्थानांतरित कर दिया है। मछलियोँ को पकड़ने के लिए जो चारा डाला जाता है वह नीचे तली तक पहुँचने से पहले शार्क मछली उसे निगल जाती हैं, और दूसरी मछलियाँ जाल में फंस नहीं पाती है, और फिर मछली पकड़ने का चारा खरीदने में बहुत पैसा लगता था और मछलियां पकड़ने में बहुत समय भी।

इसलिए हमने उससे पूछा कि वह इस नए क्षेत्र में किस आकार की मछली पकड़ रहा है, और उसने कहा कि उसने एक महीने में 20 से 30 पाउंड से बड़ी मछली कभी नहीं देखी। तब ड्रेंडा ने उसकी ओर देखा और कहा, “ठीक है, मैं आज एक इतनी बड़ी मछली पकड़ूँगी जिसे आपने लंबे समय से नहीं देखा है, ताकि आप जान जाओ कि परमेश्वर विश्वासयोग्य है।” लेकिन उसने ड्रेन्डा का मजाक उड़ाया। दिन भर में, हम केवल 20–पाउंड की मछली पकड़ते रहे, जैसा कि कप्तान ने कहा था कि उस स्थान में केवल उतनी ही छोटी मछलियाँ मिलती है, और कप्तान दिन भर ड्रेंडा को उसने “बड़ी मछली” पकड़ने के बारे में जो कहा था उसका ताना मारता रहा। यह हमारी पिछली यात्रा की पुनरावृत्ति थी।

जैसे–जैसे शाम होने लगी, कप्तान ने हमें सभी डंडे निकालकर हटाने के लिए कहा, और इस बार भी, ड्रेंडा ने उसकी बात की ओर कोई ध्यान नहीं दिया,उसने उसे केवल इतना कहा

कि उसे बड़ी मछली पकड़ने में केवल एक या दो मिनट लगेंगे। कप्तान एक मिनट के लिए रुका लेकिन फिर उससे कहा कि वह अभी जाना चाहता है। उसी समय, उसकी मछली पकड़ने वाली रॉड झुक गई और पूरी और लंबी कहानी बताने के बजाय मै केवल इतना ही कहूंगा की ड्रेन्डा ने 70 पाउंड की मछली पकड़ी। कप्तान फिर हैरान रह गया।

जब हम मछली पकड़ने के बाद एक रेस्तरां में गए, तो हमने देखा कि वहाँ एक चार्टर कप्तान खाना खा रहा है, हमने उससे बातचीत करना शुरू किया। जब उसने सुना कि ड्रेंडा ने पूरी 70 पाउंड की मछली पकड़ी है, तो उसे विश्वास नहीं हुआ। जहाँ तुम मछली पकड़ रहे थे; वह जगह अंदर कितनी दूर थी? वह जानना चाहता था कि हमने वह बड़ी मछली कहाँ पकड़ी। रेस्तरां छोड़ने के बाद, हमें एक बार फिर चार्टर पर जाना था और ड्रेंडा द्वारा पकड़ी गई मछली को घर भेजने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने थे।

चार्टर कप्तान को अभिवादन करके वहाँसे जाने से पहले एक बार फिर उसे परमेश्वर के राज्य के बारे में बताने का अवसर हमें मिला। मैंने कप्तान की ओर देखा और कहा, "आपको वास्तव में यह जानने की कोशिश करनी चाहिए कि ड्रेन्डा ने उन दो मछलियों को कैसे पकड़ा। परमेश्वर के राज्य के नियम पैसे के लिए भी काम करते हैं।" इस बार वह हमारी बातों पर ध्यान दे रहा था और उसमें दिलचस्पी लेने लगा था। हमने उसे अपनी किताब "फिक्सिंग द मनी थिंग" दी और चले गए।

यह दो मछलियाँ पकड़ना क्या यह महज एक संयोग था या फिर यह परमेश्वर के राज्य के नियम का परिणाम था? आप खुद ही तय करें, लेकिन ड्रेन्डा ने और मैंने पहले ही फैसला कर लिया है। मछली पकड़ने की यात्राओं से लेकर ऋण मुक्त होना या चंगाई तक, परमेश्वर के राज्य का हमारा अनुभव रोमांचक और जीवन बदलने वाला था। अन्य अनेक लोग भी हमारी तरह ही राज्य का अनुभव कर रहे हैं। एक महिला ने ड्रेंडा के अनुभव की कहानी सुनी और यह पत्र लिखा।

गैरी और ड्रेंडा को शुभकामनाएँ,

ड्रेंडा ने प्रतियोगिता में हलिबट कैसे पकड़ा यह आपकी किताब में पढ़ने के बाद, मैंने सोचा कि मुझे अपनी मछली की कहानी भी आपके साथ साझा करनी चाहिए।

हम हाल ही में कोको बीच / केप कैनावेरल, फ्लोरिडा में एक पारिवारिक छुट्टी पर गए थे। मेरे पति, रॉबर्ट, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाली नाव पर जाना चाहते थे और कुछ मछलियाँ पकड़कर वापस कोलोराडो में अपने घर ले जाना चाहते थे। हम कुछ महीनों से यात्रा की योजना बना रहे थे, इसलिए जब उन्होने मुझसे कहा कि वह मछली पकड़ने जाना चाहते है, तो मैं बहुत खुश हुआ और मैंने कहा, "चलो चलते है! और परमेश्वर पर विश्वास करते है कि वह तुम्हें एक बड़ी मछली पकड़ने में मदद करेगा!" मैंने बॉब से पूछा कि फ्लोरिडा में जहाँ हम मछली पकड़ने जा रहे है वहाँ किस तरह की मछलियाँ उपलब्ध थीं। उसने मुझे उस क्षेत्र की सभी मछलियों के नाम बताए, और मैंने एक विशाल लाल स्नैपर पकडे जाने के लिए प्रार्थना करने और विश्वास करने का फैसला किया।

मछली पकड़ने का वह दिन आ गया और हम नाव के कप्तान और चालक दल के निर्देशों की प्रतीक्षा कर रहे थे। मैं निश्चित रूप से दावा कर राही थी कि मैं एक विशाल लाल स्नैपर पकड़ने जा रही हूँ, और जब कप्तान ने बोलना शुरू किया तो मेरा उत्साह बढ़ गया। लेकिन फिर कप्तान ने जो कहा उसे सुनकर मैं निराश हो गई, उसने कहा कि अभी आप बास, फ्लाउंडर और रेड स्नैपर नहीं रख सकते! ओह, मैंने सोचा; अब क्या विश्वास करने के लिए क्या बचा है?

लेकिन फिर भी, मैं विश्वास का कार्य होने का यह अवसर खोना नहीं चाहती थी। मैंने कहा, "हे परमेश्वर, मैंने विश्वास किया है कि मैं एक विशाल रेड स्नैपर पकड़ने जा रही हूं, और वैसा ही हो, मैं उस लाल स्नैपर को तो पकडूँगी ही और उसके साथ कुछ अन्य मछलियाँ भी घर ले जाऊंगी!"

इसलिए नाव पर रहते हुए, मैंने अपनी 8 वर्षीय बेटी, रेचल से कहा, "याद रखें, आप परमेश्वर से प्रार्थना कर सकते हैं और विश्वास कर सकते हैं कि आप आज निश्चित रूप से मछली मिलेगी। क्या आप ऐसा विश्वास करती हो?" वह मुस्कुराई और सिर हिलाया। मैंने अपनी 21 वर्षीय बेटी, जॉर्डन को प्रोत्साहन के वही शब्द कहे। उसने मेरी तरफ देखा और उसकी आँखों में आश्चर्य था, लेकिन फिर उसने हाँ कह दी। मैंने

बॉब की ओर देखा और कहा, "चलो विश्वास करते हैं कि हम एक बड़ी मछली पकड़ने जा रहे हैं!"

कुछ घंटे बीत गए और हम जहां थे वहां हमें कोई सफलता नहीं मिली। तभी अचानक रेचल की मछली पकड़ने वाली रॉड से कूच टकरा गया और वह बहुत उत्साहित हो गई। उसने मदद के लिए अपने पिता को बुलाया। कुछ मिनट बाद, उन्होंने अटलांटिक शार्क को नाव में खींच लिया! वाह, रेचल को विश्वास का प्रतिफल मिला! इसलिए हमने उसकी तारीफ की। आप सबसे अच्छी टूपर हैं!

मुझे याद है कि अब मै सोचने लगी थी कि मुझे कुछ नहीं मिलेगा, लेकिन मैंने उस नकारात्मक विचार को रोक दिया और अपने आप को आश्वस्त किया कि मुझे मछली मिल गई है। मैं बैठ गई और शांत हो गई और यह सुनने का प्रयत्न करने लगी कि परमेश्वर क्या कह रहा है, परमेश्वर ने कहा, "यदि तुम थोड़ा शांत हो जाओ और जिस मछली को तुम पकड़ना चाहती हो उसे यहाँ तक लाने दो, तो तुम उसे जल्द ही पकड़ पाओगी।" हाँ, मै जानती हूँ कि मै मच्छीमारी के बारे में बिलकुल भी कुछ नहीं जानती हूँ, मच्छीमारी से मेरा कोई संबंध नहीं है। इसलिए मैं बैठ गई और परमेश्वर में विश्वास की एक गहरी सांस ली और प्रतीक्षा करने लगी। लगभग 20–30 मिनट के बाद, मुझे लगा कि मेरी मछली पकड़ने वाली रॉड में कुछ फंस गया है; मैंने सोचा कि यह कुछ वास्तु होगी, लेकिन फिर मैंने देखा कि यह एक मछली थी।

मेरे पति मुझे यह सिखाने के लिए आगे आएं की रील कैसे खींचनी चाहिए और फिर कप्तान भी मेरी मदद के लिए आगे आए। जब मैं मछली पकड़ने वाली रोड को खिंच रही थी, तब उसने मुझे बताया कि मेरी रोड में शायद एक बड़ा स्नैपर फंस गया है। मुझे यह सुनकर आश्चर्य हुआ कि मछली पानी से बाहर आने और उसके प्रकट होने से पहले ही उसे पता चल गया कि वह क्या है! और फिर, मैं रील खींचती रही, और मेरा 20 पाउंड का बड़ा रेड स्नैपर निकला! मैं बड़े हर्ष और उत्साह के साथ परमेश्वर का धन्यवाद करने लगी। अब मै इस बात से आश्वस्त हो गई कि विश्वास कैसे करना है और उस में कैसे स्थिर रहना है, इस पर प्रशिक्षण में मैंने प्रगति की है। मैं बस याद

करती रही कि ड्रेंडा ने कैसे विश्वास किया था और मुझे लगा कि मैं उसके जैसा ही विश्वास और भरोसा करने में सक्षम हूं। मैं दृढ़ बनी रही और मुझे प्रतिफल मिल गया।

आपकी सेवकाई के लिए और द फेथ हंट सहित कई अन्य पुस्तकें लिखने के लिए धन्यवाद। मैं परमेश्वर और आपकी सेवा के लिए कृतज्ञ और आभारी हूं जिसने मुझे महान आशीर्वाद में जाने में मदद की है। मैं और अधिक विश्वास और उत्साह के साथ भविष्य में और अधिक अद्भुत कार्यों की आशा करता हूं। मुझे पता है कि इस अनुभव से हमारे परिवार को कितना लाभ प्राप्त हुआ है!

आपकी विश्वासयोग्य,

एस.टी.

अध्याय 5

वह चुनाव किसका था?

पिछली कहानियों में, हमने परमेश्वर के राज्य की उपज के साथ–साथ यहाँ पृथ्वी के दायरे में, एक कुत्ता, एक मछली, कर्ज चुकाने के लिए पैसा, कारों और घरों के लिए जो पैसा हमें जीवन में चाहिए था, तीन बच्चों का जीवन बचाना और भी बहुत कुछ देखा है। यह सभी कहानियाँ परमेश्वर के राज्य द्वारा बनाई गई हैं, या मैं इसे और अधिक व्यक्तिगत शब्दों में कहूँ, हमारे परमेश्वर का राज्य! हमें इस बात से आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि उसका राज्य माप से परे महान है।

दूसरा पतरस 1:3a कहता है:

> *उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने हमें वह सब कुछ दिया है जो हमें जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है।*

आपने अब तक जितनी भी कहानियाँ देखी हैं, उनके विषय में मै एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न पूछना चाहता हूँ, "वह किसका चुनाव था?" मैं जो कहना चाहता हूं वह यह है कि: क्या परमेश्वर ने अचानक कुत्ते को कर्स्टन के पास या मछली को मेरी पत्नी ड्रेंडा के पास लाने का फैसला किया? क्या ये लेवल घटनाएँ थीं जिन्हें परमेश्वर ने, अपने संप्रभु अधिकार के द्वारा, हमारे लिए करने का निर्णय लिया था? या इसका कोई अन्य कारण भी है? मुझे लगता है कि ज़्यादातर लोग इसका जवाब सुनकर चौंक जाएंगे। मुझे पता है कि मैं भी चौंक गया था।

इस प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने के लिए आइए हम लुका रचित सुसमाचार अध्याय 8 की कहानी को देखते है।

जब वह जा रहा था, तब लोग उस पर गिरे पड़ते थे।

एक स्त्री ने जिस को बारह वर्ष से लहू बहने का रोग था, और जो अपनी सारी जीविका वैद्यों के पीछे व्यय कर चुकी थी, तौभी किसी के हाथ से चंगी न हो सकी थी, पीछे से आकर उसके वस्त्र के आँचल को छुआ, और तुरन्त उसका लहू बहना बन्द हो गया।

इस पर यीशु ने कहा, "मुझे किसने छुआ?" जब सब मुकरने लगे, तो पतरस और उसके साथियों ने कहा, "हे स्वामी, तुझे तो भीड़ दबा रही है और तुझ पर गिरी पड़ती है।"

परन्तु यीशु ने कहा, "किसी ने मुझे छुआ है, क्योंकि मैं ने जान लिया है कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है।" जब स्त्री ने देखा कि मैं छिप नहीं सकती, तब काँपती हुई आई और उसके पाँवों पर गिरकर सब लोगों के सामने बताया कि उसने किस कारण से उसे छुआ, और कैसे तुरन्त चंगी हो गई।

उसने उससे कहा, "बेटी, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है, कुशल से चली जा।"
– लुकारचित सुसमाचार 8:42–48

बाइबल स्पष्ट रूप से कहती है कि भीड़ के कारण यीशु को चारों ओर से दबाया जा रहा था, और "किसने मुझे छुआ?" यीशु के इस प्रश्न से पतरस भी चकित था।एक आध्यात्मिक वैज्ञानिक के रूप में, मैं जानना चाहता हूं कि यह महिला क्यों चंगी हुई और अन्य को क्यों चांग नहीं हुआ। अभिषेक का प्रवाह केवल उसी स्त्री की ओर क्यों बह रहा था औरा अन्य सभी के लिए क्यों नहीं था जिन्होंने उस समय उसे छुआ था? यही पर हमें अपने सवाल का जवाब मिलता है, लेकिन इससे पहले कि मैं उस प्रश्न का उत्तर दूं, आइए एक और प्रश्न पूछते है। क्या यीशु जानबूझकर उसकी मदद कर रहा था? क्या उसने उस पर हाथ रखा? जवाब 'ना' है; वास्तव में, यीशु को पता भी नहीं था कि वह वहाँ है। क्योंकि उसने पूछा कि उनमें से किसके

कारण उसमेसे शक्ति खींची गई थी क्योंकि उसने उसे नहीं देखा था। उस दिन वह चंगी हो गई यह किसका चुनाव था?

मैं इसे थोड़े अलग तरीके से पूछता हूं। क्या परमेश्वर ने उस समय उसे चंगा करने का चुनाव किया था या फिर मुझे यह चांगाई परमेश्वर से प्राप्त करनी ही है यह उसका निर्णय था? यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है क्योंकि बहुत से लोग इस बात की "प्रतीक्षा" कर रहे हैं कि परमेश्वर उनके जीवन में कुछ कार्य करें। मेरा मानना है कि यीशु को पता भी नहीं था कि वह स्त्री वहाँ थी, जो यह साबित करता है कि उसे चंगा करने का यीशु का निर्णय नहीं था, बल्कि चंगाई को स्वीकार करने का उसका अपना निर्णय था।

अब, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रकाशन को प्रकट करता है, और वाह प्रकाशन यह है – परमेश्वर अचानक एक व्यक्ति को चंगा करने और दूसरे को चंगा नहीं करने का चुनाव नहीं करता है। अपने कानूनी अधिकार के द्वारा उसने पहले ही से अपने राज्य में सभी को चंगा होने की व्यवस्था कर दी है। तो चंगा होने का चुनाव वास्तव में हम स्वयं ही करते है। लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि उसने उस सामर्थ्य का इस्तेमाल कैसे किया। उसने उस सामर्थ्य को पाने का "निर्णय" कैसे किया? यीशु हमें ठीक–ठीक बताता है कि उसने कैसे राज्य की शक्ति और अधिकार का इस्तेमाल किया। उसने कहा, "बेटी, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है। शांति से जाओ। " आपको जो जानने की जरूरत है वह इस वाक्य में पूरी तरह से समझाया गया है और यह आपको आपके उस प्रश्न का उत्तर भी देता है कि उस दिन किसी और को वह सामर्थ्य क्यों नहीं मिली। एक आध्यात्मिक वैज्ञानिक के रूप में, आइए इस कहानी पर करीब से नज़र डालते है और देखते है कि क्या कोई बात है जिससे हम कह सकें कि इस महिला को वह शक्ति क्यों मिली।

सबसे पहले, यीशु ने उसे "बेटी" कहा, जिसका अर्थ है कि वह इस्राएल राष्ट्र का हिस्सा थी। इसका अर्थ था परमेश्वर के साथ उसकी वाचा थी। या आप कह सकते हैं, इस्राएल राष्ट्र की एक नागरिक के रूप में उसे स्वर्ग में परमेश्वर से प्राप्त करने का कानूनी अधिकार था। यही एक वस्तुस्थिति उसे सामर्थ्य प्राप्त होने के लिए कारण नहीं थी, इस तथ्य को ध्यान में रखा जाना चाहिए।" सामर्थ प्रवाहित होने के लिए कुछ और कारण होना अवश्य था। तब यीशु ने

उससे सामर्थ कैसे प्राप्त हुई इस का एक और कारण दिया। वास्तव में, यीशु ने कहा कि यही वह विशिष्ट कारण था जिसने उसे व्यक्तिगत सामर्थ प्रदान की। उसने कहा कि उसके विश्वास ने उसे ठीक कर दिया था।

तो अब हम जानते हैं कि उसे सामर्थ्य कैसे प्राप्त हुई। पहला, क्योंकि वह अब्राहाम की बेटी थी, उसे वह अधिकार प्राप्त करने का कानूनी अधिकार था; और दूसरा, उसका विश्वास जो एक स्विच की तरह था जो उस सामर्थ को उसी क्षण उसके शरीर में व्यक्तिगत रूप से प्रवाहित होने देता। वह अब्राहम की बेटी थी, जिसका अर्थ है कि वह अब्राहम के साथ परमेश्वर की वाचा के अनुसार स्वर्ग के सामने खड़ी थी। इसकी तुलना हम बिजली कंपनी जहा बिजली लगातार होती है और उन तारों के साथ कर सकते है जो उस बिजली कंपनी से आपके घर में आती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपके घर में बिजली की लाइनें आते ही आपके घर की लाइटें जलने लगेंगी। रोशनी चालू करने के लिए आपको स्विच चालू करने की भी आवश्यकता है। तो अब आपको बस यह पता लगाना है कि स्विच कहां है या स्विच क्या है। यीशु ने कहा कि इस महिला के मामले में स्विच उसका विश्वास है, लेकिन विश्वास क्या है और मैं इसे कैसे चालू कर सकता हूं? यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है जिसका उत्तर दिया जाना आवश्यक है।

विश्वास क्या है?

विश्वास एक ऐसा शब्द है जिसका मसिही लोग साधारण रूप से उपयोग करते हैं। और मुझे यकीन है कि शायद सभी नहीं परन्तु अधिकतर लोगों को यह जानने की आवश्यकता हैं कि विश्वास क्या है, इसकी आवश्यकता क्यों है, कैसे पता करें कि वे विश्वास में हैं, और विश्वास कैसे प्राप्त किया जा सकता है। अगर विश्वास ने इस महिला को ठीक कर दिया है, तो हमें विश्वास को बहुत करीब से देखना चाहिए! हम रोमियों की पत्री 4: 18–21 में अपने विश्वास की परिभाषा पाते हैं। मुझे पता है कि आप क्या सोच रहे है, आप कहना चाहते है, "नहीं, गैरी। इब्रानियों 11:1 में हमारे विश्वास की परिभाषा है।"

> *अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।*
>
> – इब्रानियों 11:1

हाँ, यह पारंपरिक उत्तर है, परन्तु यदि आप पवित्रशास्त्र के इस भाग को देखें, तो इब्रानियों 11:1 हमें विश्वास के लाभ बताता है, न कि विश्वास क्या है। मेरा मानना है कि रोमियों को लिखे पत्र में पवित्रशास्त्र हमें एक बहुत ही स्पष्ट तस्वीर देता है कि विश्वास क्या है।

> *उसने निराशा में भी आशा रखकर विश्वास किया, इसलिये कि उस वचन के अनुसार कि "तेरा वंश ऐसा होगा," वह बहुत सी जातियों का पिता हो। वह जो एक सौ वर्ष का था, अपने मरे हुए से शरीर और सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा जानकर भी विश्वास में निर्बल न हुआ, और न अविश्वासी होकर परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर संदेह किया, पर विश्वास में दृढ़ होकर परमेश्वर की महिमा की; और निश्चय जाना कि जिस बात की उसने प्रतिज्ञा की है, वह उसे पूरा करने में भी समर्थ है।*
>
> – रोमियों 4:18–21

आइए इस कहानी की पार्श्वभूमी को समझते हैं। अब्राहाम और सारा के बच्चे नहीं हो सकते थे। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि सारा गर्भवती नहीं हो रही थी और इसलिए उसे कोशिश करते रहना चाहिए था। मेरा मतलब है, वह लगभग 100 साल कि थी। उनके शरीर अब बच्चे पैदा करने के लायक नहीं थे; यह असंभव था! भले ही स्वाभाविक रूप से बच्चे पैदा करना असंभव था, फिर भी परमेश्वर ने अब्राहम से वादा किया था कि उसे संतान होगी। बाइबल कहती है कि अब्राहाम को विश्वास था कि परमेश्वर के पास वह करने की सामर्थ है जो उसने करने के लिए कहा था, चाहे प्राकृतिक परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों। तो यहाँ हम अपने विश्वास की परिभाषा पाते हैं: "परमेश्वर ने जो वादा किया है उसे पूरा करने की सामर्थ उसमे है इस बात पर बिना संदेह विश्वास करना।" मैं इसे इस तरह परिभाषित करता हूं: न केवल सोचने से, बल्कि अपने दिमाग और दिल को परमेश्वर ने जो कहा है, उस पर दृढ़ता से रखते हुए, स्वर्ग के साथ सहमत होना और यह विश्वास करना कि यह होगा, भले ही प्राकृतिक क्षेत्र कुछ अलग दिखा रहा हो।

अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।

-इब्रानियों 11:1

विश्वास की हमारी परिभाषा:

न केवल सोचने से, बल्कि अपने दिमाग और दिल को परमेश्वर ने जो कहा है, उस पर दृढ़ता से रखते हुए, स्वर्ग के साथ सहमत होना और यह विश्वास करना कि यह होगा, भले ही प्राकृतिक क्षेत्र कुछ अलग दिखा रहा हो।

विश्वास की आवश्यकता क्यों है?

परमेश्वर जब चाहे तब अस्पताल में हर किसी को ठीक क्यों नहीं कर सकता? वह युद्ध क्यों नहीं रोक सकता? वह आपको सुसमाचार सुनाने के लिए स्वर्गदूत क्यों नहीं भेज सकता? मुझे यकीन है कि आपने ये सभी प्रश्न पहले सुने होंगे। इन सवालों का जवाब यह है कि वह ऐसा नहीं कर सकता। ऐसा नहीं है कि परमेश्वर के पास ऐसा करने की सामर्थ और क्षमता नहीं है, लेकिन उसके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं है, यह उसका अधिकारक्षेत्र नहीं है। "गैरी, क्या आपका मतलब है कि परमेश्वर जो चाहे वह वो नहीं कर सकता?" मुझे पता है कि यह आपको अभी अजीब लग रहा है, लेकिन आइए इसका उत्तर बाइबल में खोजें।

वरन् किसी ने कहीं यह गवाही दी है,

"मनुष्य क्या है कि तू उसकी सुधि लेता है? या मनुष्य का पुत्र क्या है कि तू उसकी चिन्ता करता है?तू ने उसे स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया; तू ने उस पर महिमा और आदर का मुकुट रखा, और उसे अपने हाथों के कामों पर अधिकार दिया। तू ने सब कुछ उसके पाँवों के नीचे कर दिया।"

इसलिये जब कि उसने सब कुछ उसके अधीन कर दिया, तो उसने कुछ भी रख न छोड़ा जो उसके अधीन न हो। पर हम अब तक सब कुछ उसके अधीन नहीं देखते।
– इब्रानियों 2:6–8

हम इस शास्त्रभाग से देख सकते हैं कि जब परमेश्वर ने मनुष्य को यहाँ पृथ्वी पर रखा, तो उसने उसे पूरी पृथ्वी पर पूर्ण कानूनी अधिकार दिया। ऐसा कुछ भी नहीं था जो उसने

उसके अधीन नहीं किया। उसने पूरे अधिकार के साथ इस क्षेत्र पर शासन किया। अधिकार के साथ शासन करने की उसकी क्षमता को उस सरकार द्वारा समर्थित किया गया था जिसने उसे यहां रखा था। संक्षेप में, उसने परमेश्वर के राज्य द्वारा नियुक्त अधिकार के साथ शासन किया। उसने उस सरकार का मुकुट पहना था, जो परमेश्वर की महिमा, अभिषेक और सम्मान का प्रतीक था।

यह स्थिति कैसी है इसकी एक स्पष्ट तस्वीर पाने के लिए, इस दुनिया के राजा के बारे में सोचें। यद्यपि वह एक प्राकृतिक मनुष्य है और उसके प्राकृतिक अस्तित्व में कोई वास्तविक शक्ति नहीं है, लेकिन वह एक मुकुट पहनता है जो इस बात को दर्शाता है कि वह न केवल अपना बल्कि पूरे राज्य और सरकार का प्रतिनिधित्व करता है। उसके शब्दों में, केवल इसलिए अधिकार है क्योंकि उसके पास सरकार और जिस राज्य का वह प्रतिनिधित्व करता है, उसकी सभी शक्तियों और प्राकृतिक संसाधनों का समर्थन है।

एक शेरिफ के बारे में सोचें जो यातायात निर्देश देता है, वह केवल एक बड़े ट्रैक्टर–ट्रेलर ट्रक को "कानून के तहत रुक जा" इस आदेश के साथ रोक सकता है। हाँ, ट्रक आदमी से बहुत बड़ा है, और आदमी अपनी तुलना ट्रक से नहीं कर सकता, लेकिन ट्रक उसके आदेश पर रुक जाता है। ट्रक व्यक्ति के कारण नहीं रुकता, बल्कि सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले बैज के कारण रुकता है। इस मामले में सरकार बैज पहनने वाले से काफी बड़ी है. ट्रक चालक उस व्यक्ति से नहीं डरता है, लेकिन वह सरकार से डरता है जिसका वह व्यक्ति प्रतिनिधित्व करता है, और इसलिए वह ट्रक को रोक सकता है। यहाँ भी ऐसा ही है। आदम ने धरती पर उत्पन्न की गई हर चीज़ पर हुकूमत की। महिमा और सम्मान के मुकुट के माध्यम से जो परमेश्वर की सामर्थ और प्रभुत्व का प्रतिनिधित्व करता है, मनुष्य को आश्वासन दिया जाता है कि उसके शब्द परमेश्वर के राज्य की ओर से शासन करते हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जब आदम ने परमेश्वर की सरकार को धोखा देकर पृथ्वी पर शासन करने की अपनी क्षमता खो दी, टब उसने अपना मुकुट भी खो दिया। पृथ्वी का क्षेत्र कलंकित और परिवर्तित हो गया। मृत्यु ने पृथ्वी में प्रवेश किया और शैतान ने अब मानव सम्बंधित अधिकारों और प्रभाव पर वैध दावा किया। आपको यह भी समझने की

आवश्यकता है कि मनुष्य अभी भी पृथ्वी का कानूनी शासक है, जैसा कि परमेश्वर ने मूल रूप से उसे रखा था, लेकिन उसे अब आध्यात्मिक रूप से शासन करने का अधिकार नहीं है जैसा उसने एक बार किया था। अपनी पतित अवस्था में भी, वह अभी भी पृथ्वी का प्रभारी है। हां, लेकिन उसे समर्थन देने के लिए उसके पास परमेश्वर के शासन का ताज नहीं है। उसे परमेश्वर की सामर्थ और महिमा से शासन करने का कोई अधिकार नहीं है; उसने अपना सम्मान का स्थान खो दिया है। लेकिन फिर भी वह पृथ्वी पर एकमात्र कानूनी द्वार है। इसलिए परमेश्वर मानव जीवन में अपनी इच्छा पूरी करने के लिए आत्मा से भरे हुए लोगों का उपयोग करता है। जैसे शैतान दुष्टात्मा से प्रेरित लोगों का इस्तेमाल पृथ्वी पर इंसानों के लिए अपनी योजनाओं को अंजाम देने के लिए करता है। राज्य के नियमों को समझने के लिए पृथ्वी पर मानव अधिकार क्षेत्र का यह सिद्धांत समझना आपके लिए महत्वपूर्ण है, और एक बार जब आप इसे समझ लेंगे, तो आपको भविष्य में उठने वाले कई सवालों के जवाब मिल जाएंगे कि आत्मिक रूप से क्यों कुछ चीजें होती हैं, या कुछ चीजें इसी प्रकार क्यों हुई या क्यों नहीं हुई।

इसलिए परमेश्वर मानव जीवन में अपनी इच्छा पूरी करने के लिए आत्मा से भरे हुए लोगों का उपयोग करता है।

आप कहेंगे कि, “लेकिन मैंने तो सोचा था कि पृथ्वी और उसकी पूर्णता ईश्वर की है?” बिल्कुल, यह उसी का है। मुझे उम्मीद है कि मैं जो उदाहरण देने जा रहा हूं वह आपको यह समझने में मदद करेगा कि मैं क्या कह रहा हूं। अगर मैं अपना घर किराए पर देता हूं, भले ही वह घर कानूनी रूप से मेरा है, लेकिन मुझे अब उस घर में जब चाहे प्रवेश करने का कानूनी अधिकार नहीं है। एक घर किराए पर लेते समय, अधिकांश अनुबंधों में उन शर्तों के संबंध में एक खंड होता है जिसके तहत मकान मालिक कानूनी रूप से अपने घर में प्रवेश कर सकता है – उदाहरण के लिए, किसी आपात स्थिति के मामले में या मरम्मत के लिए – और इसके लिए पहले ही से आवश्यक सूचना देना आवश्यक होता है। अगर मैंने इस समझौते के बाहर घर में प्रवेश करने की कोशिश की, भले ही यह मेरी संपत्ति हो, तो इसे कानून का उल्लंघन और जबरन प्रवेश माना जाएगा। अगर मैंने समझौते में निर्दिष्ट कानून का उल्लंघन किया है,

तो मुझे परिसर खाली करने के लिए कानूनी रूप से मजबूर किया जा सकता है, भले ही मैं परिसर का मालिक हूं। इस बात से यह स्पष्ट होता है कि क्यों शैतान को पृथ्वी के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए आदम से होकर गुजरना पड़ा। इस क्षेत्र में प्रवेश करने की चाबी केवल आदम के पास थी! शैतान को द्वार से प्रवेश करना था, और वह द्वार आदम था। यदि शैतान ने आदम को नज़रअंदाज़ करके पृथ्वी में प्रवेश करने की कोशिश की होती, तो उसे कानूनी रूप से निष्कासित कर दिया जाता।

> *तब शैतान उसे ले गया और उसको पल भर में जगत के सारे राज्य दिखाए, और उससे कहा, "मैं यह सब अधिकार, और इनका वैभव तुझे दूँगा, क्योंकि वह मुझे सौंपा गया है : और जिसे चाहता हूँ उसी को दे देता हूँ। इसलिये यदि तू मुझे प्रणाम करे, तो यह सब तेरा हो जाएगा।"*
>
> – लूकारचित सुसमाचार 4:5–7

हम इस पद में देख सकते हैं कि शैतान दावा करता है कि उसे मानव राज्य का अधिकार और महिमा (धन) दिया गया है। उसे यह अधिकार किसने दिया? आदम ने जिसके पास यह अधिकार था! इस प्रकार परमेश्वर कानूनी पहुंच के बिना मानवीय मामलों में प्रवेश नहीं कर सकता। अगर उसने ऐसा किया, तो शैतान दावा करेगा कि उसने अवैध रूप से प्रवेश किया है। नहीं, परमेश्वर को उसी द्वार से गुजरना होगा जिससे शैतान अपनी सरकार और अधिकार को पृथ्वी पर ले आया है, और वह द्वार मनुष्य है। लेकिन क्या वाकई ऐसा आदमी था?

> *यहोवा ने अब्राम से कहा, "अपने देश, और अपने कुटुम्बियों, और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊँगा। और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा, और तुझे आशीष दूँगा, और तेरा नाम महान् करूँगा, और तू आशीष का मूल होगा। जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूँगा; और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा; और भूमण्डल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।"*
>
> – उत्पत्ति 12:1–3

अब्राहम को हमारे विश्वास का पिता कहा जाता है क्योंकि वह वो व्यक्ति है जिसने पृथ्वी के राज्य का द्वार खोला ताकि पृथ्वी के सभी राष्ट्र आशीष पाएं। जब यह पद राष्ट्रों को आशीर्वाद देने की बात करता है, तो यह निश्चित रूप से यीशु मसीह की बात कर रहा है, जो बाद में, अब्राहम के विश्वास के माध्यम से, पृथ्वी पर कानूनी पहुंच प्राप्त करने के लिए परमेश्वर के अनुशासन का मार्ग प्रशस्त करेगा। अब्राहम के विश्वास ने स्वर्ग के लिए एक कानूनी द्वार खोल दिया, जिसे परमेश्वर ने अब्राहम और उसके वंशजों या उत्तराधिकारियों के साथ एक कानूनी समझौता (वाचा) करके हमेशा के लिए खोल दिया।

अत: विश्वास सुनने से और सुनना मसीह के वचन से होता है।
-रोमियों 10:17

मै जो कहना चाहता हूँ उसे मै अधिक स्पष्टता से बताना चाहता हूँ। स्वर्ग का अनुशासन पृथ्वी पर केवल एक पुरुष या महिला द्वारा ही प्रवेश कर सकता है क्योंकि उनका वहां कानूनी अधिकार है। वह वैधता केवल तभी प्राप्त की जा सकती है जब कोई पुरुष या महिला परमेश्वर उनके हृदय में जो कहता हैं उस की पूरी तरह से पुष्टि (विश्वास) करे।

यह कहने का दूसरा तरीका यह है कि स्वर्ग कानूनी रूप से केवल उस पुरुष या महिला को प्रभावित कर सकता है जो सांसारिक क्षेत्र में परमेश्वर के प्रभुत्व और अधिकार के अधीन आने का चुनाव करता है और स्वीकार करता है। यह वही सिद्धांत है जिसका उपयोग शैतान ने आदम के द्वारा पृथ्वी तक पहुँचने के लिए किया है। उसने आदम को विश्वास दिलाया कि परमेश्वर पर भरोसा नहीं किया जा सकता है और उसने आदम के हृदय को परमेश्वर के साथ वाचा से दूर कर दिया। परिणामस्वरूप, आदम ने शैतान पर विश्वास करने का चुनाव किया और परमेश्वर के अधिकार को नकार दिया।

यह वह सिद्धांत है जिसे परमेश्वर अब अब्राहम के माध्यम से अपने अनुशासन और अधिकार को पृथ्वी पर वापस लाने के लिए उपयोग करेगा। अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और परमेश्वर ने अपनी वाचा को धार्मिकता के रूप में गिना, जिसका अर्थ है कि वहाँ आवश्यक कानूनी वाचा थी। परमेश्वर और अब्राहम के बीच इस वाचा ने परमेश्वर को एक कानूनी करार (वाचा) में प्रवेश करने की अनुमति दी, जो पृथ्वी के क्षेत्र में स्वर्ग के

प्रवेश को सुरक्षित करेगा, लेकिन इस बात को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि इस समझौते ने केवल अब्राहम और उसके उत्तराधिकारियों को प्रभावित किया। वाचा अब्राहम के सभी उत्तराधिकारियों को दी गई थी, और इसका चिन्ह खतना था। खतना पुरुष के लिंग से चमड़ी को हटाना है। जब एक पुरुष एक महिला में अपना बीज बोता है, तो उसके बीज को खतना किए गए लिंग से गुजरना पड़ता है, जो शैतान और खुद को पिता और माता को घोषित किया कि यह बच्चा स्वर्ग के सामने परमेश्वर और अब्राहम के बीच बनाई गई कानूनी वाचा के उत्तराधिकारी के रूप में खड़ा है।

जैसा कि हमने पहले पढ़ा है, हालांकि, प्रत्येक पुरुष या महिला, भले ही वह कानूनी वाचा उनके लिए उपलब्ध थी, फिर भी परमेश्वर और अब्राहम के बीच की वाचा के व्यक्तिगत लाभों का वास्तव में आनंद लेने के लिए परमेश्वर ने जो कहा था उस पर पूरी तरह विश्वास करके कानूनी रूप से मजबूत होने की आवश्यकता है। . संक्षेप में, वाचा बिजली कि तारों को उनके घरों तक ले गई, लेकिन फिर भी उन्हें व्यक्तिगत रूप से परमेश्वर के वचन पर विश्वास और कार्य करते हुए स्विच को चालू करना आवश्यक था।

ठीक है तो, अब हम जान गए हैं कि विश्वास क्या है और कानूनी रूप से विश्वास क्यों आवश्यक है। अब यह जानना बहुत जरूरी है कि विश्वास कैसे प्राप्त करें और कैसे समझें कि हम विश्वास में हैं या नहीं।

हम विश्वास कैसे प्राप्त कर सकते हैं?

यहाँ एक संकेत है: आप विश्वास के लिए प्रार्थना नहीं कर सकते। आश्चर्य हुआ? मुझे पता था।

> *अत: विश्वास सुनने से और सुनना मसीह के वचन से होता है।*
>
> – रोमियों 10:17

परमेश्वर का वचन सुनने से विश्वास कैसे बढ़ता है? क्या यह विश्वास प्राप्त करने के लिए काफी है? इसके लिए वास्तव में प्रक्रिया क्या है? क्या मानव के आत्मा में विश्वास विकसित करने के लिए वचन सुनना ही केवल काफी है? यह समझने के लिए कि विश्वास कैसे आता है

और रोमियों 10:17 किस बारे में बात कर रहा है, हम मरकुस रचित सुसमाचार अध्याय 4 को देख सकते हैं। यदि आप अपनी बाइबल को हवा में फेंकते हैं, तो उसे नीचे आकर आपके सामने मरकुस अध्याय 4 को खोल देना चाहिए; यह इतना महत्वपूर्ण है! मरकुस 4:13 में यीशु कहता हैं कि यदि आप इस अध्याय में वह जो शिक्षा दे रहा हैं उसे नहीं समझेंगे, तो आप बाइबल के किसी अन्य दृष्टांत को नहीं समझ पाएंगे। मैं कहूंगा कि यह बहुत अधिक महत्वपूर्ण है!

यह अध्याय इतना महत्वपूर्ण क्यों है? क्योंकि यह हमें बताता है कि स्वर्ग पृथ्वी के दायरे में कैसे प्रवेश करता है, वह इस विषय में कैसे वैधता प्राप्त करता है, और यह कहाँ होता है। यह पूरा अध्याय किस बारे में बात कर रहा है यह जानने से अधिक महत्वपूर्ण आपके जीवन में और कुछ नहीं है। आप पूछ सकते हैं, "परमेश्वर का राज्य कैसे कार्य करता है?" मरकुस अध्याय 4 पढ़ें! इस अध्याय में, यीशु हमें तीन दृष्टान्त बताता हैं कि मानव आत्मा में विश्वास कैसे उत्पन्न होता है, और अब आप जानते हैं कि स्वर्ग के लिए कानूनी रूप से पृथ्वी में प्रवेश करने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है।

इस अध्याय में तीन दृष्टांत हैं बोने वाले का दृष्टान्त, बीज बिखेरने वाले मनुष्य का दृष्टान्त और राई के दाने का दृष्टांत।

आइए सबसे पहले उस दूसरी कहानी को देखें जो यीशु ने मरकुस अध्याय 4 में बताया है, जो बीज बिखेरने वाले मनुष्य का दृष्टांत है।

> *फिर उसने कहा, "परमेश्वर का राज्य ऐसा है, जैसे कोई मनुष्य भूमि पर बीज छींटे, और रात को सोए और दिन को जागे, और वह बीज ऐसे उगे और बढ़े कि वह न जाने। पृथ्वी आप से आप फल लाती है, पहले अंकुर, तब बाल, और तब बालों में तैयार दाना। परन्तु जब दाना पक जाता है, तब वह तुरन्त हँसिया लगाता है, क्योंकि कटनी आ पहुँची है।"*
>
> – मरकुस रचित सुसमाचार 4:26–29

इस शास्त्रभाग में जाने से पहले, आइए हम इसमें प्रयोग किए गए शब्दों की परिभाषा को देखें। यीशु किस बीज की बात कर रहा हैं और भूमि क्या है? इसी अध्याय में, यीशु ने इन शब्दों की परिभाषा बोने वाले के पहले दृष्टांत में की है। बीज परमेश्वर का वचन है और भूमि मनुष्य का हृदय या मनुष्य का आत्मा है। तो इस दृष्टांत में, उन दो शब्दों की यीशु की अपनी परिभाषा का उपयोग करते हुए, हम कहते हैं कि यीशु कह रहा है कि एक व्यक्ति अपने हृदय में परमेश्वर के वचन को फैलाता है। तब स्वयं मिट्टी या मनुष्य का हृदय पृथ्वी के राज्य में विश्वास (स्वर्ग के साथ वाचा) उत्पन्न करने लगता है।

इससे पहले कि मैं आगे बढ़ूं, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि हमारे विश्वास की परिभाषा क्या है: एक पुरुष या महिला का हृदय स्वर्ग जो कहता है उसपर दृढ़ता से विश्वास करता है। यह शस्त्रभाग बताता है कि भले ही मनुष्य यह नहीं जानता कि यह प्रक्रिया कैसे काम करती है, उसके हृदय में बोया गया वचन बढ़ने लगता है और अपने आप सहमति बनाता है। चाहे वह सो रहा हो या जाग रहा हो; कोई बात नहीं, प्रक्रिया जारी रहती है। जब कोई व्यक्ति वचन को अपने हृदय में रखता है, तो उसका हृदय धीरे–धीरे स्वर्ग की बातों से सहमत होता है और विश्वास उत्पन्न होता है।

मरकुस अध्याय 4 में इस शास्त्रभाग का संदर्भ हमें बताता है कि हृदय एक प्रक्रिया के माध्यम से एक वाचा बनाता है। यह दृष्टान्त हमें बताता है कि जब हमारा हृदय वचन को ग्रहण करता है, तो विश्वास का निर्माण शुरू हो जाता है। यीशु ने उस अवस्था की तुलना अंकुर से की। कली बढ़ने लगती है और डंठल बन जाता है। आखिरकार, डंठल पर अंकुर बनते हैं, लेकिन इस अंतिम चरण तक कोई फल नहीं होता है, कोई अनुबंध नहीं होता है और प्राकृतिक क्षेत्र में कोई बदलाव नहीं होता है। फिर यीशु कहता हैं कि पौधा अब पक गया है और परिपक्व अनाज पैदा करता है और यह प्रक्रिया जारी रहती है। जब प्रक्रिया उस अवस्था में पहुँचती है, जब परिपक्व बीज सिर में होता है, उस स्थान पर सहमति और विश्वास होता है, और जो स्वर्ग द्वारा मनुष्य के हृदय में बोया जाता है, वह स्त्री या पुरुष को सांसारिक क्षेत्र में कटनी करने का अवसर देता है।

अब ध्यान दें। आइए एक नजर डालते हैं कि वास्तव में क्या हुआ था। स्वर्ग परमेश्वर के वचन को सांसारिक क्षेत्र में, पुरुष या स्त्री के हृदय में बोता है जहाँ वाचा आवश्यक है। उस समय, मानव हृदय अभी तक स्वर्ग से सहमत नहीं है, लेकिन हृदय एक प्रक्रिया शुरू करता है जो एक ऐसे हृदय को उत्पन्न करता है जो बोए गए बीज से सहमत होता है। इस प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए यीशु एक उत्तम उदाहरण का उपयोग करता है। यीशु इस प्रक्रिया की तुलना एक बोने वाले से करता हैं और दिखाता हैं कि पौधा कैसे परिपक्व होता है, इससे हमें एक तस्वीर देता है कि विश्वास कैसा दिखता है। जब सिर में बीज परिपक्व हो जाता है तब वह बिलकुल प्राकृतिक खेत में जमीन में बोए गए बीज जैसा दिखेगा। मैं इसे दोहराता हूं।

जब सिर में बीज परिपक्व हो जाता है तब वह बिलकुल प्राकृतिक खेत में जमीन में बोए गए बीज जैसा दिखेगा।

मकई के बीज को रोपें और परिपक्व बीज आपके द्वारा लगाए गए बीज से बिल्कुल मेल खाएगा। वे एक जैसे हैं, दिखने में एक जैसे और स्वाद में एक जैसे। आप दोनों के बीच अंतर नहीं बता सकते; वह एक जैसे है।

यहाँ मैं समझाता हूँ कि यीशु क्या कह रहा हैं। जब हम वचन सुनते हैं (रोमियों 10:17), तो हम वास्तव में परमेश्वर के वचन को अपनी आत्मा में, अपने हृदयों में बिखेर रहे होते हैं। अगर आप उस वादे को अपने दिल में रखते हैं, तो यह परिपक्व हो जाएगा; और जब यह परिपक्व हो जाता है, तो हमारे हृदय (पृथ्वी क्षेत्र) में चित्र स्वर्ग की चीजों से मेल खाने लगते हैं। यदि हम इसे अलग शब्दों में कहें, तो हम कह सकते हैं कि जब हम स्वर्ग से प्रतिज्ञा को अपने हृदय में बोते हैं, तो यह धीरे–धीरे परमेश्वर की कही हुई बातों पर विश्वास पैदा करेगा। आखिरकार, स्वर्ग जो कहता है उससे आपका हृदय पूरी तरह सहमत होगा और एक वाचा उत्पन्न होगी। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी बीमारी का अनुभव कर रहे हैं, तो आपके शरीर की स्थिति आपसे बात करती है और आपको बताती है कि आप बीमार हैं। जब आप परमेश्वर के वचन को बोते हैं, तो यह कहता है कि यीशु ने क्रूस पर जो किया उसके द्वारा परमेश्वर ने आपके चंगाई की कीमत चुकाई है।

जब वह वचन आपके हृदय में परिपक्व हो जाता है, तो यह आत्मविश्वास कि आप चंगे हो गए हैं, आपका विश्वास और जो आप कहते हैं वह बन जाता है। अब आप केवल वही नहीं कहता है जो स्वर्ग कहता है। आपका मन अब पूरी तरह से आश्वस्त हो गया है। जब आप कहते हैं, "मैं चंगा हूँ," तो आप केवल यह नहीं कह रहे हैं; इसके विपरीत, आप जानते हैं कि यह आपका विश्वास है और यह एक सच्चाई है। स्वर्ग जो कहता है वह अब आपकी अपनी धारणा बन गया है।

इब्रानियों 11:1 कहता है:

> *अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।*

विश्वास होने पर स्वर्ग क्या कहता है, यह एक अलौकिक आश्वासन है, फिर भी इस प्रक्रिया में एक और चरण है।

अपने हृदय में जो निश्चितता है असे अपने वास्तविक अस्तित्व के दायरे में लाने के लिए, मनुष्य को अब अपने हंसिया का उपयोग काटने के लिए करना चाहिए।

> *जैसे ही फसल तैयार होती है, वह दरांती लगाता है, क्योंकि काटने का समय आ गया है। "*
>
> – मार्क 4:29

ध्यान दें कि हालांकि हृदय स्वर्ग से सहमत है, और स्वर्ग की वास्तविकता पुरुष या महिला की वास्तविकता बन गई है, फिर भी भौतिक क्षेत्र में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है। चूँकि मनुष्य का स्वाभाविक रूप से पृथ्वी पर अधिकार क्षेत्र है, इसलिए उसे पृथ्वी के इस क्षेत्र में स्वर्ग को मुक्त करना होगा। बिना पुरुष या स्त्री के परमेश्वर ऐसा नहीं कर सकता। मैं आपको यह उस बहुत परिचित शास्त्रबगग में दिखा सकता हूँ जिसकी हमने पहले चर्चा की थी।

क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है।

–रोमियों की पत्री 10:10

व्यक्ती अपने ह्रदय से वचन में विश्वास करता है, तब विश्वास उत्पन्न होता है और वह न्यायी ठहरता है। जस्टिफाय एक कानूनी शब्द है जिसका अर्थ है कानून का प्रशासन। तो जब किसी व्यक्ति का ह्रदय स्वर्ग से सहमत होता है और उसका ह्रदय पूरी तरह से आश्वस्त होता है कि स्वर्ग क्या कहता है, तो वह न्यायी है। उसके जीवनकाल में, पृथ्वी पर स्वर्ग का प्रवाह अब वैध हो गया है। लेकिन सिर्फ इसलिए कि आप धर्मी हैं इसका मतलब यह नहीं है कि परमेश्वर की सामर्थ आप में मुक्त हो गई है। जिस घर में बिजली स्टेशन से बिजली पहुँचती है, उसी तरह एक और कदम है – बिजली के प्रवाह के लिए स्विच चालू करना और ऐसा करने से बल्ब में रौशनी आ जाती है। क्यों? क्योंकि धर्मी ठहराए जाने के बाद एक और कदम उठाने की जरूरत है, जैसा कि रोमियों की पत्री10:10 में दिखाया गया है।

स्वर्ग और पृथ्वी के सामने खड़े एक पुरुष या महिला को न्यायोचित ठहराया जाता है, तो उसे उस वाचा को स्वीकार करना चाहिए या उस पर कार्य करना चाहिए, और सांसारिक क्षेत्र में परमेश्वर की शक्ति और अभिषेक को वास्तव में मुक्त किया जाना चाहिए। जब तक कि आप पूरी तरह से समझ न लें कि मेरा क्या मतलब है कृपया उस वचन को बार–बार पढ़ें। यह इसी प्रकार काम करता है! इस प्रकार स्वर्ग सांसारिक क्षेत्र में वैधता प्राप्त करता है, ह्रदय सांसारिक क्षेत्र में स्वर्ग का इंटरफ़ेस है, और फिर आपके शब्द और कार्य ऐसे स्विच हैं जो वास्तव में स्वर्ग की शक्ति को मुक्त करते हैं। कृपया उस वचन के दूसरे भाग पर ध्यान दें: हम ही हैं जिन्हें यहाँ स्वर्ग के अधिकार को मुक्त कर देना होगा।

पहला, हम इसे वैधता प्रदान करने के लिए स्वर्ग में एक पुरुष या महिला की अवधारणा के माध्यम से देख सकते हैं, और दूसरा, पृथ्वी पर अधिकार क्षेत्र, जो यीशु ने मत्ती 16 और मत्ती 18 में सिखाया था।

"मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वह स्वर्ग में बंधेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग में खुलेगा।

– मत्ती18:18

यीशु यहाँ कहता हैं कि वह कलीसिया को पृथ्वी के राज्य के दायरे में स्वर्ग के राज्य की कुंजियाँ (अधिकार) देंगे। उसने कहा कि आप पृथ्वी पर जो कुछ भी बनाएंगे, स्वर्ग उसका समर्थन करेगा और आप पृथ्वी पर जो कुछ भी मुक्त करेंगे, स्वर्ग उसका समर्थन करेगा। फिर से एक पुलिस अधिकारी के बारे में सोचो; उसके पास अधिकार है, लेकिन सरकार के पास शक्ति है। पुलिस अधिकारी के पास सरकार की कुंजी या अधिकार होता है, क्योंकि वह उस सरकार के एजेंट के रूप में शपथ लेता है। उसकी बात का सरकार समर्थन करती है। याद रखें, यहां केवल पुरुषों या महिलाओं के पास कानूनी अधिकार हैं, और इस प्रकार केवल महिलाएं या पुरुष ही स्वर्ग को कानूनी अधिकार दे सकते हैं।

इस प्रकार स्वर्ग सांसारिक क्षेत्र में वैधता प्राप्त करता है, हृदय सांसारिक क्षेत्र में स्वर्ग का इंटरफ़ेस है, और फिर आपके शब्द और कार्य ऐसे स्विच हैं जो वास्तव में स्वर्ग की शक्ति को मुक्त करते हैं।

एक और महत्वपूर्ण बिंदु है जिसे आपको विश्वास के बारे में जानने की आवश्यकता है। मैं मरकुस अध्याय चार में अपने शास्त्रभाग का फिर से उल्लेख करता हूँ।

पृथ्वी आप से आप फल लाती है, पहले अंकुर, तब बाल, और तब बालों में तैयार दाना।

– मरकुस 4:28

याद रखें, जैसा कि मैंने पहले कहा, इस दृष्टांत में यीशु ने जिस मिट्टी का उल्लेख किया है वह मनुष्य के हृदय या मनुष्य की आत्मा का प्रतिनिधित्व करती है। ध्यान दें कि विश्वास कहाँ से आता है; क्या आप इससे हैरान हैं? यह स्वर्ग का उत्पाद नहीं है, जैसा कि ज्यादातर लोग

समझते हैं, लेकिन यह यहां पृथ्वी पर बनाया गया है और यह आपके हृदय की उपज है। आप इसके लिए परमेश्वर से प्रार्थना नहीं कर सकते। स्वर्ग में विश्वास की कोई आवश्यकता नहीं है। हमें स्वर्ग में वाचा की आवश्यकता नहीं है। नहीं, यह केवल पृथ्वी के दायरे में आवश्यक है और यह केवल पृथ्वी पर पुरुषों और महिलाओं के हृदयों में आ सकता है। जैसा कि मरकुस 4 में दृष्टान्त सिखाता है, इसे प्राप्त करने का केवल एक ही तरीका है, परमेश्वर के वचन को अपने हृदय में रखें और वाचा की प्रक्रिया होने दें। तो अगर मुझे विश्वास की ज़रूरत है तो मैं क्या करूँ? मैं परमेश्वर के वचन को अपने हृदय में बिखेर दूंगा और जब तक मुझे विश्वास है तब तक इसे बढ़ने दूंगा। विश्वास करने का यही एकमात्र तरीका है।

> *जब दाना पक जाता है, तब वह तुरन्त हँसिया लगाता है, क्योंकि कटनी आ पहुँची है।"*
>
> – मरकुस 4:29

मेरा मानना है कि अधिकांश चर्चेस ने दुनिया को यह नहीं सिखाया है कि दरांती का उपयोग कैसे किया जाता है, अर्थात जो आवश्यक है उसकी फसल उन्हें कैसे लेनी है यह नहीं सिखाया गया है। सामान्य रूप से चर्च को सिखाया जाता है कि कैसे दान देना है, लेकिन उन्हें यह नहीं सिखाया जाता है कि वे जो बीज बोते हैं उसे कैसे बढ़ाएं और फिर समय पर उसकी कटनी कैसी करनी चाहिए। इस पद में यीशु बहुत स्पष्ट करता हैं कि जब हमारे विश्वास की फसल उपलब्ध हो, तो हमें दरांती का उपयोग करना चाहिए। भले ही आपने विश्वास से अपने बीज को मुक्त करने का बहुत अच्छा काम किया हो, लेकिन कटनी तब तक नहीं होगी जब तक आप यह नहीं जानते कि दरांती कैसे लगाई जाती है। सीधे शब्दों में कहें तो, मुझे इसके बारे में तब तक कुछ भी पता नहीं था जब तक कि प्रभु ने मुझे यह नहीं सिखाया कि राज्य कैसे काम करता है। मैं आपको कुछ उदाहरण देता हूं कि यह वास्तव में कैसा है।

मुझे अटलांटा के एक चर्च में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह बुधवार की रात की सभा थी और चर्च बहुत बड़ा नहीं था, लेकिन मेरे लिए यह ठीक था। मैं बस लोगों को राज्य के बारे में सिखाना चाहता था। जब मैं चर्च पहुंचा, तो मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि

चर्च के दरवाजे बंद थे और वहां कोई नहीं था। सभा आरंभ होने में केवल दस मिनट बाकि थे । मैंने अपने पीछे एक ट्रक की आवाज सुनी; ऐसा लग रहा था कि ट्रक में साइलेंसर नहीं था। मै इंतज़ार कर रहा था, और मैंने देखा कि एक पुराना बीटअप, एक जीर्ण–शीर्ण पिकअप ट्रक, चर्च के किनारे से आ रहा था। मुझे आश्चर्य नहीं हुआ; क्योंकि, मैं अटलांटा शहर के बीच में था। जब मैं इंतज़ार कर रहा था, तब एक आदमी इमारत के पीछे से मेरे पास आया और अपनी पहचान पादरी के रूप में देते हुए मुझसे बातचीत करने लगा। उन्होंने कहा कि देर से आने के लिए वह शर्मिंदा है, लेकिन उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा कि उनका पुराना ट्रक नहीं चल रहा था। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें ट्रक को ढलान पर जाकर स्टार्ट पड़ा, फिर एक बार ट्रक स्टार्ट हुआ, स्पीड बढ़ गई, फिर क्लच लगाना पड़ा, क्योंकि स्टार्टर काम नहीं कर रहा था। उन्होंने कहा कि ज्यादातर समय ट्रक स्टार्ट नहीं होता और उन्हें चर्च तक पांच मील पैदल चलना पड़ता है।

फिर उसने मुझे अपने चर्च के बारे में बताना शुरू किया, और मुझे बताया कि हालांकि वह चर्च का पादरी था, लेकिन चर्च का मुख्य कार्य शहर के लोगों को खाना खिलाना था। उन्होंने उस जगह पर एक महीने में 10,000 से ज्यादा लोगों को खाना खिलाया। पादरी की बातें सुनकर मैं बेचैन हो रहा था। यहाँ एक परमेश्वर का जन है जो एक महीने में 10,000 लोगों को खाना खिलाता है और उसके पास एक ठीक तरीके से चलने वाली कार भी नहीं है? जिन लोगों को वह भोजन खिलाता है उनके लिए वह परमेश्वर कैसा है यह देखने के लिए एक उदहारण है। वे कैसे विश्वास कर सकते थे कि परमेश्वर उनकी मदद कर सकता है जब वे यह देखते है की उस पादरी को भीषण गर्मी के दिनों में चर्च जाने के लिए पांच मील पैदल चलना पड़ता है? मैंने इस मामले में उनकी मदद करने का विचार किया। मेरे पास एक करीब करीब नई कार थी जो केवल 20,000 मील चली थी जो मै उन्हें देना चाहता था। मैंने उन्हें अपने विचार बताए और मैंने उनसे कहा कि मेरा एक कर्मचारी उनके लिए कार अटलांटा ले आएगा। यह सुनकर वे बहुत ही रोमांचित हुए। मैंने उस रात उन्हें और उनके छोटे चर्च को परमेश्वर के राज्य के बारे में सिखाया और बताया कि यह पैसे के मामले में कैसे काम करता है।

घर पहुँचने के बाद, मैंने गाड़ी को अटलांटा भेजने का इंतज़ाम किया। जब मेरा स्टाफ सदस्य कार लेने मेरे घर आया, तो मुझे पता था कि मैं स्वर्ग में आत्मिक व्यवहार कर रहा हूं। मुझे पता था कि जब मैं उस कार को परमेश्वर के राज्य के लिए दे कर रहा था तो मैं उस वाहन के लिए परमेश्वर पर भरोसा कर सकता था जिसकी मुझे आवश्यकता थी। मैं कार का दीवाना नहीं हूं, मेरा मतलब है, मुझे बहुत सारी कारें और विशेष प्रकार की कारें नहीं चाहिए। बहुत से लोग ऐसे हैं, लेकिन मैं नहीं हूं। कार मेरे लिए सिर्फ एक साधन है। मुझे एक अच्छी कार रखना पसंद है, लेकिन मैं उसे तब तक चलाता हूं जब तक कि मुझे उसे बदलने की आवश्यकता न हो।

जब मेरा स्टाफ सदस्य गाडी लेने मेरे पास आया, तो मैं बाहर अपने गैरेज में गया और मैंने कार पर हाथ रखा और कहा, "हे परमेश्वर पिता, मैं यह कार आपकी सेवा के लिए दे रहा हूं और जैसे ही मैं इसे मुक्त करता हूँ, मै विश्वास करता हूँ कि मुझे कार वापस मिल गई है। मैं एक पल के लिए रुका। मुझे पता था कि परमेश्वर का राज्य कैसे काम करता है और मुझे पता था कि केवल "कार" शब्द काम नहीं करेगा। उस स्थिति में, ड्रेंडा और मुझे सहमत होना आवश्यक है। जब मैं अपनी बात पूरी किए बिना चुप रहा, तो मुझे भी एहसास हुआ कि मुझे नहीं पता था कि मुझे किस तरह की कार चाहिए। इसलिए मैंने फिर से शुरू किया, "हे प्रभु आज मै यह कार तेरी सेवकाई के मुक्त कर रहा हूँ, और मुझे यकीन है कि मैंने जो बोया है उसके अनुसार मुझे एक बहुत अच्छी कार मिल गई है, लेकिन मैं आप के पास वापस आऊंगा और आपको बताऊंगा कि मुझे कौन सी कार और मॉडल चाहिए।" बस इतना ही, और वह कार मेरे गैरेज से निकल गई। "हाँ, मुझे वाकई वही कार चाहिए।"

ऐसे ही कुछ महीने बीत गए। हमारी पुरानी कार सेवकाई के लिए देने के लिए ड्रेन्डा मेरे साथ सहमत थी और मेरी तरह ही उसे भी नहीं पता था कि उसे किस तरह की नई कार चाहिए। अगले दो महीनों तक हमने अलग–अलग कारों के बारे में बात की और आखिरकार एक दिन उसने कहा, "मैने सोच लिया है, मुझे लगता है कि मैं वास्तव में एक कन्व्हर्टेबल कार का आनंद लेना चाहती हूँ।" मैंने उससे कहा कि मैं उससे सहमत हूं, और मुझे भी वह कार लेना अच्छा लगेगा, लेकिन किस तरह की कार? अब, हम यह भी नहीं जानते थे कि बाजार

में किस तरह की कन्व्हर्टेबल कारें उपलब्ध हैं। लेकिन एक दिन जब हम रात के खाने के लिए बाहर जा रहे थे, मेरी पत्नी ने अचानक कहा, “बस! “बस क्या है?” मैंने पूछा। “वो ही है वह,” उसने कहा, जिस रेस्टॉरंट में हम जा रहे थे, उसकी पार्किंग की ओर इशारा करते हुए उसने कहा। “यह क्या है?” मैंने पूछा। “वह कार, यही वह कार है जो मुझे चाहिए!” पार्किंग के दूसरी तरफ मैंने एक बहुत ही सुंदर कन्व्हर्टेबल कार देखी। मैंने कहा, “चलो देखते हैं कौन सी कार है। इसलिए हम कार के पास गए और अपनी कार उस कार के ठीक पीछे पार्क कर दी।

निःसंदेह हमें वह कार बहुत पसंद आई। यह BMW 645Ci थी, वास्तव में बहुत ही अच्छी कन्वर्टिबल और बहुत महंगी भी। सच कहूं तो, जब मैंने उस कार को देखा, तो मैंने सोचा, “ठीक है, परमेश्वर, हमें अब क्या करना चाहिए यह हमें दिखाओ।” मुझे पता था कि मैं एक नई बीएमडब्ल्यू के लिए $115,000 का भुगतान नहीं कर सकता, लेकिन मैं यह भी जानता था कि परमेश्वर अद्भुत कार्य कर सकता हैं। ड्रेंडा और मैंने कार के बारे में किसी को नहीं बताया और किसी को यह भी नहीं बताया कि हम एक नई कार खरीदने का विचार कर रहे हैं।

लगभग दो हफ्ते बाद, ड्रेंडा के भाई ने हमें फोन किया और कहा, “मुझे ड्रेंडा की कार मिल गई है!” “क्या आपको ड्रेंडा की कार मिली?” मैंने पूछा। उन्होंने कहा, “मैंने देखा कि यह कार किसी ने बिक्री के लिए रखी है, और अचानक, मुझे लगा कि यह कार यहां ड्रेंडा के लिए ही है; और मैंने सोचा कि मैं आपकोयह जानकारी दे दूँ।” “वह किस तरह की कार है?” मैंने पूछा। “यह BMW 645Ci है और कन्वर्टिबल है; यह कार बिलकुल सही कंडीशन में है। दो साल पुरानी है, उसका माइलेज कम है और उस पर कोई खरोंच के निशान नहीं है। वह उत्कृष्ट स्थिति में है। इसके अलावा, आप विक्रेता को जानते हैं।” “मैं उन्हें जानता हूँ?” मैंने पूछा। “हाँ, उन्होंने कहा; आपको उन्हें इस कार के बारे में कॉल करना चाहिए।” खैर, जब ड्रेंडा के भाई ने मुझे कार का मेक और मॉडल बताया, तो मुझे ध्यान आया कि कुछ हफ्ते पहले, ड्रेंडा और मुझे, हम दोनों को ही यही कार पसंद आई थी, और इस वजह से मुझे अब एहसास हुआ कि परमेश्वर कुछ कर रहा हैं।

मैंने कार मालिक को फोन किया। जी हाँ, मै उन्हें पहचानता था। हमने कार के बारे में कुछ देर बात की और फिर उन्होंने कहा, “आप जानते हैं, जब से हम इस कार के बारे में

फोन पर बात कर रहे हैं, मैंने वास्तव में सोचा है कि यह ड्रेंडा की कार होनी चाहिए।" मैंने उन्हें यह नहीं बताया था कि हम ड्रेंडा के लिए एक कार की तलाश कर रहे हैं। उस व्यक्ति ने आगे कहा, "मैं तुम्हें बताता हूँ, मै क्या करने जा रहा हूँ, मैं यह कार आपको $28,000 में बेचना चाहता हूँ" मुझे अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा था। कार की कीमत उससे कहीं ज़्यादा थी। जब मैंने ड्रेंडा को इसके बारे में बताया, तो वह रोमांचित हो गई। हमने उस कार के लिए नगद भुगतान किया और आज भी वह कार हमारे पास है। और वह अभी भी अच्छी स्थिति में है और बहुत सुन्दर दिखती है। इस पर आज तक एक भी खरोंच नहीं आई है, और हमने सनरूफ को हटाकर, स्टीरियो पर गाने सुनते हुए, धूप और ठंडी हवा का आनंद लेते हुए उस कार में कई ड्राइव्स लिए हैं।

हमने ट्रक को कैंपिंग के लिए आवश्यक आपूर्ति के साथ भर दिया, और हं अपनी कन्व्हर्टिबल से कोलोराडो के पहाड़ों से होते हुए सफर का आनंद ले रहे थे, यह हमारी सबसे यादगार और पसंदीदा यात्रा थी। उस यात्रा में हमारी बेटी कर्स्टन हमारे साथ थी, और मुझे याद है कि मैं रात में कैनसस से I –70 पर कार के सनरूफ को हटाकर गाड़ी चला रहा था। कर्स्टन पीछे सो रही थी। हमारे सिर पर ढेर सारे तारे चमक रहे थे और समय–समय पर एक या दो ट्रकों को छोड़कर सड़क खाली थी। यह एक अद्भुत रात थी, हवा चल रही थी और दुनिया में सब कुछ अद्भुत लग रहा था। हमने अगले दो सप्ताह रॉकीज़ में से होते हुए ड्राइविंग करने में बिताए और मुझे एहसास हुआ कि यह कार वास्तव में कितनी अच्छी है। इसका वर्णन हम केवल एक ही शब्द में कर सकते है – अप्रतिम!

लेकिन यहाँ मिलियन–डॉलर का सवाल है। वह कार हमारे पास कैसे आई? कार बिल्कुल वैसी ही क्यों थी जैसी ड्रेंडा ने कहा था, "बिल्कुल याही कार!" मैं जानता था कि परमेश्वर के राज्य ने उस कार को हमारे जीवन में ला दिया है। मुझे पता है कि जब मैने अपनी पुरानी कार उस पादरी को देने के द्वारा अपनी कार के लिए बीज बोया तब मुझे पता था कि मै आत्मिक नियम लागू कर रहा हूँ। मुझे याद है कि उस समय मैने कहा था कि मुझे एक कार वापस मिल गई है, मैंने उस समय एसयूवी, जीप, कार ऐसा कुछ नहीं कहा था; मैंने केवल इतना ही कहा था कि एक अच्छी कार मिली है। लेकिन ड्रेंडा और मुझे दराती का उपयोग करना पड़ा। हमने

उस कार को तब तक नहीं देखा होता जब तक ड्रेन्डाने यह नहीं कहा होता, “बस वह यही कार है।” हालाँकि मुझे विश्वास था कि जब मैंने अपनी पुरानी कार को मुक्त किया तो हमें एक और कार मिलेगी, हम तब तक दराती नहीं चलाई थी जबतक ड्रेंडा ने यह नहीं कहा “बस, यह वही कार है”।

एक और घटना घटी जिसने इस सिद्धांत को और भी स्पष्ट कर दिया। आप जानते है, मुझे शिकार करना पसंद है। मैं एक अच्छे शिकारी देश में रहता हूँ और परमेश्वर ने मुझे अपना शिकारगाह दिया है। मेरी 60 एकड़ की जमीन में करीब 19 एकड़ का जंगल और करीब 10 एकड़ दलदली जमीन है। मैं हर साल हिरण और गिलहरी का शिकार करने में सफल होता हूं। बतख और गीज़ हमेशा इधर–उधर उड़ते रहते हैं, लेकिन किसी कारण से, मैंने उनका शिकार करने के बारे में नहीं सोचा। हाँ, एक दो बार, मै बच्चों के साथ नीचे दलदल के हिस्से में गया और रात के भोजन के लिए कलहंस का शिकार किया। लेकिन हमने कभी बत्तखों का शिकार नहीं किया।

लेकिन, कुछ साल पहले, जब मैंने बहुत सारी बत्तखों को दलदल में उड़ते हुए देखा, तो मैंने सोचा कि मुझे बत्तखों का शिकार करने की कोशिश करनी चाहिए। वाह, यह बहुत रोमांचक था! मुझे इसका शिकार करने का बहुत शौक था। उस वसंत में बत्तख के शिकार के दौरान, मुझे एहसास हुआ कि मुझे बत्तख के शिकार का गंभीरता से अभ्यास करने की आवश्यकता है। मैंने थोड़ा शिकार किया और मैंने पाया कि वे खाने में भी बहुत अच्छे हैं, स्वादिष्ट हैं। मैंने देखा कि बत्तखें अक्सर मंच से बाहर या मेरी बन्दूक के मंच के बहुत करीब थीं, और इससे मेरी शिकार की गलतियाँ बढ़ गईं। रेमिंगटन मॉडल 11–87, मेरी नियमित बन्दूक थी जिसका उपयोग मैं खरगोशों से लेकर हिरणों तक सभी शिकारियों के लिए करता था। मुझे गलत मत समझो, मुझे वह बंदूक बहुत पसंद है और यह एक बेहतरीन बंदूक है। लेकिन मैंने सुना है कि बाजार में बंदूकों के नए मॉडल हैं जो सिर्फ बतख के शिकार के लिए बनाए गए थे। यह एक छलावरण था और साढ़े तीन इंच के मैग्नम गोले के लिए रखा गया था, और मुझे पता था कि यह उन लंबे समय तक चलने वाले शॉट्स में मदद करेगा। बतख के शिकार का अगला सीजन शुरू होने से पहले मेरी योजना उस बंदूक को देखने और खरीदने की थी।

तो अब, बतख की शिकार का मौसम खत्म हो गया था, अब जनवरी का महीना शुरू हो गया था, और मैं कबला से गुजर रहा था और मैंने सोचा कि मुझे बन्दूक विभाग में जाकर देखना चाहिए कि वे बंदूकें कैसी दिखती हैं। जब मैं बन्दूक अनुभाग में गया, तो मैंने देखा कि उनके पास केवल बत्तख की शिकार के लिए उपयुक्त बन्दूकों का एक पूरा खंड था। मैंने पहले उनमें से कुछ बंदूकें देखी और मुझे जो पसंद आया उसे खरीदने के बारे में सोचा, लेकिन उनकी कीमत $2,000 थी और बतख के शिकार का मौसम अभी कुछ महीने दूर था। "मैं कुछ समय रुकूंगा," मैंने मन ही मन सोचा। लेकिन जैसे ही मैं जा रहा था, मैने कुछ अजीब किया। मैं क्या कर रहा था मुझे खुद भी पता नहीं था। मैंने वह बिना सोचे समझे किया। मैं जो बन्दूक खरीदना चाहता था उसकी ओर इशारा किया और चिल्लाया। "यीशु के नाम से वह बंदूक मेरे पास होगी।" दोबारा, मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा; मैं सिर्फ घोषणा कर रहा था कि मेरे पास वह बंदूक है। मुझे बत्तख की शिकार के लिए जो बंदूक चाहिए थी उसकी साफ तस्वीर मेरे दिल में थी।

कुछ हफ़्ते बाद मुझे एक व्यावसायिक सम्मेलन में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया, और कुछ ऐसा हुआ जिसने मेरा ध्यान आकर्षित किया। मेरा टॉक सेशन खत्म होने के बाद, कंपनी के मालिक ने आकर कहा कि आप हमारे पास आए इसलिए आपको सम्मानित करने के लिए हम आपको एक उपहार देना चाहते हैं। उसने कहा, "हम जानते हैं कि आप शिकार करना पसंद करते हैं, इसलिए हमने आपके लिए यह बंदूक खरीदी है।" मैं चौंक गया क्योंकि उन्होंने एक बिल्कुल नई, बेनेली, सेमी–ऑटोमैटिक डक गन खरीदी थी, वही बंदूक जो मैंने उस स्टोर में देखी थी, और जिस बंदूक की ओर संकेत करते हुए मैने कहा था कि मुझे यीशु के नाम से यह बन्दुक मिलेगी! क्या आपको इसमें कुछ खास नजर आता है? वह बंदूक वास्तव में इस स्थान पर कैसे आई? पिछले अनेक वर्षों में, मैंने दर्जनों बंदूकें दान दी हैं, लेकिन मैंने अपनी इच्छित बंदूक के लिए कभी भी दराती का उपयोग नहीं किया

... परमेश्वर मुझे दिखाना चाहता था कि वह मुझसे प्रेम करता है। जब उसने यीशु को मेरे लिए भेजा और मुझे राज्य दिया, तो उसने मुझे दिखाया कि वह मुझसे प्रेम करता है!

है। दूसरे शब्दों में, मैंने उन बंदूकों को विश्वास और उदारता के साथ बोया था लेकिन जो मैं चाहता था उसे पाने के लिए कभी भी हंसिया का इस्तेमाल नहीं किया। मैंने कभी नहीं कहा, "हे परमेश्वर, बस! मुझे यही बन्दुक चाहिए है। " लेकिन जिस क्षण मैंने ऐसा किया, फसल हो गई!

मैं अपने एक सहकर्मी को बन्दूक की कहानी सुना रहा था। उन्होंने कहा, "हां, मुझे लगता है कि परमेश्वर कभी–कभी ऐसा करता हैं। वह आपको यह दिखाने के लिए एक विशेष उपहार देता है कि वह आपसे प्रेम करता है।" उन्होने जो कहा उसके बारे में मैने सोचा, और मैंने महसूस किया, "नहीं, यह सच नहीं है। हां, परमेश्वर मुझसे प्रेम करता है, लेकिन वह मुझे सिर्फ एक छोटे से उपहार से आश्चर्यचकित नहीं करना चाहता है।" कुत्ता, मछली, सही क्रम में हिरण का आना, गाड़ियां सब सिर्फ यह दिखाने के लिए नहीं आए थे कि परमेश्वर मुझसे प्रेम करता हैं। जब उसने यीशु को मेरे लिए भेजा और मुझे अपना राज्य दिया, उसी समय उसने मुझे दिखाया कि वह मुझसे प्रेम करता है!

मैं आपको फसल के बारे में एक और बात बताना चाहता हूं। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया, मैं कारों का दीवाना नहीं हूं। हम तब तक गाड़ी चलाते रहते हैं जब तक हमें उन्हे बदलने की जरूरत नहीं होती। हमारी आठ साल पुरानी होंडा पायलट इसका एक उदाहरण है। हम उस कार से प्यार करते हैं, यह हमारे लिए बहुत उपयोगी है, यह अच्छी तरह से चलती है, यह नई दिखती है और इसलिए हम अभी भी इसका इस्तेमाल करते हैं। लेकिन हम अक्सर यात्रियों और मेहमानों को ले जाने के लिए बड़ी एसयूवी खरीदने पर विचार करते थे। कुछ समय पहले, हमने नाउ सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम के लिए कैडिलैक एस्केलेड किराए पर लिया था, और ड्रेंडा और मैंने इसे चलाया। यह गाड़ी हमें पसंद आई। हमें उसका मोती जैसा सफेद रंग पसंद आया और हमें एस्क्लेड के लंबे मॉडल से यह छोटी कार अधिक पसंद आई जो हमने चलाई। हमने कहा, "यही हम चाहते हैं, कैडिलैक एस्केलेड, सफेद मोती रंग, छोटी कार। हमें इसे खरीदना है।" हम उस समय बहुत व्यस्त थे और शोरूम जाने और कार को देखने, उसके बारे में पता लगाने या इसे खरीदने के बारे में सोचने का समय नहीं था।

लगभग एक महीने बाद, मैंने सुबह अपने घर का दरवाजा खोला, और जैसे ही मैं बारामदे में पड़ा हुआ अखबार लेने जा रहा था, मेरा मोबाइल फोन बज उठा। फोन करने वाले ने कहा, "पास्टर, मैं आपके लिए एक कैडिलैक एस्केलेड खरीदना चाहता हूं; आपको गाडी का कौनसा रंग पसंद है? यह सुनकर मै हैरान था, मैंने कहा, "वाह, यह एक अच्छी बात है। ड्रेंडा और मुझे मोती सफेद रंग पसंद है।" "ठीक है," उन्होंने कहा, "मैं उस रंग की कार खोजने की कोशिश करूंगा, देखते हैं कि मुझे यह रंग मिल पाता है या नहीं।" वह एक या दो साल पुरानी कार खरीदने की सोच रहा था जो अच्छी स्थिति में हो।

अगले महीने तक उस आदमी ने कुछ नहीं कहा, लेकिन आखिरकार एक महीने बाद उसने फोन किया और कहा, "आपकी एस्कैलेड मेरे पास आ गई है; आप मुझसे एक इस समय, इस स्थान पर मुझसे मिलें और अपनी कार घर ले जाएं। उन्होंने जिस जगह का जिक्र किया, वहां हम मिले और हमने देखा कि उनके पास एक छोटी मॉडल मोतिया सफेद एस्केलेड कार थी। वह बहुत खूबसूरत थी! "मुझे क्षमा करें, मुझे आपको कॉल करने में इतना समय लगा।" उसने कहा। "मैं इस कार का बड़ा मॉडल खोजने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मार्किट में उसकी इतनी मांग थी कि उनके पास वह मॉडल उपलब्ध नहीं था। इसलिए मैं केवल इस छोटी कार को ही खरीद सका। मुझे आशा है कि यह आपके लिए ठीक है और आपको यह पसंद आएगी।" ठीक है? यह तो वही है जो हम चाहते थे, यह वही कार है जिसके बारे में हम बात कर रहे थे!

फिर से, मैं वही सवाल पूछता हूं: हमें जो एस्कैलेड चाहिए थी ठीक वही वहाँ कैसे पहुँच गई? खैर, सबसे पहले, मैंने उल्लेख किए गए पादरी को जो कार दी थी, उसके अलावा, मैंने अलग–अलग लोगों को आठ और कारें दी हैं। लेकिन जैसा कि पहले बीएमडब्लू के लिए ड्रेंडा ने कहा, "बस, यही वो कार है" मैंने कभी ऐसा नहीं कहा था मुझे यही कार चाहिए है। अब, फिर से, ड्रेंडा और मैं दोनों इस कार पर सहमत हुए, और हमने ज़ोर से कहा "बस, यही वो कार है जो हमें चाहिए है।" मैं वर्षों से कहता आ रहा हूं कि चर्च ने अपने लोगों को दान देने के विषय में शिक्षा देने का बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन लोगों को फसल काटना सिखाना भी महत्वपूर्ण है। आपने अब तक हमारे अनुभव के द्वारा बताई गई जो कहानियाँ यहाँ सुनी या

पढ़ी है, उनके द्वारा क्या आप बता सकते है कि दराती का क्या मतलब है? मुझे आशा है कि अब यह स्पष्ट हो गया है! मुझे वापस प्राप्त हो जाएँ इसलिए मैने विश्वास के साथ अनेक लोगों को अनेक कारें दान दे दी थी, लेकिन ड्रेंडा और मैं एक नई कार खरीदने पर कभी सहमत नहीं हुए। हमने अपनी कारें काफी समय तक चलाई। लेकिन जिस क्षण हमने कहा, "यही वह कार है जिसे हम चाहते हैं!" कार किसी तरह हम तक पहुंच गई। दराती का अर्थ है हमारे शब्द!

जीभ के वश में मृत्यु और जीवन दोनों होते हैं, और जो उसे काम में लाना जानता है वह उसका फल भोगेगा।

– नीतिवचन 18:21

एक समय था जब चर्च में स्वीकारोक्ति के बारे में बहुत कुछ सिखाया जाता था। मैं ऐसे लोगों के साथ रहा हूं, और अपने भी शायद अनुभव किया है उन्होने कुछ बोला और फिर तुरंत अपना मुँह बंद करते हुए कहा, "जो मैं कहता हूं, उसे मुझे समझकर कहना, ध्यान देकर बोलना, और उससे सावधानी से शब्दोच्चारण करना चाहिए।" ऐसा करना एक बड़ी उपलब्धि की तरह लगता है, और मुझे पता है कि यह आपके शब्दों को आपके दिल में रखने में मदद करता है। लेकिन, अपने शब्दों या हम जो कहते हैं, उस पर विशेष ध्यान देने का वास्तविक अर्थ से कोई लेना–देना नहीं है। क्या? लेकिन मैंने सोचा था कि आपने कुछ समय पहले कहा था कि आपके शब्द ही दराती है। हां, मैंने ऐसा कहा था, लेकिन सही फॉर्मूले में महारत हासिल करना ही एकमात्र कुंजी नहीं है।

मैं तुम से सच कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, 'तू उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़,'और अपने मन में सन्देह न करे, वरन् प्रतीति करे कि जो कहता हूँ वह हो जाएगा, तो उसके लिये वही होगा।

– मरकुस रचित सुसमाचार 11:23

फिर से, मरकुस अध्याय 4 मी दाराती आपके शब्द हैं! मरकुस के चौथे अध्याय में दराती की चर्चा करने से पहले, हम विश्वास की प्रक्रिया और इसे प्राप्त करने के तरीके के बारे में

चर्चा कर चुके हैं। ऐसा कहा जाता है कि जब बीज पक जाए तो आपको दरांती लगाना चाहिए क्योंकि यह फसल का समय है। फसल आ गई है क्योंकि आप विश्वास में हैं, अपने दिल में आप स्वर्ग से सहमत हैं। मरकुस 11 में उपरोक्त पद इसी सिद्धांत को दर्शाता है। आपका दिल वचन में विश्वास करता है, तब आप बोलते हैं और स्वर्ग के अधिकार को जारी करते हैं। लेकिन "जो कहता हूँ वह हो जाएगा" इस बात पर ध्यान दें। यह विश्वास करना कि आप जो कहेंगे वही होगा यही विश्वास की परीक्षा है। केवल परमेश्वर के वचन को कहना या स्वीकार करना विश्वास नहीं है। जब तक आपका हृदय स्वर्ग से सहमत नहीं होगा तबतक आप चाहे अपना चेहरा नीला होने तक परमेश्वर के वचन को बोले या उसका स्वीकार करें, कुछ नहीं होगा। तो अब हमें समझना होगा कि हम क्या कह रहे हैं या स्वीकार कर रहे हैं उसपर ध्यान देना चाहिए या हमारे हृदय पर?

> *भला मनुष्य अपने मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है, और बुरा मनुष्य अपने मन के बुरे भण्डार से बुरी बातें निकालता है; क्योंकि जो मन में भरा है वही उसके मुँह पर आता है।*
>
> – लुकारचित सुसमाचार 6:45

> *सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर; क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है। टेढ़ी बात अपने मुँह से मत बोल, और चालबाज़ी की बातें कहना तुझ से दूर रहे।*
>
> – नीतिवचन 4:23–24

हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि हम जो कहते हैं और जो हमारा हृदय मानता है वह हमारे हृदय से निकलता है। मरकुस अध्याय 4 की प्रक्रिया का पालन करके, आप जानते हैं कि अपने हृदय के विश्वास को कैसे बदला जाए और इसे स्वर्ग और विश्वास में कैसे लाया जाए। फिर हम पूरे मन और आत्मा से विश्वास करके अपने वचनों और कृती से दरांती का उपयोग करते हैं। आपको समझ आया? ठीक है, चलो आगे बढ़ते हैं।

जब हम विश्वास पर अपनी चर्चा जारी रखते हैं, मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूँ जिसका उत्तर देना आपके लिए आवश्यक है।

मुझे कैसे पता चलेगा कि मैं वास्तव में विश्वास में हूँ?

यह एक बड़ा सवाल है और आपको यह जानने की जरूरत है क्योंकि पहले विश्वास किए बिना विश्वास की प्रार्थना करना असंभव है। यह जानने के कई तरीके हैं कि क्या आप विश्वास में हैं, लेकिन इसे समझने के लिए कई संकेतों की आवश्यकता है। जब आप विश्वास में नहीं होते हैं तो आप बुरे और भय पर आधारित निर्णय लेते हैं। भय पर आधारित निर्णय आपको हमेशा पृथ्वी के अभिशाप के बंधक बनाए रखेंगे और आपको अपने आप को उस चीज़ से वंचित करने के लिए प्रेरित करेंगे जो परमेश्वर आपके लिए चाहता है। तो फिर, विश्वास का प्रमाण क्या है? पहला संकेत सरल है; आप अपने विश्वास की परिभाषा को पीछे मुड़कर देख सकते हैं और महसूस कर सकते हैं कि अपने हृदय में पूर्ण विश्वास होना ही असली कुंजी है। लेकिन ज्यादातर समय हम सोचते हैं कि हमें विश्वास है लेकिन हम केवल अपने विचारों से वचन से सहमत हैं लेकिन अपने दिल से नहीं। इनमे फर्क जानने के लिए हमें अधिक सक्षम होना आवश्यक है। जब आपको पूर्ण विश्वास होता है, तो आप वचन के साथ मानसिक रूप से सहमत होते हैं, लेकिन इसमें दृढ़ विश्वास, मन की शांति और आत्मविश्वास की भावना भी होती है।

> *अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।*
>
> – इब्रानियों 11:1

अगर आपके पास कुछ है और आपके पास सबूत है कि वह वस्तू आपके पास है, तो क्या आपको यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि वह आपके पास है? हरगिज नहीं। फिर, जब आप विश्वास में होते हैं, तो ज्ञान, शांति और विश्वास होता है कि परमेश्वर का वचन आपको जो बताता है, वही वह है, भले ही आपने इसे अभी तक न देखा हो। बहुत से लोग कहते हैं: "मुझे

पता है कि मुझे पता है कि मुझे पता है कि मुझे पता है कि यह मेरे पास है।" यह ज्ञान भीतर का है और परिस्थिति आपको इसके बारे में नहीं बताती है। यह आपकी आत्मा में है या आपके हृदय में है। डर दूर हो गया है, चिंता के चिंतित विचार आपके दिमाग में नहीं आते हैं; आपको पता है कि यह हो गया है।

विश्वास में रहने का दूसरा पहलू आनंद और अपेक्षा है। यही आपका उत्तर है। यह आपके पास है! विश्वास, शांति या आत्मविश्वास की भावनाओं से बढ़कर है, और यह भावनाएँ आप के पास होती ही है। आपको आध्यात्मिक रूप से अपनी स्थिति की रक्षा करने में सक्षम होने की आवश्यकता है। जब मैं ऐसा कहता हूं, तो कोर्ट रूम का दृश्य अपने सामने रखिए और मान लीजिए कि आप गवाह से जिरह करने वाले वकील हैं। आप यह क्यों मानते हैं कि आप जिस स्थिति में हैं, उसमें आप वास्तव में हैं? आप अपनी स्थिति की रक्षा कैसे करते हैं? केवल एक ही उत्तर है, परमेश्वर का वचन।

उदाहरण के लिए, यदि कोई आपके घर आता है और कहता है, "अरे, मेरे घर से निकल जाओ," तो आप कहेंगे, "मुझे क्षमा करें, हमें एक दिनका समय दें, और हम यहां से निकल जाएंगे"? नही आप ऐसा नहीं कहेंगे; आप उस व्यक्ति पर हंस देंगे। यदि वह मनुष्य कहे, "नहीं, यह मेरा घर है; अगर तुम बाहर नहीं गए, तो मैं तुम्हें अदालत में ले जाऊंगा।" तब आप उसे जवाब देंगे, "मैं खुशीसे आपको अदालत में मिलूंगा! " सुनवाई के समय आप जज को अपने घर के कागजात शांतिसे न्यायाधीश को दिखाएंगे। वो दस्तावेज़ देखने के बाद, न्यायाधीश उस दूसरे व्यक्ति को उसे बेवजह परेशान करने के लिए गिरफ्तार करने का आदेश देगा और उसे सभी अदालती खर्चों का भुगतान करने का भी आदेश देगा। आपका आत्मविश्वास इस बात से निर्धारित नहीं होता है कि क्या आप सोचते हैं या महसूस करते हैं, लेकिन कानून और आपके घर के कानूनी स्वामित्व से निर्धारित होता है।

अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।

– इब्रानियों 11:1

जब विश्वास की बात आती है, तो मैंने पाया है कि कई बार जो लोग यह नहीं समझते कि विश्वास क्या है, वे अपने विश्वास के एकमात्र स्रोत के बजाय, जो कि परमेश्वर का वचन है,

अपने कार्यों में विश्वास करके भ्रमित हो जाते हैं। इस बारे में भ्रमित होना बहुत आसान है कि हम परमेश्वर के वचन पर कार्य कर रहे हैं या उस सूत्र के अनुसार चल रहे हैं, बजाय इसके कि परमेश्वर के राज्य की वास्तविक सामर्थ्य जो पूरी तरह से विश्वास करने वाले हृदय से निकलती है। उदाहरण के लिए, यदि आपने परमेश्वर के राज्य में धन का बीज बोया, और मैंने आपसे पूछा कि आप क्यों मानते हैं कि आपको उस बुवाई से कुछ वापस मिलेगा, तो आपका उत्तर यह नहीं होना चाहिए, "क्योंकि किसी दिन मैंने उपहार के रूप में इतना धन दिया है।" इस उत्तर में आप केवल अपने कार्यों, या यहां प्रयुक्त सूत्र को देख रहे हैं, लेकिन यहाँ पर कोई मजबूत आधार या स्थायित्व दिखाई नहीं देता है। आपकि निश्चितता केवल परमेश्वर के वचन के द्वारा ही आती है।

मुझे अब याद नहीं है कि मैंने कितने लोगों के साथ प्रार्थना की, जब मैंने उनसे पूछा कि वे क्यों मानते हैं कि उन्हें कुछ वापस मिलेगा, तो वे जवाब नहीं दे सके और चुपचाप मुझे देखते राहें। जब मैं उनसे यह प्रश्न पूछता हूं, तो मैं उनका विश्वास, स्वर्ग के साथ उसकी सहमति देखना चाहता हूं। मैं उन्हें यह कहते हुए सुनना चाहता हूं, "मैं निश्चित रूप से जानता हूं कि मैं इसे प्राप्त करूंगा, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे पवित्रशास्त्र में इस पुस्तक पुस्तक के इस पद में वादा किया है कि यह मेरा है।" संभावना है, अगर वे मुझे सटीक शास्त्रभाग नहीं बता सकते हैं, तो उनके पास मजबूत नींव नहीं है और उन्हें पता नहीं है कि उनकी नौका कहां जा रही है।

याद रखें, विश्वास तभी आ सकता है जब आप परमेश्वर की इच्छा को जान लें। क्यों? क्योंकि विश्वास तभी आ सकता है जब आपका हृदय परमेश्वर की इच्छा से सहमत हो। मुझे पता है कि बहुत से लोग सोचते तो है कि वे विश्वास करते है लेकिन वास्तव मी वे विश्वास नही करते हैं। वे सोच सकते हैं कि परमेश्वर का वचन सत्य और अच्छा है, लेकिन जब वे उस विचार में पूरी तरह से विश्वास करते हैं, तभी उन्हें सच्चा विश्वास हो सकता है। बहुत से लोग परमेश्वर के वचन से सहमत हैं, लेकिन उनका हृदय उस पर स्थिर नहीं है।

मैं जिस बारे में बात कर रहा हूं उसका एक अच्छा उदाहरण यहां दिया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि बहुत से लोगों को लगता है कि वे विश्वास में हैं, परंतु वास्तव में वे विश्वास में नहीं होते है। अगर मैं आपसे कहूं कि मैंने अभी–अभी महसूस किया है कि आकाश वास्तव में

नीला नहीं है जैसा कि लोग कहते हैं, लेकिन जिस रंग को वे नीला कहते हैं वह वास्तव में पीला है? दूसरे शब्दों में, मैंने आपको बताया कि हमें रंगों के बारे में आजीवन गलत सिखाया गया हैं और वह नीला वास्तव में नीला नहीं बल्कि पीला है। तब आप क्या करेंगे? आप चौंक जाएंगे और जल्दी से अपना सेल फोन उठाएंगे और अपने प्रथम श्रेणी के शिक्षकों को कॉल करके उन पर आपका जीवन बर्बाद करने का आरोप लगाएंगे, आपको सभी गलत रंग सिखाने का आरोप लगाएंगे? मुझे नहीं लगता आप ऐसा करेंगे। आप भयभीत होकर भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया नहीं करेंगे, आप कोई हंगामा खड़ा नहीं करेंगे। आपको बस इतना कहेंगे कि आपको यह बताने वाला मैं मूर्ख हूं, और यह कि मैं जो कहता हूं उससे आपको कोई मतलब नहीं है, इसलिए आप इसे अनसुना करके अपने काम पर लग जायेंगे। क्यों? क्योंकि आप आश्वस्त हैं कि नीला रंग नीला ही है और आपका ऐसा विश्वास हैं!

अब, आइए मेरे उदाहरण की तुलना हमारे विश्वास की चर्चा से करें। परमेश्वर ने आपसे कहा कि आप कैंसर से पूरी तरह मुक्त हो जाओगे और आपको उस पर पूरा विश्वास है, लेकिन क्या होगा अगर डॉक्टर ने आपसे कहा कि आप उस कैंसर से मरने वाले हो? आप उस डॉक्टर की ओर देखोगे और केवल यही सोचोगे कि वह मूर्ख है क्योंकि आप जानते हैं कि ऐसा नहीं हो सकता। क्यों? क्योंकि आपको उस कीमत पर पूरा विश्वास है जो यीशु ने आपके ठीक होने के लिए अदा की थी। क्या आप इस तथ्य को देख पा रहे है? बहुत से लोग प्रार्थना करते हैं, लेकिन परिक्षण करने पर, मैंने पाया कि उनकी प्रार्थनाएँ आशा की प्रार्थनाएँ हैं, विश्वास की प्रार्थनाएँ नहीं हैं, वे परिणाम के बारे में सुनिश्चित नहीं हैं। मेरे दोस्तों, इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम खुद को परमेश्वर के वचन के साथ तैयार करें। हमें यह जानने की जरूरत है कि परमेश्वर की इच्छा क्या है ताकि हम उसकी इच्छा पर विश्वास कर सकें और जिसे वह नहीं चाहता उसे अस्वीकार कर सकें। मैं आपको अपने जीवन से एक उदाहरण देता हूं, यह दिखाने के लिए कि परमेश्वर जो कहता है उसमें खुद को पोषित करना कितना महत्वपूर्ण है।

मैं थक गया था, क्योंकि पिछले कुछ सप्ताह मेरे लिये बहुत कठीण थे, अपना खुद का व्यवसाय चलाना कुछ थका देने वाला था। (यह चर्च में एक पादरी के रूप में काम करने से पहले की बात है)। मुझे लगातार सेल्स कॉल का जवाब देना पड़ता था और कमीशन से प्राप्त

पैसों पर गुज़ारा कर पाना मुश्किल होता जा रहा था। मैं रूटीन फिलिंग के लिए अपने डेंटिस्ट के पास जा रहा था। दंत चिकित्सक ने मुझे नोवोकेन इंजेक्शन देने तक सब कुछ सामान्य था। इंजेक्शन के बाद जबड़ा धीरे–धीरे सुन्न होना चाहिए था, लेकिन मै इस बात से हैरान हो गया कि, मेरा जबड़ा अचानक सुन्न हो गया। मुझे आश्चर्य हुआ और मैंने दंत चिकित्सक से पूछा कि मुझे क्या हुआ है। उन्होंने कहा, "ओह, मुझे लगता है कि मैंने यह इंजेक्शन आपकी नसों में दिया है।" मैंने झट से उससे पूछा, "क्या यह सामान्य है?" उसने उत्तर दिया, "ठीक है, यह आमतौर पर बेहतर हो जाता है।" क्या? क्या मैंने ठीक सुना जो उन्होंने कहा? "डॉक्टर, आपका क्या मतलब है यह आमतौर पर ठीक हो जाता है?" "इसका लगभग 80 प्रतिशत से 85 प्रतिशत ठीक हो जाता है, यह बिना किसी स्थायी नकारात्मक प्रभाव के पूरी तरह से ठीक हो जाता है," उन्होंने कहा।

क्या? मेरे मन में एकाएक भय उत्पन्न हो गया। अब क्या यह ठीक होगा या नहीं? मेरे मन में डरावने विचार आ रहे थे। डॉक्टर के पास मेरा चिकित्सा का काम पुरा होने के बाद भी मेरा चेहरा सुन्न रहा, आमतौर पर यह सुन्नता धीरे–धीरे कम होनी चाहिए। मैं दंत चिकित्सक के इलाज के बाद वहां से लगभग एक घंटे की दूरी पर एक ग्राहक से मिलने जा रहा था, इसलिए मेरे पास यह सोचने के लिए काफी समय था कि अभी मेरे साथ क्या हुआ था। उस ग्राहक के पास पहुँचने तक मुझे दर्द नहीं हुआ था, लेकिन मन की शांति ना होने, और लगातार डर के कारण मुझे दर्द हो रहा था।

अपॉइंटमेंट से घर जाते समय मैं एक दोस्त के घर रुका। मेरा चेहरा अभी भी सुन्न था और मैं किसी से यह जानने की कोशिश कर रहा था कि मेरा जबड़ा ठीक हो जाएगा या नहीं। इस समय मैं जो गलती कर रहा था, उस पर ध्यान दें: मैं परमेश्वर के वचन की ओर जाने के बजाय किसी इंसान से मदद लेने की कोशिश कर रहा था, और वह व्यक्ति मेरी राय में एक मजबूत विश्वासी भी नहीं था। मैंने इस आदमी को बताया कि मेरे साथ क्या हुआ था और सोचा कि वह कहेगा, "यह कोई बड़ी बात नहीं है, गैरी; यह ठीक हो जाएगा!" लेकिन इसके बजाय, उसने कहा। "ओह हो! मेरे एक मित्र के साथ भी ऐसा

इस समय मुझे पता चल गया कि मेरी आशा केवल परमेश्वर का वचन है।

ही हुआ, और उसका चेहरा कभी ठीक नहीं हुआ; तभी से उनका चेहरा लकवाग्रस्त है।" मैं जो सुन रहा था उस पर मुझे विश्वास नहीं हो रहा था! मैं अब डर गया था। अब तक मुझे लगा कि यह बेहतर हो जाएगा, मैंने अपने दोस्त को अपना कीमती समय देने के लिए धन्यवाद दिया और चला गया। मायूस होकर मैं दूसरे दोस्त के घर गया और उससे वही सवाल पूछा, और वहां भी मैंने वही जवाब सुना और मुझे आश्चर्य हुआ, "ओह, नहीं," उसने कहा, "मेरा एक दोस्त था उसके साथ भी ऐसा ही हुआ था और उसका चेहरा कभी ठीक नहीं हुआ; उसका चेहरा आज भी लकवाग्रस्त है।"

इस मुलाकात के बाद, मैं थक गया था। मुझे पता है कि परमेश्वर (अपनी सोच में) चंगा करता है, लेकिन मैं अपने मन में पैदा हुए डर से अभिभूत था। मुझे अपने हृदय में निश्चित रूप से विश्वास नहीं था। उस पूरी रात, मैं दर्द में था! मेरा मन डर से भर गया था, मै दन्त चिकित्सक के पास था तब मेरा चेहरा जितना सुन्न था उतना ही अभी भी था। मैंने सोने की कोशिश की लेकिन मेरे दाहिने कान में थोड़ा दर्द होने लगा। क्या यह वही होगा? मेरे पिता को एक या दो साल पहले बेल्स पाल्सी से बहुत परेशानी हुई थी और उन्होंने मुझे बताया कि बीमारी उनके कान के नीचे कुछ दर्द से शुरू हुई और फिर बढ़ गई। बेल्स पाल्सी तब होती है जब चेहरे की मांसपेशियों को नियंत्रित करने वाली तंत्रिका, जो कान के नीचे की हड्डी में एक छोटे से छेद से होकर गुजरती है, संक्रमण या सूजन के कारण संकुचित हो जाती है।

जब मैं सोने की कोशिश कर रहा था, मुझे नींद तो नहीं आ रही थी, लेकिन मुझे अपने कानों में यही सुनाई दे रहा था, "तुम्हें बेल्स पाल्सी होने वाली है, बिलकुल तुम्हारे पिताजी की तरह।" जब मैं सुबह उठा तो मुझे पूरी तरह से बेल्स पाल्सी हो गया था! अब मेरा जबड़ा ही नहीं बल्कि दाहिनी ओर का पूरा चेहरा सुन्न हो गया था और मैं अपनी आँखें और मुँह भी बंद नहीं कर पा रहा था। स्थिति और खराब हो गई थी।

मैं अपने संदेह की पुष्टि करने के लिए स्थानीय डॉक्टर के पास गया। उन्होंने कुछ परीक्षण किया, फिर मेरी ओर देखा और कहा कि मुझे वास्तव में बेल्स पाल्सी है। फिर मैंने पूछा, "आगे क्या होगा?" "ठीक है, लगभग 80 से 85 प्रतिशत मामलों में, वह स्थायी रूप से लकवाग्रस्त हुए बिना ठीक हो जाता है," उन्होंने कहा। "क्या उन्होने वही कहा जो मैंने सोचा था कि वह कहने वाले थे?"

तब तक मुझे अहसास हो गया था कि मेरी हालत गंभीर है। मैं जानता था कि शैतान यहीं नहीं रुकेगा, और मैं यह देखने के लिए प्रतीक्षा नहीं करना चाहता था कि आगे क्या होगा। मुझे आध्यात्मिक युद्ध के बारे में इतना पता था कि मैं गलत दिशा में जा रहा था। याद रखें, इस तरह की चीज़ों के बारे में बहुत कुछ जानने से पहले की यह कहानी है। लेकिन मैं इतना तो अवश्य जानता था कि अगर मुझे इस स्थिति को हराकर इसमें से बाहर निकलना है तो मुझे इससे आत्मिक रूप से निपटना होगा। मैंने यह भी महसूस किया कि जब मैं थक जाता हूँ और किसी परेशानी की उम्मीद नहीं करता, तो मुझे बेसुध अवस्था में फँसाना शैतान की चाल है।

उस समय, मैं जानता था कि मेरी एकमात्र आशा परमेश्वर का वचन है। मेरे मन में जो डर पैदा हो गया था, उसे रोकने की मुझमें क्षमता नहीं थी। इसलिए मैंने 3 x 5 कार्ड बनायें और उन पर स्वास्थ्य प्रदान करने वाले अभिवचनों के शास्त्रवचन लिखे और उन्हें अपने पूरे घर में लगा दिया। मैंने प्रभु से पश्चाताप किया और अपने हृदय में विश्वास विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की। मुझे पता था कि मुझे विश्वास बढ़ाने के लिए वचन को अपने हृदय में रखना आवश्यक है, इसलिए मैंने पूरे दिन परमेश्वर के वचन पर ध्यान दिया।

सुरू में, कुछ भी नहीं बदला। मेरा चेहरा सुन्न हो गया था और मैं लगातार डर की भावना से जूझ रहा था। लगभग एक हफ्ता बीत गया, फिर भी मेरे चेहरे पर कुछ भी नहीं बदला, और फिर वह हुआ! जैसा कि पवित्रशास्त्र में मरकुस 4:26 में सिखाया गया है, जब मैंने अपने हृदय में वचन को बोया, तो विश्वास का निर्माण शुरू हुआ, पहले पत्ते, फिर डंठल, फिर बाली, और फिर उस बाली में परिपक्व अनाज।

इस पूरी प्रक्रिया के दौरान, अभी भी कोई सहमति नहीं थी और इसलिए कोई विश्वास नहीं था। हालाँकि, भले ही मैंने परिवर्तन नहीं देखा या यह नहीं जानता कि यह प्रक्रिया कैसे काम करती है, मार्क 4 में हमारे शास्त्रवचन के अनुसार, चीजें वास्तव में बदलने लगीं। मैं जिस बदलाव की बात कर रहा हूं वह अभी प्राकृतिक दायरे में नहीं है, लेकिन बदलाव हमारे हृदयों में हो रहा है। यदि हम वचन को थामे रहते हैं, तो वचन धीरे–धीरे हमारे हृदय की विश्वास प्रणाली को अविश्वास से बदल कर अपने आप स्वर्ग के लिए सहमति उत्पन्न कर देगा। तो इस मामले में, यह जानते हुए कि यह मेरा एकमात्र उत्तर था, मैं वचन को थामे रहा।

अचानक, एक दिन, मैं अपने घर के चारों ओर घूम रहा था, उन 3X5 कार्डों को देख रहा था जो दीवारों हर जगह चिपकाएं हुए थे और उन पर चंगाई के वादे लिखे हुए थे, फिर मैंने एक शास्त्रवचन को देखा जिसे मैंने कम से कम सौ बार देखा और पढ़ा था. लेकिन इस बार जब मेरी नज़र उस शास्त्रवचन पर पड़ी तो एक धमाका हुआ! अचानक, मुझे अभिषेक प्राप्त हुआ, मेरा डर गायब हो गया, और मुझे एहसास हुआ कि मैं ठीक हो गया हूँ। हाँ, मेरा चेहरा अभी भी सुन्न था। कोई बदलाव नहीं था, लेकिन मुझे पता था कि मैं ठीक हो गया हूं। कुछ ही घंटों में, मेरा चेहरा पूरी तरह से सामान्य हो गया, सब ठीक हो गया था। परमेश्वर की स्तुति हो! परमेश्वर का वचन काम करता है!

हालाँकि मेरा आध्यात्मिक जीवन लापरवाही और व्यस्तता से कमजोर हो गया था, फिर भी मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और मुझे अपनी मूर्खता का पश्चाताप हुआ। मैं पहली बार सीख रहा था कि विश्वास वास्तव में कैसे काम करता है और मुझे इस क्षेत्र में ज्यादा अनुभव नहीं था। जब मैं मुसीबत में था तब आगे मेरा क्या होगा, इसके बारे में परमेश्वर के वचन में जवाब खोजने के बजाय, मैं लोगों के पास जा रहा था और उनसे इसके बारे में पूछ रहा था। वास्तव में क्या हो रहा है यह ठीक तरीके से समझ आने के बाद, मैंने पूरे विश्वास के साथ परमेश्वर के वचन की ओर रुख किया। दुर्भाग्य से, अधिकांश लोग इस प्रक्रिया में विश्वास नहीं करते हैं क्योंकि उन्हें कभी विश्वास और यह कैसे कार्य करता है इसके बारे में नहीं सिखाया गया । क्योंकि वे प्रक्रिया से अनजान हैं, वे परमेश्वर के वचन को छोड़ देते हैं, यह सोचते हुए कि जब वे तनाव में होते हैं तो वचन कार्य नहीं करता है।

शैतान के प्रतिरोधी हमले को समझें

क्रिस्टीन को परमेश्वर के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी तब वह हमारे चर्च में आई थी। हमारी रविवार की सुबह की आराधना के दौरान, उसका नया जन्म हुआ और उनका जीवन मौलिक रूप से बदल गया। परमेश्वर का राज्य कैसे काम करता है यह सिखाने के लिए हमारे चर्च में शिक्षा सत्र आयोजित किए जाते हैं। हम जिन क्षेत्रों के बारे में बात करते हैं और सिखाते हैं उनमें से एक स्वास्थ्य का कानूनी अधिकार है। क्रिस्टीन कई वर्षों से बहरेपन से पीड़ित

थीं। वास्तव में, वह 40 वर्षों से श्रवण यंत्रों का उपयोग कर रही थी, और उसकी 50 प्रतिशत से अधिक श्रवण शक्ति नष्ट हो गई थी। उसकी माँ बहरी थी और उसका भाई उसी समस्या से पीड़ित था और सुन भी नहीं सकता था। जब क्रिस्टीन ने सुना कि उसे चंगा होने का कानूनी अधिकार है क्योंकि वह एक विश्वासी है, तो वह बहुत उत्साहित थी!

कक्षा में, मेरी पत्नी ने उस पर हाथ रखा और प्रार्थना की कि उसे सुनाई दें, और तुरंत, पॉप हुआ, और वह पूरी तरह से सुनने लगी। क्रिस्टीन रोने और चिल्लाने लगी और परमेश्वर की स्तुति करने लगी। जब मेरी पत्नी, ड्रेन्डा और क्रिस्टीन ने आकर मुझे खुशखबरी सुनाई, तो मैंने सोचा कि मुझे उसे शैतान के जवाबी हमले की चेतावनी देनी चाहिए। मैंने ड्रेंडा को क्रिस्टीन को निर्देश देने के लिए कहा कि यदि लक्षण वापस आने लगे, तो उसे इस मुद्दे पर साहसपूर्वक वचन को बोलना चाहिए और घोषणा करनी चाहिए कि वह ठीक हो गई है और शैतान को वापस जाने के लिए कहना चाहिए। अगली सुबह उसकी परीक्षा का समय आ गया। वह ठीक से सुन नहीं पा रही थी और उसका बहरापन वापस आ गया था। तो उसने वैसा ही किया जैसा हमने उसे बताया था, "नहीं! शैतान, मैं इस बहरेपन को स्वीकार नहीं करूंगी। मैं चंगी हो गई हूँ, और मेरा बहरापन यीशु के नाम से दूर हो गया है! " पॉप! उसके कान खुल गए और आज तक खुले हुए हैं।

याद रखें कि शैतान जवाबी हमला अवश्य करेगा और आपके जीवन पर शासन करने का अवसर पुनः प्राप्त करने का प्रयास करेगा। उसे ऐसा न करने दें। परमेश्वर के वचन पर स्थिर बने रहें !

इस मामले में, मैंने आपको इस बारे में बुनियादी जानकारी देने का प्रयत्न किया है कि, विश्वास क्या है, यह कैसे काम करता है, कैसे पता करें कि आपके पास विश्वास है, और विश्वास कहाँ से प्राप्त करें। परमेश्वर का राज्य आपके जीवन में कार्य करे, इसके लिए आपको यह जानना आवश्यक है। स्मरण रहे, यीशु ने उस स्त्री से कहा, "तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है।" और आपके लिए भी यही सच है: स्वर्ग जो कहता है उससे आपके हृदय का सहमत होना और जीवन में किसी भी समस्या का हल या आवश्यकता को पूरा करने के लिए दरातीं का उपयोग करना यही आपका उत्तर है।

अध्याय 6

परमेश्वर का आशीर्वाद

मैं अपनी पत्नी और एक अतिथि वक्ता के साथ एक रेस्तरां में बैठा था। शाम के लगभग 10:00 बज रहे थे, और हमने अभी-अभी एक बहुत ही सामर्थी शाम की आराधना सभा समाप्त की थी। वेटर हमारा ऑर्डर लेने आया और हम बातें करने लगे। मेरे अतिथि वक्ता ने उन्हें आराधना कितनी अच्छी थी और हमारे चर्च के बारे में बताना शुरू किया। फिर उन्होंने कहा, क्या तुम्हें शिकार करना पसंद है? उसने कहा कि उसे शिकार करना बहुत पसंद है। मेरे अतिथि वक्ता हमेशा मेरी शिकार की कहानियों के बारे में उत्सुक रहती थी, और वास्तव में, मैंने उस शाम को अपनी एक फेथ हंट किताब उन्हें उनके दोस्त के लिए घर ले जाने के लिए दी थी। मेरी एक किताब मेरे बगल में जमीन पर मेरे पास थी और मैं उसे उस समय घर ले जाने के लिए देने वाला था।

वेटर अपने शिकारी की कहानी सुनाता रहा कि उसने कितनी बार कोशिश की लेकिन उसे कोई हिरण नहीं मिला। मैं और मेरे मेहमान उसे यह समझाने लगे कि परमेश्वर का राज्य कैसे काम करता है और हर बार जब वह शिकार पर जाता है तो उससे अपने हिरण को प्राप्त करने की उम्मीद कैसे करनी चाहिए। उसे नहीं पता था कि हमारे बारे में क्या सोचना है। लेकिन मुझे याद आया कि मेरे पास एक किताब थी और मैंने वह उसे दे दी। मैंने अपने अतिथि वक्ता से कहा कि मैं उन्हें इसकी दूसरी प्रति दूंगा और उन्होंने कहा कि कोई बात नहीं। वेटर ने मुझे धन्यवाद दिया और किताब को पढ़ने का वादा किया, लेकिन मुझे लगा कि शायद यह हमारी आखिरी बातचीत थी, हम फिर कभी नहीं मिलेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

एक साल बाद, वही अतिथि वक्ता चर्च में आई और उसने इच्छा व्यक्त की कि उन्हें वह रेस्तरां पसंद है जिसमे हम एक साल पहले गए थे और फिर से वहां जाना चाहती है। तो हम

उस रेस्टोरेंट में गए। जब हम वहाँ बैठे, तो हमें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि वही वेटर, जिसने एक साल पहले हमारी सेवा की थी, अब भी हमारे पास आया है। जब वह ऑर्डर लेने आया तो उसने हमारी तरफ देखा और कहा, "अरे, आप यहां एक साल पहले आए थे और हमने हिरण के शिकार के बारे में बात की थी।" हमने कहा, "हाँ, हमे याद है।" उसने कहा, "मैंने वह किताब पढ़ी जो आपने मुझे दी थी और मैंने वही किया जो उस पुस्तक में करने के लिए कहा गया था। मुझे पिछले साल दो हिरण मिले और मुझे इस साल भी एक हिरण मिलने की उम्मीद है।" उसकी कहानी सुनकर हमें खुशी हुई लेकिन आश्चर्य नहीं हुआ। क्योंकि परमेश्वर का राज्य हर बार काम करता है!

मैने लगभग 25 पादरियों के लिए एक सभा आयोजित की थी, और मैं परमेश्वर का राज्य और यह कैसे काम करता है, समझा रहा था। वह सभा बहुत अच्छी थी। मैं सभा कक्ष से निकलने ही वाला था, और जब मेरा कर्मचारी सफाई कर रहा था, एक पादरी वापस अंदर आए। वह और उसकी पत्नी मेरी पत्नी के पास गए और पूछा कि क्या हम उनके साथ थोड़ी देर बात कर सकते हैं। पादरी हमें बताने लगे कि अगर उन्होंने 6,900 रुपये नहीं दिए तो उनका घर बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास 100 डॉलर के अलावा और कोई पैसा नहीं है, और उन्होंने उसे अपने हाथ में पकड़कर मुझे दिखाया। उन्होंने कहा, "मेरे पास सब यही है, लेकिन मैं इसे बोना चाहता हूं जैसा आपने मुझे आज रात सिखाया है, और हम चाहते हैं कि आप और आपकी पत्नी इस सप्ताह हमें जिस पैसे की जरूरत है, उसके लिए हमारे साथ सहमत हों।" हम सभी ने प्रार्थना में हाथ मिलाया और पैसे के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया।

लगभग एक महीने बाद, मैंने उसी पादरी को एक अन्य कार्यक्रम में देखा और वह उत्साह के साथ मेरे पास दौड़ता हुआ आया। "मैं आपको बताना चाहता हूं कि क्या हुआ," उन्होंने कहा। "मैंने आपको यह पहले नहीं बताया, लेकिन मेरी पत्नी और मेरे पास एक छोटा सा पार्ट-टाइम सिल्क स्क्रीन टी-शर्ट का व्यवसाय है और हम इसे कभी-कभी अपने गैरेज से चलाते हैं। हम इस धंधे में ज्यादा कुछ तो नहीं करते हैं, लेकिन समय-समय पर हमें कुछ ऑर्डर मिलते रहते हैं। आपके साथ प्रार्थना करने के बाद अगले दिन, हमें कुल 8,900 के कई ऑर्डर्स मिले।

हमें उस सप्ताह कड़ी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन उस शुक्रवार तक, हमारे पास अपना घर वापस पाने के लिए आवश्यक $6,900 थे। हम आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं!"

मैं लगभग 500 अन्य पादरियों के साथ उत्तरी कैरोलिना में एक पादरियों के सम्मेलन में था। मैं सत्र नहीं चला रहा था, बस भाग ले रहा था। एक आदमी मेरे पास आया और बोला, "मैं आपसे बात करना चाहता हूं।" वह एक जर्मन पादरी था, और उसने कहा कि उसके पास मुझे बताने के लिए एक दिलचस्प कहानी है।

उनका बेटा, जो किशोर था, उसे कहीं से मेरी सीडी प्राप्त हुई। उन सीडी से शिक्षा प्राप्त करने के बाद, उसने फैसला किया कि उसे विश्वास से एक प्लेस्टेशन 3 मिल गया है, क्योंकि उसके पास इसे खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। मुझे यकीन है कि हर कोई जानता है कि प्लेस्टेशन 3 क्या है, लेकिन अगर आप नहीं जानते कि यह क्या है, तो मैं आपको बताता हूँ कि यह एक कंप्यूटर गेमिंग टूल है। पादरी ने मुझे बताया कि उनका बेटा एक दिन उनके कार्यालय गया और उनसे पूछा कि क्या वह उसके साथ प्लेस्टेशन 3 प्राप्त करने के लिए सहमत है। लड़के ने अपने पिता को बताया कि वह मेरी सीडी पर क्या सीख रहा था और वह इस प्ले स्टेशन को पाने के लिए बीज बोना चाहता था और इसके बारे में अपने पिता के साथ प्रार्थना करना चाहता था। पादरी ने मुझे बताया कि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा, लेकिन चर्च के एक पादरी होने के नाते उन्हें अपने बेटे से बीज के रूप में दान मिल गया था। उन्होंने और उनके बेटे ने एक साथ प्रार्थना की और स्वीकार किया कि लड़के को एक प्लेस्टेशन 3 मिल गया है और वे इस बात से भी सहमत थे कि समस्या अब पूरी तरह से दूर हो गई है।

अगले दिन, उनके चर्च के एक व्यक्ति ने पादरी को बुलाया और पूछा कि क्या उनके बेटे को कुछ पैसे कमाने का मौका , मिल जाएँ तो क्या वह कुछ काम करना चाहेगा, क्योंकि उनके पास एक अल्पकालिक परियोजना थी जिसके लिए उन्हें मदद की ज़रूरत थी। लड़का बहुत खुश हुआ और उस प्रोजेक्ट पर दो दिनों तक काम करने के बाद, उसने प्लेस्टेशन 3 खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा कमाया।

इस घटना से उनके बेटे का ध्यान आकर्षित हो गया और पास्टर ने कहा कि, कुछ हफ्ते बाद, उनका बेटा उनके कार्यालय में फिर उनके पास गया और पूछा कि क्या वे उससे कुछ और प्राप्त करने के लिए सहमत होंगे। पास्टर ने मुझसे कहा कि उन्होंने लड़के को सम्मती दर्शाते हुए कहा, "बिल्कुल," लेकिन जब उनके बेटे ने उनसे कहा कि मैं चाहता हूं कि परमेश्वर मुझे मजबूत मांसपेशियां दें, इसलिए आप मेरे साथ सहमत हों। पास्टर ने मुझे बताया कि बेटे की यह बात सुनकर उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उससे क्या कहें। लेकिन अंत में उन्होंने अपने बेटे से कहा कि मजबूत मांसपेशियों के लिए प्रार्थना करना अच्छी बात है, लेकिन उन्हें प्राप्त करने के लिए उसे अपनी भूमिका भी निभानी होगी, और जब तक वह इस बात को समझकर काम करता रहेगा तब तक वे इस बात पर उसके साथ सहमत रहेंगे। उनके बेटे ने सम्मती दर्शायी। और फिर एक बार फिर लड़के ने मजबूत मांसपेशियां पाने के लिए बीज बोया और दोनों ने मिलकर इस बात के लिए सहमती से प्रार्थना की।

अगले दिन एक कार पादरी के घर के सामने आकर खड़ी हुई। चर्च से एक परिवार कार से बाहर आया। जब पास्टर उनसे बात करने के लिए बाहर गए, तो उन्होंने कहा कि जब वह अपने गैरेज की सफाई कर रहे थे, तो उन्हें एक बारबेल सेट मिला, और उन्होंने सोचा कि पास्टर के बेटे को इसकी आवश्यकता होगी। और अगर उसे इसकी आवश्यकता नहीं है, तो वे चर्च में किसी और को इसकी आवश्यकता होगी तो उन्हें दे सकते है। पास्टर ने मुझे बताया कि उन्होंने किसी को नहीं बताया था कि उसका बेटा अपने मसल्स को मजबूत करना चाहता है, और उसने इसके बारे में एक रात पहले प्रार्थना की थी। पास्टर ने कहा कि वह यह सब देखकर और सुनकर चौंक गए थे! वह घर में गए और अपने बेटे से कहा, "तुम जो सीडी देखते हो वह कहा हैं?"

ऐसी कहानियां आम हैं। मैं इसे हर समय सुनता हूं और मैं चाहता हूं कि यह आपके जीवन में भी सामान्य हो। अब तक हमने कई प्रमुख पहलुओं को देखा और चर्चा की है कि कैसे परमेश्वर के राज्य के नियम काम करते हैं, साथ ही कैसे स्वर्ग को पृथ्वी पर वैधता या अधिकार प्राप्त करने के लिए सहमति या विश्वास की आवश्यकता होती है। अब, आइए देखें कि ये राज्य के कानून हमारी वित्तीय जरूरतों को कैसे पूरा कर सकते हैं।

धन यहोवा की आशीष ही से मिलता है, और वह उसके साथ दु:ख नहीं मिलाता।
— नीतिवचन 10:22

जब मैंने पहली बार इस शास्त्रभाग को देखा, तो मैंने सोचा, "निश्चित रूप से इस पद का वास्तव में यह अर्थ नहीं है जो यहाँ लिखा है, है ना?" लेकिन मुझे अध्ययन से समझ आ गया कि इसका अर्थ वही है जो यहाँ लिखा गया है! यह समझने के लिए कि यह शास्त्रभाग किस बारे में बात कर रहा है, हमें पीछे मुड़कर मनुष्य को उत्पन्न किया गया था उस भाग को देखना होगा।

वरन् किसी ने कहीं यह गवाही दी है, "मनुष्य क्या है कि तू उसकी सुधि लेता है? या मनुष्य का पुत्र क्या है कि तू उसकी चिन्ता करता है? तू ने उसे स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया; तू ने उस पर महिमा और आदर का मुकुट रखा, और उसे अपने हाथों के कामों पर अधिकार दिया। तू ने सब कुछ उसके पाँवों के नीचे कर दिया।"

इसलिये जब कि उसने सब कुछ उसके अधीन कर दिया, तो उसने कुछ भी रख न छोड़ा जो उसके अधीन न हो।

— इब्रानियों 2:6-8

हम इस शास्त्रभाग को पहले भी पढ़ चुके हैं, लेकिन अब यह हमारी चर्चा के लिए गंभीर और महत्वपूर्ण है। समीक्षा करते हुए हम देखते है कि, जब मनुष्य को उत्पन्न किया गया, तो पृथ्वी पर सब कुछ उसके प्रभुत्व में रखा गया था। ऐसा कुछ भी नहीं था जो उसके आधीन नहीं था। उसने अधिकार की स्थिति से पृथ्वी के क्षेत्र पर शासन किया और उस सरकार का ताज पहना, जिसका वह प्रतिनिधित्व कर रहा था। उसका अभिषेक किया गया और उसको अधिकार देकर सम्मानित किया गया। शैतान, जिसने परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया था, आदम के आने से पहले ही पृथ्वी पर गिरा दिया गया था। शैतान मनुष्य से इसलिए घृणा करता था क्योंकि उसने देखा कि परमेश्वर के अधिकार का मुकुट पहने हुए मनुष्य

धन यहोवा की आशीष ही से मिलता है, और वह उसके साथ दु:ख नहीं मिलाता।
— नीतिवचन 10:22

हम पर शासन कर रहा है। शैतान को अब इस इंसान के अधीन होना था, जो अपनी प्राकृतिक, शारीरिक स्थिति में उससे बहुत कमजोर था। परन्तु, आत्मिक रूप से, आदम जो भी बोलता था, उसमे वो अधिकार था जो स्वयं परमेश्वर का अधिकार था। परमेश्वर के पुत्र आदम ने अधिकार और महिमा के इस अद्भुत स्थान से पृथ्वी पर शासन किया।

इसलिए शैतान इस आदमी से नफरत करता था और पृथ्वी पर उसके अधिकार की लालसा करता था। और उसके लिए उसके पास एक ही रास्ता था कि वह किसी तरह उस मुकुट को हटा दे, वह पद जो मनुष्य ने उससे ले लिया है। केवल एक छोटी सी समस्या थी। शैतान के पास आदम से मुकुट लेने की शक्ति नहीं थी; उसकी एकमात्र आशा थी कि वह किसी तरह आदम को धोखा दे और उसका अपना मुकुट हटा दे। हव्वा को यह समझाने के लिए कि परमेश्वर पर भरोसा करने का कोई मतलब नहीं है और यह कि जीवन में परमेश्वर की पेशकश के अलावा और भी कुछ है, आदम और हव्वा ने परमेश्वर के बजाय शैतान पर भरोसा करना चुना और परमेश्वर के खिलाफ विद्रोह किया। आखिरकार, आदम और हव्वा ने परमेश्वर के राज्य में अधिकार की अपनी कानूनी स्थिति खो दी, और शैतान इस दुनिया का देवता बन गया, जैसा कि हम 2 कुरिन्थियों में देखते हैं कि पौलुस शैतान को इसी तरह से संबोधित करता है।

> *और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुद्धि इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।*
>
> — दूसरा कुरिन्थियों 4:4

आदम के विद्रोह करने से पहले, उसने पुत्र होने के लाभों का आनंद उठाया। परमेश्वर के पास जो कुछ भी था वह सब उसके लिए आनंद लेने के लिए था और उसे अपने जीवन का एक भी दिन किसी चीज़ का अभाव या भय के बारे में सोचते हुए नहीं बिताना पड़ा। धरती पर रहने के लिए उसे जो कुछ भी चाहिए था, वह उसकी सृष्टि से पहले ही यहाँ रखा गया था।

यदि हम उत्पत्ति की पुस्तक में सृष्टि के छः दिनों को देखें, तो हम पाते हैं कि मनुष्य को छठे दिन के अंत में बनाया गया था, जो कि सृष्टि के लिए परमेश्वर की योजना का अंतिम भाग था। वह सातवें दिन जीवित होने के लिए नियत था, जिसे परमेश्वर ने विश्राम का दिन घोषित किया था। परमेश्वर ने ऐसा इसलिए नहीं किया क्योंकि वह थक गया था, बल्कि इसलिए कि उसका सारा काम पूरा हो गया था। एक क्षण के लिए सोचें कि परमेश्वर ने क्या पूरा किया और मनुष्य के लिए उसकी महिमा की योजना क्या थी। दुख की बात है कि आदम ने सब कुछ छोड़ दिया, और इस प्रक्रिया में, परमेश्वर के राज्य में अपना क़ानूनी स्थान खो दिया।

आदम ने परमेश्वर की अवज्ञा करने का निर्णय लेने के बाद परमेश्वर उसके पास गया और परमेश्वर ने आदम से कहा:

> *भूमि तेरे कारण शापित है। तू उसकी उपज जीवन भर दु:ख के साथ खाया करेगा; और वह तेरे लिये काँटे और ऊँटकटारे उगाएगी, और तू खेत की उपज खाएगा; और अपने माथे के पसीने की रोटी खाया करेगा, और अन्त में मिट्टी में मिल जाएगा क्योंकि तू उसी में से निकाला गया है; तू मिट्टी तो है और मिट्टी ही में फिर मिल जाएगा।"*
>
> — उत्पत्ती 3:17b-19

मेरी इच्छा है कि पहली बात, इस बात पर ध्यान दें कि, वह परमेश्वर नहीं था जिसने पृथ्वी को शाप दिया, आदम ने दिया। पृथ्वी पर उसका पूरा नियंत्रण था। वह पृथ्वी की देखभाल करनेवाला व्यक्ति था। आदम, जिसका पृथ्वी पर पूर्ण नियंत्रण और प्रभुत्व था, उसने परमेश्वर की सरकार के विरुद्ध विद्रोह किया और सचमुच परमेश्वर को ही निष्कासित कर दिया। इस निर्णय का न केवल आदम पर बल्कि पूरी पृथ्वी पर और उस दिन से पृथ्वी पर रहने वाले प्रत्येक पुरुष या स्त्री पर गहरा प्रभाव पड़ा। हालाँकि उसने अभी भी पृथ्वी पर अपने ईश्वर-प्रदत्त अधिकार को बनाए रखा, लेकिन उसने देखा कि जिस सरकार का उसने एक बार प्रतिनिधित्व किया था और इसलिए उस सरकार का उसे समर्थन भी था, अब वह उस ताज और सरकार के दृष्टिकोण से शासन करने में सक्षम नहीं था। जीवन से अलग होने के बाद,

मृत्यु क्या होता है यह आदम को कभी पता ही नहीं था, उस मृत्यु ने अब उसे अपने कब्जे में ले लिया।

परमेश्वर ने आदम को उसके किए के लिए फटकार लगाई और आदम से कहा कि अब, सबसे पहले, अपने पाप के कारण, उसने परमेश्वर की सरकार में अपना कानूनी स्थान खो दिया है। और चूंकि आदम पृथ्वी पर सरकार का प्रतिनिधि है, इसलिए स्वर्ग ने अपना कानूनी प्रतिनिधित्व खो दिया है जिसके द्वारा उसे पृथ्वी पर अधिकार क्षेत्र दिया गया था। दूसरा, चूँकि इन सबका परिणाम अब पृथ्वी पर हो चुका है, यह अब वैसा नहीं रहेगा जैसा अदन की वाटिका में था। अब आदम को धरती पर अपनी ज़रूरत की चीज़ें उगाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी और पसीना बहाना होगा। अब भूमि पर जंगली पौधे और ऊँटकटारें उगेंगे, किसी तरह से जीना है, यही जीवन का उद्देश्य बन जाएगा।

मैं इसे कठिन जीवन पद्धती और किसी तरह जीने की मानसिकता कहता हूं, जो भय और मृत्यु की भावना से कलंकित है, जो आदम के बाद हर इंसान पर लागू होता है, पृथ्वी शापित है। यह वह जगह है जहाँ आप और मैं बड़े हुए हैं, और हम सभी जानते हैं कि जीवन को जीने का तरीका क्या है और कैसा है। भजन संहिता 23 में दाऊद इसे मृत्यु की तराई कहता है।

> *चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई में होकर चलूँ, तौभी हानि से न डरूँगा; क्योंकि तू मेरे साथ रहता है;*
>
> — भजनसंहिता 23:4

यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां मौत का खौफ व्याप्त है। लेकिन एक और नकारात्मक परिणाम भी है। मनुष्य ने ईश्वर के साथ अपना संबंध खो दिया है, और परिणामस्वरूप, वह अपनी पहचान भूल गया है - वह अपनी रचना और अपनी पहचान का उद्देश्य खो चुका है। जब मनुष्य को उत्पन्न किया गया था, तब उसे एक उद्देश्य दिया गया था, एक निश्चित कार्य सौंपा गया था। उसे परमेश्वर की ओर से पृथ्वी पर शासन करना था। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर ने उसे जीवन में एक निश्चित नियुक्ति और उद्देश्य दिया था। लेकिन अब इंसान की पूरी मानसिकता

किसी तरह जीने की हो गई है। उसका उद्देश्य केवल जीना है, और अपने नए अस्तित्व को बनाए रखना याही उसका कार्य है।

अब, मनुष्य जो भी निर्णय लेता है, वह जीवित रहने के इस अभिशाप से छन कर निकल जाता है, उसकी चिंता और परेशान या तो प्रावधान खोजने या इसे बचाने की होती है। उसे शांति नहीं मिलती; हर दिन मेहनत और पसीने से भरा होता है। जीवित रहने की इस जद्दोजहद से बाहर निकलने का केवल एक ही रास्ता है, जिसे आज हम चूहा दौड़ कहते है, इसमें कुछ हद तक प्रावधान होता है, जिससे हम अपनी दौड़ को रोक सकते है। मनुष्य के पतन के बाद से हर पुरुष और महिला का यही सपना होता है। दौड़ना रोकना उनका नंबर एक लक्ष्य है।

पृथ्वी पर जीवन की शापित व्यवस्था में, हर कोई दौड़-भाग कर थक गया है।

कोई भी व्यक्ति जिसके पास अतिरिक्त प्रावधान है, वह असे प्राप्त होने वाले प्रावधानों को बड़ी सावधानी और सुरक्षा के साथ संग्रहीत करता है। वह इसे खोने के डर से पकड़ कर रखता है, क्योंकि अगर वो ऐसा नहीं करता हैं, तो उसे फिर से कड़ी मेहनत करनी होगी और गुलाम की तरह फिर से दौड़ में दौड़ना होगा।

मनुष्य का सपना, जीवन में उसका लक्ष्य, जैसा कि मैंने पहले कहा, पर्याप्त प्रावधान खोजना है ताकि वह जीने के लिए गुलाम बनकर दौड़ना बंद कर सकें, और कुछ आराम पा सकें। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि आप इस तथ्य को स्पष्ट रूप से समझें: पृथ्वी पर जीवन की शापित व्यवस्था में, हर कोई दौड़-भाग कर थक गया है।

मुझे याद है एक सुबह मै एक पास्टर के साथ बैठा था। वह मुझसे कह रहें थे कि जब वह रोज सुबह उठते है तो उन्हें जब तक अपने क़र्ज़, आर्थिक स्थिति और पैसों की कमी का स्मरण नहीं होता है तब तक सेवकाई बहुत अच्छी लगती है। उन्होंने कहा कि उनकी वित्तीय समस्याएं एक गीले कंबल की तरह थीं जो उनका दम घोंटने की कोशिश कर रही थीं और जो उन्होंने किया था उसके आनंद से वंचित कर देती थी। इस तरह की दुविधा का सामना करने वाले पादरी अकेले नहीं हैं। अधिकांश परिवारों के लिए, यह जीवन का एक तरीका है क्योंकि वे ऋण, और मासिक वेतन पर अपना जीवनयापन करने के लिए संघर्ष कर रहे होते हैं।

हर कोई इस स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता खोज रहा है, और धन ही एकमात्र तरीका है अर्थात आवश्यकता से अधिक धन का होना। पृथ्वी श्राप प्रणाली के तहत, आपकी पहचान इस बात से परिभाषित होती है कि आपके पास अभी क्या है और आप कितना कमा सकते हैं। मनुष्य सबसे पहले अपनी नग्नता, जिस उद्देश्य के लिए उसे बनाया गया था और जिस पहचान को उसने खोया था, उसे छिपाने की पूरी कोशिश करता है और अपने लिए एक नकली पहचान बनाने की कोशिश करता है। परमेश्वर का महिमामय अभिषेक, जिससे उसे मंडित किया गया था, अब धन द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया है। दूसरा, उसे सम्मान का मुकुट और परमेश्वर के राज्य में शासन करने का जो स्थान उसे दिया गया था, उसने उसे जीवन पर गर्व करने और अन्य लोगों पर शासन करने का स्थान दिया। मनुष्य अब एक ही चीज़ में व्यस्त है - धन ढूँढ़ना या उसे इकट्ठा करना। वह अब अपने पास मौजूद धन और अन्य पुरुषों पर अपनी ताकत का प्रयोग करने के लिए जाना जाता है। पतित व्यक्ति के स्वाभिमान के लिए समाज में हैसियत और स्थान अब बहुत महत्वपूर्ण हो गया है।

इसके बारे में सोचो। पहला सवाल क्या है जो एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से पूछता है? “आप जीविका के लिए क्या करते हैं?” क्यों? क्या आप वाकई उसकी रोजी-रोटी को लेकर चिंतित हैं या सिर्फ उसकी हालत जानने में दिलचस्पी रखते हैं? वास्तव में नहीं, लेकिन यह प्रश्न उस व्यक्ति के प्रति आपके सम्मान के स्तर को निर्धारित करता है। दूसरे शब्दों में, हम अपने आप से पूछ रहे हैं, “यह दूसरा व्यक्ति कौन है? पृथ्वी के क्षेत्र में इसकी स्थिति या ऊँचाई क्या है? मुझे उसका कितना सम्मान करना चाहिए? महिलाओं, अब मैं केवल पुरुषों के दृष्टिकोण से बोल रहा हूँ। मैंने देखा है कि आप महिलाएं पहचान करने के लिए पूरी तरह से अलग दृष्टिकोण अपनाती हैं।

यह ‘पृथ्वी शाप प्रणाली’ अभी भी लागू है! लोग धन को खोजने या जमा करने के लिए इस फिल्टर के माध्यम से अपने सभी निर्णयों को छानते हैं। लोग एक अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी पाने के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य में जाते हैं, इसके लिए वे अपने उद्देश्य की जाँच पड़ताल नहीं करते है। हर कोई रॉकस्टार बनना चाहता है। क्यों? यह हमारी पहचान (स्थिति) और धन को बनाए रखने के हमारे संघर्ष के कारण है।

हाई स्कूल के हजारों छात्रों के बीच एक सर्वेक्षण किया गया था कि वे बड़े होकर किस व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहते हैं। पैंसठ प्रतिशत छात्रों ने कहा कि उनका व्यावसायिक लक्ष्य प्रसिद्ध होना है। प्रसिद्ध? जब मैंने आखिरी बार इसका अध्ययन किया, तो यह स्पष्ट हो गया कि प्रसिद्ध होना अपने आप मे कोई व्यवसाय नहीं था।

एक अध्ययन में पाया गया कि 30 प्रतिशत श्रमिकों को उनकी नौकरी पसंद नहीं है और दूसरे ने पाया गया कि 40 प्रतिशत को अपनी नौकरी पसंद नहीं है। तो इससे पता चलता है कि यू.एस.ए. में 70 प्रतिशत श्रमिकों को वह काम पसंद नहीं है जो वे कर रहे हैं! तो वे वहाँ क्यों हैं? क्योंकि वे जीवित रहने के जद्दोजहद के गुलाम हैं, बस जीवित रहने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और पसीना बहा रहे हैं। इनमें से अधिकांश श्रमिकों के जीवन में उद्देश्य और जुनून का कोई समीकरण नहीं हैं; उनके लिए बिलों का भुगतान ही एकमात्र प्रेरक कारक है। किसी तरह पैसे की तलाश की गुलामी में विकल्प के लिए बहुत कम जगह बची है। जो सबसे अधिक भुगतान करता है वह हर बार जीतता है। इसे कहते हैं चूहा दौड़! आप और मैं यहीं रहते हैं। कल्पना कीजिए कि एक पालतू चूहा चरखा पर बहुत तेज दौड़ता है लेकिन वह अंत तक कही नहीं पहुंचता। यह देखना मजेदार है कि चूहा दौड़ता है और हम मुस्कुराते हैं और कहते हैं कि यह कितना प्यारा है। लेकिन वास्तविक दुनिया में, यह प्यारा नहीं है, बिलकुल भी प्यारा नहीं है। लोग उस पहिये पर मरते हैं, और वे उस स्थान तक कभी नहीं पहुँच पाते जहाँ पहुँचने की उन्हें आशा थी।

> *और तुम इस बात की खोज में न रहो कि क्या खाएँगे और क्या पीएँगे, और न सन्देह करो। क्योंकि संसार की जातियाँ इन सब वस्तुओं की खोज में रहती हैं : और तुम्हारा पिता जानता है कि तुम्हें इन वस्तुओं की आवश्यकता है। परन्तु उसके राज्य की खोज में रहो, तो ये वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएँगी।*
>
> — लूकारचित सुसमाचार 12:29-31

एकमात्र प्रणाली जिसे हम जानते हैं वह है कड़ी मेहनत करना और पसीना बहाना। अगर मैंने आपसे कहा कि आपको कर्ज से बाहर निकलना है, मेरा मतलब है कि आपको 12 महीने

में कर्ज से बाहर निकलना ही होगा, नहीं तो आपके पूरे परिवार को हमेशा के लिए उत्तरी ध्रुव पर भेज दिया जाएगा (इस बात को समझाने के लिए मैं एक बहुत सख्त उदाहरण का उपयोग कर रहा हूं), तो आप क्या करोगे? मैं आपको बताता हूँ कि आप क्या करेंगे।उस कर्ज से छुटकारा पाने की कड़ी मेहनत और अधिक दौड़धूप की योजना तुरंत बनाना शुरू कर देंगे। आप कहेंगे, "ठीक है, मैं कुछ और पार्टटाइम नौकरियां कर सकता हूं। मेरी पत्नी पार्टटाइम नौकरी कर सकती है, और बच्चे भी मदद कर सकते हैं।" आप देखिए, यह एकमात्र प्रावधान प्रणाली है जिसे आपने सीखा है, कड़ी मेहनत और पसीना बहाना। मैं आपको इस प्रणाली की एक और तस्वीर दिखाता हूं।

मान लीजिए कि मैं आपके घर के सामने वाली गली में दौड रहा था और मैंने देखा कि सड़क कि दुसरी ओर दस मिलियन डॉलर का एक भूरे रंग का कागज़ का थैला है। मैं बहुत उत्साहित था, लेकिन मुझे पता था कि मुझे इसकी सूचना पुलिस थाने में देनी होगी। इसलिए मैं भागते हुए आपके घर आया क्योंकि मैं आपको जानता था और थाने में सूचना देने के लिए आपका फोन इस्तेमाल करना चाहता था। मैंने थाने में फोन किया और आप मेरे पास खड़े होकर सब सुन रहे थे। मैंने उन्हें जो हुआ वो सब और मुझे उस बैग में क्या मिला यह सब बताया। थोड़ी देर ख़ामोश रहने के बाद उन्होंने अपने रिकॉर्ड की जाँच की, और मुझे बताया कि उन्हें पैसे गायब होने की कोई शिकायत नहीं मिली है, इसलिए मैं इसे अपने पास रख सकता हूँ। (मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा कहेंगे, लेकिन मैं इसे अपने उदाहरण के लिए इस्तेमाल कर रहा हूं।) जब उन्होंने मुझसे ऐसा कहा, तो मैं खुशी से झूम उठा और चिल्लाया। तब जो कुछ उन्होंने कहा वह मैं ने आप को बताया, और मेरे आनंद की तो कोई सीमा ही नहीं थी।

मैं खुश था और जो हुआ वह सब कुछ आपको समझा रहा था लेकिन आप बस शांति और विनम्रता से मुस्कुराते रहे। लेकिन रात के भोजन के समय आप इस बात के बारे में अपनी पत्नी को बताएँगे तो आपको क्या लगता है कि आप क्या करेंगे? बस मुस्कुराओगे? नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। आप कहोगे, "यह _____ नहीं है!" आपने रिक्त स्थान भर दिया, है ना? आपको कैसे पता चला कि "सही" शब्द यही योग्य उत्तर है? मैं आपको बताता

हूँ कि आपको यह कैसे पता चला, क्योंकि इसी तरह से आपका पालन-पोषण हुआ है। आप इस प्रणाली में बड़े हुए हैं दर्द के साथ कड़ी मेहनत करना ही केवल आप जानते है।

मेरे उदाहरण में, मैंने बिना किसी प्रयास के पैसा पाया और यह वर्तमान स्थिति के साथ धोखा है। यह सही नहीं है। मैंने उस पैसे के लिए परिश्रम नहीं किया, इसलिए मैं उसे पाने के लिए योग्य नहीं हूँ; मुझे वह केवल वहाँ पड़ें हुए मिले है। यह जानते हुए कि आपको शायद उस तरह का भाग्य कभी नहीं मिलेगा, और यह जानते हुए कि जीवित रहने के लिए आपको वही दर्दनाक और कड़ी मेहनत करते रहना होगा, आप ईर्ष्या और कड़वाहट से अभिभूत हो जाते हैं।

अब इसकी तुलना दूसरी स्थिति से करते हैं, अगर एक दिन मैं गंदे और फटे कपड़े पहनकर चर्च आता हूँ, और उठकर लोगों से कहता हूँ कि, "हम ऐसा करने में सफल रहे! ड्रेंडा और मैंने पिछले दस वर्षों से प्रतिदिन 22 घंटे काम किया और हमने आखिरकार अपने घर के लिए पूरा भुगतान कर दिया" वह स्थान आनंद और तालियों के गड़गड़ाहट से भर जाएगा। क्यों? क्योंकि किसी ने काम करके इसे पूरा किया और आपको यह रोमांचक लगा। किसी ने काम किया; स्थिति से बाहर निकलने का यह एक तरीका है! हो सकता है कि हम अपने दांत पीस लें, हम मन ही मन चिढ़ते रहेंगे, और अपने मकान के लिए आवश्यक भुगतान करके स्वतंत्र हो जाएंगे। लेकिन जब मुझे सड़क के किनारे पड़े पैसे मिले, तब सब लोग खुशी से क्यों नहीं चिल्लाए? और आपके लिए रिक्त स्थान को भरना इतना आसान क्यों है? क्योंकि आपकी यही सोच है; वही आपका सपना है। हम सभी ने सीखा है कि कड़ी मेहनत करना और पसीना बहाना ही केवल सही व्यवस्था है। बिना मेहनत के कमाया हुआ पैसा सही नहीं है।

पण कष्टाच्या आणि घाम गाळण्याच्या व्यवस्थेतून सुटका व्हावी हे प्रत्येकाचे स्वप्न असते. श्रीमंत होणे, लक्षाधीश बनणे हा बहुतेक लोकांसाठी एक त्रासदायक विचार आहे. एक दशलक्ष डॉलर्स, ते पूर्वी होते तसे ते आता नाहीत, परंतु आपण केवळ संख्या म्हणून त्या कडे पाहिले, तर ते अजूनही संपत्ती म्हणूनच ओळखल्या जाते. संपत्तीमुळे स्वातंत्र्य मिळेल अशी शक्यता वाटते अन ते बहुतेक लोक ज्या प्रकारचे कष्ट आणि संघर्षाचे जीवन जगतात त्या विरुद्ध आहे. प्रत्येकजण धावून थकला आहे, आणि दशलक्ष डॉलर्स मिळण्याचा अर्थ आहे

की ते मिळाल्या नंतर त्यांचे धावणे थांबू शकते आणि शेवटी त्यांना जे करायचे आहे ते करू शकतात. याचा विचार करा: लॉटरीचे लागणे म्हणजे काय आहे? स्वातंत्र्य! बिले भरणे किंवा उपजीविके साठी धडपड करणे याभोवती फिरत नसलेले निर्णय घेण्याचे, निवड करण्याचे स्वातंत्र्य.

लेकिन मेहनत और पसीना बहाने की व्यवस्था से निजात पाना हर किसी का सपना होता है। अमीर बनना, करोड़पति बनना ज्यादातर लोगों के लिए परेशान करने वाला विचार है। एक मिलियन डॉलर, वे अब वे नहीं हैं जो वे हुआ करते थे, लेकिन यदि आप उन्हें केवल संख्या के रूप में देखते हैं, तो वे अभी भी धन के रूप में जाने जाते हैं। ऐसा लगता है कि धन स्वतंत्रता की कुंजी है, और यह इसके विपरीत है कि अधिकांश लोग कठिनाई और संघर्ष का जीवन जीते हैं। हर कोई दौड़ते-भागते थक गया है, और एक मिलियन डॉलर मिलने का मतलब है कि एक बार जब वे इसे प्राप्त कर लेते हैं, तो वे दौड़ना बंद कर सकते हैं और अंत में वही कर सकते हैं जो वे करना चाहते हैं। इसके बारे में सोचें: लॉटरी टिकट क्या है? आज़ादी! निर्णय लेने की स्वतंत्रता, बिलों का भुगतान करने या जीवन यापन के लिए संघर्ष करने के इर्द-गिर्द घूमने वाले निर्णयों से स्वतंत्रता।

हू वॉन्टस टू बी अ मिलेनियर? यह शो बहुत लोकप्रिय है। यह बहुत आकर्षक है क्योंकि हर कोई उस आजादी का सपना देखता है। शो देखते समय, वे इसमें भावनात्मक रूप से शामिल हो जाते हैं, प्रतियोगियों को प्रोत्साहित करते हैं, उम्मीद करते हैं कि वे सफल होंगे।

मैं यहाँ विषय को थोड़ा बदल रहा हूँ, चोरी की सरल परिभाषा यह है कि आपको इसमें काम नहीं करना है। यदि इसे विकृत अर्थ में देखा जाए तो यह पृथ्वी श्राप प्रणाली से मुक्ति भी दिलाता है। तो चलिए एक बात पर सहमत हो जाते हैं कि हर कोई दौड़ने से रुकना चाहता है! लेकिन क्या कोई रास्ता है? पैसे कमाने के कई आसान तरीके हैं। मुझे विदेशी लोगों से एक दिन में कम से कम दस ईमेल मिलते हैं जो मुझे बताते हैं कि कैसे उन्हें 20 मिलियन डॉलर विरासत में मिले और चाहते हैं कि उन्हें उस पैसे को सुरक्षित रखने के लिए मै उनकी मदद करूँ । उस ईमेल में वे मुझसे कहते हैं कि वे मुझे आधा पैसा तभी देंगे जब मैं उन्हें सुरक्षित रखने में उनकी मदद करूंगा। और तब वे मेरा ईमेल पता चाहते हैं, और वे चाहते हैं कि मैं

उनकी विरासत को भुनाने के लिए प्रसंस्करण शुल्क, शिपिंग शुल्क, बीमा और कई अन्य प्रकार के शुल्क का भुगतान करूं। सच में? क्या मैं यह सब करने के लिए मूर्ख दिखता हूँ?

मेरे एक ग्राहक ने मुझे फोन किया और अपने पैसे का निवेश करने के बारे में सलाह मांगी। मैंने उनसे सामान्य प्रश्न पूछे और मैंने महसूस किया कि उनके पास निवेश करने के लिए लगभग पाँच मिलियन डॉलर हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि उस समय उनके पास कोई पैसा नहीं था, लेकिन वह जल्द ही उसे विरासत मिलने वाला है। मैंने उनसे पूछा कि एस्टेट कितनी जल्दी सेटल हो जाएगी, और उन्होंने कहा लगभग दो सप्ताह में। इसलिए मैंने लगभग दो सप्ताह बाद उन्हें फोन किया, और उन्होंने कहा कि इसमें कुछ समय लगेगा। उन्हें यूरोपीयन बैंक से विरासत का पैसा निकालने में परेशानी हो रही थी, जहां वह फंस गया था। और, उस पर मेरा ध्यान गया, इसलिए मैंने सवाल पूछना शुरू कर दिया। असल स्थिति यह थी कि उनके एक अंकल की फ्रांस में मौत हो गई थी। इस चाचा ने मृत्यु उनके लिए पांच मिलियन डॉलर छोड़े थे जो मेरे इस क्लाइंट को चाचा की मृत्यु के बाद मिलने वाले थे। हालांकि, इनहेरिटेंस पर 50,000 डॉलर की टैक्स देनदारी थी और इसे पाने के लिए उस टैक्स को चुकाना आवश्यक था। उन्होंने मुझे बताया कि वह वो टैक्स के वो पैसे जुटाने की कोशिश कर रहें है और उन्होंने होम इक्विटी ऋण के लिए आवेदन किया है।

मैंने उनसे पूछा कि क्या उनके पास कोई वकील है और उन्होंने कहा, “हां, जिस वकील ने फ्रांस से उन्हे फोन किया वो ही वकील इस मामले को देख राहा है।” “लेकिन, क्या आपके पास इस पर काम करने वाला कोई अमेरिकी वकील नहीं है?” उन्होंने कहा, “नहीं, मेरे पास केवल एक वकील है जिसने मुझे फ्रांस से कॉल किया था।” मेरे क्लाइंट ने मुझे बताया कि उसके लिए 50,000 डॉलर जुटाना बहुत मुश्किल हो रहा था, फ्रांस के वकील ने कहा कि वह इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उन्हें आधा पैसा देगा और जब उसे बैंक से पैसा मिल जाएगा, तो उसे पैसे वापस कर देना चाहिए। “नहीं,” मैंने कहा, “यह एक घोटाला है!” हालांकि उन्होंने इस कथित चाचा के बारे में पहले कभी नहीं सुना था, लेकिन उनका मानना था कि यह सच है। मैंने उसे कुछ हफ़्ते बाद फिर फोन किया, और उसने मुझे बताया कि उसके पास टैक्स का भुगतान करने के लिए पर्याप्त पैसा है, तब मैंने उससे कहा, “उनके पास पाँच

मिलियन डॉलर तो हैं। यदि वे वास्तव में टैक्स का पैसा चाहते हैं, तो वे आपको एक फॉर्म ईमेल कर सकते हैं और आप उस पर हस्ताक्षर करके उन्हें बैंक में उनके पास मौजूद धन से $50,000 निकालने के लिए अधिकृत कर सकते हैं।" लेकिन वह मुझ पर विश्वास करने के लिए तैयार नहीं था, और वह आश्वस्त था कि फ्रांस के वकील सच कह रहे थे।

पिछले रविवार को चर्च में मेरे पास ऐसा ही मामला आया था। वह युवक मुझसे विदेश से विरासत में मिले कुछ पैसों पर निवेश सलाह मांग रहा था। मैंने उसे अपनी बात पूरी नहीं करने दी। मैंने कहा, "मुझे पता है, मुझे पता है, आपको उन्हें कुछ फीस भेजनी होगी, फिर वे आपको भुगतान करेंगे, है ना?" "हाँ, यह सही है, लेकिन आपको यह कैसे पता चला?" मैंने उससे भी वही कहा, कि यह एक घोटाला है। वह तथाकथित मृत व्यक्ति को नहीं जानता था और अमेरिका में उसका कोई वकील नहीं था, लेकिन वह तर्क देता रहा कि पैसा असली था और मुझे मिल जाएगा। ये लोग इस तरह के पैसे की धोखाधड़ी की बातों में क्यों फंस जाते हैं? क्योंकि वे मुक्त होना चाहते हैं! वे सोचते है कि इस बात की सच होने की एक प्रतिशत भी सम्भावना है तो वे उसपर विश्वास करना चाहते है, क्योंकि वे इस शानदार मौके को गंवाना नहीं चाहते।

मैं आपको एक और उदाहरण देता हूँ। ड्रेंडा और मेरा फाइनेंसियल सर्विसेस बिजनेस पुरे अमेरिका भर में फैला हुआ है। यह एक उत्तम व्यवसाय है! मेरी कंपनी में लोगों को मिलने वाले अवसर वास्तविक हैं; लोग मेरे कारोबार में सालाना लाखों डॉलर कमा रहे हैं। लेकिन इस व्यवसाय में सीखने के लिए भी बहुत कुछ है। आप लोगों के पैसे को संभाल रहे हैं। ऐसे कानून हैं जिन्हें और संपत्ति नियोजन के नियम है जिन्हे आपको जानने की आवश्यकता है।

मैं कोलंबस, ओहायो क्षेत्र में एक स्थानीय क्रिस्चियन रेडियो स्टेशन पर विज्ञापन चला रहा था, क्योंकि मैं अपने साथ काम करने के लिए कुछ अच्छे संभावित उम्मीदवारों की तलाश कर रहा था। करीब 50 लोग हमारे पास आए। तुरंत साक्षात्कार स्थापित करने के बजाय, मैंने आवेदकों में से सही उम्मीदवार चुनने में सहायता के लिए पास के एक होटल में एक ओरिएंटेशन सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया। इस सत्र में, मैंने अर्थव्यवस्था कैसे काम करती है, हम आर्थिक सलाह क्रिस्चियन जगत में मसीही दृष्टिकोण से कैसे रख सकते

है, यह समझाने के अलावा, बाजार में हमारी कंपनी की विशाल क्षमता के बारे में बात करने का फैसला किया। हमने चर्चा में यह भी शामिल किया कि प्रसंस्करण, मुआवजे, प्रशिक्षण और लाइसेंसिंग आवश्यकताओं के संदर्भ में कंपनी कैसे काम करती है। अपने अनुभव से मुझे पता था कि मेरे कई उम्मीदवार यह देखने के बाद कि 200,000 डॉलर प्रति वर्ष कमाने में कितना काम करना पड़ता है, अपने आवेदन वापिस ले लेंगे।

बैठक के बाद, मैं होटल के हॉल में घूम रहा था और मैंने देखा कि मुख्य बॉलरूम 1,000 से अधिक लोगों से भरा हुआ था। सभी एक ही कारण से आए थे। एक लोकप्रिय बहु-स्तरीय कंपनी उनकी कंपनी में शामिल होने के बारे में एक प्रस्तुति दे रही थी। लेकिन मेरे कमरे में केवल 50 लोग थे, लेकिन वहाँ इतने अधिक लोग क्यों थे? उत्तर सरल है - पैसा! दुर्भाग्य से, मल्टी-लेवल कंपनी ऐसा नहीं कह रही थी, लेकिन धारणा यह थी कि "अगर मुझे इस कंपनी में प्रवेश मिल जाएँ, तो मैं तीन लोगों का सन्दर्भ दे सकता हूँ, और बूम, मैं एक करोड़पति बन जाऊँगा।" अब जबकि मैं इस क्षेत्र में इतने लंबे समय से हूं, मुझे पता है कि जो कोई भी बहु-स्तरीय व्यवसायों में बहुत पैसा कमाता है, उसे कड़ी मेहनत करनी पड़ती है! जी हाँ, यहाँ अवसर तो है, लेकिन धारणा यह है कि यहाँ पैसा कमाना आसान है और, "यदि मै इस अवसर को गवां देता हूँ तो यहाँ उसे लेने के लिए अनेक लोग है, और मुझे यह अवसर ज़िंदगीभर के लिए खोना पड़ेगा!" कृपया मुझे गलत न समझें। मेरे कई अच्छे दोस्त हैं जिन्होंने इस प्रकार की कंपनियों से लाखों कमाए हैं और ऐसे कई एमएलएम हैं। लेकिन मैं सिर्फ औसत एमएलएम भर्ती की मानसिकता दिखा रहा हूं। पृथ्वी श्राप प्रणाली में जीवित रहने के संघर्ष में, आसान पैसा बेचना बड़ा पैसा है।

यदि आप एक पल के लिए रुकें और अपने आप से पूछें कि आप पैसे के बारे में कितना सोचते हैं, या तो इसे पाने के लिए या जो आपके पास है उसकी रक्षा करने के लिए, आप अपने विचारों पर चकित होंगे। मैं इसे दोहराता हूं ताकि आप बात समझ सकें: हर कोई दौड़ना बंद करना चाहता है, और वे जीवित रहने के लिए जीने से थक गए हैं! वे सप्ताहांत पर आराम करने का मोह रुकना चाहते है। छुट्टी का आकर्षण यह है कि हम थोडी देर दौड़ने से रुक सकते हैं। सेवानिवृत्ति का लालच यह है कि अब हम अंत में दौड़ने से रुक सकते हैं और

पैसे की बात को ठीक किए बिना, आप अपने शेष जीवन के लिए पृथ्वी श्राप प्रणाली की जीवित रहने की मानसिकता के तहत दौड़ते रहने के लिए नियत होंगे।

जो करना चाहते हैं वह कर सकते हैं। मुझे गलत मत समझो। जीवन के प्रति अधिकांश लोगों का दृष्टिकोण केवल शांत बैठना और कुछ न करने का नहीं है। और मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि आपके लिए यह परमेश्वर की इच्छा है। नहीं, हम आपके काम में सक्रिय होने के लिए बनाए गए हैं, उस विशिष्ट उद्देश्य को पूरा करने के लिए जिसके लिए आप उत्पन्न हुए हैं। दुर्भाग्य से, अधिकांश लोग अपने जीवन के लिए दौड़ने में इतने व्यस्त हैं कि उन्होंने अपने सपनों को बहुत पहले ही छोड़ दिया हैं।

मुझे यकीन है कि आपने किसी को कहते सुना होगा, या आप खुद यह कहते हैं: "मुझे आज काम पर जाना है।" और जब वे कहते हैं, "मुझे जाना है," आप देख सकते हैं कि उनकी भावनाएं उत्तेजित नहीं होती हैं। लेकिन, जब वे चाहते हैं तो वे कामयाब होते हैं, और वे जो करते हैं उसे करने के लिए जोश और उत्साह के साथ काम करते हैं। आमतौर पर ज्यादातर लोगों के जीवन में ऐसा नहीं होता है। इसलिए, वह अब भी कहते है,"मुझे आज काम पर जाना है।" सिर्फ तनख्वाह पाने के लिए, ऑफिस में एक और दिन बिताने के लिए, बस एक और दिन जीवित रहने के लिए। अधिकांश लोग अपने जीवन की शुरुआत उत्साह और जोश के साथ करते हैं। लेकिन जब वे सचेत हो जाते है, तो उन्हे पता चलता है कि बिलों का भुगतान करने के लिए उन्होने जो नौकरी स्वीकार की वह अस्थायी है। और तब उन्हें एहसास होता है कि जीवन फीका पड़ गया है और अपनी आयु के चालीस के दशक में उन्हें एहसास होता है कि अब बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इसे मिड-लाइफ क्राइसिस कहा जाता है, और यह पहली बार है जब उन्हें पता चला कि वे फंस गए हैं।

मेरे दोस्त, यह वह जीवन नहीं है जिसे परमेश्वर ने जीने के लिए बनाया है। यह आप पहले से ही जानते हैं। लेकिन इस दयनीय भविष्य से बाहर निकलने के लिए, ड्रेंडा और मैं वर्षों से कह रहे हैं कि यदि आप पैसे का फैसला नहीं करते हैं, तो आप कभी भी अपना उद्देश्य, अपने जीवन का विशिष्ट उद्देश्य नहीं खोज पाएंगे। पैसे की बात को ठीक किए बिना, आप अपने शेष

जीवन के लिए पृथ्वी श्राप प्रणाली की जीवित रहने की मानसिकता के तहत दौड़ते रहने के लिए नियत होंगे।

यदि आप अपने वित्त के बारे में बातों को सुनिश्चित नहीं करते हैं, तो आप अपने उत्पन्न किए जाने का उद्देश्य कभी नहीं खोज पाएंगे!

इसकी तुलना में, आइए बात करते हैं कि आपका जीवन कैसा हो सकता है। आइए आपके शौक पर विचार करें। मान लीजिए आपका शौक गोल्फ है। क्या आपने कभी किसी को यह कहते सुना है, "ओ हो, मुझे आज गोल्फ खेलने जाना है"? या आपने किसी को यह कहते सुना होगा, "ओह, आज शुक्रवार की रात है; मुझे शुक्रवार की रात पसंद नहीं है। सोमवार की सुबह होती तो अच्छा होता, मैं काम पर जा सकता था।" या यूं कहें कि आपका शौक मछली पकड़ना है। क्या आप कभी कहेंगे, "ओह, अब मुझे आज मछली पकड़ने जाना पडेगा?" नहीं, मुझे नहीं लगता कि आप ऐसा कभी कहेंगे क्योंकि यह आपका शौक हैं, आपको वह अच्छा लगता है। आप जो कुछ भी कर रहे है, उसे यदि इसी प्रकार के उत्साह और जोश के साथ करते है, आप उन बातों पर ध्यान केंद्रित करते है जो आपको प्रेरणा देती है, और जीवन में पसीना बहाने का नहीं परन्तु अपनी पसंद का स्थान खोज पाते है तो क्या होगा? अपने परिवार की देखभाल करने और आर्थिक तनाव से मुक्त जीवन जीने के लिए आपके पास पर्याप्त मात्रा में पैसे होंगे तो क्या होगा? लेकिन ऐसा संभव होने के लिए क्या कोई मार्ग है? ड्रेन्डा और मुझे पता चला है कि ऐसा मार्ग है!

धन यहोवा की आशीष ही से मिलता है, और वह उसके साथ दु:ख नहीं मिलाता।
— नीतिवचन 10:22

इस शास्त्रको को थोडी देर तक और शांति से देखो। यहाँ इब्रानी शब्द का अर्थ है बिना मेहनत के धन। क्या आप देख रहें है? परमेश्वर का राज्य उस दर्दनाक श्रम और पसीने से बाहर निकलने का रास्ता प्रदान करता है जिसे आदम ने हमारे लिए बनाया था। क्या यह शब्द का सही अर्थ हो सकता है? आप इस बात से सहमत होंगे कि अगर ऐसा है तो आपने सबसे

अच्छी खबर पढ़ी है जिसका आप लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। बिल्कुल! यही कारण है कि यशायाह 61, यीशु के बारे में और वह अपनी सेवकाई में क्या करने जा रहा है इसके बारे में भविष्यवाणी में कहता है:

> *प्रभु यहोवा का आत्मा मुझ पर है; क्योंकि यहोवा ने सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है।*
>
> — यशायाह 61:1

पृथ्वी अभिशाप प्रणाली की जीवन शैली में फंसे लोगों के लिए अच्छी खबर क्या है? वित्तीय स्वतंत्रता, बिल्कुल! यीशु सचमुच कह रहा हैं कि पृथ्वी की शापित व्यवस्था की सीमा से परे दर्दनाक श्रम और पसीने की सीमा को पार करते हुए परमेश्वर का राज्य आपूर्ति करता है। चलो इस बात का सामना करते हैं। आप सीमित गति से ही दौड़ सकते हैं और बहुत से लोग बहुत तेज गति से दौड़ रहे हैं लेकिन उनका दौड़ना स्वतंत्र होने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन नौ वर्षों के दौरान जब ड्रेंडा और मैं भयानक कर्ज में डूबे हुए थे, मैं जितनी तेजी से दौड़ सकता था, दौड़ रहा था। पिछले 27 वर्षों में हमने अपनी फर्म में जितने अनगिनत सैकड़ों हजारों ग्राहक देखे हैं, वे भी उतनी ही तेजी से दौड़ रहे थे। लेकिन, तमाम मेहनत के बाद भी वे आर्थिक गुलामी के जीवन में फंसे हुए थे। उन सभी ने हमें फोन किया क्योंकि उन्हें एक भयावह अहसास था कि वे आर्थिक रूप से हताश थे, कि वित्तीय स्वतंत्रता के उनके सपनों को हासिल करना और अधिक कठिन लग रहा था, और यह कि जीना सिर्फ जीवित रहने की बात थी। मेरे साथ प्रावधान या आपूर्ति शब्द की जांच करने के लिए कुछ समय निकालें।

प्रावधान प्रो-विजन है।

प्रावधान के बिना कोई दृष्टि नहीं हो सकती क्योंकि प्रावधान के बिना, प्रावधान प्राप्त करना आपकी दृष्टि बन जाती है। मैं फिर कहूंगा, ज्यादातर लोग इसी तरह जीते हैं - बिना दृष्टि के जीवन। यह गुलामी का सबसे भ्रामक रूप है।

अध्याय 7

द्वार

आइए हम एक पल के लिए देखें कि हमने परमेश्वर के राज्य के बारे में क्या सीखा है। सबसे पहले, हमने सीखा कि मनुष्य को पृथ्वी पर शासन करने की स्थिति में रखा गया था। हम इब्रानियों 2:7-8 में देखते हैं कि पृथ्वी पर सब कुछ मनुष्य के अधीन था। इस वजह से, हम देखते हैं कि मनुष्य पृथ्वी के दायरे में प्रवेश करने की कुंजी या द्वार है। शैतान यह जानता था, इसलिए उसने पृथ्वी पर नियंत्रण पाने की अपनी योजना में आदम और हव्वा को निशाना बनाया। जब आदम और हव्वा उसकी धोखे की योजना के शिकार हुए, तो उन्होंने पाप किया और अपने जीवन पर परमेश्वर की संप्रभुता को तोड़ा। परमेश्वर के आत्मा ने, जिसने उन्हें उत्पत्ति में आच्छादित किया था, वह अब उनसे दूर हो गया। वे न केवल शारीरिक रूप से बल्कि आत्मिक रूप से भी नग्न हो गए। मैं केवल कल्पना कर सकता हूं कि जब परमेश्वर का आत्मा उनके पास से चला गया तो वे कितने सदमे में थे। बाइबल कहती है कि उन्होंने तुरंत अपने आप को ढकने के लिए अंजीर के पत्तों को बुनना शुरू कर दिया, क्योंकि वे जानते थे कि वे नग्न हैं।

हालाँकि उत्पत्ति के समय मनुष्य के पास पृथ्वी पर शासन करने का जो अधिकार था, वो अभी भी उसके पास था, फिर भी उसने आत्मिक रूप से पृथ्वी पर शासन करने का अधिकार खो दिया था। क्योंकि उसने परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह करना और परमेश्वर के बजाय शैतान पर विश्वास करना और स्वयं को उसके बराबर बनाना चुना, मनुष्य शैतान के नियंत्रण में हो गया और परिणामस्वरूप, मनुष्य को वही न्याय दिया गया जो शैतान (लूसिफर) को स्वर्ग से बाहर निकालने के बाद दिया गया था। वह न्याय नरक नामक स्थान है, पीड़ा का स्थान है, और

परमेश्वर की उपस्थिति से हमेशा के लिए दूर होना है। हमे इस बात पर ध्यान देना आवश्यक है कि नरक कभी मनुष्य के लिए नहीं बनाया गया था। कोई भी वहाँ जाएँ यह परमेश्वर की कभी भी इच्छा नहीं थी, ऐसा उसका कभी भी इरादा नहीं था।

> *तब वह बाईं ओर वालों से कहेगा, 'हे शापित लोगो, मेरे सामने से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है।*
>
> — मत्ती 25:41

मानवजाति को इस न्याय से बचाने के लिए, परमेश्वर को पृथ्वी पर अपनी संप्रभुता को फिर से स्थापित करना होगा। शैतान ने जो अधिकार हासील किया है उसे पुनः प्राप्त करने के लिए एक रास्ता खोजना होगा। और एक ही रास्ता था। एक व्यक्ति जिसने कभी पाप नहीं किया है, जो किसी भी चीज का दोषी नहीं है, उसे स्वेच्छा से आदम के स्थान पर मृत्युदंड को अपने उपर लेने के लिए तैयार होना पड़ेगा। लेकिन यह योजना थोड़ी परेशानी भरी थी। पृथ्वी पर प्रत्येक मनुष्य, आदम का वंशज होने के कारण, पाप से दूषित था और इस प्रकार परमेश्वर का आत्मा और अधिकार को अपने द्वारा विहित करने में असमर्थ था। लेकिन इस समस्या को दूर करने के लिए परमेश्वर के पास एक योजना थी। इस योजना के तहत एक ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जिसकी नैतिकता, उसका कानून, पृथ्वी के दायरे में स्थापित करें और लिख सकें, और यदि संभव हो तो पृथ्वी के दायरे में रहने वाले व्यक्ति को उसी कानून द्वारा बरी किया जा सकता है। केवल तभी और केवल तभी मनुष्य कानूनी रूप से और स्वेच्छा से आदम के स्थान पर खड़ा हो सकता है, आदम की सजा और प्रतिशोध अपने ऊपर ले सकता है।

लेकिन इस अवधारणा के साथ एक वास्तविक समस्या थी क्योंकि जो व्यक्ति बलिदान की इस योजना को अंजाम दे सकता था, वह आदम का वंशज नहीं हो सकता था, क्योंकि वह वंश कलंकित था और परमेश्वर की उपस्थिति से काट दिया गया था। तो बचाव या मुक्ति की यह योजना कैसे संभव होगी? यह संभव होने के लिए, परमेश्वर को पृथ्वी पर एक ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करना या रखना था जो आदम का वंशज नहीं था और जो मनुष्य के बदले में स्वयं को बलिदान करने के लिए तैयार था। लेकिन पृथ्वी का क्षेत्र आदम और उसके वंशजों को

दिया गया था, इसलिए उस कानूनी स्थिति के अनुसार, यह भी अवैध होगा। ऐसा करने का केवल एक ही तरीका था, और केवल एक ही तरीका था। उस मनुष्य को इस पृथ्वी पर जन्म लेना होगा लेकिन वह आदम के वंश का नहीं हो सकता था।

पहली नज़र में, आप भी मान जायेंगे कि यह असंभव होगा। लेकिन तकनीकी रूप से, एक रास्ता था। परमेश्वर कानूनी तौर पर धरती पर एक स्त्री में एक नर बीज डाल सकता था, लेकिन ऐसा करने के लिए उसे एक ऐसे पुरुष की तलाश करनी थी जो यह करने के लिए उस पर भरोसा कर सके, जो उसे ऐसा करने का कानूनी अधिकार दे सके। याद रखें, पृथ्वी के क्षेत्र की कुंजी मनुष्य के पास है। शैतान ने इस कुँजी का उपयोग पृथ्वी के क्षेत्र तक पहुँचने और आदम के आत्मिक अधिकार को चुराने के लिए किया। परमेश्वर की योजना कार्यान्वित करने और पृथ्वी के दायरे में उस योजना की वैधता को शैतान के सामने साबित करने के लिए, जो निश्चित रूप से इसे अवैध बनाने की कोशिश करेगा, परमेश्वर को ऐसे पुरुष और महिला को खोजने की जरूरत थी जिनके बच्चे नहीं हो सकते थे और जो यह विश्वास कर सकें कि उनके माध्यम से परमेश्वर बच्चे को उत्पन्न कर सकता है। असंभव को संभव करने के लिए उन्हें ईश्वर में विश्वास करना होगा।

उस बच्चे के जन्म के साथ भविष्य में उस बच्चे का क्या होगा, इसके बारे में एक वादा भी था, और उस वादे का मतलब था कि सभी राष्ट्र उसके वंश से आशीषित होंगे, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर के पास उसके वंश के माध्यम से यीशु को संसार मी लाने के लिए वैधता और अधिकार होगा। यदि ऐसे दम्पत्ती जो यह विश्वास कर सकें कि परमेश्वर ऐसा कर सकता है, और यह भी विश्वास करते हैं कि एक मृत गर्भ में बच्चा पैदा हो सकता है, उस बच्चे से सभी राष्ट्रों को आशीर्वाद मिलेगा, और उस बच्चे के जन्म से उन्हें रेत के किनकों जितनी अनगिनत संतान प्राप्त होगी। तब परमेश्वर को बाद में यीशु की माता मरियम के गर्भ में अपना बीज रखने का क़ानूनी अधिकार प्राप्त होगा। लेकिन क्या परमेश्वर को ऐसा पुरुष मिल सकता था? उसका नाम अब्राहाम था, जो हमारे विश्वास का पिता है।

उसने निराशा में भी आशा रखकर विश्वास किया, इसलिये कि उस वचन के अनुसार कि "तेरा वंश ऐसा होगा," वह बहुत सी जातियों का पिता हो। वह जो एक सौ वर्ष का था, अपने मरे हुए से शरीर और सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा जानकर भी विश्वास में निर्बल न हुआ, और न अविश्वासी होकर परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर संदेह किया, पर विश्वास में दृढ़ होकर परमेश्वर की महिमा की; और निश्चय जाना कि जिस बात की उसने प्रतिज्ञा की है, वह उसे पूरा करने में भी समर्थ है।

— रोमियों 4:18-21

अब्राहाम और सारा जब वे बहुत बूढ़े थे और बच्चे पैदा करने में असमर्थ थे तब उन्होंने परमेश्वर में विश्वास किया और इसहाक को जन्म दिया । क्योंकि अब्राहम परमेश्वर में एक विश्वासी था, प्रतिज्ञा केवल उस द्वार से आ सकती थी जिसे अब्राहम ने खोला था। यीशु को अब्राहम के वंश से आना था। मैं इसे बहुत स्पष्ट कर दूं। परमेश्वर के लिए यीशु को संसार में लाने के लिए, उसे अब्राहम के वंश से ही आना पड़ा। उसे यही करना था! यह अब्राहम के माध्यम से इस पृथ्वी पर आना यही कानूनी तरीका था। इसलिए यदि आप मत्ती के पहले अध्याय को देखें, तो आप किसने किसको जन्म दिया इस बात की उबाऊ सूची देखेंगे। यह अध्याय एक विशिष्ट कारण के लिए पहला अध्याय है। यह इस तथ्य को स्थापित करता है कि यीशु यहाँ पृथ्वी पर अब्राहम का वंशज था। शैतान पृथ्वी पर अपने कानूनी प्रभुत्व और अधिकार का दावा करता है इसलिए इसे यहाँ पृथ्वी पर दर्ज किया जाना आवश्यक था। यदि यह सूची गलत है, या यदि यीशु वास्तव में अब्राहम के वंश से नहीं आया था, तो शैतान दावा कर सकता है कि यीशु का जन्म और जीवन एक धोखा था और वह हमारे पाप की कीमत चुकाने के योग्य नहीं था।

वे अब केवल जीवित रहने के लिए दर्दनाक परिश्रम और पसीना बहाने के अभिशाप से ऊपर उठ गए।

जैसा कि आपको याद होगा, इस्राएल में अपने देश के बाहर विवाह को प्रतिबंधित करने वाले कई कानून थे। अपनी ही जाति से बाहर विवाह करने पर मृत्यु दंड का प्रावधान था। अब

आप समझ गए होंगे कि वंश का पवित्र रहना महत्वपूर्ण क्यों था और इस बात का विशेष ध्यान क्यों रखा जाता था। हाँ, आप इस्राएल राष्ट्र के बाहर किसी स्त्री को इस्राएली पुरुष से साथ विवाह करते देखा होगा, जैसे राहाब, जो यरीहो शहर में रहती थी और उसने उन जासूसों को छिपाया था जिन्हें उसके देश में जासूसी करने के लिए भेजा था। हाँ, उसका उल्लेख मत्ती के पहले अध्याय में किया गया है क्योंकि उसका विवाह एक इस्राएली व्यक्ति से हुआ था। लेकिन आपको यह समझने की जरूरत है कि यहूदी संस्कृति में पुरुष ही के द्वारा वंश आगे बढ़ता है।

हम यहां जिस बारे में बात कर रहे हैं, उससे मैं थोड़ा अलग तरीके से बात करने जा रहा हूं। मनुष्य पृथ्वी पर कितने समय से है, इस बारे में बहुत चर्चा हुई है। क्या वास्तव में इसका उत्तर जानने का कोई तरीका है? हां! मैं आपको इस एक सच्चाई के बारे में आश्वस्त कर सकता हूं। मत्ती के पहले अध्याय की वह सूची सटीक है यह निश्चित है। उसमेसे किसी का नाम छूटा नहीं है, अन्यथा आप और मैं उस उद्धार का आनंद नहीं ले पाते जिसका हम वर्तमान में आनंद ले रहे हैं। अन्यथा शैतान ने दावा किया होता कि यह सब गलत है। वह सूची एकदम सही है! और उसके आधार पर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि मनुष्य पृथ्वी पर कितने समय से है। मैंने सोचा कि मैं आपके साथ यह बात साझा करूँ।

> *और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा, और तुझे आशीष दूँगा, और तेरा नाम महान् करूँगा, और तू आशीष का मूल होगा। जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूँगा; और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा; और भूमण्डल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।"*
>
> — उत्पत्ति 12:2-3

आप इस शास्त्रभाग में देख सकते हैं कि अब्राहाम ने पृथ्वी के लिए जिस द्वार की स्थापना की, वह कानूनी द्वार है जिसके माध्यम से यीशु मसीह आगे बढ़कर पृथ्वी पर सभी लोगों को आशीर्वाद देगा। यद्यपि अब्राहाम और उसके वंशजों ने परमेश्वर को वह वैधता और अधिकार दिया जो पृथ्वी पर उसके प्रभुत्व की सामर्थ और प्रभाव को बहाल करने के लिए आवश्यक था, फार भी मनुष्य पाप और आत्मिक मृत्यु के बोझ में फंसा हुआ था जब तक कि परमेश्वर

यीशु को दुनिया में नहीं लाया, और वह इसके लिए आदम के पाप कि कीमत चुका रहा था। लेकिन, प्रावधान के संदर्भ में, अब हम पाते हैं कि अब्राहाम और उसके उत्तराधिकारियों ने, जो खतना के चिन्ह को धारण करते हैं, प्रगति की। वे अब केवल जीवित रहने के लिए दर्दनाक परिश्रम और पसीना बहाने के अभिशाप से ऊपर उठ गए।

अब्राम भेड़–बकरी, गाय–बैल, और सोने–रूपे का बड़ा धनी था।

— उत्पत्ति 13:2.

हम इस शास्त्रभाग में देखते हैं कि वाचा ने प्रावधान के संदर्भ में एक बड़ा अंतर बनाया है। क्या आप उत्पत्ति 3:17 में आदम से कही गई बातों की तुलना में परमेश्वर ने अब्राहम से जो कुछ कहा हैं, उसमें कुछ भिन्नता देखते हैं? याद रखें, आदम के पाप करने के बाद, परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह अब अपने दर्दनाक श्रम और पसीने से जीवित रहेगा। परन्तु अब हम अब्राहम के मामले में अंतर देखते हैं। परमेश्वर कहता हैं, "मैं तुझे बनाऊंगा!" इस बिंदु पर ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि अब्राहम को अपनी दौड़ खुद दौड़नी है और अत्यंत परिश्रम और पसीना बहाते हुए जीवित रहने के लिए छोड़ दिया है। अब इस बात में परमेश्वर स्वयं शामिल हैं। परमेश्वर ने कहा, "मैं तुझे बनाऊंगा!" तो क्या हम इब्राहीम को जीवन में केवल कुछ ही समय के लिए समृद्ध और सफल होते हुए देखते हैं? अत्यंत प्रयास के साथ सफल!

अब्राहम धनी था! उसके बच्चे धनी थे। इब्राहीम सांसारिक शाप प्रणाली के बाहर जीवन जी रहा था। उसके पास पर्याप्त था! लोगों को अंतर देखने में देर नहीं लगी। यह भेद उनके पूरे वंश में बना रहा। वास्तव में, अब्राहम के बाद कई पीढ़ियों तक, उसके पोते याकूब ने अपने ससुर लाबान के लिए काम किया। लाबान ने याकूब पर परमेश्वर के आशीर्वाद को देखा और उसे धोखा देकर उसकी संपत्ति को अपने लिए लेने की कोशिश की। परन्तु परमेश्वर ने आशीष को चुराने की उसकी योजना

तेरे खत्तों पर और जितने कामों में तू हाथ लगाएगा उन सभों पर यहोवा आशीष देगा; इसलिये जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उसमें वह तुझे आशीष देगा।

— व्यवस्थाविवरण 28:8

को बदल दिया उसकी हानी में बदल दिया, और याकूब को बहुत अधिक धन से आशीषित किया। मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि भले ही लोगों ने इस आशीर्वाद को रोकने की कोशिश की, लेकिन यह संभव नहीं था। परमेश्वर ने उन्हें तब तक समृद्ध किया जब तक वारिस परमेश्वर के साथ वाचा में विश्वास करते रहे और परमेश्वर की आराधना करते रहे।

मैं जो कह रहा हूँ उसके परिणामों के बारे में सोचो! मुझे लोगों से हर तरह के पत्र और ईमेल मिलते हैं जो मुझसे कहते हैं कि मैं पैसे के बारे में बहुत बोलता हूं। वे मुझे बताते हैं कि समृद्धि परमेश्वर की इच्छा नहीं है। वे इस बात पर जोर देते हैं कि हम सभी को परमेश्वर की सेवा करने के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी होगी। मैं उनके कथन के कुछ अंश से सहमत हूँ। मरकुस 10:30 में यीशु कहता हैं कि हमें अपनी समृद्धि के कारण दुःख सहन पडेगा। दुर्भाग्य से, अनेक मसीही मानते हैं कि परमेश्वर एक कठोर स्वामी है और हमें केवल जीने के लिए जीना चाहिए, गरीबी, बीमारी, पीड़ा और दुःख में जीने का निर्धार करना चाहिए। नहीं, वह पृथ्वी अभिशाप है, वरदान नहीं! परमेश्वर आपके वित्तीय जीवन को स्थापित करना चाहता है।

परमेश्वर आपको स्थापित करना चाहता है!

जब तक आपकी वित्तीय प्रणाली सुरक्षित और स्थापित नहीं हो जाती, आप अपना पूरा जीवन केवळ जीना है इसलिये जीने के लिए मजबूर हैं, आप अपने आत्मिक कार्य को पूरा करने में असमर्थ हो जाते है, और आप गुलामी का जीवन जीते हैं। देखें कि परमेश्वर ने व्यवस्थाविवरण 28: 8-13 में अब्राहम के वंशजों से क्या कहा।

> *तेरे खत्तों पर और जितने कामों में तू हाथ लगाएगा उन सभों पर यहोवा आशीष देगा; इसलिये जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उसमें वह तुझे आशीष देगा। यदि तू अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं को मानते हुए उसके मार्गों पर चले, तो वह अपनी शपथ के अनुसार तुझे अपनी पवित्र प्रजा करके स्थिर रखेगा। 1और पृथ्वी के देश देश के सब लोग यह देखकर, कि तू यहोवा का कहलाता है, तुझ से डर जाएँगे। और जिस देश के विषय यहोवा ने तेरे पूर्वजों से शपथ खाकर तुझे देने को कहा था, उसमें वह तेरी सन्तान की, और भूमि की उपज की, और पशुओं की बढ़ती करके*

तेरी भलाई करेगा। यहोवा तेरे लिये अपने आकाशरूपी उत्तम भण्डार को खोलकर तेरी भूमि पर समय पर मेंह बरसाया करेगा, और तेरे सारे कामों पर आशीष देगा; और तू बहुतेरी जातियों को उधार देगा, परन्तु किसी से तुझे उधार लेना न पड़ेगा। और यहोवा तुझ को पूँछ नहीं, किन्तु सिर ही ठहराएगा, और तू नीचे नहीं, परन्तु ऊपर ही रहेगा; यदि परमेश्वर यहोवा की आज्ञाएँ जो मैं आज तुझ को सुनाता हूँ, तू उनके मानने में मन लगाकर चौकसी करे;

—व्यवस्थाविवरण 28:8-13.

ध्यान दें कि यद्यपि उनसे वादा किया गया है, लेकिन वे अभी तक इस नई भूमि में स्थापित नहीं हुए हैं। परन्तु मूसा ने उनसे कहा कि परमेश्वर उन्हें स्थापित करेगा! यह समझने के लिए कि यह किस प्रकार होगा और परमेश्वर उन्हें क्या बताने की कोशिश कर रहा है, ओक के पेड़ के बारे में सोचें। जब यह बीज मी निकलकर केवळ पौधा ही होता है तब यह स्थापित नहीं होता है। कोई भी इसे कभी भी और कहीं भी अपनी इच्छानुसार स्थानांतरित कर सकता है। लेकिन जब वह ओक का पेड़ बड़ा और परिपक्व हो जाता है, तो उस पेड़ को कोई नहीं हिला सकता। अब वह अपनी जगह पर स्थापित हो चुका है।

तेरे खत्तों पर और जितने कामों में तू हाथ लगाएगा उन सभों पर यहोवा आशीष देगा; इसलिये जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उसमें वह तुझे आशीष देगा।

— व्यवस्थाविवरण 28:8

तो वास्तव में आर्थिक रूप से स्थापित होना क्या है? परमेश्वर हमें इसके बारे में पद 12b में बताता है:

और तू बहुतेरी जातियों को उधार देगा, परन्तु किसी से तुझे उधार लेना न पड़ेगा।

परमेश्वर कह रहा था कि वह उन्हें इतना आशीर्वाद देगा कि वे ऋणदाता होंगे, और फिर कभी उधार नहीं लेंगे। वे सिर होंगे और पूंछ नहीं होंगे। पूंछ तय नहीं कर सकती कि कहाँ जाना है; सिर जहां भी जाता है, पूंछ उसके पीछे चली जाती है।

धनी, निर्धन लोगों पर प्रभुता करता है, और उधार लेनेवाला उधार देनेवाले का दास होता है।

— नीतिवचन 22:7

उधार लेनेवाला स्थापित नहीं किया जाता है। वे देनदार की दया पर रहते हैं, दास के रूप में कार्य करते हैं और उन्हें कोई स्वतंत्रता नहीं है। लेकिन परमेश्वर कहता हैं, "नहीं! मैं तुम्हें स्थापित करने जा रहा हूँ! आपको अपना घर छोड़ने के लिए कोई नहीं कह सकता क्योंकि इसके लिए भुगतान किया जाएगा। कोई आपकी कार उठाकर नहीं ले जा सकता, क्योंकि इसके लिए भुगतान किया जाएगा। आपकी रसोई किराने के सामान से भरी होगी, और आप उस जमीन पर चलेंगे जो आपने खुद खरीदी है, आप आर्थिक शांति से अपनी ईश्वर प्रदत्त जिम्मेदारी को पूरी तरह से पूरा करेंगे। आप स्थापित किए जाओगे! "

परमेश्वर चाहता हैं कि आप समृद्ध हों!

अध्याय 8

अधीनता की सामर्थ्य

अब आप जो पढ़ने जा रहे हैं वह एक सामर्थी राज्य सिद्धांत है, इतना सामर्थी कि मैंने सोचा कि यह इस पुस्तक का उपशीर्षक होना चाहिए। हम इसे अब्राहम के पोते यूसुफ की कहानी और जीवन में पाते हैं। मैं आपको इसकी पृष्ठभूमि के बारे में थोड़ा बता दूं, यूसुफ के भाई उससे नफरत करते थे, और वे उसे नष्ट करना चाहते थे। वास्तव में, वे उसे मारना चाहते थे, लेकिन एक भाई ने सोचा कि हमें इतना कठोर निर्णय नहीं लेना चाहिए; सो उन्होंने उसे घात करने के स्थान पर किन्हीं सफ़री व्यापारियों के हाथ बेच दिया, और मिस्र में ले गए, जहां उन्होंने उसे फिरौन के अंगरक्षकों के प्रधान पोतीफर के हाथ बेच दिया।

> *जब यूसुफ मिस्र में पहुँचाया गया, तब पोतीपर नामक एक मिस्री ने जो फ़िरौन का हाकिम और अंगरक्षकों का प्रधान था, उसको इश्माएलियों के हाथ से, जो उसे वहाँ ले गए थे, मोल लिया। यूसुफ अपने मिस्री स्वामी के घर में रहता था, और यहोवा उसके संग था इसलिये वह भाग्यवान् पुरुष हो गया, और यूसुफ के स्वामी ने देखा कि यहोवा उसके संग रहता है, और जो काम वह करता है उसको यहोवा उसके हाथ से सफल कर देता है। तब उसकी अनुग्रह की दृष्टि उस पर हुई, और वह उसकी सेवा टहल करने के लिये नियुक्त किया गया; फिर उसने उसको अपने घर का अधिकारी बनाके अपना सब कुछ उसके हाथ में सौंप दिया। जब से उसने उसको अपने घर का और अपनी सारी सम्पत्ति का अधिकारी बनाया, तब से यहोवा यूसुफ के कारण उस मिस्री के घर पर आशीष देने लगा; और क्या घर में, क्या मैदान में, उसका जो कुछ था सब पर यहोवा की आशीष होने लगी। इसलिये उसने अपना सब कुछ यूसुफ के*

हाथ में यहाँ तक छोड़ दिया कि अपने खाने की रोटी को छोड़, वह अपनी सम्पत्ति का हाल कुछ न जानता था।

— उत्पत्ति 39:1-7

पद 2 पर ध्यान दें, "यहोवा उसके संग था इसलिये वह भाग्यवान् पुरुष हो गया।" इसका क्या मतलब है? क्या परमेश्वर सबके साथ नहीं है? यदि आप उस संदर्भ को देखें जिसमें हमने पूर्व में वंश के मुद्दे पर चर्चा की है, तो उत्तर 'नहीं' है। याद रखें, अब्राहम के विश्वास और उसके बाद की वाचा ने परमेश्वर को अब्राहम और उसके उत्तराधिकारियों तक केवल कानूनी पहुँच प्रदान की। इसलिए जब हम बात करते हैं कि परमेश्वर सबके साथ है, तो इस बात को स्पष्टता से समझना चाहिए कि, यह अलग बात है कि परमेश्वर सभी से प्रेम करता है; वह सभी से प्यार करता है। लेकिन जिनकी परमेश्वर के सामने कानूनी भूमिका नहीं है, उनके लिए उसके हाथ बंधे हुए हैं।

तुम लोग उस समय मसीह से अलग, और इस्राएल की प्रजा के पद से अलग किए हुए, और प्रतिज्ञा की वाचाओं के भागी न थे, और आशाहीन और जगत में ईश्वररहित थे। पर अब मसीह यीशु में तुम जो पहले दूर थे, मसीह के लहू के द्वारा निकट हो गए हो।

— इफिसियों 2:12-13

ध्यान दें कि यह शास्त्रवचन वाचा के बिना होने की बात करता है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर और उसकी सामर्थ कानूनी रूप से एक व्यक्ति से छीन ली जाती है। क्यों? क्योंकि परमेश्वर के लिए पृथ्वी पर किसी पुरुष या महिला के साथ कोई कानूनी वाचा, या संधि के बगैर, पृथ्वी पर कोई क़ानूनी अधिकार या अधिकार क्षेत्र नहीं है। यह पद स्पष्ट करता है कि जब वह कहता है कि प्रतिज्ञा की वाचाओं के भागी न थे, और आशाहीन और जगत में ईश्वररहित थे। याद रखें कि यीशु की नई वाचा के कारण, अब हम परमेश्वर के अपने घर के सदस्य और उसके महान राज्य के नागरिक हैं। (इफिसियों 2:19.) इसलिए अब, उत्पत्ति 39 में शास्त्रवचन

को देखते हुए, हम महसूस करते हैं कि वाक्यांश "यहोवा युसूफ के संग था " का अर्थ था कि परमेश्वर का यूसुफ के जीवन पर उस वाचा के माध्यम से कानूनी प्रभाव था जिसे उसके दादा अब्राहम ने बनाया था। यह कानूनी वाचा, परमेश्वर के आशीर्वाद और प्रभाव की अनुमति देकर, पृथ्वी के क्षेत्र में दर्दनाक श्रम और पसीना बहाने की व्यवस्था को पार कर गई। यूसुफ को आशीष देना परमेश्वर के लिए कानूनी था।

परमेश्वर के लिए पृथ्वी पर किसी पुरुष या महिला के साथ कोई कानूनी वाचा, या संधि के बगैर, पृथ्वी पर कोई क़ानूनी अधिकार या अधिकार क्षेत्र नहीं है।

याद रखें कि परमेश्वर ने अब्राहाम से पहले क्या कहा था, "मैं तुझे बनाऊंगा।" क्योंकि परमेश्वर यूसुफ के साथ था, जीवन में उसकी मदद कर रहा था, वह अपने हर काम में सफल रहा, इतना अधिक कि उसके स्वामी पोतीपर ने यूसुफ की क्षमताओं में अन्य पुरुषों की तुलना में एक बड़ा अंतर देखा। मुझे यहाँ यह उल्लेख करना चाहिए कि जब हम परमेश्वर की सहायता से समृद्ध होते हैं, तो पृथ्वी पर श्राप प्रणाली के तहत रहने वाले लोगों को फर्क महसूस होता है! पोतीपर इतना प्रभावित हुआ कि उसने यूसुफ को अपनी सारी संपत्ति की जिम्मेदारी दी।

इस शास्त्रभाग में राज्य के कई सिद्धांत बताए गए हैं, लेकिन यहां प्रमुख कुंजी का खुलासा हो गया है। मैं इसे "अधीनता की सामर्थ्य" कहता हूं या आप इसे "पोतीपर सिद्धांत" कह सकते हैं। यह उत्पत्ति 39:5 में पाया जाता है:

> *जब से उसने उसको अपने घर का और अपनी सारी सम्पत्ति का अधिकारी बनाया, तब से यहोवा यूसुफ के कारण उस मिस्री के घर पर आशीष देने लगा; और क्या घर में, क्या मैदान में, उसका जो कुछ था सब पर यहोवा की आशीष होने लगी।*

मैं चाहता हूं कि आप यहां जो कुछ हो रहा है उसकी एक स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करें। एक दिन यूसुफ प्रभारी नहीं था, और अगले दिन उसे प्रभारी बनाया गया। पवित्रशास्त्र इस परिवर्तन की घटना को दर्ज करता है। पोतीपर की सब वस्तुएं और उसकी सारी संपत्ति पर यहोवा का आशीर्वाद था! परन्तु वह यूसुफ के परमेश्वर को नहीं जानता था, और वह इस्राएल जाति

का भाग नहीं था। तो यह कैसे हो सकता है और इसका क्या मतलब है? इसका जवाब है, जब पोतीपर ने अपनी संपत्ति को यूसुफ के नियंत्रण में रखा, तो अनजाने में, उसकी संपत्ति परमेश्वर के साथ यूसुफ की वाचा के अधीन आ गई।

पोतीपर का माल, उसकी दौलत और जायदाद सबने राज्यों को बदल दिया !!

जैसा कि आप देख सकते हैं, पोतीपर की संपत्ति कानूनी रूप से पृथ्वी अभिशाप प्रणाली से जुड़ी हुई थी जब तक कि यह जोसेफ की देखरेख में नहीं आई। जब पोतीपर ने अपनी संपत्ति को यूसुफ के अधिकार क्षेत्र में रखा, तो उसे यह नहीं पता था कि वह इसे परमेश्वर के आशीर्वाद के प्रभाव में रख रहा था। बाइबल आगे कहती है कि जब यूसुफ प्रभारी था, पोतीपर को अपने या अपने भोजन के अलावा किसी भी चीज़ की चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी। उसे कोई चिंता नहीं थी! पोतीपर कोई चिंता किए बिना सिर्फ मिस्र के सुरक्षा के कप्तान के रूप में अपने काम और उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहता था। यहाँ देखने के लिए बहुत कुछ है, परन्तु पोतीपर ने अनजाने में जो अनुभव किया उसे इब्रानियों 4 में सब्त का विश्राम कहा जाता है, और हाँ, यह नए नियम के विश्वासियों के लिए उपलब्ध है।

इसे सब्त कहा जाता था, उस दिन की एक तस्वीर जहाँ मनुष्य को अब केवल जीवित रहने के लिए अपने परिश्रम और पसीना बहाते हुए जद्दोजहद करने की आवश्यकता नहीं है

यदि आप सब्त का अध्ययन करो, तो आप पाओगे कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को उस दिन कुछ भी न करने की आज्ञा दी थी; उस दिन न तो पसीना बहाने की जरूरत थी और न ही मेहनत करने की। निश्चय ही सब्त सप्ताह का सातवाँ दिन था और सृष्टि के सातवें दिन के अनुरूप था। आपको याद होगा कि परमेश्वर ने सृष्टि के सातवें दिन को विश्राम का दिन घोषित किया था। इसलिए नहीं कि परमेश्वर थक गया था, बल्कि इसलिए कि उसका काम पूरा हो गया था। सब कुछ पूरा हो गया था। सातवां दिन वह दिन था जब मनुष्य को दिन की चिंता किए बिना, अपनी जरूरत की सभी चीजें पाकर मूल रूप से जीने के लिए बनाया गया था। परन्तु

हम जानते हैं कि आदम ने अपना विश्राम खो दिया जब उसने परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया। परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह करने के द्वारा, आदम ने परमेश्वर की उसके लिए व्यवस्था करने की क्षमता को कम कर दिया। इस प्रकार, उसने परमेश्वर के पहले के प्रावधान का स्थान खो दिया। आदम को अब जीवित रहने के लिए, कड़ी मेहनत करने और हर समय पसीना बहाते हुए काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

लेकिन परमेश्वर ने मनुष्य को बिना आशा के नहीं छोड़ा। उसने मनुष्य को उस विश्राम की एक तस्वीर दी जिसे वह उसे एक दिन बहाल करेगा। इसे सब्त कहा जाता था, उस दिन की एक तस्वीर जहाँ मनुष्य को अब केवल जीवित रहने के लिए अपने परिश्रम और पसीना बहाते हुए जद्दोजहद करने की आवश्यकता नहीं है। जब पोतीपर ने यहोवा की उस आशीष का उपयोग किया जो यूसुफ ने उस वाचा के द्वारा प्राप्त की थी, तो उसने युसूफ के द्वारा परमेश्वर की प्रदान करने की क्षमता का उपयोग किया और उसने विश्राम पाया। उसकी सब बातों का ध्यान रखा गया; उसे किसी बात की चिंता नहीं थी।

> *इसलिये उसने अपना सब कुछ यूसुफ के हाथ में यहाँ तक छोड़ दिया कि अपने खाने की रोटी को छोड़, वह अपनी सम्पत्ति का हाल कुछ न जानता था।*
>
> — उत्पत्ति 39:6

सब्त के महत्व को समझने के लिए और परमेश्वर मनुष्य को क्या दिखा रहा था यह जानने के लिए आपको एक सरल प्रश्न पूछने की आवश्यकता है। सब्त कैसे संभव था? अर्थात पृथ्वी श्राप प्रणाली के तहत मनुष्य हर दिन केवल जीवित रहने के लिए दौड़ रहा था। यदि यह सच है, तो मनुष्य को सब्त के दिन परिश्रम करने और दौड़ने की आवश्यकता क्यों नहीं थी? अगर वह सब्त के दिन काम नहीं कर रहा था, तो उसकी ज़रूरतें कैसे पूरी होतीं थी? यह एक अच्छा प्रश्न है और इसका उत्तर दिया जाना चाहिए, और उत्तर में हम यूसुफ के "प्रभु के आशीर्वाद" के पूर्ण प्रकाशन को देखते हैं।

मुझे लगता है कि इस सिद्धांत का एक अच्छा उदाहरण लैव्यव्यवस्था अध्याय 25 में पाया जाता है जहाँ परमेश्वर इस्राएल राष्ट्र को जयंती वर्ष की व्याख्या दे रहा है। मैं आपको

पृष्ठभूमि के बारे में थोड़ा बता दूं, जयंती वर्ष हर 50 साल में आता है और यह वर्ष बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन मैं यहां इसके बारे में बात नहीं करूंगा। लेकिन यहां आपको जो समझने की जरूरत है वह यह है कि वे उस साल बो नहीं सकते थे। वास्तव में, उससे पहला वर्ष भी सब्त का वर्ष होने के कारण वे अपने खेतों में बीज बो नहीं सकते थे। इसलिए मैं चाहता हूं कि आप यहां जो कुछ हो रहा है उसकी एक स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करें: इस्राएलियों से कहा गया था कि वे 49वें और 50वें वर्ष में अपनी फसल न बोएं। फसल बोने के बाद उन्हें 51वें वर्ष के अंत तक फसल के परिपक्व होने का इंतजार करना होगा। इसका मतलब यह था कि परमेश्वर उन्हें बता रहा था कि उन्हें बिना फसल के तीन साल बिताने होंगे। अगर मैं आपसे कहूं कि आपको तीन साल तक तनख्वा नहीं मिलेगी, तो आप थोड़े चिंतित होंगे। इसी तरह, इस्राएली भी चिंतित थे। स्वाभाविक रूप से, यह संभव नहीं था। लेकिन परमेश्वर उन्हें कुछ दिखा रहा था।

> *और यदि तुम कहो कि सातवें वर्ष में हम क्या खाएँगे, न तो हम बोएँगे न अपने खेत की उपज इकट्ठा करेंगे? तो जानो कि मैं तुम को छठवें वर्ष में ऐसी आशीष दूँगा, कि भूमि की उपज तीन वर्ष तक काम आएगी। तुम आठवें वर्ष में बोओगे, और पुरानी उपज में से खाते रहोगे, और नवें वर्ष की उपज जब तक न मिले तब तक तुम पुरानी उपज में से खाते रहोगे।*
>
> — लैव्यवस्था 25:20 -22

सब्त केवल इसलिए संभव हो पाया क्योंकि परमेश्वर ने छठे दिन को दो गुणा आशीष दी। इस वाक्य को कुछ देर अपने दिमाग में रखें और सोचें। हर पुरुष और महिला यही चाहते हैं, कि उनके पास पर्याप्त से अधिक हो, है ना? जब छठे दिन परमेश्वर ने मनुष्य को दुगना भाग दिया, तो वह मनुष्य को याद दिला रहा था कि वह उनका प्रदाता है और उसने हमेशा आवश्यकता से अधिक प्रदान किया है। चलो ईमानदारी से सोचते हैं; यदि हमारे पास आवश्यकता से अधिक है, तो हमें दौड़ने की आवश्यकता नहीं होगी और इस दौड़धूप से हमें छुटकारा मिलेगा। यह आपको गुलामी से विकल्प की ओर ले जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आपको अपना उद्देश्य खोजने और उसमें समृद्ध होने के लिए मुक्त करता है।

पोतीपर ने भी इसी बात का आनंद उठाया। उसे किसी बात को लेकर कोई चिंता नहीं थी। उसकी हर जरूरत का ख्याल रखा जाता था। केवल एक ही बात पर ध्यान केंद्रित करना यही उसका लक्ष्य था। और फिर, जैसा कि ड्रेन्डा और मैंने कहा, मैं वो ही बात बार-बार कहूंगा, "जब तक आप पैसे के बारे में बातों को निश्चित नहीं कर लेते, तबतक आप समझ नहीं पाएंगे कि आपका उद्देश्य क्या है।" लेकिन एक अच्छी ख़बर है! सब्त का विश्राम आज भी उपलब्ध है, और उस विश्राम में हम एक ऐसी जगह पाते हैं जहाँ हमारी ज़रूरतें पूरी होती हैं और हम केवल जीने के लिए नहीं, बल्कि समृद्धि का जीवन जी सकते हैं।

> *इसलिए परमेश्वर के लोगों के लिए विश्राम का दिन आज भी है; जो कोई भी परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करता है, वह भी अपने काम से आराम करता है (दर्दनाक श्रम और केवल जीवित रहने के लिए पसीने की स्थिति) जैसे परमेश्वर ने भी अपने काम से विश्राम किया।*

परमेश्वर के राज्य ने पोतीपर के लिए दर्दनाक श्रम और उत्पीड़न के सांसारिक कानून को पीछे कर दिया, और यह आपके लिए भी ऐसा ही करेगा। परमेश्वर के राज्य को आत्मसात करना सीखते हुए, हम समृद्ध हो सकते हैं और अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं। जीवन वास्तव में हर्ष, जुनून और आनंद से भरा हो सकता है!

> *धन यहोवा की आशीष ही से मिलता है, और वह उसके साथ दु:ख नहीं मिलाता।*
> — नीतिवचन 10:22

धन यहोवा की आशीष ही से मिलता है,और वह उसके साथ दु:ख नहीं मिलाता!!! हम उत्पत्ति 3:17 में बताएं गए पसीना बहाकर अत्यधिक परिश्रम प्रणाली से ऊपर उठकर हम जी सकते हैं। जब तक मैंने यह नहीं सीखा कि परमेश्वर का राज्य कैसे काम करता है, मैं कई वर्षों तक उस पुरानी जीवन-व्यवस्था के अधीन रहा। इसे आप भी सीख सकते हैं। परमेश्वर आपके साथ है! वह आपकी मदद कर सकता है! आप समृद्ध हो सकते हैं। नहीं, मैं आपको थोड़ा

अपने आस-पास की सभी शंकाओं और अविश्वास को अपने ऊपर हावी न होने दें। अपनी आधीनता बदलें और परमेश्वर के राज्य का आनंद लें!

अलग तरीके से बता दूं: आप समृद्धि चाहते हैं। दुनिया के पोतीपर, जो परमेश्वर को नहीं जानते और हताश हैं, कड़ी मेहनत के अभिशाप से ग्रसित, जीवन को किसी तरह जीने की कोशिश कर रहे हैं, देख रहे हैं। वे आपके धर्म, आपके चर्च भवनों, या आपके धर्मग्रंथों से प्रभावित नहीं हैं क्योंकि वे आपके उत्तरों की कमियों के आगे कुछ नहीं देख सकते हैं। जब आप उन्हें बताते हैं कि परमेश्वर कितना महान हैं, तो आप लोगों से आपकी बात सुनने की उम्मीद नहीं कर सकते, क्योंकि आप अत्यधिक वित्तीय तनाव, अभाव की स्थिति में जीवन केवल जीना है इसलिए जी रहे है। नहीं, आपको यूसुफ की तरह उन्हें यह दिखाना चाहिए कि, राज्य वास्तव में कैसा होता है। मैं कठोर नहीं होना चाहता, लेकिन लोग मूर्ख नहीं हैं। वे जवाब ढूंढ रहे हैं।

कई सालों तक मैं प्रभाव के साथ बोल नहीं पाया। किसी ने मुझे टीवी पर आने को नहीं कहा; मैं हजारों चर्चेस का नेतृत्व नहीं कर रहा था। क्यों? क्योंकि मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं था, कोई समाधान नहीं था, कोई जवाब नहीं था, कोई सबूत नहीं था कि परमेश्वर जीवित है और मेरे साथ है। मैं जीवित रहने के लिए अपने परिवार से पैसे उधार ले रहा था। मेरी कार हमेशा खराब रहती थी, मेरा घर टुटा फूटा था और मेरा जीवन अस्त-व्यस्त था। ऐसे में कोई क्यों सुनना चाहेगा कि मेरा परमेश्वर कितना महान है? हाँ, मैं स्वर्ग के रास्ते पर था और स्वर्ग सबसे बड़ी चीज़ है, लेकिन लोग यह नहीं सुनेंगे कि स्वर्ग कितना महान है जब तक आप सांसारिक क्षेत्र में स्वर्ग नहीं दिखाते। सुनो, मैं तो बस इतना कह रहा हूँ कि यदि परमेश्वर, परमेश्वर है, और उसका वचन सत्य है, तो उसका कार्य अवश्य ही होना चाहिए। हमारा जीवन अलग होना चाहिए और अलग दिखना चाहिए! राज्य की सच्चाई इस पीढ़ी को दी जानी है। पोतीपर देख रहे है।

तो मैंने इस पुस्तक का उपशीर्षक 'आधीनता कि सामर्थ्य' क्यों रखा? क्योंकि पोतीपर ने परमेश्वर के राज्य में प्रवेश किया और सब्त के विश्राम का आनंद लिया, जहां पसीना और कठोर परिश्रम ही जीवन जीने का मार्ग नहीं है, जहां कोई भय नहीं है और शांति का शासन

है। जहां जीवन केवल जीना है इसलिए नहीं परन्तु उसमे उद्देश्य और जोश है, और गरीबी का जीवन प्रावधान के कारण समाप्त हो गया है। उसके जीवन में यह सब कैसे हुआ? वह अपनी समस्याओं और चिंताओं को परमेश्वर के राज्य के दायरे में लाया। हालाँकि वह नहीं जानता था कि वह क्या कर रहा हैं, उसने खुद को परमेश्वर से जोड़ा। वह परमेश्वर के राज्य के साथ सहमत हो गया और उसके अधिकार क्षेत्र में आ गया। पोतीपर काफी चतुर था कि उसने अपने मामलों को यूसुफ के संरक्षण में रखा, क्योंकि उसे उत्तर मिल गए थे। आप भी ऐसा कर सकते हैं; ड्रेंडा और मैंने वही किया। ऐसा करने से हमें हिरण, पैसा, कार और मनचाहा घर मिला। इसलिए मैं आपको एक सलाह देता हूं। यदि आप परमेश्वर के पास आपके लिए जो कुछ है उसका आनंद लेना चाहते हैं, तो अपनी अधीनता या निष्ठा बदल दें। अपने आस-पास की सभी शंकाओं और अविश्वास को अपने ऊपर हावी न होने दें। अपनी आधीनता बदलें और परमेश्वर के राज्य का आनंद लें!

अध्याय 9

आप उन्हें खिलाओ!

डॉन बहुत निराश और कर्जमी डूबा हुआ था जब वह मेरे ऑफिस आया और यह उससे मेरी पहली मुलाकात थी। उस समय, उसके जीवन में कुछ भी ठीक नहीं लग रहा था। जब मैंने बैठ कर उससे बात की, तो मुझे एहसास हुआ कि उसने तीन-चार महीने से अपना घर का किराया या अन्य बिलों का भुगतान नहीं किया है। उसे वैवाहिक समस्याएं थीं, उसकी पत्नी उसकी आर्थिक स्थिति से तंग आ चुकी थी, और उसका डॉन के प्रति सम्मान कम होने लगा था क्योंकि वह उसकी और उनके पांच बच्चों की देखभाल नहीं कर पा रहा था। सच तो यह है कि डॉन के मन में भी अब अपने लिए सम्मान नहीं रह गया था। और वह पूरी तरह सवालों से घिरा हुआ था।

उसका काम ओहियो राज्य में स्वास्थ्य बीमा बेचना था, लेकिन वो अपनी नौकरी में सफल नहीं था, इसलिए वो वित्तीय बर्बादी कि कगार पर था।

डॉन के जीवन में सब कुछ प्रतिकूल था, फिर भी मैंने उसमें क्षमता देखी। वह सीखना चाहता था और वह काम करने के लिए तैयार था। उसमें इन दो महत्वपूर्ण और शक्तिशाली चीजों को देखकर, मुझे बहुत उत्सुकता हुई कि मैं असे काम पर रखूं और उसके भविष्य के कल्याण के लिए कुछ करूं। आखिरकार, उसे काम पर रखना एक निवेश था जिससे हम दोनों को भारी लाभ हुआ।

मेरी नई कंपनी ने हमारे एक विक्रेता से हवाई जाने की यात्रा का टिकट जीता था और मुझे लगा कि यह डॉन को परमेश्वर के राज्य के बारे में बताने का एक शानदार अवसर है। हालाँकि डॉन एक ईसाई था, लेकिन उसके पास मेरी जैसी समझ नहीं थी। और यद्यपि मैंने इस क्षेत्र

में उसके साथ परमेश्वर के सिद्धांतों को साझा करने की कई बार कोशिश की, उसने मेरी बात पर विश्वास नहीं किया।

मैं डॉन का ध्यान आकर्षित करने का तरीका ढूंढ रहा था, मैं चाहता था कि वह समझे कि परमेश्वर का राज्य कैसे काम करता है और इसके बारे में अधिक जानें ताकि वह भी सफल हो सके। लेकिन, डॉन इतना निराश था कि उसके लिए खुद पर विश्वास करना और यह विश्वास करना कठिन था कि वास्तव में परिवर्तन हो सकता है। मुझे पता था कि हवाई की यह यात्रा मेरे लिए एक अवसर है।

इस यात्रा पर निकलने से कुछ हफ्ते पहले, डॉन और मैं इस बारे में बात कर रहे थे कि हम वहां क्या देखेंगे और क्या करेंगे। डॉन का ध्यान किसी और चीज की तरफ नहीं बल्कि किसी खास चीज की तरफ आकर्षित हुआ। वह प्रशांत महासागर के खूबसूरत पानी में ब्लू मार्लिन को पकड़ना चाहता था। "हवाई दुनिया की ब्लू मार्लिन की राजधानी है," डॉन ने मुझे उत्साह से बताया। "मैं हमेशा ब्लू मार्लिन को पकड़ना चाहता था; यह एक सपने के सच होने जैसा है।'' हफ्तों में पहली बार मैंने डॉन की आंखों में एक चमक देखी।

"डॉन," मैंने कहा, "क्या आप जानते हैं कि यह जानना संभव है, न केवल आशा करना, बल्कि यह निश्चित है कि आप परमेश्वर के राज्य को समझकर हवाई में ब्लू मार्लिन को पकड़ सकते हैं?" डॉन अचंभित था, लेकिन वह इसके बारे में और जानने के लिए उत्सुक था, और मैंने परमेश्वर के राज्य के बारे में अपनी व्याख्या जारी रखी। मैं ने मरकुस 11:24 से कहा, "इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो, तो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा।" डॉन के लिए, यह इतना अच्छा था कि वह नहीं जानता था कि इस पर कैसे विश्वास किया जाए। मैंने उसे यह समझने में मदद करने के लिए कुछ समय बिताया कि परमेश्वर का राज्य कैसे काम करता है और उसे अपने विश्वास को कैसे मुक्त करना है। और इसलिए, इससे पहले कि हम अपनी यात्रा पर निकलते, उसने और उसकी पत्नी ने उसी प्रकार बीज बोया जैसा मैंने अपने हिरण के लिए बोया था, उन दोनों ने एक साथ सहमती से प्रार्थना की और विश्वास किया कि उन्हें ब्लू मार्लिन मिल गया है।

इस बीच, डॉन ने फसल को बनाएं रखने के लिए हर संभव कोशिश की। उन्होंने कुछ शोध किया कि कौन सी नावें उपलब्ध थीं और उन्हें किराए पर लेने की लागत क्या थी, और अंत में जो उन्हें सही लगा उस कप्तान की नाव बुक कर दी। सब कुछ तय था, और हम सब हवाई के नीले पानी में उतरने के लिए बहुत उत्सुक थे।

समुद्र में जाने का दिन आ गया, और नाव पर चढ़ते समय हमने बहुत उत्साह के साथ कप्तान से कहा कि हम आज ब्लू मार्लिन को पकड़ने जा रहे हैं। उन्होंने हमें अन्य मछलियां पकड़ने में सफलता की कामना की, लेकिन इस बात को निश्चित रूप से कहा कि उस दिन ब्लू मार्लिन को पकड़ने की संभावना कम थी। पिछले चार महीनों से, दो नावें नियमित रूप से हर दिन चार्टर्ड दौरे पर जाती रही, और चालक दल चार महीनों में केवल एक ब्लू मार्लिन को पकड़ने में सफल हो पाए थे। यह इस लिए था क्योंकि यह एक प्रवासी मछली है और उस समय मर्लिन का मौसम नहीं था। हमने निराश न होने का दृढ़ संकल्प किया था, हमने सम्मानपूर्वक उनसे कहा कि हम आज ब्लू मर्लिन प्राप्त करने जा रहे हैं और अपने गियर तैयार करना जारी रखा।

"इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो, तो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा।"

—मरकुस 11:24

छह घंटे की ट्रोलिंग के बाद भी हमें कुछ नहीं मिला और मुझे थोड़ा डर था कि अगर हम सफल नहीं हुए तो डॉन का विश्वास कमजोर हो जाएगा. मैंने अपनी चिंता में उससे एक प्रश्न पूछा। "डॉन," मैं अपने पर्च से उसके ऊपरी पुल पर से चिल्लाया, "मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूं। आपको वह ब्लू मार्लिन कब मिला, जब आप उसे देखेंगे तब, या जब आपने प्रार्थना की थी उसी समय?" आत्मविश्वास के साथ, डॉन ने जोरदार तरीके से जवाब दिया, "गैरी, जवाब आसान है। मुझे यह तभी मिली जब मैंने प्रार्थना की।" तभी मुझे एहसास हुआ कि डॉन ने मेरे निर्देशों को गंभीरता से लिया था और उसने मार्लिन को साथ ले जाने का दृढ़ संकल्प किया था।

कुछ मिनट बाद, डॉन की रील समुद्र की ओर झुकने लगी, और झुकने के कारण, उसमें से आवाज आ रही थी, और उसके साथ के लोग चिल्लाए, "मछली फंस गई है!"

"ज़्यादा खुश ना हो," कप्तान ने कहा। "यह एक बड़ी मछली है, लेकिन ब्लू मार्लिन नहीं है। मार्लिन सीधे सतह पर आते हैं और हवा में छलांग लगाते हैं, और यह मछली गहराई में है।" डॉन मछली को ऊपर खींचने के लिए संघर्ष कर रहा था, लेकिन वह अभी तक सतह के करीब भी नहीं आई थी। मछली डॉन से ज्यादा थक गई थी, और जल्द ही उसने छूटकर निकल जाने की कोशिश करना बंद कर दिया। डॉन और मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ जब डॉन ने रील में फंसी उस बड़ी ब्लू मर्लिन को बाहर निकाला, लेकिन नाव पर सवार बाकी सभी लोग चौंक गए।

जिस तरह हवा को देखा नहीं जा सकता है, लेकिन प्राकृतिक क्षेत्र पर उसका दृश्य प्रभाव पड़ता है, उसी तरह परमेश्वर का राज्य वास्तविक है और प्राकृतिक क्षेत्र पर उसका प्रभाव पड़ता है।

डॉन और उसकी मछली की एक तस्वीर आज भी मेरे कार्यालय में है, दूसरों के लिए एक गवाही और मुझे परमेश्वर के राज्य की वास्तविकता की निरंतर याद दिलाती है। बाह्य रूप से, वह सिर्फ एक मछली थी। लेकिन डॉन के लिए मार्लिन बहुत मायने रखता था। अगर परमेश्वर का राज्य मर्लिन के लिए काम करता है, तो वह जीवन में उसकी ज़रूरत की हर चीज़ के लिए काम करेगा। डॉन के लिए, यह सिर्फ यह समझने की शुरुआत थी कि परमेश्वर का राज्य उसके जीवन को कैसे प्रभावित कर सकता है।

कुछ हज़ार साल पीछे जाएँ और आप नीकुदेमुस नाम के एक व्यक्ति के बारे में जानेंगे जिसने यीशु से विशेष रूप से परमेश्वर के राज्य के बारे में प्रश्न पूछा था। यूहन्ना के सुसमाचार के तीसरे अध्याय में प्रभु की प्रतिक्रिया दर्ज की गई है, "हवा जिधर चाहती है उधर चलती है और तू उसका शब्द सुनता है, परन्तु नहीं जानता कि वह कहाँ से आती और किधर को जाती है? जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है।" (पद 8)। डॉन के साथ नाव में बिताया वह खूबसूरत दिन इसका एक आदर्श उदाहरण है।

हालाँकि न तो डॉन और न ही मैं प्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के राज्य को देख सकता था, हमने निश्चित रूप से उस दिन बड़े मार्लिन को प्राप्त करने के प्रभाव को देखा और अनुभव किया। जिस तरह हवा को देखा नहीं जा सकता है, लेकिन उसका प्राकृतिक क्षेत्र पर एक दृश्य प्रभाव पड़ता है, उसी तरह परमेश्वर का राज्य वास्तविक है और उसका प्राकृतिक क्षेत्र पर प्रभाव पड़ता है। परमेश्वर के राज्य को नियंत्रित करने वाले नियमों को सीखने के द्वारा, हम अपने जीवन में बदलाव लाते हैं, जैसे उस दिन डॉन ने किया था।

खैर, यहाँ एक सवाल है। वह मार्लिन मछली उस जगह कैसे पहुंची? इस प्रश्न का उत्तर अवश्य है। आप सिर्फ यह नहीं कह सकते कि यह परमेश्वर ने किया। नहीं, हमें यह जानने की जरूरत है कि वह मछली वहां कैसे पहुंचीं। आपको वास्तव में यह जानने की जरूरत है क्योंकि एक दिन आपको ब्लू मार्लिन या नीली कार या सिर्फ किराने का सामान चाहिए होगा। तथ्य यह है कि कहानी का सार वास्तव में मछली पकड़ने के बारे में नहीं है, जैसे मेरी शिकार की कहानी में हिरन मुद्दा नहीं है। यह कहानी हमें राज्य के बारे में जानकारी देती है और यह बताती है कि वह कैसे काम करता है। मार्लिन मछली पकड़ी गई थी उसका एक कारण था! यीशु ने अपने चेलों को यह सिखाने में बहुत समय बिताया कि राज्य कैसे काम करता है, लेकिन इसके बारे में बात करने के अलावा, उसने दिखा दिया कि वह कैसे कार्य करता है।

ध्यान दीजिए। परमेश्वर का राज्य पृथ्वी के उस क्षेत्र की तरह कार्य नहीं करता है जिसमें आप पले-बढ़े हैं। आप वास्तव में इसे अपने दिमाग में नहीं समझ सकते हैं। यह कानूनों के आधार पर काम करता है, लेकिन वे उन कानूनों से अलग हैं जो हम पृथ्वी के दायरे में उपयोग करते हैं। लेकिन हम उन कानूनों को सीख सकते हैं। यीशु जहाँ भी गया, उसने इन राज्य कानूनों को प्रदर्शित करने और सिखाने में बहुत समय बिताया। मेरी पसंदीदा कहानियों में से एक वह है जिसमें यीशु ने मरकुस 6 में परमेश्वर के राज्य का प्रदर्शन किया था। यीशु ने सिर्फ पांच रोटियों और दो मछलियों से 5,000 लोगों को खाना खिलाया। हालाँकि मैंने इस कहानी को चर्च में बचपन से लाखों बार सुना है, फिर भी किसी ने मुझे यह नहीं बताया कि यीशु ने यह कैसे किया।

जब दिन बहुत ढल गया, तो उसके चेले उसके पास आकर कहने लगे, "यह सुनसान जगह है, और दिन बहुत ढल गया है। उन्हें विदा कर कि चारों ओर के गाँवों और बस्तियों में जाकर, अपने लिये कुछ खाने को मोल लें।" उस ने उत्तर दिया, "तुम ही उन्हें खाने को दो।" उन्होंने उससे कहा, "क्या हम सौ दीनार की रोटियाँ मोल लें, और उन्हें खिलाएँ?" उसने उनसे कहा, "जाकर देखो तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं?" उन्होंने मालूम करके कहा, "पाँच और दो मछली भी।" तब उसने उन्हें आज्ञा दी कि सब को हरी घास पर पाँति–पाँति से बैठा दो। वे सौ सौ और पचास पचास करके पाँति–पाँति बैठ गए। उसने उन पाँच रोटियों को और दो मछलियों को लिया, और स्वर्ग की ओर देखकर धन्यवाद किया, और रोटियाँ तोड़–तोड़ कर चेलों को देता गया कि वे लोगों को परोसें, और वे दो मछलियाँ भी उन सब में बाँट दीं। सब खाकर तृप्त हो गए, और उन्होंने टुकड़ों से बारह टोकरियाँ भर कर उठाईं, और कुछ मछलियों से भी। जिन्होंने रोटियाँ खाईं, वे पाँच हज़ार पुरुष थे।

— मरकुस 6:35-44

"यीशु, यहाँ एक समस्या है। लोग भूखे हैं और यदि आप उन्हें अभी जाने नहीं देते हैं, तो उन्हें घर पहुंचने में बहुत देर हो जाएगी; और हमें उनकी चिंता हो रही हैं।" तो यीशु उन्हें क्या कहता हैं? "ओह हाँ, आप सही हो। मुझे समय कैसे बीत गया पता ही नहीं चला; आइए इस सभा को तुरंत बंद करते है।" नहीं, वह सिर्फ इतना कहता है, "तुम उन्हें खिलाओ।" क्या? बाइबल कहती है कि वहाँ 5,000 पुरुष थे, लेकिन महिलाओं और बच्चों को मिलाकर संख्या 20,000 तक हो सकती है। लोगों की इतनी बड़ी भीड़ को खाना खिलाना, भले ही आपके पास पहले से कोई प्रबंध हो, एक बड़ा काम होगा, एक असंभव काम। मुझे यकीन है कि यीशु जो कह रहा था उस बात पर शिष्यों ने विश्वास नहीं किया। यीशु ने जो कहा उस पर चेलों की प्रतिक्रिया पृथ्वी की विशिष्ट मानसिकता में एक स्पष्ट अंतर्दृष्टि को दर्शाती है। "लेकिन, यीशु, इस काम के लिए हमें आठ महीने के वेतन जितनी रकम की आवश्यकता होगी! क्या हमें रोटी पर इतना खर्च करना चाहिए?" सबसे पहले इस बात पर ध्यान दें कि कैसे उन्होंने इस बात

को, प्रावधान की कमी के कारण, पृथ्वी अभिशाप प्रणाली में अपनी समस्या को अर्थशास्त्र, दर्दनाक श्रम और पसीना बहाने की स्थिति में बदल दिया, उनका कहना सही था कि इस काम को करने के लिए आठ महीने के वेतन जितनी रकम की आवश्यकता होगी।

एक दिन मैं प्रार्थना कर रहा था और परमेश्वर ने मुझसे कहा कि मेरे पास एक भौतिक या सांसारिक विचारधारा है। यह सुनकर मैं स्तब्ध रह गया; इसका क्या मतलब था? क्या मुझ में वासना की समस्या थी? नहीं, वह मेरी सोच के बारे में बात कर रहा था और मैं कितना सीमित था क्योंकि पृथ्वी अभिशाप प्रणाली की सोच इस मानसिकता से छान रही थी कि मैं अपना भविष्य कितनी तेजी से चला सकता हूं। हम सब यह करते हैं। यदि आप एक नया घर चाहते हैं, तब आप पता करते है कि इसकी लागत कितनी होगी, फिर यह देखने की कोशिश करते है कि क्या आप इसे वहन कर सकते हैं। हम यह किस प्रकार निश्चित कर सकते हैं? हम पृथ्वी अभिशाप प्रणाली की अपनी समझ के अनुसार ऐसा कर सकते हैं कि हम कितनी तेजी से दौड़ सकते हैं। आइए इसे देखने का प्रयास करते हैं, मैं प्रति घंटा15 डॉलर कमाता हूँ, इसे प्रति सप्ताह 40 घंटे से गुणा किया जाए तो कमाता हूं ... "वाह, मुझे नहीं लगता कि मैं इस स्थिति में उस घर को वहन कर सकता हूं।" इसलिए हम इस विचार को एक तरफ रख देते है क्योंकि यह असंभव है। मैं कितनी तेजी से दौड़ सकता हूं, इसी फ़िल्टर माध्यम से हम हर चीज को आंकना शुरू कर दें, तो हम कभी भी परमेश्वर के राज्य के अनुसार जीवन नहीं जी पाएंगे क्योंकि परमेश्वर उस प्रणाली से जुड़ा नहीं है। परमेश्वर मुझसे कह रहा था कि यदि मैं उसके राज्य से जुड़ना चाहता हूँ, तो मुझे उसके राज्य के अनुसार सोचना होगा - सब कुछ संभव है!

"इस काम के लिए हमें आठ महीने के वेतन जितनी रकम की आवश्यकता होगी!" मूल रूप से, वह कह रहा था कि इतने लोगों को खाना खिलाना असंभव है।

यीशु ने जब उनसे कहा, "उन्हें खिलाओ।" तब उन्होंने क्या महसूस किया इसका एक कल्पनाचित्र मै आपके सामने रखना चाहता हूँ। मान लीजिए कि मैं आपका पादरी हूं, और आप कठिन समय से गुज़र रहें है और आप अपने घर का मासिक ऋण चुकाने में सक्षम नहीं हैं। आपने तीन महीने से भुगतान नहीं किया है और आप अपना घर खो सकते हैं। तो आप मेरे पास आए और मुझसे पूछा कि क्या चर्च भुगतान पूरा करने में आपकी मदद कर सकता है?

तब मैं आपको बहुत शांति से कहता हूं, "मेरे पास एक अच्छा सुझाव है। आप यह भुगतान क्यों नहीं करते हैं, और फिर आप इस भुगतान करने की समस्या से मुक्त हो जाएंगे? "तो आप मुझे इस नज़र से देखते हैं" आप समझ नहीं रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूं।" नहीं, पास्टर, मुझे नहीं लगता कि आप समझ पाएं कि मैंने क्या कहा, हमारे पास पैसे नहीं हैं, इसलिए हम आपके पास आए हैं। हम चाहते हैं कि चर्च हमारी मदद करे ताकि हम मुसीबत में न पड़ें। " फिर से, मैं आपको बहुत शांति से देखता हूं और कहता हूं, "नहीं, मैं समझता हूं कि आप क्या कह रहे हैं और मैंने आपको एक बेहतर समाधान दिया है। आपको बस घर के लिए भुगतान करना होगा और आप भुगतान करने से मुक्त हो जाएंगे।" आप सोचोगे कि मैं मूर्ख हूँ।

शिष्यों ने भी ऐसा ही महसूस किया होगा। "यीशु, इन 20,000 लोगों को हमें खाना खिलाना हैं यह तू सच में नहीं कह रहा है, है ना? यह संभव नहीं है। इतने लोगों को खाना खिलाने के लिए हमारे पास कुछ भी नहीं है। और अगर हम इतने पैसे इकट्ठा करने के लिए जाकर काम करने की योजना बनाते हैं, वो खाना यहाँ तक लाने के लिए समितियों का गठन करते है, गाड़ियों का भी इंतज़ाम करते है, लेकिन जब तक वह खाना यहाँ तक पहुँच पाता तब तक इस जगह पर सभी लोग मर चुके होंगे। अगर हमारे पास पैसा है भी तो उसे निकालने के लिए हमारे पास पर्याप्त समय नहीं है।" स्वाभाविक रूप से जो असंभव दिखाई देता है उसके लिए हम इसी प्रकार प्रतिक्रिया देते हैं कि हमें इसे पूरा करने का कोई रास्ता नहीं दिखता। जब आपके पास कोई प्रावधान नहीं है, तो आपकी दृष्टि भी गायब हो जाती है।

यीशु ने चेलों को उत्तर दिए बिना नहीं छोड़ा, और यदि ऐसा करने का कोई तरीका नहीं होता, तो वह उन्हें लोगों को खिलाने के लिए नहीं कहता। वह उन्हें कोई दूसरी व्यवस्था दिखाने जा रहा था —परमेश्वर के राज्य का कार्य। जब चेले उलझन में थे, यीशु ने जिम्मेदारी ली।

"तुम्हारे पास क्या है? जाओ और देखो," यीशु ने कहा। चेलों ने वापस आकर कहा, "हमारे पास पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ हैं।" एक बार, पाँच मछलियाँ और दो रोटियाँ प्राप्त करने के बाद, यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि उन्हें मेरे पास लाओ। वह रोटियाँ और मछली लेता है और उन्हें आशीर्वाद देता है और फिर उन्हें लौटा देता है। प्राकृतिक रूप से कुछ भी नहीं बदला है, परन्तु आत्मिक क्षेत्र में कुछ बहुत महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है, जो परमेश्वर के

राज्य के विषय में हमारी समझ की कुंजी है। यीशु ने शिष्यों को निर्देश दिया कि वे लोगों को रोटी और मछली बाँट दें, और उनकी आंखों के सामने भोजन बढ़ता गया और उन्होंने आश्चर्य से देखा और सभी 20,000 लोगों के खाने के लिए खाना भरपूर हो गया। क्या हुआ? यह कैसे हुआ?

यह पता लगाने के लिए, हमें इस घटना के विवरण का बारीकी से परीक्षण करने की आवश्यकता है। "आशीर्वाद" शब्द का अर्थ है अलग करना या पवित्र करना। इसलिए हम कह सकते हैं कि जब यीशु ने भोजन की बात की और उसे आशीर्वाद दिया, तो रोटी और मछली एक राज्य से अलग हो गए। पृथ्वी के क्षेत्र में 20,000 लोग पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ नहीं खा सकते थे। लेकिन परमेश्वर का राज्य सब कुछ संभव बनाता है। दरअसल, कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। समाप्त होने से पहले, शिष्यों ने शेष टुकड़ों की 12 टोकरियाँ एकत्र कीं। यह घटना पांच रोटियाँ और दो मछलियों से पर्याप्त ना होने से लेकर, यह 20,000 लोगों को संतुष्ट करने तक गई और फिर अंत में आरंभ से भी अधिक भोजन था? यह परमेश्वर के राज्य का मार्ग है, आवश्यकता से अधिक उपलब्ध होना!

एक आत्मिक वैज्ञानिक के रूप में, जब मैंने इस घटना को करीब से देखा, तो मुझे वह सूत्र भी दिखाई दिया जो परमेश्वर ने मुझे हिरण के संबंध में दिया था। मेरे हिरण के शिकार के माध्यम से, परमेश्वर ने सबसे पहले मुझे परमेश्वर के राज्य में जो कुछ मैं चाहता था उसका एक हिस्सा बोना सिखाया। इस लड़के ने अपनी रोटी और मछली के साथ भी ऐसा ही किया। उसने उसे परमेश्वर के राज्य के अधिकार में रखा, और वह बढ़ता गया, और 20,000 लोगों के खाने के बाद 12 टोकरियाँ बच गईं। ध्यान दें कि रोटी को रोटी से गुणा किया जाता है और मछली को मछली से गुणा किया जाता है। यह इस तरह काम करता है। मैं राज्य में मछली बो सकता हूं और उन्हें मछली के रूप में गुणा किया जा सकता है। लेकिन क्या होगा अगर मुझे मछली चाहिए और मेरे पास बोने के लिए मछली नहीं है? इसका उत्तर है - पैसा! याद रखें, पैसा एक वस्तु विनिमय प्रणाली है। हर दिन आप और

परमेश्वर ने सबसे पहले मुझे परमेश्वर के राज्य में जो कुछ मैं चाहता था उसका एक हिस्सा बोना सिखाया।

मैं पैसे को "नाम" देते हैं। हम इसे दूध, घर, कपड़े, रोटी और बाकी सब कुछ कहते हैं। पैसा वह है जो आप चाहे वैसा बन जाता हैं। तो जब हम बोते हैं; हम उस चीज़ से पैसे को नाम दे सकते हैं। बुवाई के लिए मछली खरीदने के लिए दुकान पर जाने के बजाय, हम पैसे को मछली का नाम दे सकते हैं। यह आपके दान से हो सकता है, लेकिन आपके दशमांश से नहीं, क्योंकि परमेश्वर ने इसे पहले ही नाम दिया है। बहुगुणित होने का यही नियम लूका 5 में देखा जा सकता है।

> *जब भीड़ परमेश्वर का वचन सुनने के लिये उस पर गिरी पड़ती थी, और वह गन्नेसरत की झील के किनारे पर खड़ा था, तो ऐसा हुआ कि उसने झील के किनारे दो नावें लगी हुई देखीं, और मछुवे उन पर से उतरकर जाल धो रहे थे। उन नावों में से एक पर, जो शमौन की थी, चढ़कर उसने उससे विनती की कि किनारे से थोड़ा हटा ले चले।तब वह बैठकर लोगों को नाव पर से उपदेश देने लगा। जब वह बातें कर चुका तो शमौन से कहा, "गहरे में ले चल, और मछलियाँ पकड़ने के लिये अपने जाल डालो।" शमौन ने उसको उत्तर दिया, "हे स्वामी, हम ने सारी रातमेहनत की और कुछ न पकड़ा; तौभी तेरे कहने से जाल डालूँगा।" जब उन्होंने ऐसा किया, तो बहुतमछलियाँ घेर लाए, और उनके जाल फटने लगे। इस पर उन्होंने अपने साथियों को जो दूसरी नाव पर थे,संकेत किया कि आकर हमारी सहायता करो, और उन्होंने आकर दोनों नावें यहाँ तक भर लीं कि वे डूबने लगीं।*
>
> — लुकारचित सुसमाचार 5:1-7

एक आध्यात्मिक वैज्ञानिक के रूप में, आइए इस घटना पर करीब से नज़र डालें। वह मछली उस जगह कैसे पहुंची? क्या आप यह देख सकते हैं यीशु किनारे पर चल रहा है और उसे एक नाव दिखाई देती है जिसका उपयोग वह लोगों को प्रचार करने के लिए करना चाहता है। वह नाव के मालिक पतरस से पूछता है कि क्या वह उसकी नाव का उपयोग कर सकता है, और पतरस कहता है, "बिल्कुल।" क्योंकि वे नाव पर उस दिन का काम पूरा कर चुके थे; वे सारी रात मछली पकड़ रहे थे और उनके हाथ कुछ नहीं लगा था। यीशुने अपने काम के लिए

नाव का उपयोग करने के बाद, पतरस को गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए जाने के लिए कहता है। मुझे यकीन है कि यीशु ने पतरस को जो करने के लिए कहा था, उससे वह हैरान था, क्योंकि उसने उत्तर दिया, "यीशु, हम सारी रात मछली पकड़ रहे थे और हम कुछ भी नहीं पकड़ पाएं है।" पतरस एक पेशेवर मछुआरा था और मछली पकड़ना जानता था। उसके अनुभव के अनुसार, वहाँ कोई मछली नहीं थी। स्वाभाविक दृष्टी से देखा जाएँ तो, उसी जगह पर मछली पकड़ने की कोशिश करने का कोई मतलब नहीं था। उन्होंने पहले ही अपना गियर हटा लिया था और जाली को भी साफ करके रख दिया था।

हो सकता है कि पतरस का हृदय यीशु के घंटे भर के उपदेश से छू गया हो और उसने ऐसा स्पर्श अपने हृदय में पहले कभी महसूस नहीं किया था, इसलिए शायद उसने वैसा ही किया जैसा यीशु ने कहा था, अन्यथा मुझे नहीं लगता कि पतरस ने ऐसा किया होता। इसलिए वह कहता है, "तौभी तेरे कहने से जाल डालूँगा।" पतरस ने जाल डाल दिया और इतनी मछलियाँ पकड़ीं कि उसका जाल टूटने लगा और उसकी नाव डूबने वाली थी। तब उस ने तट पर अपने साथियोंको पुकारा, और वे आकर उसकी सहायता करने लगे, और मछलियाँ इतनी थी कि उनके भी जाल टूटने पर थे और नावें डूबने पर थी। बाइबल पतरस की प्रतिक्रिया को दर्ज करती है; उसे आश्चर्य हुआ!

ये कैसे हुआ? क्या कोई सुराग मिल सकता है? क्या हम इसेसमझ सकते है? संक्षेप में, यह अधीनता के सिद्धांत की सामर्थ्य है जिसके बारे में हम पहले बात कर चुके हैं। जब पतरस ने यीशु को मछली पकड़ने वाली नाव का उपयोग करने की अनुमति दी, तो नाव और व्यवसाय ने राज्यों को बदल दिया। यह व्यवसाय पृथ्वी शाप प्रणाली के अधिकार क्षेत्र से बाहर आया और परमेश्वर के राज्य के अधिकार क्षेत्र में स्थापित हो गया। परमेश्वर के अधिकार क्षेत्र के अधीन होने के कारण, परमेश्वर ने ज्ञान के वचन को बोलने और यीशु को मछली का सही स्थान दिखाने के लिए वैधता प्राप्त की; "वहां गहरे पानी में।"

तो आइए इस घटना को और स्पष्ट रूप से समझने की कोशिश करते हैं। यीशु ने पतरस से मछली पकड़ने की नाव उधार ली इसी बोट पर पतरस ने पूरी रात मछली पकड़ने की कोशिश करने में बिताई थी। इस विनिमय में नावें परमेश्वर के राज्य के अधिकार क्षेत्र में आती

हैं। यीशु अब पवित्र आत्मा के द्वारा जानता है कि मछलियाँ निश्चित रूप से कहाँ हैं। फिर यीशु पतरस की बोत को ठीक उसी स्थान पर ले जाता है। पतरस की नाव तब लगभग मछली से भर जाती है। उसके साथियों की नाव भी मछलियों से भरी जाती है। तो मछली कैसे पकड़ी गई? सरल भाषा में, सीधे स्वर्ग से प्राप्त निर्देश के वचन से। आइए इसके बारे में सोचें, अगर किसी को ठीक से पता हो कि मछलियां कहां हैं, तो कोई भी उन्हें पकड़ सकता है। हमने अभी जो कहा उसके बारे में सोचें। परमेश्वर सब कुछ जानता है; वह आपकी मदद कर सकता है और आपको बता सकता है कि क्या करना है।

मैं कुछ साल पहले परमेश्वर के राज्य के विषय में पाँच-रात्रि सम्मेलन आयोजित किया था। दूसरी रात के बाद, क्रिस नाम का एक व्यक्ति मेरे पास आया और कहा कि मै उसके लिए प्रार्थना करू। मैंने उससे पूछा कि मै उसके लिए किस बात के लिए प्रार्थना करूँ। फिर उसने मुझे अपनी कहानी सुनाई। वह एक ऐसे व्यक्ति के साथ व्यापार कर रहा था जिसने व्यवसाय से धन का गबन किया था, जिस कारण व्यवसाय डूबने लगा था। उसने अभी चौथी शादी की थी, इस शादी में भी समस्याएं चल रही थी, और उसकी आयु केवल 40 वर्ष की थी। उसने मुझे बताया कि वह इतना उदास था कि उसने एक भरी हुई पिस्तौल ली और कुछ देर के लिए इधर-उधर चला गया और खुद को मारने के इरादे से एक बंद पेट्रोल पम्प पर रुक गया।

सुबह के साढ़े तीन बज रहे थे और जब वह एक भरी हुई पिस्टल के साथ बैठा था तो उसके मोबाइल की घंटी बजी। उसने तुरंत नंबर पहचान लिया। यह उसके बिजनेस पार्टनर का फोन था। वह उससे बिल्कुल बात नहीं करना चाहता था, इसलिए उसने कोई जवाब नहीं दिया। वह बार-बार फोन करता रहा। जब 11 बार फोन आया, तो क्रिस ने आखिरकार उसे उठाया और उससे बात करने का फैसला किया। उसके पूर्व साथी के मुंह से पहला शब्द निकला, “तुम कहाँ हो और क्या कर रहे हो?” जब क्रिस ने उसे बताया, तो उसके पूर्व साथी ने कहा, “हिलना मत; मैं अभी आ रहा हूँ! “वास्तव में, उसके पूर्व-साथी ने अभी-अभी अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित किया था और वह इसे क्रिस के साथ साझा करना चाहता था। आश्चर्यजनक रूप से, उसने क्रिस को सुबह 3:00 बजे कॉल करने की ज़रूरत को महसूस किया और जब क्रिस ने फोन नहीं उठाया, तो वह लगातार कोशिश करता रहा।

जब क्रिस का साथी आया, तो उसने क्रिस को अपने परिवर्तित जीवन के बारे में सब कुछ बताया और क्रिस को मसीह को स्वीकार करने में मदद की, और क्रिस का जीवन मौलिक रूप से बदल गया। सब कुछ बेहतर होने लगा। उसे उपासना करने के लिए एक अच्छी कलीसिया मिली और उसके वैवाहिक जीवन में सुधार होने लगा। उसकी आमदनी को छोड़ बाकि सब कुछ ठीक चल रहा था। क्रिस के पास नौकरी नहीं थी, और उसने मुझे इसके बारे में प्रार्थना करने के लिए कहा। इस पुस्तक में जो मैं आपको बता रहा हूं ठीक वही मैं उस सभा में सिखा रहा था, कि किस तरह परमेश्वर का राज्य अपनी क्षमता से परे अद्भुत काम कर सकता है।

जब क्रिस इस बारे में सोच रहा था कि कैसे पवित्र आत्मा हमारा मार्गदर्शन कर सकता है और निर्देश और विचार प्राप्त करने में हमारी मदद कर सकता है, तो उसे अचानक एक विचार आया। आर्थिक रूप से, उसके पास बहुत कम विकल्प थे। लेकिन वह बहुत अच्छा चीज़केक बना सकता था। उसकी विशेषता स्वास्थ्य-आधारित चीज़केक बनाना था, और उन्हें पता था कि यह सबसे अच्छी कला थी जो उसके पास थी। दरअसल, क्रिस को उसके सभी दोस्त बेस्ट चीज़केक मेकर के रूप में जानते थे। वो कई बार स्थानीय स्वास्थ्य खाद्य भंडार में गया था और उनके स्टोर में रखे खाद्य पदार्थों को चखकर देखा था, लेकिन उसने पाया कि उनमें कमी थी। क्रिस के पास अनेक विकल्प नहीं थे, लेकिन उसने सोचा कि चीज़केक बनाकर बेचना यह एक विकल्प है। उसे यकीन था कि अगर वह चीज़केक बनाकर स्थानीय स्वास्थ्य खाद्य भंडार में ले जाएँ और वे उसे चख लेंगे, तो वे निश्चित रूप से उसके केक को बिक्री के लिए रखेंगे। और उसे यकीन था कि उसका केक किसी भी अन्य केक से बेहतर बिकेगा। तो उसने बस यही किया। उसने चीज़केक बनाया और बिना किसी पूर्व सूचना के स्वास्थ्य खाद्य भंडार में ले गया। जब क्रिस अपना केक लेकर वहां पहुंचा, तब पूरी फूड स्टोर चेन का सीईओ उस स्टोर पर आया हुआ था। सीईओ ने क्रिस को आश्वासन दिया कि वह उसके चीज़केक को चखकर देखेगा और उसे अपनी प्रतिक्रिया बताएगा।

उस रात सभा के बाद, क्रिस मुझसे बात करने के लिए वापस आया। उसने मुझे वह सब कुछ बताया जो उसने किया था और इस स्वास्थ्य खाद्य भंडार के साथ अनुबंध हो पाने के लिए उसके साथ प्रार्थना करने के लिए कहा। क्रिस अगले दिन वापस आया, वह बहुत

उत्साहित और खुश था! उसने मुझे बताया कि सीईओ चाहता था कि वह सिर्फ एक दुकान के लिए नहीं बल्कि हेल्थ फूड स्टोर की सभी दुकानों के लिए चीज़केक बनाए। सीईओ ने उससे पूछा कि वह और क्या बेक सकता है। क्रिस चौंक गया! आश्चर्यजनक रूप से, सीईओ कॉन्फरन्स की अंतिम रात को सभा में आए, जहां उन्होंने आगे आकर अपना हृदय प्रभु को अर्पित किया और पवित्र आत्मा में बपतिस्मा लिया। दो सप्ताह बाद मुझे उनका एक पत्र मिला जिसमें उन्होंने परमेश्वर के राज्य में बीज बोने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कंपनी में अपने स्टॉक का दस प्रतिशत हमारी सेवकाई, फेथ लाइफ नाउ को देने की पेशकश की। अविश्वसनीय! परमेश्वर एक विचार का उपयोग करके शून्य से कुछ बड़ा कर सकता हैं।

अध्याय 10

इकट्ठा करों, लेकिन पसीना मत बहाओ!

क्या आपने गर्मियों में बहुत दूर से दौडकर आनेवाले घोड़े को देखा है? वह पसीने से भीगा हुआ होता है; उसका शरीर झागदार पसीने से ढका हुआ और गीला होता हैं। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उसने काफी मेहनत की है। मुझसे हमेशा यह सवाल पूछा जाता है, "गैरी, क्या आप यह कहना चाहते है कि हमे काम नहीं करना चाहिए?" नहीं, मैंने ऐसा नहीं कहा, और न ही परमेश्वर का वचन यह कहता है। लेकिन आपके काम करने के तरीके में बहुत अंतर है। उदाहरण के लिए, पतरस और उसके साथियों ने जब मछली पकड़ी तब दो नावें मछलियों से इस कदर भर गई कि वे टूटने पर थी। इससे पहले वे पूरी रात मछली पकड़ रहे थे लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। लेकिन तब यीशु उनकी सहायता के लिए आया और उन्हें दिखाया कि मछलियाँ कहाँ हैं। उस समय उन्होंने श्रम भी किया लेकिन यह बिल्कुल अलग तरह का श्रम था। उन्होंने मछली से भरे जाल को नाव में खींचने के लिए कड़ी मेहनत की। लेकिन क्या वे मछली पकड़ रहे थे?

मुझे पता है कि मैं यहाँ शब्दों के साथ खेल रहा हूँ। मछली पकड़ना इस शब्द का प्रयोग हम बहुत सी चीजों के लिए करते हैं। एक महिला प्रशंसा के लिए मछली पकड़ रही है। एक आदमी अपनी जेब में हाथ डालता है, और चाबियों की मछली पकड़ने लगता है। जब हम किसी चीज की तलाश में होते हैं तो हम मछली पकड़ना इस शब्द का इस्तेमाल करते हैं। क्या पतरस मछली पकड़ रहा था? जब मैं शिकार करने जाता हूं तो मैंने आपसे कहा था कि मुझे लगभग 40 मिनट में मेरा हिरण मिल जाता है। तो क्या मैं शिकार कर रहा हूँ? दूसरे शब्दों में, यदि आप जानते हैं कि मछलियाँ कहाँ हैं, तो क्या आप मछली पकड़ रहे हैं? अगर मुझे पता

है कि मुझे हिरण मिलने वाला है, तो क्या मैं शिकार कर रहा हूँ? मैं आपको यह फर्क करने के लिए कह रहा हूं। मै परिश्रम करता हूँ, लेकिन पूरी रात परिश्रम करने के बाद कुछ भी ना पाने का परिश्रम नहीं करता। अधिकतर, क्योंकि मेरे पास जीवन में आवश्यक चीजें हैं, मैं अपने पिता के व्यवसाय और अपने उद्देश्य के लिए परमेश्वर के राज्य में काम करने में सक्षम हूं।

मैं इसे इकट्ठा करना कहता हूँ!

जब पतरस मत्ती 17:27 में यीशु के पास आया और पूछा कि में कर का भुगतान कैसे करना चाहिए, तो यीशु ने उसे इसप्रकार कहा:

> *"तू झील के किनारे जाकर बंसी डाल, और जो मछली पहले निकले, उसे ले; उसका मुँह खोलने पर तुझे एक सिक्का मिलेगा, उसी को लेकर मेरे और अपने बदले उन्हें दे देना।"*

ध्यान दें, यीशु ने यह नहीं कहा, "ठीक है, पतरस, हमें कर अदा करना हैं। इसलिए मैं कहता हूं, तुम तीन महीने के लिए शहर जाओ, नौकरी पाओ, पैसा कमाओ और कर का भुगतान करने के लिए पैसा कमाकर वापस आओ। " नहीं, यीशु ने ऐसा नहीं कहा। क्यों? क्योंकि अगर पतरस पृथ्वी की शापित व्यवस्था में लौट आया होता, तो वह पैसे के पीछे भागता और वह काम छोड़ देता जिसे करने के लिए उसे नियुक्त किया गया था। इसके बजाय, यीशु हमें दिखाता हैं कि राज्य कैसे काम करता है और धरती पर रहते हुए हमें राज्य के अनुसार कैसे काम करना है। पतरस को जो उत्तर मिला वोही उत्तर आपके लिए भी है। यीशु ने पतरस को बस इतना बताया कि वह इंतज़ाम कहाँ था, उसे कटनी के लिए कौन-सा तरीका अपनाना है, और उसे निश्चित रूप से क्या खोजना है। पतरस को बस उसे इकट्ठा करना था।

जब हम यीशु को उसके चेलों के साथ देखते हैं, तो वे अक्सर यह देखकर हैरान होते है और चौंक जाते हैं कि राज्य कैसे काम करता है। जब यीशु ने मरकुस अध्याय 11 में अपने शब्दों से अंजीर के पेड़ को नष्ट कर दिया, तो बाइबल कहती है कि पतरस हैरान रह गया। जब लाजर अपनी मृत्यु के चार दिन बाद कब्र से बाहर आया, तो वे स्तब्ध रह गए। जब पतरस,

याकूब और यूहन्ना ने उन सब मछलियों को पकड़ा, तो वे चकित हुए। वर्षों से, राज्य के काम करने के तरीके के बारे में अधिक से अधिक जानने के दौरान, ड्रेंडा और मैं आश्चर्यचकित हुए, चकित हुए और कहा, "क्या आपने यह देखा?"। जब आप पवित्र आत्मा के द्वारा इकट्ठा करने के बारे में बात कर रहे हैं, तो मैं आपको मत्ती अध्याय 6 पर ले जाना चाहता हूँ। मेरी बाइबल में इस शास्त्रभाग के ऊपर एक उपशीर्षक है, जो कहता है, "चिंता मत करो!" और मुझे यह पसंद है।

"कोई मनुष्य दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि वह एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा, या एक से मिला रहेगा और दूसरे को तुच्छ जानेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते। इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि अपने प्राण के लिये यह चिन्ता न करना कि हम क्या खाएँगे और क्या पीएँगे; और न अपने शरीर के लिये कि क्या पहिनेंगे। क्या प्राण भोजन से, और शरीर वस्त्र से बढ़कर नहीं? आकाश के पक्षियों को देखो! वे न बोते हैं, न काटते हैं, और न खत्तों में बटोरते हैं; फिर भी तुम्हारा स्वर्गीय पिता उनको खिलाता है। क्या तुम उनसे अधिक मूल्य नहीं रखते? तुम में कौन है, जो चिन्ता करके अपनी आयु में एक घड़ी भी बढ़ा सकता है?

"और वस्त्र के लिये क्यों चिन्ता करते हो? जंगली सोसनों पर ध्यान करो कि वे कैसे बढ़ते हैं; वे न तो परिश्रम करते, न कातते हैं। 29तौभी मैं तुम से कहता हूँ कि सुलैमान भी, अपने सारे वैभव में उनमें से किसी के समान वस्त्र पहिने हुए न था। इसलिये जब परमेश्वर मैदान की घास को, जो आज है और कल भाड़ में झोंकी जाएगी, ऐसा वस्त्र पहिनाता है, तो हे अल्पविश्वासियो, तुम को वह इनसे बढ़कर क्यों न पहिनाएगा?

"इसलिये तुम चिन्ता करके यह न कहना कि हम क्या खाएँगे, या क्या पीएँगे, या क्या पहिनेंगे। क्योंकि अन्यजातीय इन सब वस्तुओं की खोज में रहते हैं, पर तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इन सब वस्तुओं की आवश्यकता है। इसलिये पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल

जाएँगी। अत: कल की चिन्ता न करो, क्योंकि कल का दिन अपनी चिन्ता आप कर लेगा; आज के लिये आज ही का दु:ख बहुत है।

— मत्ती 6:24-34

यीशु कहता हैं कि आप दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकते। आप कहेंगे कि आप कर सकते हैं, लेकिन आप नहीं कर सकते। आप केवल एक ही से प्यार कर सकते हैं। और मैं आपको बता सकता हूं कि आप किससे प्यार करेंगे। आप उससे प्यार करेंगे जो आपको लगता है कि आपकी जरूरतों को पूरा करेगा। जब प्रभु ने उस पुराने फार्महाउस में मुझसे कहा कि मैंने यह जानने के लिए कभी समय नहीं लिया कि उसका राज्य कैसे काम करता है, तो वह सचमुच कह रहा था कि वह वास्तव में मेरा स्वामी नहीं हैं। जिस पर मुझे पूरा भरोसा होना चाहिए, और जिसकी मैं सेवा कर रहा था और जिस पर मुझे भरोसा था, वह वास्तव में वह नहीं था। हाँ, निश्चित रूप से, मैं चर्च जा रहा था, उदारता से दे रहा था, परमेश्वर से प्रेम कर रहा था, और मुझे पता था कि मैं स्वर्ग जा रहा हूँ। लेकिन मैंने परमेश्वर की आर्थिक व्यवस्था और उसका राज्य कैसे काम करता है, यह जानने के लिए कभी समय नहीं निकाला था।

क्योंकि जहाँ तुम्हारा धन है, वहाँ तुम्हारा मन भी लगा रहेगा।

— लूकारचित सुसमाचार 12:34

इसे धीरे-धीरे पढ़ें, "क्योंकि जहां तुम्हारा धन है, वहीं तुम्हारा मन लगा रहेगा।" बहुत से लोग इस वाक्य को बदलकर इस प्रकार पढ़ना पसंद करते हैं, "जहाँ आपका मन है, वही आपका धन है।" लेकिन यह उस तरह से नहीं कहा गया है और ना ही यह इस प्रकार कार्य करता है। लोग सोचते हैं कि रविवार की सुबह वे परमेश्वर से प्रेम करेंगे और उनका धन उन्हें उसी जगह मिल जाएगा। गलत! आपकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आप जिस प्रणाली पर विश्वास करते है उसी स्थान पर आपका धन है।

यीशु कहता हैं कि हम इसे विपरीत दिशा में समझते हैं!

परमेश्वर हमारे जीवन में प्रथम स्थान चाहता है, धन का यह स्थान नहीं होना चाहिए। अगर पैसा आपका खजाना है, तो सबसे पहले यह आपका समय, आपकी प्राथमिकताएं

और आपके अपनेपन की मांग करेगा। यही कारण है कि पतरस को पैसा कमाने के लिए अपनी नियत कार्य छोड़ने की अनुमति नहीं थी, जबकि उसका कर बिल बकाया था। इसलिए परमेश्वर को हमें इकट्ठा करना सिखाना होगा न कि मेहनत करना। यीशु हमें राज्य का मार्ग सिखाना चाहता है, कि कैसे हमारे प्रावधान के लिए परमेश्वर पर भरोसा किया जाए, ताकि हमारे हृदय अपने पूरे मन से परमेश्वर से प्रेम करने के लिए स्वतंत्र हो जाएँ! यीशु ने कहा, "क्या जीवन भोजन से और शरीर वस्त्र से बढ़कर नहीं है?" वह कह रहा था कि जीवन इसलिए नहीं होता क्योंकि आपके पास चीजें हैं। जीवन का उद्देश्य यह है की यह वस्तुएं आपकी और पृथ्वी पर आपके कार्य की सेवा करें।

वैसे भी हम क्या देखते हैं? ज्यादातर लोग उन चीजों की सेवा के लिए लगातार दौड़ रहे हैं। लोग गिरवी रखने, कारों का भुगतान करने, बिलों का भुगतान करने के लिए भाग रहे हैं। यीशु कहता हैं कि यह जीवन नहीं है! अब, मुझ से यह कहकर प्रतिकार मत करो, "देखो, यीशु स्वयं कहता हैं कि सांसारिक संपत्ति का होना बुरा है।" नहीं वह ऐसा नहीं कहता। वह पद 33 में कहता है, "यदि तुम पहिले परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो, तो ये सब वस्तुएं तुम्हारे पास होंगी।" ऐसा नहीं है कि जहाँ समस्या होती है वह हृदय होता है। अगर परमेश्वर ने सोचा होता कि हमारे पास ये सांसारिक चीजें नहीं होनी चाहिए, तो यीशु ने ऐसा कहा होता। इसके बजाय, वह कहता है कि यदि हम परमेश्वर के मार्ग में रहते हैं, तो हमारे पास वह सब कुछ होगा जिसके पीछे यह संसार भागता है।

अगर पैसा आपका खजाना है, तो सबसे पहले यह आपका समय, आपकी प्राथमिकताएं और आपके अपनेपन की मांग करेगा।

दूसरे शब्दों में, जीवन चीजों की सेवा करने के लिए नहीं है, लेकिन दुर्भाग्य से, ज्यादातर लोग ऐसा ही कर रहे हैं। उनके पास कोई विकल्प नहीं है; वे गुलाम हैं। दो स्वामी की सेवा करना असंभव है और वस्तुओं की सेवा करना जीवन नहीं है। यीशु आगे बताते हैं कि एक और व्यवस्था है, वित्तीय शांति का स्थान और वह प्रावधान जो आपको जीने के लिए स्वतंत्र करता है। इसे परमेश्वर का राज्य कहते हैं।

मत्ती 6 में उसकी शिक्षाओं में राज्य कैसा दिखता है इसके दो उदाहरण यीशु हमें देता है। वह कहता है, "आकाश के पक्षियों को देखो! वे न बोते हैं, न काटते हैं, और न खत्तों में बटोरते हैं; फिर भी तुम्हारा स्वर्गीय पिता उनको खिलाता है" (पद 26)।

पक्षियों के पास कीड़ों की खेती नहीं होती हैं!

वे अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने का कार्य अपने ऊपर नहीं लेते हैं। नहीं, परमेश्वर पिता उन्हें खिलाता हैं। उन्हें बस वह इकट्ठा करना है जिसकी उन्हें हर दिन जरूरत है। क्या आप समझ रहें है? वे जीवन भर पसीना नहीं बहाते हैं। वे इकट्ठा करते हैं!

फूल न तो परिश्रम करते, न कातते हैं।

"और वस्त्र के लिये क्यों चिन्ता करते हो? जंगली सोसनों पर ध्यान करो कि वे कैसे बढ़ते हैं; वे न तो परिश्रम करते, न कातते हैं। तौभी मैं तुम से कहता हूँ कि सुलैमान भी, अपने सारे वैभव में उनमें से किसी के समान वस्त्र पहिने हुए न था। (पद. 28).

फूल दर्दनाक मेहनत करके और पसीना बहाकर इसे प्राप्त करने का प्रयत्न नहीं करते। नहीं, परमेश्वर पिता उन्हें कपड़े पहनाता हैं। यीशु आगे बढ़ता हैं और आपको और मुझे हमारा उत्तर बताता हैं। जीवन का एक और तरीका है, राज्य का मार्ग! यीशु कहता हैं, "इसलिये पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएँगी।" (पद 33)। इसका क्या अर्थ है? खोज करें कि यह कैसे काम करता है! इसे नियंत्रित करने वाले कानूनों का अध्ययन करें। जानें कि परमेश्वर का कानून कैसे काम करता है!

यदि मैं आपको ऐसे देश में छोड़ दूं जहां आप पहले कभी नहीं गए हैं, तो आपका पहला काम यह सीखना होगा कि राज्य कैसे काम करता है: वे कैसे खाते हैं, कैसे खरीदते और बेचते हैं, उनकी जमीन को नियंत्रित करने वाले कानून क्या हैं। परमेश्वर के राज्य के साथ भी ऐसा ही है। परमेश्वर के राज्य का हिस्सा बनने और इसके लाभों का आनंद लेने में सक्षम होने के लिए वह कैसे काम करता है यह आपको सीखने की ज़रूरत है। मैं अनुभव से जानता हूं कि मैंने बहुत कुछ खो दिया है जब मुझे नहीं पता था कि यह कैसे काम करता है। आपका उत्तर सरल है। आपको एक आर्थिक क्रांति की जरूरत है। क्रांति में, लोग अपनी स्थापित सरकार

के खिलाफ विद्रोह करते हैं और एक नई सरकार बनाते हैं। आपको भी ठीक ऐसा ही करना होगा। आपको पृथ्वी पर मौजूद सभी पुराने अभिशापों और निराशाओं से छुटकारा पाने और जीवन के एक नए तरीके का आनंद लेने की आवश्यकता है, परमेश्वर के राज्य में रहकर, नए नियमों के साथ, बिना किसी कमी के, और बड़े आनंद के साथ!

अध्याय 11

उड़ना चलने से आसान है!

यदि आप इतिहास में वापस जाते हैं और न्यूयॉर्क शहर से सैन फ्रांसिस्को जाना चाहते हैं, तो आपको पानी के जहाज से जाना होगा। पनामा नहर के खुलने से इस यात्रा को दक्षिण अमेरिका का चक्कर लगाकर जाने में एक साल लग सकता था। बाद में, जब ओरेगन ट्रेल बनाया गया, तो आप चार महीने में यात्रा पूरी कर सकते थे। आज आप वहां चार घंटे में पहुंच सकते हैं। ऐसा कैसे संभव है? नए कानून, उड़ान के नियम के उपयोग के कारण। उड़ान का नियम पहले से ही है - पक्षी इसे रोज इस्तेमाल करते हैं - लेकिन लोग इसे नहीं समझते थे। उड़ान के प्राकृतिक नियमों की तरह, अधिकांश मसीही परमेश्वर के राज्य के नियमों से अनजान हैं, भले ही वे उन्हें अपने जीवनकाल में पढ़ते आएं है। परमेश्वर का राज्य यहाँ है, यह आपके भीतर है, और आपको इसके लाभों का आनंद लेने का कानूनी अधिकार है। प्राकृतिक क्षेत्र में, उड़ान नियम गुरुत्वाकर्षण के नियम को निरस्त नहीं करते हैं, वे इसकी जगह लेते हैं। दूसरे शब्दों में, आप तब तक उड़ते हैं जब तक आप उड़ान को नियंत्रित करने वाले कानूनों का पालन करते हैं, भले ही गुरुत्वाकर्षण अभी भी प्रभावी हो। आपको यह स्वीकार करना होगा कि जहाज से यात्रा करके यात्रा में एक साल बिताने की तुलना में चार घंटे उड़ान भरना बहुत आसान है! ठीक है, फिर चीजें तेजी से शुरू करें और अपने पुराने धीमे तरीकों को पीछे रखें।

क्या आपने कभी मोनार्क तितली देखी है? यहाँ ओहायो में, पतझड़ में, आप सर्दियों के लिए सैकड़ों मोनार्क तितलियों को दक्षिण की ओर उड़ते हुए देखेंगे। वे लगभग 2,000 मील की यात्रा तय करके मैक्सिको जाती है। लेकिन यहां एक बात ध्यान देने वाली है। वे उस जगह पहले कभी नहीं गई है! उन्हें कैसे पता कि कहाँ जाना है और कब जाना है? अगर परमेश्वर

ने मोनार्क तितली के जीने के लिए एक रास्ता बनाया है, तो उसके पास आपके लिए भी एक रास्ता है। तितलियाँ यह कैसे करती हैं?

इस शब्द को कायापलट (मेटामॉर्फोसिस) कहा जाता है। मूल शब्द "मॉर्फ" है, जिसका अर्थ है परिवर्तन। ज्यादातर लोग जानते हैं कि मोनार्क तितली शुरू से ही तितली नहीं होती है। शुरुआत में यह एक कैटरपिलर होता है। जब तक वे कैटरपिलर होते हैं, तब तक वे मिल्कवीड प्लांट पर रहते हैं और आकार में बढ़ते हैं, आखिरकार, वे एक बड़े बदलाव के लिए तैयार होते हैं। एक विशिष्ट आकार में बढ़ने के बाद, वे क्रिसलिस बनाते हैं, एक प्रकार का खोल जिसमें कैटरपिलर 7 से 15 दिनों तक खुद को घेर लेते हैं। बाद में, तितली कैटरपिलर चरण से निकलती है और ऐसा व्यवहार करती है जो उसने पहले कभी नहीं किया था जब वह क्रिसलिस में थी। यह अस्तित्व के बिल्कुल नए स्तर पर जीना और पनपना शुरू कर देती है। यह उड़ती है! मिल्कवीड प्लांट तक सीमित रहने के बजाय अब वह जहां चाहे उड़ सकती है। यह अब सुंदर है और इसमें एक अनुग्रह और सुंदरता है जो प्रकृति में अतुलनीय है।

लेकिन सबसे आश्चर्यजनक उपलब्धि विपरीत परिस्थितियों से दूर उड़ने की क्षमता है। आप देखिए, मोनार्क ठिठुरन वाले सर्दियों के महीनों में जीवित नहीं रह सकता है, जो उत्तरी हवामान के लिए सामान्य है। वह मर जाएगा। लेकिन परमेश्वर ने इस प्राणी के लिए विपत्ति से उड़कर दूर जाने के लिए एक रास्ता बनाया, 2,000 मील की दूरी पर एक ऐसी जगह जहाँ वो पहले कभी नहीं गया है। वे वहां का रास्ता कैसे जानते हैं? वे यह काम कैसे करते हैं? कायापलट। और बाइबल कहती है कि उसी प्रक्रिया से आप एक मोनार्क की तरह आप उड़कर अपनी समस्याओं से दूर जा सकते हैं, भले ही आप उस जगह की स्थिति को संभालना नहीं जानते हों।

स्टीव, मेरा एक दोस्त, एक रात घर जा रहा था और उसने एक हिरण को टक्कर मार दी। उसकी कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्भाग्य से, परिवार की दूसरी गाड़ी, जो उनका बचा हुआ एकमात्र शेष वाहन था, एक सप्ताह बाद उसका इंजन भी ख़राब हो गया। स्टीव की बीमा कंपनी स्टीव को उनकी कार के लिए दो सप्ताह का निःशुल्क किराये की पेशकश कर रही थी, लेकिन वैन को बदलने के लिए किसी भी बीमा द्वारा कवर नहीं किया जा सकता था।

स्टीव और केरेन को नहीं पता था कि क्या करना है। स्टीव के बिजनेस के लिए उसे एक कार की जरूरत थी क्योंकि वह सेल्स बिजनेस में था और कॉल आने पर उसे हर रात गाड़ी से जाना पड़ता था।

वे जानते थे कि परमेश्वर ही उनका उत्तर है क्योंकि वे लंबे समय से परमेश्वर के राज्य के बारे में सीख रहे थे। उस समय उनके पास दूसरी कार खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। इसलिए वे जानते थे कि परमेश्वर और उसका राज्य ही उनकी एकमात्र आशा है। दो सप्ताह का मुफ्त किराया जल्द ही समाप्त होने वाला था और अभी तक कोई उत्तर नहीं मिला था। आश्चर्यजनक रूप से, स्टीव द्वारा किराए की कार लौटाने से एक रात पहले, स्टीव को एक आदमी का फोन आया कि उसके पास एक कार है जिसे वह किसी को देना चाहता है, और चूंकि वह जानता था कि स्टीव मेरे चर्च जाता है, उसने स्टीव को फोन करके पूछा कि क्या वह किसी ऐसे लोगों को जानता हैं जिन्हें कार की जरूरत है? स्टीव ने जल्दी से उसे अपनी स्थिति के बारे में बताया और कहा कि अगर उसे अपने और अपने परिवार के लिए कार मिल जाए तो वह बहुत आभारी होगा। यह सब बहुत अच्छा था, लेकिन स्टीव के छह बच्चे थे और उनके लिए एक छोटी कार पर्याप्त नहीं थी। लेकिन, यह कार मिलना उनके लिए एक बड़ा प्रोत्साहन था।

पुढच्या रविवारी, ते दोघेही चर्च मधे समोर आले आणि त्यांना पुढे जी कार घ्यायची आहे त्याबद्दल त्यांच्यासोबत प्रार्थना करण्यास सांगितले. कॅरेन म्हणाली, “पास्टर, आम्हाला विश्वास आहे की आम्हाला विश्वासाने होंडा ओडिसी व्हॅन मिळाली आहे आणि आम्ही त्या दिशेने बीज पेरताना तुम्ही आमच्याशी सहमत व्हावे अशी आमची इच्छा आहे.” मी म्हणालो, “मी नक्की करेन.” म्हणून आम्ही प्रार्थना केली. किती दिवसांनी मला आठवत नाही, कदाचित तीन किंवा चार आठवडे झाले असतील, आणि आम्ही त्याच्या घरी गेलो. जेव्हा आम्ही त्यांच्या स्वयंपाकघरात गेलो तेंव्हा तिथे रेफ्रिजरेटरच्या दारावर होंडा ओडिसीचे चित्र होते. कॅरेनने सांगितले की, जेव्हा ती रेफ्रिजरेटर उघडते तेव्हा ती त्या चित्रावर हात ठेवते आणि त्या व्हॅनसाठी देवाचे आभार मानते.

अगले रविवार, वे दोनों चर्च में सामने आए और मुझसे उस कार के लिए प्रार्थना करने को कहा जिसे वे आगे खरीदना चाहते थे।केरेन ने कहा, “पास्टर, हमें विश्वास है कि हमें होंडा

ओडिसी वैन विश्वास से प्राप्त हुई है और हम चाहते हैं कि आप हमारे साथ सहमत हों क्योंकि हम उस दिशा में बीज बोते हैं।" मैंने कहा, "मैं करूँगा।" तो हमने प्रार्थना की। कितने दिन बीत गए मुझे याद नहीं, शायद तीन या चार हफ्ते हो गए होंगे, और हम उनके घर गए। जब हम उनके किचन में गए तो फ्रिज के दरवाजे पर होंडा ओडिसी की तस्वीर लगी हुई थी। केरेन ने कहा कि जब वह रेफ्रिजरेटर खोलती है, तो वह उस तस्वीर पर अपना हाथ रखती है और वैन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देती है।

लगभग एक हफ्ते बाद, मेरे सचिव ने फोन किया और कहा, "पास्टर, आज हमारे पास एक अद्भुत फोन आया है।" एक व्यक्ति चर्च को वैन देना चाहता है। अब, उस समय कोई नहीं जानता था कि स्टीव और केरेन ने नई वैन के लिए अपने विश्वास को कैसे मुक्त किया है या वे किस तरह की वैन प्राप्त करना चाहते थे। तो मैंने अपने सचिव से कहा, "यह कौन सी वैन है?" "यह एक होंडा ओडिसी है," उसने कहा। "वह किस अवस्था में है, वह टूटी हुई तो नहीं है?" उसने कहा कि उस व्यक्ति ने बताया है कि गाड़ी पर एक खरोंच तक नहीं है और केवल 70,000 मील की यात्रा करके उत्कृष्ट स्थिति में था। मैंने उससे कहा कि मुझे पता है कि वैन किसे देनी है। मैंने इसके बारे में ड्रेंडा को बताया और केरेन को फोन करने के लिए कहा। जब ड्रेंडा ने फोन किया, तो उसने केरेन से पूछा कि सब कुछ कैसा चल रहा है और क्या आपकी वैन मिलने के बारे में कोई हलचल है। केरेन के पहले शब्द थे, "हाँ, केवल एक और दिन और वह कार मेरे पास आ जाएगी!" ड्रेंडा ने कहा, "ठीक है, आप जो सोच रही है उससे जल्दी आपको आपकी कार मिल जाएगी। आओ और अपनी कार ले आओ।"

कई बार हम अपने भविष्य को उस हिसाब से तौल कर सीमित कर लेते हैं जो हम सोचते हैं कि यह संभव है। लेकिन परमेश्वर के साथ, सब कुछ संभव है यदि हम केवल परमेश्वर के वचन को अपनी सोच को बदलने की अनुमति दें।

मुझे ऐसी कहानियाँ पसंद हैं, आपको भी पसंद है ना? कहानी आगे बढ़ती गई क्योंकि स्टीव और केरेन को और अधिक विश्वास हो गया कि राज्य प्रदान करता है।

लगभग उसी समय, स्टीव और केरेन एक घर खरीदना चाहते थे। उन्होने कुछ वर्षों के लिए एक

घर किराए पर लिया था और उन्हे लगा कि अब उनका अपना घर खरीदने का समय है; फिर भी, उनके पास डाउन पेमेंट के लिए पर्याप्त पैसा नहीं था। वे जमीन की खरीद के लिए कई बैंकों में गए थे, और हर जगह एक ही चीज की आवश्यकता थी, 50 प्रतिशत अग्रिम भुगतान। इस युवा दंपत्ति के पास इतना पैसा नहीं था कि वह इसके लिए भुगतान कर सके। केरेन निराश थी और उसने मुझसे इसके बारे में पूछा। हम सभी इस बात पर सहमत हो गए कि भगवान मार्ग निकलेगा। इसलिए उन्होंने अलग-अलग जगहों और घरों को देखना शुरू कर दिया।

उन्होने जो जगहें देखी थी उनमेसे एक पसंद आई। यह ज़मीन उस क्षेत्र में थी जहां वे अपना घर बनाना चाहते थे, और 55-एकड़ ज़मीन केवल 55,000 डॉलर में मिल रही थी। लेकिन इस बार भी उनके पास डाउन पेमेंट के लिए पैसे नहीं थे. मैंने एक छोटे बैंक के बारे में सुना था, जो ज़मीन के डाउन पेमेंट के हिस्से के रूप में इक्विटी स्वीकार करती है, वह बैंक उस क्षेत्र में नहीं बल्कि दो घंटे दूर था। खाली ज़मीन के लिए यह बहुत ही असामान्य सौदा था। मैंने उन्हें इसके बारे में बताया और उन्होंने इसके बारे में बैंक से बात करने का समय तय किया। भूमि का मूल्य 100,000 से अधिक था, और बैंक ने कहा कि उसे डाउन पेमेंट की आवश्यकता नहीं है। इसलिए उन्होंने वह भूमि नि:शुल्क मोल ली, और शहर के बाहर उस सुन्दर भूमि पर एक सुन्दर घर बनवाया, और यह सब बिना पैसे के। स्टीव और केरेन आज भी समृद्ध हो रहे हैं क्योंकि वे, ड्रेंडा और मेरी तरह, परमेश्वर के राज्य के तरीके से काम करते हैं।

मेरे पास मेरे चर्च की ऐसी ही कहानियाँ हैं और मैं आपके जीवन में ऐसी ही कहानियों की प्रतीक्षा कर रहा हूँ। परमेश्वर आपकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अद्भुत और कभी-कभी अजीब चीजें कर सकता हैं। कई बार हम अपने भविष्य को उस हिसाब से तौल कर सीमित कर लेते हैं जो हम सोचते हैं कि यह संभव है। लेकिन परमेश्वर के साथ, सब कुछ संभव है यदि हम केवल परमेश्वर के वचन को अपनी सोच को बदलने की अनुमति दें।

> *इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के नए हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।*
>
> — रोमियों 12:2

विश्वासियों के रूप में, हमें इस दुनिया कि रीती का पालन नहीं करना चाहिए। पौलुस सांसारिक शाप प्रणाली और उसके जीवन के तरीके और विशेष रूप से हम कैसे सोचते हैं, इसकी बात कर रहा हैं। क्या आपने कभी कोई ड्रेस बनाई है या ब्लूप्रिंट से कुछ निर्माण किया है? क्या होगा यदि आपने ऐसा किया और जो आपने बनाया वह आपको पसंद नहीं आया, और आपने उसी पैटर्न का उपयोग करके उसे फिर से बनाने की कोशिश की? आपको पहले जैसे ही परिणाम देखने को मिलेंगे। सो पौलुस कह रहा है कि हमें अपने मनों को नया करके बदलना चाहिए; हमारे जीने के तरीके को बदलने की जरूरत है। हमें दुनिया की सोच से अलग सोचना होगा।

"रूपांतरित" शब्द वही शब्द है जिसके बारे में हमने अभी बात की है, "मॉर्फ" और इसका अर्थ है परिवर्तन। हमें कायापलट की जरूरत है! हमें परमेश्वर की तरह सोचना चाहिए। हमें राज्य के विचारों पर विचार करना चाहिए। यह सोचने के बजाय कि मौत सर्दियों में कैटरपिलर में फंसे कैटरपिलर का भाग्य है, हमें जीवन के एक नए तरीके से परमेश्वर पर भरोसा करना चाहिए। और केवल तभी हम अपनी समस्याओं को दूर कर सकते हैं और यह जानने के लिए तैयार हो सकते हैं कि प्रत्येक स्थिति में परमेश्वर की सिद्ध और मनभावन इच्छा क्या है। यदि आप इस परिवर्तन को स्वीकार नहीं करते हैं, तो आपकी पुरानी मानसिकता कहती रहेगी, "नहीं, नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकता। नहीं, मैं नहीं जानता कि यह कैसे संभव है।"

क्या कभी किसी ने सोचा है कि एक बदसूरत कैटरपिलर इतनी सुंदर और पूरी तरह से उड़ सकता है? जब आप एक कैटरपिलर को देखते हैं और सोचते हैं कि उसे 2,000 मील की यात्रा करनी है, तो आप बस अपना सिर हिलाकर कहेंगे, "असंभव!" लेकिन परमेश्वर के राज्य में सब कुछ संभव है। मुझे देखो। जब मेरा टेलीविजन शो शुरू होता है, तो इसकी शुरुआत मुझे एक वित्तीय विशेषज्ञ कहकर होती है। कभी-कभी मुझे अपने कैटरपिलर के दिन याद आते हैं और मैं कहता हूं, "यह अद्भुत है!"

उड़ान की बात करें तो, ड्रेंडा और मैंने जब सीखना शुरू किया कि राज्य कैसे काम करता है, तब मैंने तय किया कि मुझे एक विमान चाहिए। मैं 19 साल की उम्र से एक पायलट रहा हूं और हमेशा विमान किराए पर लेता था, लेकिन मेरे पास अपना खुद का विमान कभी नहीं

था। बेशक आप कारण जानते हैं; मेरे पास इसे खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। तो एक दिन मैंने कहा कि यह पागलपन है; परमेश्वर के राज्य के लिए विमान खरीदना कठिन नहीं है। मैं परमेश्वर के राज्य को मेरी सोच के अनुसार जो संभव है उस तक क्यों सिमित कर रहा था? इसलिए मैंने एक चेक लिखा, मेमो सेक्शन में "मेरे विमान के लिए" (और फिर चेक पर जो अन्य बातें लिखना आवश्यक थी वो लिखी)। मरकुस 11:24 के अनुसार चेक पर हाथ रखकर इस विश्वास के साथ प्रार्थना की कि विमान मुझे मिल गया है, और उस चेक को पोस्ट कर दिया।

> *"इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम प्रार्थना करके माँगो, तो प्रतीति कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा"।*

इस बात के बाद एक महीने से भी कम समय हो गया होगा और मैं नियमित शारीरिक जांच के लिए डॉक्टर के पास गया था। मुझे आश्चर्य हुआ जब बिना किसी संदर्भ के डॉक्टर ने कहा, "क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो विमान खरीदना चाहता है?" मुझे लगा कि यह अजीब है। "यह किस तरह का विमान है?" मैंने पूछा। और मैं यह सुनकर चकित और उत्साहित था, क्योंकि यह वही विमान था जिसके लिए मैंने प्रार्थना की थी और विश्वास किया था कि वह मुझे मिल गया है। इसलिए मैंने उनसे पूछा कि मैं विमान को कहाँ देख सकता हूँ और उन्होंने मुझे बताया कि यह मेरे घर के बगल में काउंटी हवाई अड्डे पर खड़ा है। मुझे यह समझाने दो। मेरा घर काउंटी हवाई अड्डे की एक छोर पर है। जमीन पर उतरने वाले हर विमान को सीधे मेरे घर से उड़ान भरनी होती है। मैं पूरे दिन विमानों को आते-जाते देख सकता था और रनवे मेरे सामने के दरवाजे से केवल एक मील दूर था, जिसका मतलब था कि मेरे पास अब केवल एक विमान होना बाकी था!

इसलिए मैंने अपने एक दोस्त को फोन किया जिसने जीवन भर विमान चलाया है और एक फ्लाइट इंस्ट्रक्टर भी था जो इस विमान को देखने के लिए मेरे साथ गया था। जैसे ही हमने विमान को देखा, मुझे पता चला कि यह मेरा विमान है; यह एकदम सही था! यही तो मुझे चाहिए था। मेरी केवल एक ही समस्या थी, वही समस्या जो हर बार विमान खरीदने के समय होती रही है - मेरे पास इसके लिए पैसे नहीं थे। क्या कभी आपकी ऐसी समस्या रही है?

लेकिन इस बार मैं डर के मारे पीछे नहीं हटने वाला था। मैं जानता था कि यह मेरा विमान है; मुझे अभी यह नहीं पता था कि परमेश्वर पैसे कैसे उपलब्ध कराएगा।

कुछ महीने पहले, ड्रेंडा और मैं हमारी कंपनी के ऑफिस के लिए जगह की तलाश कर रहे थे। हम जानते थे कि हमें अपना व्यवसाय कहां चाहिए, लेकिन उस क्षेत्र में बिक्री के लिए कोई जगह नहीं थी; इसलिए हमने दूसरे इलाकों में जगह तलाशनी शुरू की। हमें दो इमारतें मिलीं जिन्हें हमने लगभग खरीद लिया था, लेकिन उनमें से किसी को भी खरीदने के बारे में हमें शांति नहीं मिली। हम उसी क्षेत्र में जाते रहे जहाँ हमें वास्तव में कार्यालय चाहिए था, इस उम्मीद में कि एक इमारत उपलब्ध होगी। जब हम इस निर्णय के लिए प्रार्थना कर रहे थे, तब एक दिन मेरे पिता ने मुझे फोन किया और कहा, "मैं जानता हूं, तुम कहोगे कि यह परमेश्वर की ओर से है, लेकिन तुम्हारी मां और मैंने इसके बारे में बात की और हम तुम्हारे कार्यालय के लिए अपनी एक ईमारत तुम्हे देना चाहते हैं।" हम बिलकुल उसी इलाके में जगह पाना चाहते थे जहां उनकी ईमारत थी। इसलिए जब उन्होंने मुझे इमारत के बारे में बताया तो मैं चौंक गया!

यह समझने के लिए कि अभी क्या हुआ है, आपको यह जानना जरुरी है कि मेरे पिता उस समय विश्वासी नहीं थे। अगर आपने कभी उनके सामने परमेश्वर का जिक्र किया, तो उन्हें अच्छा नहीं लगता था और वे परमेश्वर की आलोचना किया करते थे। दरअसल, वह इतने निंदक थे कि मैं उनसे परमेश्वर के बारे में बात भी नहीं कर सकता था। मैं प्रार्थना करने लगा कि परमेश्वर उनके पास मसीह का प्रचार करने के लिए किसी को भेजे। मुझे पता था कि मैं सुसमाचार के साथ उन तक नहीं पहुंच सकता; मैं यह भी जानता था कि वे मेरी बात नहीं मानेंगे। लेकिन कुछ साल बाद 80 साल की उम्र में मेरे पिता का उद्धार हो गया। आश्चर्यजनक रूप से, उनका हमारे टीवी प्रसारणों को देखकर और परमेश्वर द्वारा किए जा रहे सभी अद्भुत कार्यों को देखकर उद्धार हो गया।

मेरा जीवन, जो केवल जीने की भावना और भय से सीमित था, अब परमेश्वर के राज्य द्वारा बदल दिया गया था। उसके नियमों का उपयोग करते हुए, मैं असीमित संभावनाओं के जीवन की खोज करने में सक्षम था।

अपने जीवन के अंतिम साढ़े तीन वर्षों में, वे पूरी तरह से बदले हुए व्यक्ति थे और हर हफ्ते चर्च जाते थे।

एक दिन चर्च समाप्त ही हुआ था, मैं बाहर दालान में गया। मैंने अपने पिता को अपने चर्च के एक सदस्य से बात करते हुए देखा, जिसे वे कई सालों से जानते थे। जैसे ही मैं उनके पास गया, मैंने सुना कि यह आदमी मेरे पिता से पूछ रहा है कि वह चर्च क्यों आने लगे। मेरे पिता ने उत्तर दिया कि उन्होंने बहुत सी चीजें देखी हैं जिन्हें वे समझा नहीं सकते। परमेश्वर की स्तुति हो! यह ऐसा ही होना चाहिए।

लेकिन मेरे पिता का उध्दार होने से पहले, उन्होने ईमारत के विषय में जो फोन कॉल किया था उसके बारे में बात करनी ज़रूरी है। ड्रेंडा और मैं बहुत हैरान थे कि उन्होंने हमें वह इमारत दी। हम जानते थे कि यह निश्चित रूप से परमेश्वर का कार्य था; और जब उन्होंने फोन किया, तो उनसे हम कह सकते थे, "हाँ, डैड, आप सही कह रहे हैं; वह परमेश्वर का ही काम है!"

इमारत को पेशेवर और हमारे कार्यालय की जरूरतों के लिए उपयुक्त बनाने में बहुत काम करवाना पड़ा। यह दिसंबर था जब मेरे पिता ने मुझे इमारत दी थी और मुझे इमारत को फिर से तैयार करने के लिए वसंतऋतु तक इंतजार करना था। इमारत सर्दियों में बंद थी क्योंकि कोई भी इसका इस्तेमाल नहीं कर रहा था, और मेरे पिता ने कहा कि उन्होंने इमारत में पानी बंद कर दिया था। यह सब सर्दियों में मेरे विमान देखने के लिए जाने से एक सप्ताह पहले हुआ था। मेरे भाई ने मुझे फोन किया और कहा कि मुझे तुरंत इमारत में जाना चाहिए, क्योंकि इमारत से पानी सड़क पर नीचे आ गया है। मौसम गर्म था और वास्तव में मेरे पिता की गलती थी; उन्होंने सर्दियों में पानी बंद नहीं किया था। मैं इमारत में गया और देखा कि ऊपर के बाथरूम में नल कई दिनों से या हफ्तों से चल रहा था। भूतल पर स्थित ड्राईवॉल दीवार से अलग हो गई थी।

मुझे पता है कि सतह पर यह एक बुरी कहानी की तरह लगता है, लेकिन जो आप नहीं जानते हैं, और मेरे भाई को नहीं पता था, कि मैंने पहले ही एक अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिया था कि पूरी इमारत में सभी ड्राईवॉल को हटा दिया जाए, सभी बाहरी साइडिंग हटा दी जाएँ, और इमारत का एक पूर्ण नया स्वरूप जो कुछ हफ़्ते में शुरू हो जाएगा। तो इस पानी के कारण जो क्षति हुई वह कोई समस्या नहीं थी क्योंकि क्षतिग्रस्त हर चीज को वैसे भी हटाया जाना

था। लेकिन इस बात की ओर ध्यान दें - मेरी बीमा कंपनी ने मुझे जो नुकसान हुआ उसके लिए एक चेक दिया, जो मेरे विमान को खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा था!

क्या मैंने अभी जो देखा वह सच था? मुझे अभी-अभी अपना विमान और मेरा कार्यालय भवन मिला था, सब कुछ बिना कर्ज के और सामान्य तौर पर मुझे इस सब के लिए कितना प्रयास और परेशानी झेलनी पड़ती? हाँ, यह सब मेरा था! अब जब मैं उस विमान को उड़ाता हूं, और मैं खेत के ऊपर से उड़ता हूं, तो मुझे याद आता है कि उस विमान को उड़ाना परमेश्वर के राज्य के समान है। इसके कार्य और नियम हमें जीवन के एक अलग आयाम को जीने की अनुमति देते हैं। कैटरपिलर और तितलियों की तरह, कैटरपिलर के पैर मेक्सिको तक पहुंचने के लिए कभी भी इतनी तेजी से नहीं दौड़ सकते थे। मेरा जीवन, जो केवल जीने की भावना और भय से सीमित था, अब परमेश्वर के राज्य द्वारा बदल दिया गया था। उसके नियमों का उपयोग करते हुए, मैं असीमित संभावनाओं के जीवन की खोज करने में सक्षम था।

इस पुस्तक को समाप्त करते हुए, मैं आपको एक शास्त्रवचन के साथ छोड़ना चाहता हूं। मुझे यकीन है कि इस शास्त्र वचन को आपने जीवन में अनेक बार सुना होगा। लेकिन मुझे लगता है कि अब आपके लिए इसका एक नया अर्थ होगा।

> *"हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा। मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो, और मुझ से सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूँ : और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे। क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हल्का है।"*
>
> — मत्ती 11:28

यीशु हमसे हमारा जुआ, दर्दनाक श्रम और पृथ्वी की शाप प्रणाली का पसीना दूर करने के लिए आया था। अब हमें उसका जूआ लेना हैं (जो पूरा हो चूका है) और अपनी आत्मा के लिए आराम (सातवां दिन, सच्चा सब्त) प्राप्त करना हैं।

आप अपने जीवन में अद्भुत चीजों का अनुभव कर सकते हैं क्योंकि आप केवल वही करते हैं जो पोतीपर ने किया था, जीवन के राज्य मार्ग से चलते हैं। परमेश्वर के राज्य के नियमों का

पालन करने का निर्णय आज ही लें और अधीनता की सामर्थ्य का आनंद लेना शुरू करें। आज ही से अपनी आर्थिक क्रांति की शुरुआत करें, पुरानी जीवनशैली, पुराने आधिपत्य, गरीबी, बीमारी और निराशा की पृथ्वी शाप प्रणाली से छुटकारा पाएं। अपनी पुरानी कैटरपिलर जीवनशैली को छोड़ दें और राज्य के नियमों का उपयोग करके उड़ना शुरू करें जो यीशु ने आपको दिया है। आप उस राज्य के नागरिक हैं।

आपके पास कानूनी अधिकार हैं!

यदि आपको यह पुस्तक उपयुक्त लगी है, और आप परमेश्वर के राज्य के छात्र बनने के लिए संकल्प करते हैं, तो मैं चाहता हूँ कि आप GaryKeesee.com पर जाएँ। वहां आपको बहुत सी जानकारियों का पुस्तकालय मिलेगा जो आपकी परमेश्वर के राज्य में शामिल होने में मदद करेगा और आपका मार्गदर्शन करेगा। मैं आपको 'टीम रेवोल्यूशन पार्टनर' बनने के लिए भी प्रोत्साहित करूंगा जहां आपको विशेष आयोजनों और कोचिंग सत्रों की जानकारी प्राप्त होगी।

आर्थिक क्षेत्र में जीत के लिए आत्मिक ज्ञान के साथ सांसारिक, प्राकृतिक ज्ञान दोनों की आवश्यकता होती है। ऋण से बाहर निकलने के बारे में जानकारी के लिए, मेरी कंपनी, फॉरवर्ड फाइनेंशियल ग्रुप द्वारा आपके लिए तैयार की गई मुफ्त ऋण-मुक्त योजना है, हमें 1-800-815-0818 पर कॉल करें।

अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि यह जानना कि इसे कैसे कमाया जाए, विशेष रुप से आर्थिक उथल-पुथल की इस घड़ी में। मेरी कंपनी लोगों को सुरक्षित रूप से निवेश करने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित करती है। हमारे ग्राहकों के लिए एक सौ मिलियन डॉलर से अधिक के निवेश के साथ, हमारे देश में पिछले 15 वर्षों की वित्तीय अराजकता में किसी ने भी एक पैसा नहीं खोया है। फिर से, कॉल मुफ्त है और सलाह मुफ्त है। जानकारी के लिए 1-800-815-0818 पर कॉल करें।

डैंड्रा और मैं लोगों को व्यक्तिगत रूप से और परिवारों को जीवन में जीतने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यही कारण है कि डैंड्रा अपना खुद का टेलीविजन प्रसारण तैयार करती है, जो डैंड्रा के नाम से प्रसारित होता है। यह पारिवारिक जीवन और सभी उम्र की महिलाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम है। अधिक जानकारी के लिए कृपया Drenda.com पर जाएं।

अंत में, डैंड्रा और मैं चाहते हैं कि आप पूरी दुनिया में चर्च और पादरियों का समर्थन करने पर विचार करें। हमारी एच-3 आउटरीच परियोजना जीवन के व्यावहारिक पक्ष वाले लोगों की मदद करने के लिए हमारे दिल का हिस्सा है। H-3 हर साल दुनिया भर के पादरियों को हजारों शिक्षण सामग्री प्रदान करता है। हम भूखे लोगों को खाना खिलाने में मदद करते हैं, जिनका

उद्देश्य कई देशों में यौन तस्करी को रोकना, अनाथालयों का समर्थन करना है, कई देशों में पादरियों को आर्थिक रूप से सहायता करना है, ऐसी सेवकाईयों की सहायता करते हैं, और यहां ओहायो में भी महिलाओं के लिए एक आश्रयस्थान चलते है। हमारा लक्ष्य पूरी पृथ्वी पर लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में जानने और उस स्वतंत्रता और संतोष के बारे में जानने में मदद करना है जो परमेश्वर चाहता है कि हम सभी को मिले।

मुझे अपनी अद्भुत कहानी आपके साथ साझा करने की अनुमति देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अब, आप भी तैयार हो जाओ और परमेश्वर के राज्य में अपनी खुद की एक अद्भुत कहानी बनाओ।

गैरी किसी द्वारा अन्य पुस्तके

पावर ऑफ़ एलिजेंस (अधीनता की सामर्थ),

पावर ऑफ़ रेस्ट,

पावर ऑफ़ जेनरॉसिटी,

पावर ऑफ़ स्ट्रेटेजी,

पावर ऑफ़ प्रोविजन

आपकी वित्तीय क्रांति
आधीनता की सामर्थ

यह पुस्तक पढ़ें यदि आप.....

अपनी आर्थिक परिस्थिति से तंग आ चुके है

कर्ज़ से मुक्त होना चाहते है

नहीं जानते कि आरंभ कहाँ से करें

आशाहीन है

गैरी किसी स्वयं इन परिस्थितियों में से होकर गुज़रे है। अत्यंत कठिन भयावह आर्थिक स्थिति होने के कारण वह पुरे नौ साल अत्यधिक तनावपूर्ण भावनात्मक संघर्ष का सामना कर चुके है। उधार मांगने वालों के फोनकॉल, आई आर एस की कतार, कोर्ट केसेस, और अपमान और लज्जा यह जीवन का हिस्सा बन चुके थे। लेकिन एक दिन जब परमेश्वर ने उनसे उनकी आर्थिक परिस्थिति के बारे में बात की और उन्हें एक रहस्य बताया तब उनकी स्थिति तीव्र गति से बदल गई! वे कर्जमुक्त हो गएँ, करोड़ों की लागत वाली कंपनियों का निर्माण किया, और अभी "फिक्सिंग द मनी थिंग" इस कार्यक्रम के द्वारा टेलीविजन पर अपने उस रहस्य को लोगों को बताते है जिसने उनके जीवन को बदल दिया, जो संसार के हर क्षेत्र में प्रतिदिन प्रसारित किया जाता है। गैरी ने इन सिद्धांतों को सम्मेलनों में और व्यक्तिगत रूप से पुरे संसार में हज़ारों और लाखों लोगों को सिखाया है। वह जानते है और इस बात से सहमत भी है कि सफल जीवन जीने के लिए अनेक सिद्धांत और दृष्टिकोण उपलब्ध है। लेकिन अगर उनको केवल एक ही सिद्धांत आपके साथ साझा करना हो तो वह, यह होगा। गैरी आपको इस क्रांति में शामिल होने के लिए और अपनी आर्थिक स्थिति को आधीनता की सामर्थ के द्वारा शीघ्रता से बदलने के लिए आमंत्रित करते है।

गैरी किसी एक लेखक, वक्ता, उद्यमी, वित्तीय विशेषज्ञ और पास्टर है, जिनके हृदय में लोगों को विजयी होने में मदद करने की लगन है , विशेष करके विश्वास, परिवार, और आर्थिक क्षेत्र में। गैरी और उनकी पत्नी डैंड्रा ने मिलकर अनेक सफल व्यवसायों का निर्माण किया और अब फेथ लाइफ के संस्थापक है, इस संस्था के द्वारा दो देलेविजन कार्यक्रम प्रसारित किए जाते है - फिक्सिंग द मनी थिंग और डैंड्रा, संसारभर में सम्मेलन और व्यावहारिक स्रोत। किसी दंपत्ति कोलंबस, ओहायो में फेथ लाइफ चर्च में पासबानी भी करते है।

GKM GARY KEESEE MINISTRIES
garykeesee.com